Abbreviations.

H.—Church Hymnary.

P.—Presbyterian Book of Praise. .

P Ps. Do. Psalm Selections.

Ps. M.—Psalter in metre.

S.—Songs and Solos, 1200 pieces.

PH.—Presbyterian Hymnal.

PH. (*SS.*) Do. Scripture Sentences.

G.—Git ki Kitab, Lucknow.

SSH.—Sunday School Hymnary.

U. G.—Ullman's Gitawali.

S. M.—Sacred Melodies, Gall and Inglis.

C. H.—Children's Hymnal.

H. T. B.—Hindustani Tune Book.

p—धीमे से.

mp—कुछ धीमे से.

pp—बहुत धीमे से.

f—ज़ोर से.

mf—कुछ ज़ोर से.

ff—ख़ूब ज़ोर से.

c—ज़ोर बढ़ाना.

d—ज़ोर घटाना.

m—मध्यम आवाज़ से.

ज़बूरों की फ़हरिस्त.

सूचीपत्र।

ग़ज़लें :

परमेश्वर: उस के गुण कर्म और बचन।

१. पाक तसलीस.

१ 12.12.12.10 "*Holy, holy, holy*"

pc १ अक़्दस अक़्दस अक़्दस रब्ब ख़ुदा-इ-क़ादिर
mf सुबह को हम गाते हम्द तेरी पे मअ़बूद
pc अक़्दस अक़्दस अक़्दस पे रहीम ओ क़ादिर
f वाहिद ख़ुदा में पाक तसलीस महमूद।

pc २ अक़्दस अक़्दस अक़्दस तेरे तख़्त के आगे
mf कुल मुक़द्दस ख़ल्क़ सिजद: करती है मुदाम
करूबीन और सराफ़ीन तेरी हम्द बजाते
जो था और है और होगा ता दवाम।

p ३ अक़्दस अक़्दस अक़्दस पुर-जलाल ओ अज़मत
गरचि नारास्त आदमी न देखते यह जमाल
mf तू अकेला अक़्दस ला-शरीक पुर-रहमत
क़ुदरत और प्यार और क़ुद्स में है कमाल।

pc ४ अक़्दस अक़्दस अक़्दस रब्ब ख़ुदा-इ-क़ादिर
mf सारी मख़लूक़ात से हो तेरा नाम मअ़बूद
pc अक़्दस अक़्दस अक़्दस पे रहीम ओ क़ादिर
f वाहिद ख़ुदा में पाक तसलीस महमूद॥

२. (२) 6.6.4.6.6.6.4. *"Come Thou Almighty King."* Moscow {H. 490. P. 138. S. 6.

mf १ क़ादिर इ मुतलक़ आ
हम से तश्ररीफ़ करवा
मदद अब कर
आलम के किरदिगार
सब के परवरदिगार
बाप सा तू करता प्यार
हम बन्दों पर।

२ मसीह ख़ुदावन्दा
मुनजी तू दुनया का
हुआ सहीह
mp हम पर अब कर निगाह
हमारी हो पनाह
बख़्श बन्दों के गुनाह
तू ऐ मसीह।

३ रूह-क़ुद्दूस तसल्ली दे
और अपने फ़ज़्ल से
हम को सम्भाल
mp हो रहीम बन्दों पर
अलग गुनाह से कर
c हम चलें उमर भर
रास्ती की चाल।

४ तसलीस के तीन अक़नूम
भेद जिस का ना-मफ़हूम
है एक वुजूद
रहम से ऐ अल्लाह
हमारी हो पनाह
तू सब का है हरगाह
मालिक महमूद।

---

३ (४) 11.11.14.13. *"We praise Thee, O God."* {P. 549 S 72

mf १ हम्द तेरी ऐ बाप! तू ने बख़्शा हम को
मसीह को कि मुनजी सब दुनिया का हो
mf हल्लिलूयाह! तेरी हम्द हो हल्लिलूयाह आमीन
d हल्लिलूयाह! तेरी हम्द हो फिर हम को जिला॥

mf २ हम्द तेरी मसीह! कि तू हुआ इन्सान
ps सलीब पर जान देके फिर गया आसमान॥

m ३ हम्द तेरी पाक रूह ! अपनी रौशनी चमका
कर ज़ाहिर मसीह को हिदायत फ़रमा ॥

mf ४ तश्रीफ़ हो और हम्द ऐ रहीम ओ रहमान
तू हम को ख़रीद करके बख़्शता आसमान ॥

m ५ फिर हम को जिला अपना प्यार दिल में भर
और हर एक की जान को मुनव्वर तू कर ॥

mp ६ फिर हम को जिला सब को मौत से जिला
सब खोए जो हुए अब घर में फेर ला ॥

---

४ 8.7.8.7. D. BETHANY. { H. 81. P 241

mf १. देखो कैसीही मुहब्बत
हम पर बाप दिखाता है,
प्यार से पुर हमारी तरफ़
दिल और मुंह झुकाता है.

mp हम नालाइक़ों की ख़ातिर,
सर ओ पा जो गुनहगार,
अपना प्यारा बेटा दिया,
देखो बाप का कैसा प्यार.

mf २. देखो कैसीही मुहब्बत
मुन्जी की है क्या अजीब.
अपने लोगों को बचाने
उस ने पसन्द किई सलीब.

mp सिर से, पीठ से, हाथ से, पांव से,
अपना ख़ून बहाता है,
देखो, मुन्जी क्या मुहब्बत
अपनों पर दिखाता है.

mf ३. देखो कैसीही मुहब्बत
रूह-उल-क़ुदस दिखाता है,
कैसे प्यार से गुनहगार को
ईसा पास बुलाता है
रोशनी, दानिश, और तसल्ली,
देने को वह है तैयार,
बेटे, बाप, और रूह का शुक्र
देखो रह त्रिगुणा प्यार.

५ L. M. *"Father of Heaven."* RIVAULX. { II. 2 P. 3

१. स्वर्ग पिता तूने करके प्यार
हम सब का किया है उद्धार
हम गिरते तेरे पांवों पर
हे प्रेम निधान पाप क्षमा कर।

२. सामर्थी पुत्र सत अवतार
प्रवक्ता याजक तारणहार
हम गिरते तेरे पांवों पर
दीनबन्धु दया दृष्टि कर।

३. सनातन आत्मा जिस का स्वास
जिलाता वह जो हुए नास
हम गिरते तेरे पांवों पर
हे जीवनदाता जीवित कर।

४. यहोवाह—पिता आत्मा पूत
तीन एक परमेश्वर ईश अद्भुत
हम गिरते तेरे पांवों पर
प्रेम दया जीवन प्रदान कर।

देखो भी—२८४, ३११.

२. सृष्टि और प्रबन्ध में ईश्वरीय महिमा।

६ 11.11.11.11. *Ps. 19: 1-6.* ADESTE FIDELES { H. 30. P. 34. S. 31

mf १ आसमान बयान करते ख़ुदा का जलाल
और फ़ज़ा बताती है उस का कमाल
हां सुबह और शाम भी और दिन भी और रात
दिखाते अलक़ादिर ख़ुदा की सिफ़ात।

p २ न उन की ज़ुबान है न उन की आवाज़
c पर तौभी बजाते सिताइश का साज़
mf कि ख़िल्क़त से ख़ालिक़ का होता बयान
वह क़ादिर-इ-मुतलक़ हकीम आलीशान।

३ ज़मीन और आसमान पर है रब्ब का कलाम
कि सूरज और चांद और सितारे तमाम
पहाड़ ओ समुन्दर मैदान ओ दरया
सब कहते हैं ख़ालिक़ है क़ादिर ख़ुदा।

४ देख दुल्हे की मानिन्द है सूरज तैयार
निकलता है पूरब से हो रौनक़दार
और पच्छिम को करता है गरदिश तमाम
और छिपा है उस्से न कोई मक़ाम।

आसमान बयान करते ख़ुदा का जलाल
और फ़ज़ा बताती है उस का कमाल
हां सुबह और शाम भी और दिन भी और रात
दिखाते अलक़ादिर ख़ुदा की सिफ़ात।

७ 11.11.11.11.

HOUGHTON { *H. 12. P. 92.*
HANOVER { *H. 12. P. 16.*

m १ यहोवाह है आला बुज़ुर्ग उसका नाम
तलाश से हैं बाहर अलक़ादिर के काम
ऐ मेरे ख़ुदावन्द ख़ुदा-इ-अज़ीम
mp मैं करता हूं तेरी तअज़ीम ओ तकरीम।

m २ एक पुश्त दूसरी पुश्त से यह करे बयान
कि रब्ब है पुर-हशमत बादशाह आलीशान
m ऐ मेरे ख़ुदावन्द बादशाह-इ-अज़ीम
mp मैं करता हूं तेरी तअज़ीम ओ तकरीम।

m ३ और जैसे तू क़ादिर है वैसे हलीम
और जैसे पुर-जलवः है वैसे रहीम
s हां ख़ूबी है तेरी निहायत अज़ीम
mp मैं करता हूं तेरी तअज़ीम ओ तकरीम।

---

८ S. M. *Ps. 118: 1-4.* ST. OLAF { *H. 327. P. 281.*

m १ शुक्र और सना हो
मालिक ख़ुदावन्द की
s कि उसकी मिहर सब पर है
और रहमत अबदी।

m २ अब कहे इसराएल
जो क़ौम ख़ुदावन्द की।

m ३ अब सारे ख़ादिम-इ-दीन
इस बात को कहें भी।

mf ४ हां सारे ख़ुदातर्स
यह कहें दिल सेती।
कि उसकी मिहर सब पर है
और रहमत अबदी।

९ 6.6.6.6.8.8. *Ps. 34: 15-22.* St. John { H. 632. P. 350. S. 313.

m १ आंखें ख़ुदा की हैं
उन पर जो हैं रास्तबाज़
वह सुनता है हर वक़्त
दीनदारों की आवाज़
वह सुनता सादिक़ की फ़रयाद
बरलाता है उसकी मुराद।

mp २ जब दुःख में रोते हैं
चिल्लाते हैं दिन रात
c उनको सब दुःखों से
वह देता है नजात।

mp ३ ख़ुदावन्द है नज़दीक
शिकस्तः दिलों के
c उन्हें छुड़ाता वह
सारी मुसीबत से।

m ४ वह जान औ बदन का
नित रहता निगहबान
जो उसके दुशमन हैं
d वह करता परेशान।

mf ५ ख़लास वह करता है
अपने बन्दों की जान
वे किसी तरह से
न होंगे पशेमान।

---

१० (११) 7.7.7.7. Innocents { H. 200. P. 99 S 1149.

mp १ हे परमेश्वर सकल सृष्ट
तूही देखता करके दृष्ट
सर्वदर्शी तेरा ज्ञान
भूत भविष्यद् वर्तमान।

२ दूत से लेके कीड़े लों
जितने जीव वा निर्जीव हों
स्वरग धरती नरक में
एक न छिपता तुझ ही से।

३ बैठता फिरता जो रहूं
दुःख वा सुख में जो मैं हूं
हाट और बाट में दिन और रात
तूही सदा है साक्षात।

mp ४ पाप से भाग हे मेरे प्राण
ईश्वर की सब आज्ञा मान
मन की चिन्ता देखता जो
p उस से क्यों न डरना हो।

m ५ यीशु ख्रीष्ट पर कर विश्वास
सुफल होगी तेरी आस
वह जो निकट है सदा
बिन्ती निश्चय सुनेगा।

११ (१२) 7.7.7.7. "Let us with" etc. HARTS {H. 17. P. 17. S. 320.

mf १ करें ख़ुशी से तश्रीफ़
कि ख़ुदावन्द है लतीफ़
रहमत उस की है क़दीम
बे-ज़वाल और मुस्तक़ीम।

mf २ उस की सना हो हर जा
वह अकेला है ख़ुदा।

m ३ उस ने अपनी क़ुदरत से
दुनया भरी रौशनी से।

m ४ अपने लोग की ख़बर ली
राह जब बयाबान में थी।

५ मिहरबानी हम पर भी
mp उस ने रंज ओ ग़म में की।

mf ६ पालता सब जानदारों को
भरता है हर हाजत को।

f ७ करें ख़ुशी से तश्रीफ़
कि ख़ुदावन्द है लतीफ़।

---

१२ (१३) S. M. Ps. 8. ST. MICHAEL (OLD 134) {H. 115. P. 102. S. 601.

mf १ ज़मीन पर ऐ ख़ुदा
बुज़ुर्ग है तेरा नाम
और तेरी शान आसमानों पर
है आली और दवाम।

m २ जो ग़ौर से देखता हूं
जहान का इन्तिज़ाम
और चांद सितारे बे-शुमार
सब तेरे हाथ के काम।

mp ३ तो क्या चीज़ है इन्सान
क्या चीज़ है आदमज़ाद
c कि उस पर करे तू निगाह
और उस को करे याद।

m ४ फ़िरिश्तों से कुछ कम
इन्सान को किया है
c और उसके सिरपर शानका ताज
तू ने रख दिया है।

mf ५ तू ने सब मख़लूक़ात
कर दी उस के ज़ेर-पा
c तमाम ज़मीन पर तेरा नाम
बुज़ुर्ग है ऐ ख़ुदा।

१३. (१४) L. M. *Ps. 36: 5-8.* MILCOMBE { *H. 185.* *P. 107.*

mf १ तेरी बुज़ुर्गी ऐ ख़ुदा
आसमान ज़मीन पर है सदा
तेरी सदाक़त है कमाल
और तेरी रहमत पुर-जलाल।

m २ बर-हक़्क़ तेरी सदाक़त भी
पहाड़ के मानिन्द रहेगी
mp और आती नहीं समझ में
तेरी अमीक़ अदालतें।

mf ३ अजीब है तेरा इन्तिज़ाम
परवरदिगार है तेरा नाम
इन्सान हैवान की ज़रूरात
तू बख़्शा करता ब-इफ़रात।

४ और तेरे रहम का जमाल
है आदमियों पर बे-मिसाल
वे तुझ से पाते हैं पनाह
तू उन पर रखता है निगाह।

५ और तेरे घर की बातें पाक
हैं मेरे दिल की ख़ास ख़ुराक
वह मेरे लिये क्या लज़ीज़
और रहमत तेरी क्या अज़ीज़।

---

१४ (१५) L. M. *Ps. 98: 1-6.* WAREHAM { *H. 481.* *P. 15.* *S. 274.*

mf १ अब नये गीत ख़ुदावन्द के
तुम गाओ ख़ुश आवाज़ों से
कि उस ने किईं अजायब बात
और ज़ाहिर किई अज़ीम नजात।

२ पहिले यहूद के दरमियान
उस ने दिखाई अपनी शान
फिर उम्मतों पर ज़ाहिर हो
दिखलाया अपनी रहमत को।

३ जो वअ़्दः किया अगलों से
सो वफ़ा किया ख़ाविन्द ने
सारी ज़मीन के ता कनार
नजात ख़ुदा की है आशकार।

f ४ पस ख़ुश हो सारी सरज़मीन
बजा ख़ुश होके बरबत बीन
बुलन्द आवाज़ से मदह गा
गा नया गीत ख़ुदावन्द का।

१५ (१६) 11 11 11.11. *Ps. 104: 1-6.* HOUGHTON { *H. 12. P. 22.* HANOVER { *H. 12. P. 16.*

mf १ ख़ुदावन्द की हम्द कर तू ऐ मेरी जान
ख़ुदा-इ-अज़ीम का तू हो सनाख़्वान
कि इज़्ज़त जलाल का है उस का लिबास
p पस अदब से आ तू ख़ुदावन्द के पास।

mf २ वह नूर को पहिनता है जैसे पोशाक
और परदे की मानिन्द फैलाता अफ़लाक
और ख़ास बाज़ाख़ाने और मसनद का घर
सो क़ायम वह करता है पानियों पर।

३ वह बदली को जानता है मरकब तैयार
और हवा के बाज़ू पर होता सैयार
फ़िरिश्तों को रूहें बनाता वही
और जलती आग ख़िदमतगुज़ारों को भी।

४ ज़मीन उस की बिना पर ठहरी मज़बूत
बे-जुम्बिश वह रहती बहाल और सबूत
ख़ुदावन्दा ख़िलक़त है तेरी अजीब
काम तेरा अज़ीम और ज़ात तेरी मुहीब।

---

१६ (१७) 8.8.6. D. *Ps. 33.* HULL { *H. 465. P. 465. S. 552.*

mf १ आसमान ज़मीन का इन्तिज़ाम
ख़ुदा के हाथ में है तमाम
वह नाज़िम बरतरीन
f वह अपनी बात पर साबित है
सब क़ौमों पर वह ज़ाबित है
हाकिम-उल-हाकिमीन।

m २ मुख़ालिफ़ों की सब तदबीर
ख़ुदावन्द जानता है हक़ीर
mp और बातिल उनके ख़ियाल
mf अपनी मीरास की वह पनाह
अपनों पर रखता वह निगाह
वे रहते हैं ख़ुशहाल

m ३ आदमी तो दिल में ठानता है
पर रब्ब जो सब कुछ जानता है
सो करता इन्तिज़ाम
वह सब जहान का हाकिम हो
नित देखता सारे आलम को
और जानता सब के काम।

m ४ न लशकरों की बहुतात
न पहलवानी से नजात
सब है ख़ुदा के हाथ
जो उस के साम्हने है ख़ाकसार
उस की नजात का उम्मेदवार
c रहेगा चैन के साथ।

---

१७ (१६) L. M. *Ps. 34: 3–9.* WARRINGTON. {*H. 403.* *P. 385.*}

mf १ ख़ुदावन्द तआला है सुबहान
उस की तअरीफ़ करो हर आन
ख़ुदावन्द की बड़ाई को
तुम उस का नाम बुलन्द करो।

mp २ जब ढूंढा तुझ को आसी ने
c बचाया तू ने ख़ौफ़ों से
m जब तुझ पर मैं ने नज़र की
c नजात तब तू ने मुझे दी।

m ३ ख़ुदावन्द का फ़िरिश्तः जो
बचाता है वह बन्दों को
मकानों को दीनदारों के
वह घेरता है चार तरफ़ से।

m ४ ख़ुदा है ख़ूब मुक़द्दसो
नित उस के मुतवक्किल हो
वह तुम को सब कुछ देता है
तुम्हारी ख़बर लेता है।

---

१८ (२०) L. M. *Ps. 103.* WINCHESTER {*H. 6.* *P. 150.* *S. 177.*}

mf १ ख़ुदावन्द को ऐ मेरी जान
तू कह मुबारकबाद हर आन
और मेरे अन्दर सब जो हो
ले उस के नाम मुक़द्दस को।

२ ख़ुदावन्द को ऐ मेरी जान
तू कह मुबारकबाद हर आन
तू उस की निअमतें न भूल
शुकराने में अब हो मशगूल।

m ३ मसीह की ख़ातिर से अल्लाह
बख़्श देता तेरे सब गुनाह
और दुःख बीमारी से तमाम
mf वह तुझे देता है आराम।

m ४ हलाकत से वह तेरी जान
बचाता है हर ख़ौफ़ की आन
सब दुःख का है उस पास इलाज
o फ़ज़ल का तुझ पर रखता ताज।

mf ५ वह देता है सब अच्छी चीज़
जो रूह औ बदन को अज़ीज़
कि होती है तब तेरी जान
उक़ाब की मानिन्द नौजवान।

६ ऐ मेरे दिल ऐ मेरी जान
ख़ुदावन्द को हर दम हर आन
f तू कहे जा मुबारकबाद
और कर तअरीफ़ अबदुलआबाद॥

---

१९ (२१) C. M. — *Ps. 145: 9–13* — St. Peter. { *H. 261. P. 178. S. 112.*

mf १ सभों के ऊपर मिहरबान
ख़ुदा है सरासर
और उसकी बड़ी रहमत है
उस के सब कामों पर।

२ काम तेरे होंगे ऐ ख़ुदा
सब तेरे सनाख़्वान
और तेरे ही मुक़द्दस लोग
कहेंगे तेरी शान।

३ कि तेरी सल्तनत की शान
वे करेंगे बयान
और तेरी बड़ी क़ुदरत को
वे करेंगे बयान।

४ कि तेरी क़ुदरतें अजीब
हों लोगों पर आशकार
और तेरे राज की बड़ी शान
हो जाए नमूदार।

५ तेरी बादशाहत है ख़ुदा
बादशाहत अबदी
तेरी हुकूमत पुश्त दर पुश्त
नित क़ाइम रहेगी।

---

२० (२२) L. M. — *Ps. 100* — Old 100. { *H. 380. P. 14 S. 9.*

mf १ ऐ सारी सरज़मीनो अब
ख़ुदा के साम्हने हो मसरूर
इबादत करो उस की सब
तुम गाते आओ उस के हुज़ूर।

m २ ख़ुदा अकेला है मअ़बूद
बनाया हम को उसी ने
हम उसके लोग हैं क्या मसऊद
भेड़ उस की चरागाह में के।

f ३ उस के दरवाज़े सनाख्वान
बारगाह में हम्द से दाख़िल हो
तुम मानो सब उस के इहसान
मुबारक उस का नाम कहो।

४ क्योंकि ख़ुदावन्द है करीम
और उसकी रहमत अबदी
सदाक़त उस की है क़दीम
और पुश्त दर पुश्त रहेगी भी।

---

२१ (२३) 11.11.11.11. *Ps 100.* *STANLEY. *P. 270.* ADESTE FIDELES. *H. 30. P. 34. S. 31.*

mf १ यहोवाह के लिये ऐ सब सरज़मीनो
तुम ज़ोर की आवाज़ से अब होओ मसरूर
तुम ख़ुशी से करो ख़ुदा की इबादत
गीत गाके तुम हाज़िर हो उस के हुज़ूर।

m २ यहोवाह को जानो कि वही ख़ुदा है
और उसी ने हम को बनाया है भी
हम उसी के लोग हैं हम उसकी हैं भेड़ें
हां ख़ास चरागाह की हैं भेड़ें उसकी।

f ३ दरगाह के दरवाज़ों में करके शुकरानः
और हम्द करते हुए अब दाख़िल तुम हो
तुम उसकी बारगाहों में दाख़िल हो जाओ
इहसान उसका मानो और गाते रहो।

४ यहोवाह के नाम को तुम कहो मुबारक
यहोवाह है भला सब बन्दे हों शाद
कि पुश्त दर पुश्त रहती है उसकी वफ़ाई
और उसकी ख़ास रहमत है अबदुल-आबाद।

देखो भी—२०८, २१२, २१५, २१७, ३०३, ३३८, ३३९, ३४१.

३. परमेश्वर पिता.

१२ (२)

Ps. 103: 19-22. WINCHESTER. { *H. 134. P. 9. S. 38.*

mf १ आसमान के तख्त पर है ख़ुदा
बादशाहों का बादशाह
आसमान ज़मीन पर जितने हों
सब उस के हों मद्दाह ।

२ क़ादिर फ़िरिश्तो उस की बात
तुम सुनके मानते हो
ख़ुदावंद को तुम मेरे साथ
मुबारकबाद कहो ।

३ ऐ ख़िदमत करनेवालो तुम
जो उस को मानते हो
सब लशकरो ख़ुदावन्द को
मुबारकबाद कहो ।

f ४ ऐ सब मख़लूक़ हर जगह में
ख़ुदा की हम्द करो
मुबारकबाद कह मेरी जान
तू भी ख़ुदावन्द को ।

---

१३ (४)

8.7.8.7.8.7. *"Our Father."* REGENT SQUARE { *H. 444. P. 4. S. 255.*

mp १ ऐ आसमानी बाप हमारे
तेरा नाम मुक़द्दस हो
तेरी पाक बादशाहत आवे
होवे तेरी मरज़ी जो
ज्यों आसमान पर
त्यों ज़मीन पर पूरी हो ।

mp २ बख़्श तू दे हमारे लिये
आज की रोटी जो ज़रूर
और गुनाह जो हमने किये
कर उन सब को हमसे दूर
जैसा हम भी
बख़्शते औरों के क़सूर ।

mp ३ हमें डाल न इमतिहान में
सारी बदी से छुड़ा
क्योंकि तेरी है बादशाहत
क़ुदरत और जलाल सदा
सब लोग कहें
आमीन ऐसा होवेगा ।

२४ (१०) 7.7.7.7.

NEWINGTON H. 403.
CULBACH PH. 268. P. 98. S. 105.

m १ कामिल है ख़ुदा की राह
अपनों की वह है पनाह
कामिल उसका है कलाम
आड़ और ढाल है उसका नाम।

२ सिर्फ़ यहोवाह है ख़ुदा
है पहाड़ वह बन्दों का
मुझे ज़ोर दिलाता है
अपनी राह चलाता है।

३ जंग की देता है तअ़लीम
भागते मेरे सब ग़नीम
देता वही जंग का साज़
करता मुझे सरफ़राज़।

c ४ बख़्शता वह कुशादगी
दुशमन से आज़ादगी
mp हां ख़ुदा है आड़ और ढाल
बन्दों की पनाह कमाल।

---

२५ (२४) C. M.

Ps. 27: 7-14.

FARRANT Ps. M. 68. P 200,

mp १ जब मैं पुकारूं ऐ ख़ुदा
हमारी सुन तू ले
तू मेरे ऊपर रहम कर
जवाब दरख़्वास्त का दे।

m २ मेरे चिहरे के ख़्वाहां हो
तू ने फ़रमाया है
तेरे वस्ल की ख़्वाहिश से
अब बन्दः आया है।

mp ३ न मुझ से कभी हो रूपोश
न मुंह तू मुझ से मोड़
कर मेरी मदद ऐ ख़ुदा
और आसी को मत छोड़।

४ दोस्त आशना भाई मा या बाप
जो छोड़ें बन्दे को
तब मेरा हो परवरदिगार
और बख़्श तसल्ली को।

p ५ जो मेरी होती न उम्मेद
तेरी निअ़मत की
तो मैं हो जाता साफ़ तबाह
m पर यह सम्भालती थी।

m ६ मुक़द्दसो पस देखो तुम
ख़ुदावन्द ही की राह
नित रहो उस के मुन्तज़िर
कि मालिक है अल्लाह।

४. पुत्र. (१) देहधारी होना।

२६ (४४) C. M. ZERAH S, 34

mf १ एक बेटा बख़्शा गया है
हमारी उम्मेदगाह
c ज़मीन की क़ौम आसमान की फ़ौज
दोनों पर है बादशाह।

m २ इस नाम से वह कहलाता है
क़ादिर अज़ीम ख़ुदा
c अजीब मुशीर बाप ला-ज़वाल
सलामती का शाह।

mf ३ रूहानी तख़्त पर बैठके वह
करेगा सल्तनत
c और पुर-इक़बाल उस का मुदाम
बढ़ेगी ममलुकत।

mf ४ वह रास्ती और अदालत से
क़ियाम उसे देगा
रब्बुलअफ़वाज अल्लाह ग़ैयूर
यह पूरा करेगा।

mf ५ एक बेटा बख़्शा गया है
हमारी उम्मेदगाह
c क़दिर ख़ुदा बाप ला-ज़वाल
आसमान का शाहनशाह।

२७ (४५) 8 7.8.7.4.7.

CORINTH · H. 164.
DISMISSAL (KINGSTON) PH. 319. P. 451. S. 227.

mp १ हे परमेश्वर तेरे मुख को
महिमा में जो है अनूप
देखने की न शक्त मनुख को
आत्मा है तू बिन स्वरूप
c स्वर्ग के राजा
जग का तू है महा भूप।

m २ उतरा था तू जगदीसा
अपना प्रेम दिखाने को
प्रगट हुआ प्रभु ईसा
भ्रष्टों के बचाने को
हे परमेश्वर
मेरा मुक्तिदायक हो।

m ३ तेरे गुण स्वभाव फैलाने
ईसा आया इस सन्सार
जग का पाप सन्ताप मिटाने
जग के करने को उद्धार
कृपा सागर
mp कर तू मेरा भी निस्तार।

४ काटने को हमारे दुःख को
पाया उस ने दुःख और कष्ट
देने हमें धर्म्म और सुख को
जो शैतान से हुए भ्रष्ट
c ईसा आया
पाप सन्ताप को करने नष्ट।

mp ५ ग्रहण मुझे कर हे प्रभु
p मन कठोर हमारे तोड़
तू हम आश्रितों को कभू
दुःख के सागर में मत छोड़
मरन काल तक
हम से अपना मुंह मत मोड़।

---

२८ (४६) 7.7.7.7.7.7. *"As with gladness."* DIX P. 35. H. 24.

m १ एक सितारा खुशनुमा
उन का हुआ रहनुमा
जो मसीह को ढूंढते थे
खुश थे उस की रोशनी से
c यों मसीहा आखिर को
तू हमारा रहबर हो।

m २ तब वे गये खुर्रम हो
mp उसे सिजदः करने को
चरनों में जो था मौजूद
आलमों का है मअबूद
c वैसे हम भी ऐ ग़फ़ूर
झुकते तेरे पाक हुजूर।

m ३ लड़के को बख़ुशदिली
तोहफ़ः लाये क़ीमती
mf तेरे लोग भी अब तुझे
हुसन-इ-तक़द्दुस से
अपने तईं ब-दिल ओ जान
नज़र करते ऐ सुलतान ।

mp ४ पाक मसीह हम को सदा
राह-इ-रास्त पर तु चला
और जब फ़ानी आलम से
c रुख़सत हों तू जगह दे
जहां पुर-जलाल हम को
तू बे-परदः ज़ाहिर हो ।

f ५ मुल्क आसमान नूरानी है
उस का नूर ग़ैरफ़ानी है
तू है नूर ओ ताज क्या ख़ूब
तू आफ़ताब है बे-ग़ुरूब
तेरी हम्द में ऐ बादशाह
गावेंगे हल्लिलूयाह ।

---

२९ (४७) 7.7.7.7. D. "*Hark, the herald angels*" Bethlehem { *H. 28. P. 30.*

mp १ सुन आसमानी फ़ौज शरीफ़
c रब्ब की गाती है तअ़रीफ़
mf सुलह अब ज़मीन पर हो
ख़ुशी बनी आदम को
f ऐ सब क़ौमो ख़ुशी से
गाओ साथ फ़िरिश्तों के
बैतलहम में अब सहीह
पैदा हुआ है मसीह ।
सुन आसमानी फ़ौज शरीफ़
रब्ब की गाती है तअ़रीफ़ ।

mf २ लो मसीह बर-हक़ मअ़बूद
रब्ब जो अबदी महमूद
m अब मुक़र्रर वक़्त पर आ
फ़रज़न्द है कुंवारी का
mp लो मुजस्सम है अल्लाह
सिजदः कर ऐ ख़लक़ुल्लाह
c अब इम्मानूएल रहमान
है इनसानों में इनसान ।

f ३ हो मुबारक इबनुल्लाह
ऐ सलामती के बादशाह
तू आफ़ताब सदाक़त का
ज़ीस्त ओ नूर हर उम्मत का
m तू ने छोड़ी अपनी शान
ता हलाक न हों इनसान
c बनी-ख़ाक नौ जनम से
वारिस बने जन्नत के ।

३० C. M. "Joy to the world." ANTIOCH { P. 26. S. 111.

mf १ ख़ुश हो ख़ुदावन्द आया है
उस को क़बूल कर ले
ऐ कुल्लजहान, हां, हरएक दिल
मसीह को जगह दे।

२ ख़ुश हो, मसीह अब
बादशाह है
सब आदमी, हर ज़ुबान
समुन्दर भी, मैदान, पाहड़
गीत गावें ख़ुश-इलहान।

३ दुख और तकलीफ़ वह
करता दूर
हटाता है गुनाह
तारीकी में वह देता नूर
और बरकत बेश-बहा।

४ रास्तबाज़ी और सचाई से
वह राज फैलाता है
और अपनी कुल्ल हुकूमत में
पियार दिखाता है।

---

३१ L. M. MELCOMBE { H. 514. P. 107.

१ ख़ुदा का देखो कैसा प्यार
mf कि ईसा हुआ है अवतार
मुनज्जी हुआ है नमूद
और बैतलहम में है मौजूद।

२ कलाम मुजस्सम क्या अजीब
m अलक़ादिर हुआ है ग़रीब
सब ख़िलक़त की जो अस्ल है
सो औरत की अब नस्ल है।

३ यह बात क़ियास से बाहर है
तौभी सरीह और ज़ाहिर है
कि चरनी में जो है मौजूद
सारे जहान का है मअबूद।

४ गर तुझे जानें लोग नाचीज़
mf मसीह तू मुझे है अज़ीज़
कर मेरे दिल को अपना घर
और सदा उस में रहा कर।

३२ "O Come all ye faithful." ADESTE FIDELES. { H. 30. P. 34. S. 31.

१ अब आओ विश्वासियो
mf जय जय करते आओ
अब आओ हम चलें बैतलहम को
चरनी में देखो
महिमा का राजा
po अब आओ हम सराहें
अब आओ हम सराहें
अब आओ हम सराहें
ख्रीष्ट प्रभु को।

m २ गर ईश्वर से ईश्वर
ज्योत का ज्योत सनातन
घिण उसने न किया गर्भ कूंवारी से
सच्चा परमेश्वर
न सृजा था पर जन्मा
po अब आओ वग़ः

३ हे सारे दूतगणो
mf जय जय कार तुम गाओ
c स्वर्गों के स्वर्ग में तुम गाते रहो
महिमा और स्तुती
ईश्वर सर्वप्रधान को
po अब आओ वग़ः

४ आमीन प्रभु धन हो
mf त्राण के लिये जन्मा
हे यीशु सदा तेरी महिमा हो
पिता का बचन
अब देहधारी हुआ
mo अब आओ वग़ः

पुष. (२) जीवन और नमूना.

३३ (५६) 8.7.8.7. D. DEERHURST H. 443. ALL THE WAY { P. 320. S. 528.

m १ प्यार सब प्यार से जो बेशक़ीमत
तेरा है मसीह मसलूब
mp तू ने सहा दुःख मुसीबत
मेरे वास्ते पे महबूब
mf तू कफ़ारा देने आया
ता नजात जहान की हो
फ़िदा देने को बहाया
अपने क़ीमती लहू को।

p २ प्यार से आंसू तू बहाके
बाग़ में हुआ था रंजूर
प्यार से तू सलीब उठाके
उस के बोझ से था मजबूर
प्यार से तू ने ठट्ठा सहा
और बहुत बेइज़्ज़ती
प्यार से तेरा खून सब बहा
प्यार से जान सलीबपर दी।

pc ३ प्यार से मरके मेरे लिये
हासिल की अबदी नजात
p कोड़े खून और ज़ख़्म तेरे
बख़्शते सिहत और हयात

f आह इस प्यार से है तसल्ली
शुकर शुकर मानता हूं
ज़ख़्मी प्यारे जान और तन भी
शुकर में गुज़रानता हूं।

---

३४ (६५) C. M. *"Thou art the way."* St. James {*H. 187. P. 259.*

m १ तू राह है तेरे सबब से
गुनाह और मौत से भी
हम पावें अपने बाप के पास
नजात और ज़िन्दगी।

२ हक़ तू ही है ख़ुदावन्दा
सिर्फ़ तेरा पाक कलाम
दानाई देवे दिलों को
और रूहों को आराम।

mf ३ तू ज़िन्दगी है क़बर पर
तू ग़ालीब है—और वे
जो तुझ पर आसा रखते हैं
सो बचें दोज़ख़ से।

m ४ राह हक़ और ज़िन्दगी तू है
उस राह में हमें ले
और हक़ और अबदी हयात
बख़्श अपने करम से।

---

५. (३) दुःख और मरण.

३५ (४८) 8.7.8.7. Batty *P. 310. PH. 223.* St. Mabyn *H. 187. P. 68.*

pc १ यीशु मरा दूत यह वचन
स्वर्गी राग में गावें नित

mf यह भगवान के प्रेम का लक्षन
आवो सब इस पर देवें चित।

pc २ यीशु मरा पापियों को
केवल इसी से उद्धार
उस की मृत्यु से सभों को
mf मिलता जीवन अधिकार।

p ३ यीशु मरा क्या अचंभा
mf क्या ही कृपा क्या ही क्लेश
जगत जितना चौड़ा लम्बा
उतना फैले यह सन्देश।

p ४ यीशु मरा सोच हे पापी
प्रेम यह कैसा है असीम
अभी तक तू क्यों संतापी
इस से बंधा त्राण का नीम।

p ५ यीशु मरा यह बात सुनके
गल जा मेरे पत्थर मन
c उस की आत्मिक सेवा चुनके
उस का शिष्य और आश्रित बन।

---

३६ (४६) *"When I behold."*

COMMUNION *H. 71. P. 419.*
RETREAT *P 326. PH. 241*

mp १ जिस क्रूश पर यीशु मरा था
वह क्रूश अद्भुत जब देखता हूं
संसारी लाभ को टोटासा
और यश को निन्दा जानता हूं।

m २ मत फूल जा मेरे मूरख मन
इस लोक के सुख और संपत पर
हो खीष्ट के मरन से प्रसन्न
और उस पर सारी आशा धर।

p ३ देख उस के सिर हाथ पांवों के घाव
यह कैसा दुःख और कैसा प्यार
mp अनूठा है यह प्रेम स्वभाव
अनूप यह जग का तारणहार।

pp ४ देख लोहू चद्दर के समान
उस के शरीर को ढांक रहा
mp हे मन संसार को वैरी जान
औ खीष्ट के पीछे क्रूश उठा ।

m ५ जो तीनों लोक दे सकता मैं
इस प्रेम के योग्य यह होता क्यूं
c हे यीशु प्रेमी आप के तैं
मैं देह औ प्राण चढ़ाता हूं ।

---

३७ (५०) 8.7.8.7.4.7.

St. Sebald *II. 566.*
Dismissal *PH. 343, P. 451, S. 287.*

mp १ कलवरी से क्या पुकारा
मर्द मसलूब का है कलाम
p लो ज़मीन आसमान अन्धयारा
है मसीह का दुःख तमाम
pp पूरा हुआ
mp मरते ईसा ने कहा ।

pc २ पूरा हुआ शुकर करें
mf पूरा है नजात का काम
अब शैतान से हम न डरें
टूटे हैं सब उसके दाम
p पूरा हुआ
mp मरते ईसा ने क़हा ।

pc ३ पूरा हुआ सब क़ुरबानी
राह औ ज़ाबते शरअ के
जिन की है मसीही मअनी
mf कामिल हुई ईसा से
p पूरा हुआ
mp मरते ईसा ने कहा ।

mf ४ आओ गावें दिल ओ जान से
आदमी और करूबीआं
गावें सब इम्मानूएल के
नाम ओ काम की ख़ूबीआं
f हल्लिलूयाह ।
p होवे ईसा की तअरीफ़ ।

६८ (१२४) C.M. "*Alas and, did my Saviour*" St. Francis. {H. 58. P. 249.

mp १ हमारे वास्ते ऐ मसीह
ख़ून तेरा बहा था
और मैंने जान बचाने को
तुझ ही में ली पनाह।

२ गुनाह तो मैं ने किया था
और सज़ा तू ने ली
सलीब पर देदी अपनी जान
ता बख़्शे ज़िन्दगी।

३ जब रंज के मारे सूरज ने
छिपाया अपना नूर
बदकार की तू ने मिहर से
अरज़ी कर ली मंज़ूर।

४ मुझ पापी पर तू रहम कर
और मुझे याद फ़रमा
डाकू को तू ने किया याद
मुझे भी याद फ़रमा।

mf ५ हरगिज़ नहीं, ख़ुदावन्दा
क़रज़ अदा कर सकूं
अब देता हूं मैं अपने को
बस, ज़ियादः क्या करूं!

"*O Christ, what burdens*"

६९ 8 6 8 6.8.6.

Spohr. *H.* (app) *12.* *P. 47*
Substitution. *P. 47. S. 128.*

p १ मसीह मेरे गुनाहों का
तू हुआ बारबरदार
और मेरे इवज़ दुखों को
सह लिया बेशुमार
क़ुरबानी करके अपनी जान
mf उतारा मेरा भार।

p २ दुख मौत का मेरा प्याला था
तू ने पिई लिया है
हां पिया उसे तलछट तक
और ख़ाली किया है
mf और मुझे सुख और बरकत का
प्याला दिया है।

pp ३ अल्लाह के ग़ज़ब की तलवार
सख़्त तुझ पर आई थी
p मार खाना था तो मेरा हक़्क़
पर तू ने खाई थी
बहाया तू ने अपना ख़ून
mf और मुझ को सिहत दिई।

४ ज़ोर शोर से आया जय तूफ़ान
pp सो तुझ पर पड़ा था
• तू हुआ मेरी आड़ पनाह
• मैं आड़ में खड़ा था
p जो दुख कि तू ने पाया था
निहायत बड़ा था।

y ऐ ईसा तेरे मरने से
mp मैं मरा बहर हाल
mf और तेरे फिर जी उठने से
जीऊंगा ला-ज़वाल
c तेरे जलाल में आने से
f मैं पाऊंगा जलाल।

देखो भी—३३

पुष. (४) जी उठना।

४० (५१) 7.4 7.4. D. "*Jesus Christ is risen today.*" EASTER HYMN { *H. W. P. 61.*

f १ आज जी उठा है मसीह
हल्लिलूयाह
यह ईद ख़ुशी की सहीह
हल्लिलूयाह
m ता बचावे सब इनसान
हल्लिलूयाह
इस ने दी है अपनी जान
हल्लिलूयाह।

mf २ हम्द के गीत हम गावें तो
हल्लिलूयाह
अपने बादशाह येशू को
हल्लिलूयाह
m येशू हुआ है मसलूब
हल्लिलूयाह
mf उस से हुई मौत मग़लूब
हल्लिलूयाह।

pc ३ मूआ था अब ज़िन्दः है
हल्लिलूयाह
और नजात बख़्शिन्दा
हल्लिलूयाह
अब फ़िरिश्ते ख़ुश ओ ख़ास
हल्लिलूयाह
करते येशू की सिपास
हल्लिलूयाह।

४१ (५२) 8.8.8.4. *"The Strife is o'er."* VICTORY

f १ तमाम है जंग अब फ़तहमन्द
खुदावन्द हुआ सरबुलन्द
गीत हम्द के गाके हो ख़ुरसन्द
हल्लिलूयाह।

mp २ अब मौत के ज़ोर से है आज़ाद
mf ग़नीम भी सारे हैं बरबाद
जय जय जय कहके हो दिलशाद
हल्लिलूयाह।

mf ३ फिर उठके तीसरे रोज़ जी-शान
c कुल्ल आलम का अब है सुलतान
गीत गावें ख़ुशी से हर आन
हल्लिलूयाह।

f ४ देख खुली गोर है बन्द पे जान
येशू ने खोला दर आसमान
अब ख़ूब ललकारके हों शादमान
हल्लिलूयाह।

mp ५ मसीहा अपने ज़ख़्मों से
तू मौत के डंक से सिहत दे
f ता गावें ज़िन्दः हो तुझे
हल्लिलूयाह।

p ३२ (५७) 7.7 7.7. "Hark, my Soul." St Bees {H. 198. P. 77. S. 365.

p १ मेरी जान तू कान लगा.
सुन कलाम तू ईसा का
p पूछता वह ऐ गुनहगार
p क्या तू मुझ को करता प्यार।

mp २ था तू क़ैद में ना-उम्मेद
मैं ने खोली तेरी क़ैद
घायल था गुमराह लाचार
c मैं तब हुआ मददगार।

mp ३ मां भी भूले बच्चे को
उसके दिल में प्यार न हो
mf लेकिन मुझे तेरी याद
होगी अबदुलआबाद।

४ मेरा है बे-बदल प्यार
मौत में भी है पायदार
वह आसमान से ऊंचा है
और पाताल से नीचा है।

५ देखेगा तू मेरी शान
जो अज़ीम है बे-पायान
मेरे तख़्त के हिस्सेदार
p क्या तू मुझ को करता प्यार।

mp ६ ईसा मेरा है इक़रार
अब तक कम है मेरा प्यार
c ऐ मसीह ख़ुदावन्दा
मेरे दिल में प्यार बढ़ा

"Where high the heavenly temple."

४३ (५८) L. M. Wareham {H. 481. P. 73. S. 274.

m १ ख़ुदा की हैकल पाकतरीन
आसमान पर है बुलन्द हसीन
उसी में सरदार काहिन हो
मसीह अब रहता सदा को।

२ हमारा ज़ामिन हुआ था
p और ख़ून बहाके मूआ था
m अब वह आसमान पर इन्तिज़ाम
नजात का करता है तमाम।

mp ३ मुसीबत दुःख ओ ग़म का मर्द
हमारे ग़म का है हमदर्द
वह अपने बन्दों का शफ़ीक़
शाफ़ी और हामी और रफ़ीक़।

m ४ पस बे-परवा हो तख़्त के पास
हम आके करें इलतिमास
ता जिस वक्त दुःख से हों रंजूर
वह मदद पावें जो ज़रूर।

f ५ हम्द सना बाप ख़ुदा को हो
हम्द सना अज़ली बेटे को
और उसी क़दर भी पाक रूह
हमेशः हम से हो ममदूह।

४४ (७५) 7.7.7.6. *"Only Jesus feels."* *S 51.*

mp १ दिल का बोझ कौन जानता है
सब के दुःख कोन मानता है
फ़क़त ईसा जानता है
ईसा प्यारा ईसा।

ईसा है मुबारक नाम
दिल को देता है आराम
उस को गावें सुबह शाम
ईसा प्यारा ईसा।

m २ ईसा दिल को करता पाक
देता है मुफ़ीद ख़ुराक
बख़शता रास्ती की पोशाक
ईसा प्यारा ईसा।

३ सुनता है हर एक फ़रयाद
दुःख में देता है इमदाद
रखता है वह दिल को शाद
ईसा प्यारा ईसा।

४ वह बचाता रहेगा
और हिदायत करेगा
हम को पार उतारेगा
ईसा प्यारा ईसा।

"One is Kind above all others."

४५ (५६) 8.4.8 4.8.8.8.4. TENDERNESS {*H. 549.* *P. 549.*}

mf १ एक तो है जो सब से अच्छा
कैसा पियार
भाई के प्रेम से उस का ज़ियादः
कैसा पियार

mp दुनवी दोस्त दुःख तुझे देवें
आज प्रेम करके कल छोड़ देवें
m दोस्त यह है जो छल न देवे
कैसा पियार।

२ ईसा जो तू जाना चाहे
कैसा पियार
उस को तन मन अर्पण कर दे
कैसा पियार
mp तुझे पाप का बोझ दबाता
तू परीक्षा से घबराता
m ईसा इन सब से बचाता
कैसा पियार।

३ प्रेम का चिन्ह देख उस का मरण
कैसा पियार
मौत तक वह है तेरी शरण
कैसा पियार
सब बे-वफ़ा प्रेम को छोड़ दे
उसी पद्म के पीछे हो ले
जिस ने तेरे रंज सब भोगे
कैसा पियार।

mf ४ तेरे पाप वह दूर कर देगा
कैसा पियार
तेरे दुश्मन सब जीत लेगा
कैसा पियार
f सारी बरकतें वह देगा
तेरा भला सिर्फ़ करेगा
अन्त को स्वर्ग में तुझे लेगा
कैसा पियार।

४४ (७५) 7.7.7.6. *"Only Jesus feels."* S 51.

mp १ दिल का बोझ कौन जानता है
सब के दुःख कौन मानता है
फ़कत ईसा जानता है
ईसा प्यारा ईसा।

ईसा है मुबारक नाम
दिल को देता है आराम
उस को गावें सुबह शाम
ईसा प्यारा ईसा।

m २ ईसा दिल को करता पाक
देता है मुफ़ीद ख़ुराक
बख़शता रास्ती की पोशाक
ईसा प्यारा ईसा।

३ सुनता है हर एक फ़रयाद
दुःख में देता है इमदाद
रखता है वह दिल को शाद
ईसा प्यारा ईसा।

४ वह बचाता रहेगा
और हिदायत करेगा
हम को पार उतारेगा
ईसा प्यारा ईसा।

"One is Kind above all others."

४५ (५८) 8.4.8 4.8.8.8.4. TENDERNESS { H. 549. P. 548.

mf १ एक तो है जो सब से अच्छा
कैसा पियार
भाई के प्रेम से उस का ज़ियादः
कैसा पियार

mp दुनवी दोस्त दुःख तुझे देवें
आज प्रेम करके कल छोड़ देवें
दोस्त यह है जो छल न देवे
कैसा पियार।

२ ईसा जो तू जाना चाहे
कैसा पियार
उस को तन मन अर्पण कर दे
कैसा पियार
mp तुझे पाप का बोझ दबाता
तू परीक्षा से घबराता
m ईसा इन सब से बचाता
कैसा पियार।

३ प्रेम का चिन्ह देख उस का मरण
कैसा पियार
मौत तक वह है तेरी शरण
कैसा पियार
सब बे-वफ़ा प्रेम को छोड़ दे
उसी पक्ष के पीछे हो ले
जिस ने तेरे रंज सब भोगे
कैसा पियार।

mf ४ तेरे पाप वह दूर कर देगा
कैसा पियार
तेरे दुशमन सब जीत लेगा
कैसा पियार
f सारी बरकतें वह देगा
तेरा भला सिर्फ़ करेगा
अन्त को स्वर्ग में तुझे लेगा
कैसा पियार।

"*When our heads are bowed.*"

४६ (६०) 7.7.7.7. BATTISHILL. H. 566. P. 513.

mp १ जब हम दुःख में पड़े हैं
जब अफ़सोस से भरे हैं
जब हम रहते हैं उदास
ईसा रह हमारे पास ।

२ जब ईमान हम खोते हैं
ना-उम्मेद जब होते हैं
जब कमज़ोर हैं दिल और हाथ
ईसा रह हमारे साथ ।

३ तू मुजस्सम हुआ था
रंज और दुःख में मूआ था
अदा किया पाप का क़र्ज़
ईसा सुन हमारी अर्ज़ ।

४ हमें बख़्श कमाल ईमान
दिलों को तू कर शादमान
रोशन कर तू आसी को
आखिर तक तू हाफ़िज़ हो ।

---

४७ (६१) 7.7.7.7 "*When our heads*" ST. DUNSTAN. LIGURIA. H. 102. P. 43.

p १ दुःख से जब हम हों रंजूर
दिल निहायत हो मजबूर
आंसू बहें फ़िरावान
सुन ऐ येशू मिहरबान ।

२ तू ने पाहिना जिस्म को
और हमारा ज़ामिन हो
तू ग़म-ज़दः था इन्सान
सुन ऐ येशू मिहरबान ।

३ तू हमारा इबज़ी
सहता था बे-हुरमती
ता ख़लास हो मेरी जान
सुन ऐ येशू मिहरबान ।

४ तू मसलूब भी हुआ था
सर झुकाके मूआ था
बाप को सौंपी अपनी जान
सुन ऐ येशू मिहरबान ।

p ५ जब गुनाह के ज़ख़्मों से
और शैतान के हमलों से
हो हमारा दिल हैरान
सुन ऐ येशू मिहरबान ।

pp ६ जब इस फ़ानी आलम से
जाने की तू फ़ुरसत दे
तब तू थाम हमारी जान
सुन ऐ येशू मिहरबान ।

(ई) फिर आना।

४८ (५३) 8.7.8.7.

SHARON. PH. 220. S. 239.
DORRNANCE. P. 228.

mf १ देख वे स्वर्ग से उतर आते
लाखों लाख की बानी है
f जयजयकार का गीत वे गाते
गाते हैं मसीह की जय।

m २ मेघों से देख प्रभु आके
c स्थापित करता अपना राज
अपने दुःख का फल वह पाके
होगा जग का अधिराज।

mp ३ उस के वैरी डर के मारे
कांपते थरथराते हैं
mf उस के सन्त लोग उस के प्यारे
जयजयकार मनाते हैं।

mp ४ प्रथम में जो था सन्तापी
पहिने था कांटों का ताज
mf होगा सो महा प्रतापी
देसों देस का अधिराज।

mp ५ प्रभु को हम दण्डवत करते
अपना सिर निवाते हैं
c प्रभु का हम आसरा धरते
जयजय ईसा गाते हैं।

---

४९ (५४) 8.7.8.7.4.7. *"Lo, He comes."*

HELMSLEY. S. 161.
ST. PETER'S W. H. 106.
BENEDICTION. P. 605.

mf १ बादलों के साथ वह आता
वह जो पहले था पस्त हाल
देखो लाखों लाख मुक़द्दस
उस के साथ हैं बा-जमाल
f ईसा आता
आता है वह पुर-जलाल।

mp २ हर एक आंख उसे देखेगी
आते बा-शहानःशान
p और जिन्हों ने उसे छेदा
ताइब हो और पशेमान
मानेंगे तब
ईसा है मसीह सुलतान।

m ३ फिर वह अपने दुशमनों को
करेगा शिकस्तः हाल
उन्हें अपने पांव के नीचे
करेगा यकसर पामाल
ज़ाहिर होगा
उसकेअद्‌ल का कमाल ।

f ४ ऐ ख़ुदावन्द क़ादिर ईसा
राज शैतान का कर ताराज
जल्दी अपने इख़्तियार में
ला जहान का तख़्त ओ ताज
या मसीहा
ज़ाहिर कर तू अपना राज ।

---

५० (५५) 8.9.8.D 6.6.4.4.4.8. *"Wake, awake."* NICOLAI. (*H.* 116. *P.* 22.)

f १ जाग उठो पुकारा हुआ
जगाके बोलता है पहरूआ
यरूसलम हो ख़बरदार
आधी रात अब हुई आओ
होशयार कुंवारियो उठ जाओ
दुल्हे को मिलने हो तैयार
f वह आता धूम के साथ
मशअ़ल अब लेओ हाथ
हल्लिलूयाह
तुम शादी को
तैयार अब हो
और निकलो उस के मिलने को ॥

mf २ सैहून बात जो सुन्ने पाती
तो उस के दिल में ख़ुशी आती
जल्द उठके होती है बेदार
उस का दूल्हा बड़ी शान से
पुर-शौकत आता है आसमान से
वह बोलती सर ता पा तैयार
mp ख़ुदावन्द यसू आ
अज़ीज़ तू दुलहिन का
f हल्लिलूयाह
बुलाहट पर
हम ख़ुशी कर
सब जाते हैं शादी के घर ।

५१ P. M. *"Are you ready for the Bridegroom."* G. 67.

१ क्या तैयार हो जब कि दुलहा
आवेगा, आवेगा?
क्या तैयार हो जब कि दुलहा
आवेगा, आवेगा?
अब देख! वह आता!
अब देख! वह आता!
अब जल्द हो हाज़िर, दुलहा
आता है.
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह आता
अब देख! वह आता
अब जल्द हो हाज़िर, दुलहा
आता है.

२ क्या मशअ़लें जलती होंगी,
जब वह आये, जब वह आये?
क्या मशअ़लें जलती होंगी,
जब वह आये, जब वह आये?
वह जल्दी आता, वह जल्दी
आता,
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह आता
अब देख! वह आता
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.

३ मुलाक़ात हम सब करेंगे,
जब वह आये, जब वह आये;
मुलाक़ात हम सब करेंगे,
जब वह आये, जब वह आये;
वह देखो आता, वह देखो आता,
अब जल्द हो हाज़िर, दुलहा
आता है.
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह आता
अब देख! वह आता
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.

५२. 8.8.8.8.8.8. "O Come, O Come Immanuel." VENI IMMANUEL. {H. 109.

mp १ जल्द आ जल्द आ इम्मानुएल
आज़ाद कर अपना इसराएल
असीरी में जो है लाचार
पर करता तेरी इन्तिज़ार।
mf खुश हो खुश हो ऐ इसराएल
जल्द आवेगा इम्मानुएल।

mp २ दाऊद की नस्ल जल्दी आ
शैतान के ग़लबे से बचा
c निज लोगों को तू कर खुरसन्द
दोज़ख़ और मौत पर फ़तहमन्द।

m ३ सुबह की रोशनी हो आशकार
हमारी रूहें कर बेदार
रात की तारीकी को मिटा
और साया मौत का दूर भगवा

४ दाऊद की नस्ल जिस ही से
मीरास में दख़ल हो सके
आस्मान का रास्ता खोल दिखला
अज़ाब की राह को बन्द करा।

mf ५ तू आ ए रब्ब-इ-क़ादिर आ
जो कोह-इ-सीना उतर आ
नुमायन हुआ हैबतनाक
और क़ौम को दिई शरीअत पाक।

देखो भोः २३६, ३०४—३२१.

५४. (७) उस की स्तुति.

५३ (६२) 8.7.8.7.0.7. DORRANCE. P. 228
S. 91.

m १ येशू नाम की दे दुहाई
तू जो दुःख से है ग़मगीन
c उस्से चैन और दिलजमई
तुझे मिलती बिलयक़ीन।
mf नाम अज़ीज़ क्या शीरीन
ऐ जमाल-उल-आलमीन।

२ येशू नाम की दे दुहाई
वही ढाल है और चटान
उस्से तुझे तवानाई
होती है बीच इमतिहान।

३ क्या बेशक़ीमत येशू नाम है
उस से ख़ुश हैं दिल औ जान
उस की हम्द दिल-पसन्द काम है
उस का प्यार है बे-बयान।

५ येशू नाम अज़ीमुश्शान हो
सलातीन का है सुलतान
कुल ज़मीन और कुल आसमान हो
उस के नाम के सनाख्वान।

५४ (६४) 8.7. D. 8.8.8.7.. "Glory to the Lamb" G. 48.

p १ सलीब पर ईसा मुआ है
m ईसा की सिताइश हो
वह मेरा शाफ़ी हुआ है
ईसा की सिताइश हो।

mf ख़ुदावन्द ईसा है मिहरबान
वह नाम है मुझे ख़ुश-इलहान
और ज़िन्दः करता मेरी जान
ईसा की सिताइश हो।

२ मसीह ने लिया मेरा बार
बचाया मौत से मुझ बदकार॥

३ मिट गये मेरे सब गुनाह
मैं चलता हूं आसमानी राह।

mf ४ वह नाम सुनाया जाता है
बे-चैन को सुख दिलाता है।

mp ५ जब होगी ज़िन्दगी तमाम
o तब गाऊं उसकी हम्द मुदाम॥

---

५५ (६७) 8.7.8.7.4.7. Pleasant Pastures (P. 585, S. 1164)

mp १ ईसा इस सन्सार में आया
पूरा सहा पाप का दन्ड
o बिथराई पाप की माया
बन्द कर दिया नारगी कुन्ड
f जै जै ईसा
पापियों के तारणहार।

२ ईसा तीसरे रोज़ जी उठा
उस ने खोला स्वर्ग का द्वार
अन्तर्यामी का सूरज उठा
आस चमकाई दिशा चार
जै जै ईसा
पापीयों के तारणहार।

m ३ आओ तो भाइयो पाप की माया
और अज्ञानपन हम छोड़ दें
ईसा हमें देगा छाया
f पाप और क्लेश की आंधी से
जै जै ईसा
पापियों के तारणहार।

५६ (६८) 10.8. D. 9.9.9.8. *"The whole world was lost."* S. 417.

mp १ जब दुनया तारीकी में डूब गई थी
mf इस दुनया का नूर है येशू
ख़ुदावन्द की रौशनी तब ख़ूब आई थी
कि दुनया का नूर है येशू।

ऐ गुनहगार इस रौशनी में आ
तेरे गुनाह वह दूर करेगा
अब देखता हूं गर अन्धा मैं था
कि दुनया का नूर है येसू।

mp २ मसीही न होवें तारीक और उदास
mf कुल दुनया का नूर है येसू
वे रौशनी में चलते हैं येसू के पास
कि दुनया का नूर है येसू।

m ३ ऐ तुम जो गुनाह और तारीकी में हो
mf इस दुनया का नूर है येसू
अब उठके यह बरकत ख़ुदावन्द से लो
कि दुनया का नूर है येसू।

mf ४ आसमान में भी सूरज न होगा ज़रूर
उस दुनया का नूर है येसू
उस सोने के शहर में येसू है नूर
उस दुनया का नूर है येसू।

Coriath H. 164.
Mannheim P. 316.
My Redeemer S. 696

५७ (७०) 8.7.8.7.4.7.

m १ ईसा है नजात-दिहिन्दः
अपने दिल तुम उस को दो
उस्से मत तुम हो शरमिन्दः
उस की राह पर क़ाइम हो
गुनहगार को
आया वह बचाने को।

mp २ हम गुनाह के बोझ के मारे
हुए आजिज़ और लाचार
वह उठाके बोझ हमारे
मरा होके फ़िदाकार
ऐ ख़ुदावन्द
m बे-पायान है तेरा प्यार।

३ या मसीह बचा तू मुझे
मेरे सब गुनाह बख़्शा
शाफ़ी जानता हूं मैं तुझे
सुलह और आराम दिलवा
मददगार हो
ऐ मसीह ख़ुदावन्दा।

m ४ गुनहगारो चले आओ
आदमज़ादो कुल्ल जहान
उस को अपना दुःख बताओ
उस पर लाओ तुम ईमान
mf हल्लिलूयाह
हो ता अबद उस की शान।

Harts H. 17. P. 17. S. 329.

५८ (७२) 7.7.7.7.

mf १ जितने होवें जग के बीच
छोटे बड़े ऊंच और नीच
बोलो धन मसीह सदै
बोलो सब मसीह की जै।

२ वह उतारने पाप का भार
खोलने को वह स्वर्ग का द्वार
देने पापिओं को सुख
mp आया था कि सहे दुःख।

mp ३ अपना लहू दिया है
अपना प्राण बल किया है
ईसा है सब ग्रहण जोग
जै जै करें सारे लोग।

mf ४ भाई बोलो ईसा नाम
देखो सिद्ध है मुक्त का काम
बोलो सारे झूठ की छै
बोलो सब मसीह की जै।

५९ (७३) 6.5.6.5.D. *"Saviour blessed Saviour"* HERMAS { *H. 543.* *P. 210.*

mf १ यीशू धन्य यीशू
सुन हमारा गान
मन और शब्द से करते
तेरा आदरमान
जो कुछ है हमारा
जो कुछ होवेगा
देह और प्राण और आत्मा
सौंपते सर्वथा।

mp २ निकट अधिक निकट
तुझ पास आते हैं
तेरा आदर करके
घुटने टेकते हैं
m जगत में तू आया
करने को उद्धार
mf ऊपर फिर चढ़ गया
हमें ले उस पार।

३ बड़े अधिक बड़े
यां हैं तेरे दान
सच्चा और सनातन
विभव है उस स्थान
जां सब शोक और चिन्ता
क्लेश और दुःख हैं नष्ट
f जां सिंहासन आगे
सब हैं बिना कष्ट।

mf ४ बढ़ो आगे बढ़ो
चलो सुख निवास
जिस मार्ग सन्त लोग आगे
बढ़े ईश्वर पास
mf पीछे सब कुछ छोड़के
बढ़ें इसी रीत
मुंह न पीछे करें
दौड़के पकड़ें जीत।

f ५ ऊपर प्रभु ऊपर
आत्मा को पहुंचा
श्रम और दुःख भुलाके
स्वर्ग में ले उठा
जां अपार आनन्द में
रहते दूत और सन्त
जै मसीह की गाते
मगन हो अनन्त।

६० (७४) 87.8.7. MARINERS {H. 581. P. 197. S. 816.

m १ लाखों में एक मेरा प्रिया
एक ही मेरा प्रिया है
उस ने मेरे मन को लिया
प्रेम के बल से लिया है।

p २ पाप की दलदल में मैं धंसा
था दीनहीन और मन मलीन
दुष्ट के जाल में था मैं फंसा
आशा हीन और दुष्ट आधीन।

m ३ मेरा प्रीतम ईसा आया
खोजने और बचाने को
मुझे पाया और बचाया
उस की स्तुति सदा हो

४ प्रिय प्रभु मन जो लिया
बस तो सब कुछ तेरा है
अपना सब कुछ तुझे दिया
और तू प्रीतम मेरा है।

---

६१ (७७) 6,6,6.6.8.8. "*Rejoice the Lord is King.*" DARWELL {H. 89. P. 69.

mf १ सब मिलके हो खुरसन्द
कि ईसा है बादशाह
तख़्त उस का है बुलन्द
हमारी है पनाह
ऐ भाइयो पाक ख़ुशी से
तुम गाओ गीत ख़ुदावन्द के।

२ कलीसिया का सरदार
वह सच्चा है ख़ुदा
बख़्श देता गुनहगार
रहीम वह है ख़ुदा
m भाइयो पाक ख़ुशी से
तुम गाओ गीत ख़ुदावन्द के।

mf ३ हमारा वह सफ़ीअ
अज़ीम और आलीशान
अब अर्श पर है रफ़ीअ
सुलतानों का सुलतान
ऐ भाइयो पाक ख़ुशी से
तुम गाओ गीत ख़ुदावन्द के।

६२ (७८) C. M. "All hail the power." MILE'S LANE {H. 91. P. 90. S. 203.

f १ आसमान के ऐ मुक़द्दसो
मसीह के हो मद्दाह
हमारे साथ ख़ुदावन्द को
तुम जानो शाहनशाह।

२ और तुम जो उस की उम्मत हो
करो उस पर निगाह
अपने नजात-दिहिन्दः को
तुम जानो शाहनशाह।

mp ३ ऐ गुनहगारो याद रखो
मसीह का प्यार अथाह
मसलूब हक़ीर ग़म-ज़दः को
c तुम जानो शाहनशाह।

mf ४ आसमानियों में शामिल हो
ख़ुदा ही की दरगाह
c अव्वल ओ आख़िर यसू को
हम जानें शाहनशाह।

---

६३ (७९) C. M. ---- ST. MAGNUS {H. 88. P. 64. S. 141.

mf १ सब मिलके तुम तअ़रीफ़ करो
मसीह हमारा शाह
आसमान के ऊपर चढ़ा है
सब उस के हो मद्दाह।

२ फ़िरिश्ते सना गाते हैं
तुम भी मसीहिओ
मसीह बादशाह मुबारक की
सिताइश सब करो।

३ वह सब जहान का है बादशाह
सब उसके ताबिअ़ हो
तुम सोच समझके ईसा की
सिताइश सब करो।

mf ४ वह अब आसमान पर बैठा है
ख़ुदा के दाहिने हाथ
बादशाहत सब पर करता है
अद्ल ओ हिल्म के साथ।

५ जो अबिरहाम का है ख़ुदा
सो क़ौमों में आशकार
बादशाह अमीर बुलन्द ओ पस्त
हैं उस के ताबिअ़दार।

"O Jesus King, most Wonderful."

६४ (८०) C. M.

St. Agnes | H. 202.
Durham | P. 176.
S. 60.

m १ ऐ येसू तू अजीब बादशाह
बहादुर भी मशहूर
तू ख़बीओं का चश्मः है
शीरीनी से मअ़मूर ।

२ जब दिल में आ तू साकिन हो
तब हक़ है रौनक़दार
इलाही प्यार तब है पैवस्त
चीज़ फ़ानी ना-गवार ।

m ३ ऐ येसू तू जहान का नूर
आफ़ताब सदाक़त का
सब लज़्ज़तों से तू लज़ीज़
चश्मः सआ़दत का ।

४ येसू सब तेरे तालिब हों
और तेरे वाक़िफ़कार
नाम तेरे के सब मुक़िर हों
और जानें तेरा प्यार ।

५ ऐ येसू हम सिर्फ़ तेरे प्यार
और हम्द से हों ख़ुशहाल
हम करें उम्र भर आशकार
सिर्फ़ तेरा ही जलाल ।

---

६५ (८१) C. M. "The Lord is King"

Jackson { H. 620.
P. 617.

mf १ ख़ुदावन्द ईसा मालिक है
सुलतानों का सुलतान
सब चीज़ों का वह ख़ालिक है
ज़ात उस की आलीशान ।

mf २ इम्मानुएल है उस का नाम
ख़ुदा हमारे साथ
अजीब है उस के सारे काम
नजात है उस के हाथ

m ३ इनसानों के बख़्शाने को
इनसान वह हुआ था
mp और दुःख और मौत उठाने को
वह दुःख में मूआ था ।

mf ४ वह मूमिनों का जौहर है
और मोती बे-बहा
कलीसिया का वह शौहर है
और मुनजी दुनिया का ।

५ बाग़ मेरा उस से ताज़ः है
वह है हयात का आब
बिहिश्त का वह दरवाज़ः है
और रास्ती का आफ़ताब ।

६६ (८२) 9.8.9.8.

KEMSING *II. 496*
HARVEST-TIDE *P. 487.*

mf १ मसीहा तू मेरा पियारा
तू है मेरे दिल का अज़ीज़
साथ तेरे है सब कुछ गवारा
m बिन तेरे है सब कुछ नाचीज़

mf २ ख़ूबसूरत तू है और पाकीज़ः
मैं तेरे ही प्यार से मग़लूब
कलीसिया है तेरा अज़ीज़ः
कलीसिया का तू है महबूब।

m ३ सब दुनिया बिन तेरे है ख़ाली
जहान है बिन तेरे तारीक
mf साथ तेरे है दुःख में ख़ुशहाली
दिल ख़ुश है जब तू है नज़दीक

४ तू मेरा आफ़ताब-इ-सदाक़त
दिल मेरे को बख़्शता है नूर
हक़्क़ानी है तेरी रिफ़ाक़त
मैं उस में नित रहता मसरूर।

mf ५ ऐ ईसा मैं तुझ पास रहूंगा
पास तेरे है मेरी नजात
mp जब यहां से कूच कर जाऊंगा
तब मुझे बख़्श अबदी हयात।

---

६७ (८३). 5.5.7.5.5.8.

ASCALON { *S.S.H. 562* / *U. G. 88* }

mf १ ईसा पियारे
मालिक हमारे
हक़्क़ इनसान और हक़्क़ ख़ुदा
c तू मेरा यार है
सर ओ सरदार है
महबूब तू है दिल मेरे का।

m २ बाग़ और गुलज़ार है
ख़ुश नमूदार हैं
उन की बड़ी है बहार
o ख़ुश ईसा तू है
सब से ख़ुशरू है
तू मेरे दिल का है गुलज़ार।

m ३ सूरज चमकता
चांद भी झलकता
और सितारे बेशुमार
c ईसा जलाली
सब से जमाली
ख़ूबसूरत मेरा है दिलदार।

६८ (८४) 8.7.8.7.8.8.8.7. *Thou my Everlasting Portion."* S. 574.

m १ तू है मेरा अबदी हिस्सः
तू है जान से भी लज़ीज़
सफ़र भर मैं साथ रहूंगा
तेरे साथ यसू अज़ीज़
तेरे साथ तेरे साथ
तेरे साथ तेरे साथ
सफ़र भर मैं साथ रहूंगा
तेरे साथ यसू अज़ीज़ ।

mp २ ऐश दुनयावी हेच मैं जानता
इज्जत जानता हूं नाचीज़
खुशी से मैं दुःख सहूंगा
तेरे साथ यसू अज़ीज़ ।

mp ३ पास रह जब हो सख़्त मुसीबत
जब हो बदन भी मरीज़
m मैं तब अबदी घर जाऊंगा
तेरे पास यसू अज़ीज़
तेरे पास तेरे पास
तेरे पास तेरे पास
मैं तब अबदी घर जाऊंगा
तेरे पास यसू अज़ीज़ ।

---

६९ (८५) C.M. St. Agnes Durham {H. 202. P. 176. S. 60

m १ मसीह तू मेरा प्यारा है
और मेरे दिल का नूर
तू मेरा ही कफ़ारः है
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।

mp २ जब मैं शैतान के बंद में था
गुनाह से था मग़रूर
वह हालत तू न देख सका
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।

mp ३ मैं ज़ख़मी घायल था लाचार
नालायक़ और मजबूर.
c पर तू था मेरा मददगार
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।

mp ४ जब सभों ने छोड़ दिया था
जब सब हो गये दूर
c तब तू ने गोद लिया था
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।

m ५ पस अब मसीह मैं तेरा हूं
मैं तेरा हूं ज़रूर
c काश तेरे पास मैं नित रहूं
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।

७० (८६) S.7.S.7.

SEFTON *H. 610.*
DORRANCE *P. 238.*

mf १ एक ही प्यारा है हमारा
दोस्त हक़ीक़ी और अज़ीज़
उस की निस्बत सारी उलफ़त
इस जहान की है नाचीज़।

२ सच्ची इज़्ज़त लायक़ हुरमत
उस की ज़ात में शामिल है
इल्म ओ फ़हम हिल्म ओ रहम
c मेरे यार का कामिल है।

mf ३ मेरा आसरा और भरोसः
यसू की क़ुरबानी है

m दूसरा चारः है नाकारः
सिर्फ़ मसीह हक़्क़ानी है।

m ४ जो लियाक़त और सदाक़त
उस की मौत से सादिर है
सो लासानी और रव्वानी
वह नजात पर क़ादिर है।

mf ५ उस की उलफ़त और मुहब्बत
मेरे दिल पर ग़ालिब है
अपने यार की मिहर ओ प्यार की
मेरी जान नित तालिब है।

---

७१ (२२८) P.M.

GLADNESS {P. 549, S. 58.}

m १ क्या ही मुबारक है मुनजी हबीब
mp बदले में हम ने उस के पाई सलीब
mf उस की मुहब्बत है सब पर आशकार
दिल से मैं उस का अब करता इज़हार
f हूं सना-ख्वां मैं उस का हर आन
उलफ़त अजीब मुनजी हबीब
हूं सना-ख्वां मैं उस का हर आन
मुनजी मसीह, हबीब।

m २ अपने तईं पाता हूं जब बे-क़रार
देखता मसीह को जो है फ़िदाकार
फिर उस के पहलू में लेता पनाह
पाता तशफ़्फ़ी जब करता निगाह।

३ मौजें गर होवें और आवे तूफ़ान
सालिम हूं ईसा की गोद में हर आन
फिर किस का ख़ौफ़ है जब मुनजी नज़दीक
सारी मुसीबत में होता शरीक।

४ आवे आज़माइश और हो इमतिहान
mf अपने मुनजी में मैं हूं शादमान
उस की हुज़ूरी में राहत है ख़ूब
वुही है अब मेरे दिल को मरग़ूब।

---

७२ 7,7,7,9. "Man of sorrows." S. 102.

mp १ मर्द ग़मनाक! क्या नाम अजीब
बेटे का जो है हबीब;
गुनहगार का है तबीब,
f हल्लिलूयाह, कैसा शाफ़ी!

p २ ज़िल्लत सख़्त उठाई थी,
मेरी इवज़ मार सही;
ख़ून बहा ख़लासी की,
f हल्लिलूयाह, कैसा शाफ़ी!

mp ३ हम नापाक थे सर ता पा,
वह पाक बर्रः मालिक का,
तौ भी आप को दे दिया,
f हल्लिलूयाह, कैसा शाफ़ी!

mp ४ क्रूशपर होकर की परवाज़,
"पूराहुआ"-की आवाज़,
अब आस्मान पर सरफ़राज़,
f हल्लिलूयाह, कैसा शाफ़ी!

mf ५ आवेगा जब हशमत में,
लेने हम को यहां से,
c फिर यह गीत हम गावेंगे,
ff हल्लिलूयाह, कैसा शाफ़ी!

७३ C.M. "How sweet the name." St. Peter {H. 201 P. 178. S. 112.

१ क्या नाम शीरीन है यीशू का,
मुबारक सब कहो;
वह नाम बलस्तान है बेस-बहा,
हटाता दहशत को.

२ वह नजिस रूह को करता पाक,
वह राहत है मुदामः
वह रूह के लिये है ख़ूराक,
और थकों को आराम.

३ पाक नाम, वह मेरी है चटान,
ढाल मेरी और पनाह;
ख़ज़ानः मेरा बे बयान,
फ़ज़ल की उम्मेदगाह.

४ यीशू चौपान है, शाफ़ी ख़ास
काहिन, नबी और शाह;
तू राह और हक़ तू है मिरास;
मैं तेरा हूं मद्दाह.

५ मैं तेरे बे-हद प्यार का वाज़
हमेशः करूंगा;
नाम तेरा बख़्शेगा मलाज,
मौत में भी बरमला.

---

७४ C.C.C.C.6 6. "Arise my soul arise." Darwell {H. 89. P. 69. S. 154. St. John {H. 632 P. 369

१ ऐ जान, तू होश में आ—
गुनाह की नींद से जाग.
देख लोहू बर्रे का,
और धोके दो बे-दाग़.
कफ़ारः तेरा, तख़्त के पास,
देख! है ख़ुदा का बर्रः ख़ास.

२ वह ज़िन्दाः है, हर आन,
सिफ़ारिश करने को;
"दी मैं ने अपनी जान
बचाऊं इस ही को."
कफ़ारः उस का काफ़ी है,
कुल दुनिया का वह शाफ़ी है.

३ देख, उस के ज़ख़्म सब
जो पड़े कलवरी परः
वह मेरे हक़ में अब,
पुकारते "मुआफ़ तू कर;"
ऐ बाप मुकद्दस, फ़ज़ल से,
तू मेरे ख़ातिर मुआफ़ कर दे.

४ सिफ़ारिश है मक़बूल—
बाप करता मुझे मुआफ़,
अब हूं मैं ना-मअ़लूल;
गुनाह से हूं मैं साफ़.
लेपालक फ़रज़न्द-इ-ख़ुदा
मैं हुआ हूं—रूह है गवाह.

५ ख़ुदा अब राज़ी है,
है पूरा इतमीनान;
सब खौफ़ अब माज़ी है;
है ताज़ः मेरी जान.
फ़रज़न्दी मिला इस्तिहक़ाक़दार,
मैं बाप में पाता हूं क़रार.

---

७५ 8.7.8.7D. *"Tell me the Story of Jesus."* *S. 43.*

१ यिसू की बाबत सुनाओ
हों ताकी वह दिल-निशीन
यिसू की बातें बेश क़ीमत
शहद से जियादा शीरीन
कहो कि क्यूंकर फ़िरिश्ते
गाते थे हम्द ओ सिपास
m कह कि ख़ुदावन्द ने आके
पहना हमारा लिबास।
f यिसू की बाबत सुनाओ
हों ताकि वह दिल-निशीन
यिसू की बातें बेश क़ीमत
शहद से ज़ियादा शीरीन।

२ कहो वह बातें अजूबः
तन्हा जब जंगल में था
जहां कि दुशमन हमारा
मुनजी से लड़कर गिरा
p कहो सब उस की मुसीबत
कहो सब उस का आज़ार
कहो वह मिहनत ओ दिक़्क़त
o कहो वह उस का प्यार।

३ कहो कि क्यूंकर वह मुआ
pp क्यूंकर वह हुआ मसलूब
c क्यूंकर वह मरकर फिर जिया
mf क्यूंकर वह मेरा महबूब
o उलफ़त-इ-मुनजी मसीहा
दिल को है कैसी लज़ीज़
f यिसू है मेरा मुनजी
यिसू है मेरा अज़ीज़।

७६ L. M. "*Jesus, Thy blood and righteousness.*" SOLDAU { *H. 140.* *P. 150.*

१ मसीह का रक्त और धर्म्म अपार
है मेरा सुन्दर धर्म्म सिंगार
जिस में जब पार हो जाना हो
मैं प्रसन्न करूं ईश्वर को।

२ मसीह पर मेरा है विश्वास
विश्वासी क्यूंकर होंगे नास
रीझ गया मुझ पर ईश्वर आप
और क्षमा किया मेरे पाप।

३ जो मैं ने किये कर्म अशुद्ध
जो किया आज्ञा के विरुद्ध
सो क्रूस पर चढ़के यीशु ने
मिटाया अपने लहू से।

४ ईश्वर का लीला सर्वप्रधान
जो क्रूस पर हुआ बलिदान
और पापी को बचाता है
सो मेरा मुक्ति दाता है।

५ मसीह ने दुख जो सहा था
मसीह का रक्त जो बहा था
जिस ने मेरी छुडौती दिई
सो आशा है मुझ पापी की।

६ हां मेरी आशा जीवन भर
है सदा प्रभु यीशु पर
और स्वर्ग में उस का धर्म्म अपार
है मेरा सुन्दर धर्म्म सिंगार।

७७ 8.6.8.6.6.6. Words of Life {P. 559. S. 357.

१ जावे किस के पास, गुनहगार ?
यीशू है ज़िन्दगी !
मौत से करता है वही पार ;
यीशू है ज़िन्दगी !
ज़िन्दगी रूहानी,
ज़िन्दगी ग़ैर-फ़ानी !
बख़्शिश अजीब !
राह है सलीब !
लेओ तुम ज़िन्दगी !

२ रूह और दुलहिन भी कहतीं, "आ"
यीशू है ज़िन्दगी !
तू जो सुनता है कहता जा,
यीशू है ज़िन्दगी !
सारी क़ौमें आवें,
आब-इ-हयात वह पावें.

३ मुफ़्त वह देता है सभों को ;
यीशू है ज़िन्दगी !
उस की मौत का नफ़ा हासिल लो.
यीशू है ज़िन्दगी !
नक़दी नहीं लाना,
उस के फ़ज़्ल से पाना.

४ यीशू, लेता मैं तेरा नाम,
तू ही है ज़िन्दगी !
बिलकुल नाक़िस हैं मेरे काम,
तू ही है ज़िन्दगी !
तुझ पर आसरा मेरा,
बन्दः हूं मैं तेरा !

---

७८ 8 7.6.6.6.6. Panjabi Air

१ जै ! जै ! जै ! जै ! मसीह की जै !
जै ! जै ! जै ! मसीह की जै !
मसलूब जो हुआ है !
मसलूब जो हुआ है !
बेहद है उसका प्यार अजीब !
जै ! जै ! मसीह की जै !
बेहद है उसका प्यार अजीब !
जै ! जै ! मसीह की जै !

२ ईमान हम लाये यीशू पर;
जो हुआ है क़ुरबान;
उसही के ख़ून से है नजात,
पस क्यों न हों शादमान?

३ देख! देख! देख! देख!
मसीह को देख!
सलीब पर मुआ है,
सलीब पर देके अपनी जान,
मुझे बचाया है.

४ ख़ुदा ने ऐसी शिद्दत से,
जहान को किया प्यार,
कि बख़्शा अपने बेटे को,
ता होवे फ़िदाकार.

५ ऐ ईमानदारो, ख़ुश रहो,
वह करता है ख़लासः
गुनाह की सब बीमारी से,
और बख़्शता पाक मीरास.

६ पस ख़ून ख़रीदे, गावें सब,
मसीह की होवे जै;
हां मौत जब आवे कहूंगा,
मसीह की होवे जै!

---

७९ 12.10.12.10. *"Praise Him, Praise Him."* S 208.

१ गाओ! गाओ, यीशू मुनज्जी की गीतें,
गाओ उसका देहद अ़जीब पियार;
हम्द ओ सना, इज़्ज़त ओ हशमत ओ क़ुदरत,
उस मुबारक मुंजी पर है निसार.
यीशू हम को अपने प्यार में रखता,
उसकी गोद में पाते हैं चैन हर बार.
गाओ! गाओ, यीशू मुनज्जी की गीतें,
गाओ! गाओ, दिल से मसीह का प्यार.

२ गाओ! गाओ, यीशू मुनज्जी की गीतें,
वह हम सब के लिये है जा निसार;
वह हमारा शाफ़ी ओ मुंजी ओ बादशाह;
हल्लिलूयाह! यीशू हमारा यार.
सना! सना! यीशू ने दुख उठाया:
आह! यह उसका कैसा अजीब पियार।
गाओ! गाओ, यीशू मुनज्जी की गीतें,
गाओ! गाओ, दिल से मसीह का प्यार.

३ गाओ! गाओ, यीशू मुनज्जी की गीतें;
ऐ ज़मीन, अब ख़ुशी का नअ़रा मार;
यीशू मुंजी, अज़ली ओ अबदी ख़ुदावन्द.
है हमारा शाफ़ी ओ शाह सरदार,
क्रूश पर उसने कहा, कि "पूरा हुआ"
ताज व तख़्त का यीशू अब है हक़दार.
गाओ! गाओ, यीशू मुनज्जी की गीतें,
गाओ! गाओ, दिल से मसीह का प्यार.

देखो भीः १५२—१५७.

५. पवित्र आत्मा.

८० (८७) 8.6.8.1. *"Our Blest Redeemer."* St. Cuthbert { *H. 133. P. 111. S. 191*

mp १ मुनजी अज़ीज़ मसीह ने जब
छोड़ दिया दुनया को
तसल्ली-दिह बख़्श दिया तब
ता हादी हो।

m २ रूह पाक तब उतरा पुर-तसकीन
मुबारक है मिहमान
घर अपना करता दिल मिसकीन
और पाक मकान।

mp ३ अपनी सलीम आवाज़ ही से
सब ख़ौफ़ वह करता दूर
और उस के नूर आसमानी से
है दिल मसरूर।

m ४ सब पाक ख़ियाल ओ नेक अमाल
दिलेरी ओ इद्राक
सब इल्म का वह उस्ताद कमाल
और बानी पाक।

mp ५ तक़दीस के रूह तू कर निगाह
कमज़ोर फ़र्ज़न्दों पर
c हमारे दिल में आ हरगाह
सुकूनत कर।

f ६ सिताइश बाप और बेटे की
सिताइश रूह की हो
जो था और है और होगा भी
हमेशः को।

---

८१ (८८) L. M. Soldau { *H. 140. P. 130.*

mp १ रूह क़ुद्दूस तू मुझ पर मिहर कर
हो नाज़िल अजिज़ बन्दे पर
अपने मुअस्सिर ज़ोर से आ
तारीकी दिल की तू मिटा।

p २ अफ़सोस मैं कैसा बिगड़ा हूं
इस हालत में मैं क्या करूं
गुनाह से मैं अधमूआ हूं
बे-जान की मानिन्द हुआ हूं।

mp ३ तू मुझे दे मुहब्बत को
नजात की फ़िकर दिल में हो
ऐ रूह-उलक़ुद्‌स मत हो नाराज़
कि तेरा फ़ज़ल रहे बाज़।

४ तू जानता मेरे दिल का हाल
सब ग़फ़लत उससे तू निकाल
दीनदारी में चालाकी दे
मुस्त से करा काम नेकी के।

५ ऐ रब्ब कर सिहर की निगाह
हो मेरा दिल इबादतगाह
जगा मुझ को सब ग़फ़लत से
और मेरे दिल में बरकत दे।

---

८२ (८९) L. M. *"Come, Holy Ghost."* VENI CREATOR { *H. 130.* *P. 109.*

mp १ पैदा कुनिन्दः रूह क़ुदूस
अब आ पास अपने लोग मख़सूस
तू फ़ज़ल से कर दिल मअ़मूर
न हो तू अपनी ख़ल्क़ से दूर।

mp २ तसल्ली-दिह और मददगार
c है जिस से ज़िन्दगी नूर और प्यार
m तू हम को अब ममसूह फ़रमा
और निअ़मतें हफ़्त चन्द बढ़ा।

३ हमारी आंखें रौशन कर
और दिलों में मुहब्बत भर
mp जब जिस्म होवें ना-तवां
c तू बख़्श दे क़ुदरत फ़िरावां।

m ४ मुख़ालिफ़ को कर हम से दूर
और बख़्श सलामत और सुरूर
तू हो हमारा रहनुमा
और हर एक बदी से बचा।

५ तू बाप को हम पर ज़ाहिर कर
और बेटे को कर जलवःगर
और तुझे—दोनों की पाक रूह—
हम मानें उन के साथ ममदूह।

८३ (९०) C. M.

STORR { H. 391 / P. 136.

mp १ ऐ रूह-उल-क़ुद्दूस तू हाज़िर हो
और अपना ज़ाहिर कर
मिटा दिल की तारीकी को
कर हक़ को जलवःगर।

२ जो कुछ कि दिल में टेढ़ा हो
निकाल दे सरासर
ख़ुदा की पाक मुहब्बत को
तू हम में जारी कर।

३ दिल की सरगर्मी हमें दे
और सुस्ती दफ़अ कर
c हम में मसीह की ख़ातिर से
रूहानी ख़ुशी भर।

---

८४ (९१) S. M.

BRADON Ps. M. 149.
BOYLSTON { P. 219, / S 117.

mp १ दुआ तू मेरी सुन
रूह क़ुद्दूस ऐ पाक उस्ताद
और हर एक क़ैद की बेड़ी से
तू मुझे कर आज़ाद।

p २ और अगर ऐसा हो
कि कोई बद दस्तूर
मैं अपने दिल में पालता हूं
कर उस को मुझ से दूर।

mp ३ और मेरे सारे अंग
हों तेरे ताबिअदार
तू मेरी आंख ज़ुबान और कान
हर अंग का हो मुख़्तार।

४ मैं ख़ून-ख़रीदः हूं
ख़ुदावन्द ईसा का
पस अपनी जान ओ जिस्म को
मैं उस का जानूंगा।

५ और तू ऐ रूह-उल-क़ुद्स
राह रास्त पर चलने को
m रूहानी क़ुवत मुझे बख़्श
और मेरा हादी हो।

८५ (६२) 7.7.7. "Come, Thou Holy Paraclete." St. Philip {H. 138. P. 103.

mp १ हे पवित्र आत्मा आ
और उजाला स्वर्ग का सा
अपनी कृपा से चमका।

२ उत्तम शान्ति दाता आ
प्राण के प्रिय पाहुन आ
हमें ढाढ़स अब बंधा।

३ श्रम में हम को दे विश्राम
छाया हो जब पड़े घाम
शोक और रोना सब मिटा।

४ हे पवित्र जोति अब
भर दे हमें सब के सब
सारा मन उजला करा।

p ५ बिना तेरे उपकार
हम मनुष्यों का क्या सार
सब कुछ बि..ड़ा सर्वथा।

mp ६ धो ले जो कुछ मैला है
सींच तू जो कुछ सूखा है
जो कुछ घायल है बंधा।

mp ७ जो कठोर है तू झुका
जो अजीव है तू जिला
भटके हुए मार्ग पर ला।

८ अपने प्रिय लोगों को
आसरा रखनेहारों को
वरदान सतगुणा दिला।

c ९ धर्म्म की योग्यता तू दे
मृत्यु समय मुक्ति दे
स्वर्ग में सुख दे सर्वदा।

---

८६ 8.7.8.7.D. "Hover o'er me, Holy Spirit" G. 108.

१ रूह इलाही, रूह मुकद्दस,
अब चमका तू अपना नूर;
कर मख़सूस यह दिल की हैकल,
आ, और उसको कर मअ़मूर

कर मअ़मूर, कर मअ़मूर,
अभी उसको कर मअ़मूर;
कर मख़सूस यह दिल की हैकल,
आ, और उस को कर मअ़मूर.

२ तू है मेरे दिल की रोशनी,
तू है क़ुदरत से भरपूर;
हर वक़्त मैं हूं तेरा तालिब,
आ, और दिल को कर मअ़मूर.

३ मैं तो सर-ता-पा कमज़ोर हूं,
मैं हर तौर से हूं मजबूर,
आ, ऐ रूह, ऐ रूह इलाही,
आ, और दिल को कर मअ़मूर.

४ आ, और पाक कर मेरे दिल को,
कर सब बदी मुझ से दूर;
क्याही ख़ूब हैं तेरी आमद,
तुझ से दिल है अब मअ़मूर.
है मअ़मूर, है मअ़मूर,
तुझ से दिल अब है मअ़मूर;
है मख़सूस यह दिल की हैकल
अब दिल तुझ से है मअ़मूर.

---

८७ 7.7.7.7. St. Bees { H. 198. P. 77. S. 365

१ रूह उलक़ुदस, तू उतर आ,
अपनी क़ुदरत को दिखा;
तोड़ संग दिल हमारे को,
फ़ज़ल तेरा हम पर हो.

२ रब्ब को जो न जानते हैं,
यीशू को न मानते हैं,
उन से तौबः तू करा,
और मसीह की ओर फिरा.

३ जब वे सुनें ख़ुशपयाम,
जब वे पढ़ें पाक कलाम,
रूह के ज़ोर मुअस्सिर से
उन के दिल पर असर दे.

४ बख़्श ईमान बहुतेरों को,
दे नजात घनेरों को;
क़ुदरत तेरी काफ़ी है,
फ़ज़ल तेरा वाफ़ी है.

८८ L. M. *"Come, Holy Spirit."* MELCOMBE { *H. 135.* *P. 107.*

mf १ ऐ रूह-उल-क़ुद्दूस तू उतर आ,
और दिल में रोशनी तू चमका
रूहानी ताब ओ ताक़त दे
भर दिल हमारे उलफ़त से।

mp २ देख हम हैं कैसे ख़ताकार
गुनाह का करते हैं इक़रार
कि उस का बोझ सताता है
हमारे जी दबाता है।

३ हम गीत बे फ़ायदा गाते हैं
जो नहीं दिल लगाते हैं
बिन तेरे फ़ज़ल हम लाचार
ऐ रूह-उल-क़ुद्दूस हो मददगार।

mf ४ हम सभों को तू अब जला
रूहानी ग़फ़लत से जगा
तू बन्दगी की ताक़त दे
कि होवे रूह और रास्ती से।

देखो भी: ३११, ३२३.

६. परमेश्वर का वचन.

८९ (६३) 11.11.11.11. *Ps. 19: 7-9.* HOUGHTON *H. 12.* *P. 16.* HANOVER *H. 12.* *P. 22.*

m १ ख़ुदावन्दा तेरा मुक़द्दस कलाम
है तेरी पाक रूह का मुक़द्दस इलहाम
गुमराहों को फेरने के लिये मुफ़ीद
नादानों की सच्ची तअ़लीम ओ ताईद।

२ शरीअ़त है तेरी सब सीधी और साफ़
और तर्स तेरा पाक है और कामिल इनसाफ़
वह दिल की है ख़ुशी और आंखों का नूर
सो रहेगा क़ाइम ता अबद ज़रूर।

३ शरीअत से तेरा है अ़दल आशकार
इनजील तेरे रहम का करती इज़्हार
शरीअत दिखाती है मेरे गुनाह
इनजील मुझे देती है सुलह औ सलाह।

४ वेशक़ीमत हैं सोने से तेरा कलाम
वह कुन्दन से क़ीमती ख़ालिस तमाम
वह शहद से मीठा और तरबियत-बख़्श
c कर अपने कलाम को दिल मेरे पर नक़्श।

---

९० (९४) C. M. *Ps. 119: 73-80.* FARRANT { P. M. 63. P. 200. S. 188.

mp १ तू ने बनाया मुझे है
ऐ मेरे बाप ख़ुदा
तू मुझ को दानिश अ़ता कर
और अपनी राह सिखा।

२ रास्त तेरी हैं अ़दालतें
तू ने अमानत से
मुझ आ़सी को दुःख दिया है
पर अब रिहाई दे।

३ मुवाफ़िक़ अपने अ़हद के
अब मिहरबानी कर
तसल्ली दे और फ़ज़्ल कर
मुझ अ़जिज़ बन्दे पर।

m ४ मैं ख़ुश हूं तेरे शरअ़ से
और तेरी इनायात
जो होवें मेरे शामिलहाल
तो पाऊं मैं हयात।

p ५ तू रुसवा कर मग़रूरों को
और इख़्तिलाफ़ मिटा
mp मैं तेरे ही पाक फ़र्ज़ों पर
ध्यान रक्खूं ऐ ख़ुदा।

६ ख़ुदा के सारे तरफ़दार
हैं मेरे दोस्त मक़बूल
तू मेरे दिल को कामिल कर
और मुझे कर क़बूल।

९१ (९५) S.M. *Ps. 119: 173-176.* St Michael (Old 134) {*H. 115. P. 102. S. 691.*}

mp १ ख़ुदावन्दा ख़ुदा
हो मेरा मददगार
कि मैं ने दिल से किया है
कलाम को इख़्तियार।

२ तेरी नजात ही का
मैं हुआ आरज़ूमन्द
और तेरी पाक शरीअत में
मैं ख़ुश हूं और पाबन्द।

mp ३ मेरी जान-बख़्शी कर
कि तेरी हम्द करूं
और तेरी पाक अदालतें
मैं सदा याद रखूं।

p ४ मैं खोई भेड़ सा हूं
मैं हुआ हूं गुमराह
mp अब ढूंढ तू अपने बन्दे को
और उस पर कर निगाह।

५ मैं मानने चाहता हूं
तेरे पाक हुक्मों को
mf राह रास्त पर मुझे क़ाइम रख
चौपान तू मेरा हो।

---

९२ (९६) 7.7.7.7. *"Holy Bible."* Innocents {*H. 299. P. 99. S. 1149.*}

m १ बैबल बैबल पाक किताब
गंज तू मेरा बे-हिसाब
देता है तअलीम कमाल
साफ़ दिखाता मेरा हाल।

mp २ मुझ को देता है तम्बीह
m साफ़ दिखाता है मसीह
हक़ की राह चलाता है
दिल में प्यार लगाता है।

३ दुःख में है तू मेरा यार
तू बीमार का ख़ातिरदार
वह ईमान बताता है
जीत जो मौत पर पाता है।

४ पाक बिहिश्त का हाल अजीब
pp दोज़ख़ का जो हाल मुहीब
सब बताती पाक किताब
m गंज तू मेरा बे-हिसाब।

६३ (६७) S. M. *Ps. 119: 105-108.* HAMPTON {H. 430 / P. 431}

m १ पांव मेरे का चिराग़
रब्ब तेरा है कलाम
यह राह के लिये रौशनी है
हर हाल और हर पैयाम।

m २ तेरे कलाम मे है
मेरी अबदी मीरास
और तेरी पाक शहादत से
है मुझे ख़ुशी ख़ास।

३ दिल मेरा चाहता है
कि तेरे पाक फ़रमान
मैं बजा लाऊं कोशिश से
ता अबद हर ज़मान।

४ शुक्र और दुआयें
सो मेरे हैं क़ुरबान
क़बूल तू कर और मुझे बख़्श
अपने कलाम का ज्ञान।

---

७. त्राण—अवश्य.

६४ (१११) 7,6,7,6. D. ELLON {PH. 555. / P. 555.}

p १ मसीहा मैं जो पापी
पास तेरे आता हूं
मैं पापी और संतापी
रो रो पछताता हूं

m हा ईसा तुझ पास आता
तू प्राश्चित पाप का है
तुझ पर बिश्वास मैं लाता
तू प्यारा बाप का है।

p २ मुझ पापी ऊपर भार है
हां पाप सन्ताप का भार
c पर तेरे मन में प्यार है
आस मेरी तेरा प्यार

m अब लिये अपने पाप को
मैं तुझ पास आता हूं
सब अपने पाप संताप को
मैं तुझ पास लाता हूं।

p ३ यह पाप का बड़ा रोग है
हां पाप का कठिन रोग
कि पापी नरक जोग है
यह पाप का रोग और सोग
c ऐ ईसा तुझ पास आता
मैं आता तेरे पास
m तू रोग और सोग मिटाता
यह मेरी आस बिश्वास।

४ तू पापियों का मीत है
इस कारण आता हूं
अत्यन्त जो तेरी प्रीत है
प्रतीत से आता हूं
mp पक्षवादी मेरा होके
कर बिन्ती पिता पास
सब पाप संताप को खोके
दे मुझे स्वर्ग में वास।

---

९५ (११७) C. M. *Ps. 130: 1-5.* ST. AGNES DURHAM {*H. 202.* *P. 176.* *S. 60.*}

p १ गुनाह ओ ग़म के ग़ार में से
मैं करता हूं फ़रयाद
ख़ुदाया मेरी सुन आवाज़
फ़रमा तू मुझे याद।

p २ कि आदमी के गुनाहों का
जो करे तू हिसाब
जो ठहरे कौन तेरे हुज़ूर
सब दुनया है ख़राब।

m ३ पर गुनाहों की मुआफ़ी है
पास तेरे ऐ ख़ुदा
और ईसा के कफ़्फ़ारे पर
ईमान है आसी का।

mp ४ पस डर के साथ और ताइब हो
मैं आता तेरे पास
मेरे गुनाह ख़ुदाया बख़्श
सुन मेरा इल्तिमास।

"I lay my sins on Jesus."

९६ (११९) 7.6.7.6. D.

MISSIONARY (HYMN) { H. 441. P. 443. S. 1070.

mp १ अपने गुनाह मैं डालता
ख़ुदा के बर्रे पर
वह सब ही को उठाके
ले जाता सरासर
मैं दिल का नजस लाता
मसीह वह धोवेगा
वह अपने लहू पाक से
हर दाग़ को खोवेगा।

२ और अपनी सारी ख़्वाहिश
मैं लाता ईसा पास
वह देता मुझे शफ़ा
और अबदी मीरास
मैं अपना रंज ओ फ़िक्र
और दिल का सारा बार
ईसा मसीह पास लाता
वह मेरा बारबरदार।

p ३ ईसा संभाल दिल मेरा
वह थका हारा है
हाथ तेरा मेरे तले
तू मेरा चारः है
m ईम्मानूएल मसीहा
नाम तेरा है शीरीन
ज्यों इतर की ख़ुशबूई
ख़ुश जानते मूमिनीन।

mp ४ ईसा मसीह की मानिन्द
फ़रोतन और रहीम
मैं दिल से होने चाहता
सचमुच ग़रीब हलीम
mf मैं तेरे पास आसमान पर
ऐ ईसा मिहरबान
जी जान से रहने चाहता
बीच पाक फ़िरिश्तगान।

९७ (१२०) C.M. *Ps. 130: 6-8.* St. Peter { H. 201. P. 178. S. 112.

mp १ मैं इन्तिज़ार में रहता हूं
अपने ख़ुदावन्द के
कि मग़फ़िरत नजात हयात
है सिर्फ़ ख़ुदावन्द से।

२ पहरूआ पौ के फटने की
रग़बत से देखता राह
त्यों तेरी इन्तिज़ारी पर
मैं रखता हूं निगाह।

३ सिर्फ़ तुझ पर मेरी है उम्मेद
कि रहमत बे-क़ियास
और आजिज़ बन्दों की नजात
ऐ रब्ब है तेरे पास।

m ४ मसीह से सब गुनाहों का
देख फ़िद्यः है तैयार
ऐ इसराएल ख़ुदावंन्द का
तुम करो इन्तिज़ार।

"I need Thee, Precious Jesus."

९८ (१२७) 7.6.7.6. D. Rutherford { H. 306. P. 346. SM. 74.

mp १ मसीह मुझ को ज़रूर है
मैं बड़ा गुनहगार
दिल मेरा है अन्धेरा
आलूद और तक़सीरवार
मसीह के ख़ून से फ़क़त
दिल की सफ़ाई है
इस सबब से मसीह की
हर वक्त दुहाई है।

२ मसीह मुझ को ज़रूर है
मैं बहुत हूं कंगाल
मुसाफ़िर और परदेसी
ग़रीब भी और तंगहाल
m मसीहा तेरा करम
रहेगा मेरे साथ
वह पांव को ज़ोर बख़्शेगा
थामेगा मेरा हाथ।

mp ३ मसीह मुझ को ज़रूर है
में बहुत हूं नादान
गुमराही मेरे दिल की
है सख़्त और बे-बयान
में उस की मदद मांगता
तंग राह पर चलने को
बिहिश्त को पहुंचाने
वह मेरा हादी हो।

४ मसीह मुझ को ज़रूर है
हर रोज़ मुझ को ज़रूर
ऐ यसू अपने फ़ैज़ से
तू मुझे कर मअ़मूर
तू अपनी रूह-उल-क़ुदूस को
बख़्श मुझे उ़मर भर
c कि तुझे ख़ूब मैं जानूं
हिदायत मेरी कर।

देखो भी: ५६, १३६—१४२.

त्राण—तैयार.

"God loved the world of sinners."

९९ (६३) C. M. 7.6.8.6. WONDROUS LOVE (P. 129. S. 17.

mf १ ख़ुदा ने ऐसी शिद्दत से
जहान को किया प्यार
कि बख़्शा अपने बेटे को
ता होवे फ़िदाकार।
देख ख़ुदा का प्यार अ़जीब
कि येशू आया है
सलीब पर देके अपनी जान
मुझे बचाया है।

m २ ईमान से येशू मेरा है
p जो हुआ है मसलूब
c उसी के ख़ून से है नजात
और उस से मौत मग़लूब।

mf ३ ऐ ईमानदारो ख़ुश रहो
वह करता है ख़लास
गुनाह की सब बीमारी से
और बख़्शता पाक मीरास।

mf ४ पस ख़ून-ख़रीदे गावें सब
मसीह की होवे जय
हां मौत जब आवे कहूंगा
मसीह की होवे जय।

जय! जय! जय! जय! मसीह की जय!
जय! जय! जय! मसीह की जय!
मसलूब जो हुआ है!
मसलूब जो हुआ है!
बेहद है उस का प्यार अजीब!
जय! जय! मसीह की जय!

---

१०० 8.5.8.3. *"Art Thou weary"* STEPHANOS {*H.* 15, *P.* 15, *S.* 40}

mp १ क्या तू मांदा और दिलगीर है
सख़्त मुसीबत से
m मुझ पास आ एक कहता तुझ को
राहत ले।

m २ क्या वह कुछ निशान भी रखता
जो वह हादी हो
p हाथ और पांव में देख तू उस के
ज़ख़्मों को।

m ३ क्या वह कोई ताज भी रखता
सिर पर शाहानः

mp हां एक ताज है सिर पर उस के
कांटों का।

m ४ गर मैं उस के पीछे चलूं
हिस्सः क्या पाऊं

mp दुःख तकलीफ़ और रंज और मिहनत
और आंसू।

m ५ गर हमेशः पास में रहूं
आख़िर क्या मिले

mf राहत कामिल और पार होंगे
यर्दन से।

m ६ गर उस के नज़दीक मैं जाऊं
क्या वह रोकेगा

mf हरगिज़ नहीं गो सब आलम
हो फ़नां।

m ७ क्या मैं उस के पीछे चलके
बरकत पाऊंगा

f कहें सब और पाक फ़िरिश्ते
कहते हां।

१०१ (१४७) C.M. "There is a fountain"

EVAN { H. 174. P. 415.
ARTAXERXES P. 216.

m १ इम्मानुएल के लहू से
एक सोता भरा है
जब उस में डूबते पापी लोग
रंग पाप का छूटता है।

२ वह डाकू क्रूश पर उसे देख
आनन्दित हुआ तब
हम वैसे दोषी उसी में
पाप अपना धोवें सब।

c ३ ईश्वर की मंडली सदाकाल
सब पाप से बच न जाय
f तब तक उस अनमोल रक्त का गुण
न कभी होगा क्षय।

m ४ मैं जब से तेरे बहते घाव
विश्वास से देखता हूं
f मोक्षदाई प्रेम को गा रहा
और गाऊंगा मरने लों।

m ५ और जब यह लड़बड़ाती जीभ
d कबर में चुप रहे
f तब तेरी स्तुति करूंगा
और मीठे रागों से।

---

१०२ (१४८) C.M. "There is a fountain." S. 129.

m १ एक चशमः शाफ़ी जारी है
मसीह के लहू का
जो उस में ग़ुसल पाता है
ज़रूर साफ़ होवेगा।

२ वह चोर जो हुआ था मसलूब
सो उस में हुआ पाक
मैं भी उस में नहाने से
पाक हूंगा और बे-बाक।

३ बर्रे अज़ीज़ तू अपना ख़ून
हर वक्त मुअस्सिर कर
जब तक तेरे ख़रीदे सब
न आए बाप के घर।

m ४ मेरे गुनाह तू धोवेगा
ऐ ईसा सरासर
c और तेरे रहम की तअ़रीफ़
मैं करूं उमर भर।

mp ५ फिर मरते वक्त जब यह ज़ुबान
ज़मीन पर होगी बन्द
c तब तेरे नाम को करूंगा
आसमान पर मैं बुलन्द।

१०३ (१४६) "Who can wash away my sins?" S. 874.

mp १ दिल के दाग़ को धोवे कौन
p लहू जो के क्रूश से जारी
m मेरे मर्ज़ को खोवे कौन
p लहू जो कि क्रूश से जारी।
m वह चश्मः है मअमूर
दाग़ दिल के करता दूर
हैं मुझ को दिल मंज़ूर
p लहू जो कि क्रूश से जारी।
m २ मेरे मर्ज़ का शाफ़ी है
मआफ़ी को वह काफ़ी है।

३ वह है मेरे क़र्ज़ का दाम
वह है मेरा ख़ास इनआम।
४ मेरी वह उम्मेद है ख़ास
रास्ती का है ख़ुश लिबास।
५ दुःख तकलीफ़ में है पनाह
वह है मेरे घर की राह।
६ मेरे गीत का है मज़मून
मुझ को करता है ममनून।

The Ninety and Nine.

Ninety and Nine { P. 154. S. 97.
Compassion H. 165.

१०४ (३२६) P.M.

m १ निन्नानवे भेड़ें सलामती से
हो रहीं दरगाह-इ-पनाह,
mp पर एक तो पहाड़ों में गल्ले से दूर
भटकती थी होके गुमराह;
d वह जंगल में फिरती बे-ख़ौफ़ ओ शुऊर
चौपान मिहरबान से वह गई है दूर.

m २ "निन्नानवे रहीं तो हैं, ऐ चौपान,
　　तू छोड़ दे उस एक को बद्-हाल."
mp चौपान का जवाब है,'क्यूं छोड़ूं वह एक?
　　वह एक भी है मेरा ही माल;
　　सच, जंगल पुर-ख़ार है, कटीले हैं पेड़,
　　पर तौभी मैं जाता हूं ढूंढने को भेड़"

p ३ पर किसको है मअ़लूम वह दुःख औ तकलीफ़
　　उठाता है जिसे चौपान,—
　　कि वह अपनी भेड़ को, जो खो गई थी
　　फिर पावे और करे शादमान?
d 　कि सुना, वह जंगल में रो रही है,
　　लाचार होके मरने पर हो रही है

mp ४ पर राह भर में लहू के टपके जो हैं,
　　सो कहो, हैं किस के निशान?
p 　उस भेड़ी को पाने जो भाग रही थी,
　　देख ज़ख़्मी भी हुआ चौपान;
　　कि कांटे चुभ गये, लुहान हुए हाथ.
mp 　जब भेड़ी को ढूंढ लाए मुहब्बत के साथ.

mf ५ पर सुनो, क्या बोलती वह ज़ोर की आवाज़?
　　"हो मेरे साथ ख़ुश और मसरूर!"
　　ज़मीन पर से आता वह ख़ुशी का शोर,
　　आसमान भी ह उस से मअ़मूर;
　　फ़िरिश्ते पुकारते भी हैं, दर आसमान,
f 　"जो भेड़ी खो गई, फेर लाया चौपान!"

१०५ (३३०) : C.M. St. Francis H. 53. P. 249.

mf १ हम कैसी बड़ी निश्चमतें
मसीह में पाते हैं
नजात पाने को गुनहगार
बुलाए जाते हैं ।

mp २ न हम ने कुछ कमाया है
न किये हैं नेक काम
mf नजात का वह मुहब्बत से
मुफ़्त् देता है इनश्राम ।

mp ३ जो कुछ ख़ुदा को पसन्द था
सो हुआ है नमूद
mf सब बरगुज़ीदों की नजात
मसीह में है मौजूद ।

४ और बरगुज़ीदों में से एक
हलाक न होवेगा
चरवाहा अपनी भेड़ों से
एक भी न खोवेगा ।

५ कि जितने चुने हुए हैं
सो ईसा में ख़ुश-हाल
ईसा में रहते हैं महफ़ूज़
और पावेंगे जलाल ।

१०६ 11.9.11.9. *"Have you been to Jesus?"* S. 370.

१ क्या तुम यीशू पास गये कि
दिल होवे पाक!
तुम उस सोतेमें साफ़ हुये हो,
जो सलीब से बहता कि होवे नजात,
क्या उस सोतेमें साफ़ हुयेहो ?
क्या तुम साफ़ हुये हो ?
सब गुनाह से तुम साफ़ हुये हो ?
क्या लिबास तुम्हारे हुये
ख़ून से सफ़ेद ?
क्या उस सोते में साफ हुये हो ?

२ क्या तुम यीशू साथ चलते रोज़
ब-रोज, रोज़ ब-रोज़,
क्या उस सोते में साफ़ हुये हो ?
क्या तुम अपना भरोसा उस
पर रखते हनोज़ ?
क्या उस सोते में साफ़ हुये हो

३ तब बे-दाग़ और बे-ऐब
तुम ठहरोगे ज़रूर,
गर उस सोते में साफ हुये हो;
और आस्मानी जलाल में तुम
रहोगे मसरूर,
कि उस सोते में साफ़ हुये हो-

१०७ 11.9.11.9 *"There is life for a look."* P. 148. S. 123.

१ देख और जी, गुनहगार,
वह सलीब इ मसीह,
तेरे लिये है अभी हयात;
अब देख, अभी देख, वह ही
बर्रा इ क्रूस,
अभी ले तू हक़्क़ाक़ी नजात.
देख, देख, देख और जी;
देख और जी, गुनहगार,
वह सलीब इ मसीह,
तेरे लिये है अभी हयात.

२ गर उसने गुनाहों का लिया
न बोझ,
क्यों वह दुख से सलीब पर
मूआ ?
आह, क्यों उसके ज़ख़्मों से
लहू बहा,
गर न क़र्ज़ तेरा अदा हुआ ?

३ अपने कामों से हरगिज़ न
बचेगा तू,
है वह ख़ून ही गुनाह का इलाज;
अब वास्ते नजात के तू उस
ही को देख,
और मुआफ़ी और राहत
ले आज.

४ शक ओ शुभे न कुछ अपने
दिल में तू ला,
देख है पूरा नजात का कुल काम;
तू बर्रे को देख और नजात
अपनी ले,
ताकि होवे मुबारक अंजाम.

त्राण—दिया गया.

१०८ (७६) 10.10.9.8.9.9.9.8. *"Free from the Law."* S. 145.

mf १ शरअ़ से छूटा ख़ुशी अब आई
ईसा ने दी है मुझे रिहाई
p लअ़नत उठाके दी अपनी जान
mf सदा को बस है वह क़ुरबान ।

एक क़ुरबान पे बारबरदार भाई
एक क़ुरबान ने बख़्शी रिहाई
मुनजी मसीह है हर वक्त एकसां
सदा को बस है वह क़ुरबान।

mf २ सज़ा के डर से मेरा दिल छूटा
मरा मसीह बस बंद मेरा टूटा
आवे उस पास हर एक जो हैरान
सदा को बस है वह क़ुरबान।

३ फ़ज़ल इलाही फ़रज़न्द ख़ुदा के
तुम को बरगश्तगी से बचाके
तुम को करेगा दाख़िल आसमान
सदा को बस है वह क़ुरबान।

---

१०६ (६६) *"Come ye disconsolate."* COMFORT {H. 434, P. 147.}

mp १ आ अब ऐ गुनहगार देर क्यूं तू करता
मुनजी के पास अब आ तू जो मजबूर
m ला अपना ज़ख़्मी दिल हाल उस्से कह दे
mf जो कुछ है मुशकिल वह करेगा दूर।

m २ यिसू ही राहत है वह ही है रोशनी
उम्मेद है बचने की वह ही ज़रूर
mf तुझ से वह कहता है उलफ़त से कहता
जो कुछ है मुशकिल सब होवेगी दूर।

m ३ उस्से अब बरकत ले मत कर अब देरी
वह ही है बरकत का चशमः मअ़मूर
mf आ अब इस दअ़वत में हो अब आसूदः
जो कुछ है मुशकिल सब होवेगी दूर।

"Come ye sinners poor and wretched."

११० (१००) 8.7.8.7.4.7. REDEMPTION. H. 37. P. 86.

mp १ आओ गुनहगारो आओ
थके मांदे ख़्वार औ चूर
c ईसा पास तुम को बख़्शाने
रहम है और सब मक़दूर
f सब का मुनजी
वह है उलफ़त से मअ़मूर

mf २ रास्ती के ऐ भूखे प्यासो
लो ख़ुदा की बख़्शिश को
हक़ ईमान और सच्ची तौबः
साथ ले आके हाज़िर हो
बिना नक़दी
ईसा से नजात को लो।

m ३ पहले अपनी चाल सुधारना
देखो भाई क्या ज़रूर
सिर्फ़ एक बात ख़ुदावन्द चाहता
आप को जान लाचार मजबूर
mf ऐसे हाल में
तू मसीह को है मंज़ूर।

p ४ देख गतसमनी के बाग़ में
ईसा गिरा जान-फ़िशान
सुन गलगता के पहाड़ पर
उस की बात को मरते आन
पूरा हुआ
है नजात का सब सामान।

mf ५ मूमिनों का वह शफ़ीअ़ है
अब आसमान पर पुर-जलाल
अपने सब गुनाह समेत अब
c अपने को तू उस पर डाल
f सिर्फ़ मसीह से
सुधर जाता तेरा हाल।

१११ (१०१) 8.7.8.7.8.8.4.6. "There is a gate that stands ajar." S. 572.

mf १. एक द्वारा खुला रहता है
कि जिस से सदा आता
एक नूर जो क्रूस से फैलता है
मसीह का प्रेम बतलाता
mp क्या यह हो सक्ता प्रेम अपार
कि खुला रहा मुक्त का द्वार
c कि मैं कि मैं
कि मैं प्रवेश करूं।

mf २. सभों पर खुला है वह द्वार
जो उस से मुक्ति चाहते
हर ज़ात हर कौम धनवान लाचार
मुफ़्त उस में पहुंच पाते।

३. पस आगे जा निडरी से
कि अब द्वार खुला रहता
सलीब उठा वह ताज जीत ले
जो प्रेम अपार बख़्श देता।

mf ४ सलीब जो मिली है यहां
हम यर्दन पार छोड़ देंगे
f मसीह से पाके ताज वहां
नित उस का प्रेम करेंगे।

"I heard the voice of Jesus say."

११२ (१०३) C.M.D. Vox Dilecti { H. 172. P. 138. S. 216.

mp १. यह बात शीरीन है ईसा की
p ऐ थके मांदे आ
और आके मेरे सीने पर
तू तकिया कर सुस्ता
mp मैं जल्दी गया ख़्वार लाचार
सुस्त मांदा और उदास
c और मैंने ख़ुशी और आराम
तब पाया उस के पास।

m २. यह बात शीरीन है ईसा की
देख तुझ पियासे को
आब-इ-हयात मैं देता हूं
पस पीके ख़ुर्रम हो
mf मैं जाके उस से पीता था
हर रोज़ मैं पीता हूं
c मैं उस से हुआ ताज़ःदम
और उस से जीता हूं।

m ३ यह बात शीरीन है ईसा की
मैं नूर हूं दुनया का
तू मुझे देखके रोशन हो
और नूर में चला जा
f तब मैंने देखा और मसीह
तब हुआ मेरा नूर
और सफ़र की तमामी तक
वह रहेगा ज़रूर।

११३ (१०४) C. M. 8.5.8.5. *"Come every soul."* S. 392.

m १ सब आओ जितने हो लाचार
मसीह पास है आराम
गुनाहों से जो हो ज़ेरबार
अब मानो पाक कलाम।
नींद से जागो देर न करो
आओ ईसा पास
वह बुलाता और बचाता
उस की हो सिपास।

mp २ मसीह ने अपना ख़ून बहा
m गुनाह को किया मुआफ़
इस नादिर सोते में नहा
तहक़ीक़ तुम होगे साफ़।

३ मसीह सच्चाई है और राह
पस लाओ तुम ईमान
जो पाते हैं वह आरामगाह
मुबारक हैं हर आन।

mp ४ ऐ प्यारे ईसा तेरे पास
मैं अभी आता हूं
c नजात और अबदी मीरास
मुफ़्त तुझ से पाता हूं।

mf ५ पस अब ख़ास क़ौम में शामिल हो
और लो मीरास पुर-नूर
आसमानी मुल्क में दाख़िल हो—
जो ख़ुशी से भरपूर।

---

११४ (१०५) 7.7.7.7.D. *"Sinners Jesus will receive."* S. 390.

mf १ यह सुनाओ कि यीशु ख्रीष्ट
पापी को बचाता है
ग्रहण करता हर एक को
उस के पास जो आता है।
फिर और फिर भी यह गीत गाओ
यीशु ख्रीष्ट ही त्राता है
सभों को यह बात बताओ
पापी को बचाता है।

mp २ सब से बड़े पापी को
c चैन विश्राम का दाता है
उस पर रखो अब विश्वास
सभों को बुलाता है।

m ३ पाप का दोष और पाप का दंड
सब को वह उठाता है
पाप का बल और पाप का बंद
सब से वह छुड़ाता है।

m ४ किया उस ने सब उद्धार
दिल न थरथराता है
भरा उस ने मेरा दंड
अब निर्दोष बनाता है।

pc ५ मरके फिर जी उठा वह
अब मुझ को जिलाता है
मुझे अब वह करके शुद्ध
स्वर्ग को तब ले जाता है।

"Come to Jesus"

११५ (१०७) 4.2. S. M. 28.

mf १ यीशु पास आओ अभी
२ वह बुलाता अभी
३ बचा सकता अभी
४ वह तैयार है अभी
५ वह बचाता अभी
६ मुआफ़ वह करता अभी

७ मैल से धोता अभी
८ ताक़त देता अभी
९ पाक रूह बख़्शता अभी
१० उस से मांगों अभी
११ वह सुन लेता अभी
१२ सिर्फ़ ईमान लाओ अभी

११६ L. M. *"Behold a stranger."* BERA *P. 140.* CRASSELIUS (WINCHESTER) *H. 6. P. 150.*

१ देख, फाटक पर मुसाफ़िर है,
वह अब तक खटखटाता है,
और देर ही से वह ठहरता है,
तू दोस्ती न दिखाता है.

२ वह खड़ा है, अजीब पियार!
दिल भरा है, और हाथ तैयार,
कि बख़्शिश देवे, बे शुमार,
हां दुशमन को, गो गुनहगार.

३ पर क्या वह है हक़ीक़ी यार?
हां, यीशू यार तुझ को दरकार;
वह दोस्त है गुनहगारों का,
जो उनके वास्ते मूआ था.

४ उठ, दिल से सब गुनाह निकाल,
जो करता बीच में बुरा हाल;
गुनाह जब दिल से जावेगा,
तब यीशू अन्दर आवेगा.

५ अब उस को दिल में तू बुला,
वह जाके फिर न लौटेगा;
यह दिन तो जल्दी जावेगा,
फिर मौक़ा तू न पावेगा.

---

११७ 10.8 10.7 *"Jesus is tenderly calling."* *S. 396.*

१ यीशू बुलाता है, सुन उसकी बात;
देरी न कर, देरी न कर;
आ तू हलीमी से, ले अब नजात,
तू होगा पाक सरासर.
ख़ुशहो इस आन, ख़ुशहो इस आन
यीशू मुनजी में
ख़ुश हो, और रह तू शादमान.

२ अपने गुनाहों का कर तू इक़रार,
देरी न कर, देरी न कर:
सादिक़ और क़ाइम है, वह वफ़ादार;
तेरा वह है फ़िदाकार.

३ फिर न गुनाहों का होगा हिसाब,
कर तू यक़ीन, कर तू यक़ीन;
दूर हुये सारे शैतानी अज़ाब,
ख़ुशी अब है बरतरीन.

४ तुमको वह देता आस्मानी मीरास,
ख़ुशी से लो, ख़ुशी से लो;
बख़्शा है रास्ती का तुमको लिबास;
ब्याह के घर में दाखिल हो.

११८ 11.1.70.11. *"Whosoever heareth."* *P. 457. S. 389.*

१ कोई, क्यों न हो, जो सुनता है कलाम,
आवे यीशू पास, नजात का ले ईनाम;
दे यह मीठी ख़बर दुनिया में तमाम,
"कोई, क्यों न हो, आवे;"

कोई क्यों न हो! कोई क्यों न हो!
दे इञ्जील की ख़बर हर एक बशर को;
दावत सब को मिलती बाप आस्मानी से;
"कोई क्यों न हो, आवे"

२ कोई, क्यों न हो, आ देरी न कर;
कर क़बूल बुलाहट, खुला अब है दर;
यीशू ही है राह, चल उस के क़दम पर,
"कोई क्यों न हो, आवे."

३ "कोई, क्यों न हो!" सुन यीशू की पुकार;
"कोई क्यों न हो," है उस का क़ौल क़रार;
कोई क्यों न हो, नजात का तलबगार,
"कोई, क्यों न हो, आवे."

११९　11.11.11.6.　*"A ruler once came.'*　*S. 366.*

१ एक आया था शख़्श मसीहा के पास
वह चाहता था मिले हक़ीक़ी मीरास
यह कहा ख़ुदावन्द ने ख़ुश हो उसे
"हो पैदा पाक रूह से."

"हो पैदा पाक रूह से
हो पैदा पाक रूह से
मैं रास्ती हां रास्ती से कहता हूं फिर
हो पैदा पाक रूह से."

२ ऐ ग़ाफ़िल, तू सुन ले मसीहा की बात
गर चाहता है अपनी हक़ीक़ी नजात
तो यीशू यह कहता है अभी तुझे
"हो पैदा पाक रूह से."

३ गर चाहते हो तुम आस्मानी मकान
और चाहते हो ख़ुशी ओ राहत इ जान
तो सुनो सब जितने हो छोटे बड़े
"हो पैदा पाक रूह से."

१२० 9.6.9.8.D.7.6.7.6.D. *"Jesus the water of life."* S. 364.

mf १ यीशू अब देता है आब हयात,
मुफ्त में, मुफ्त में, मुफ्त में;
यीशू अब देता है आब हयात,
मुफ्त में जो उस के मोमिनः
चश्मे से पीकर अब लो हयात,
मुफ्त में, मुफ्त में, मुफ्त में;
चश्मे से पीकर अब लो हयात,
तुम जो उस के हो मोमिम.

रूह और दुल्हिन कहती, आ,
मुफ्त में, मुफ्त में, मुफ्त में;
और वह जो प्यासा आवे अब
और पीये वह आब-इ-हयात;

f वह चश्मः-इ-आब है जारी,
जारी, मुफ्त है जारी,
वह चश्मः-इ-आब है जारी,
है जारी हम सब के लिये.

२ यीशू घर देता है बीच आस्मान,
यीशू घर देता है बीच आस्मान;
दौलत भी देता है बे-पायान.
दौलत भी देता है बे-पायान.

३ यीशू लो देता है पाक लिबास,
यीशू लो देता है पाक लिबास;
तुम को वह देता है ताज, मीरास,
तुम को वह देता है ताज, मीरास.

४ यीशू से आकर लो ज़िन्दगी,
यीशू से आकर लो ज़िन्दगी;
राहत ओ हश्मत ओ चैन खुशी,
राहत ओ हश्मत ओ चैन खुशी.

५ यीशू की बरकत से हो मअमूर,
यीशू की बरकत से हो मअमूर;
चश्मे से पीकर अब हो मसरूर,
चश्मे से पीकर अब हो मसरूर.

---

१२१ 8.7.8.7.D. *"Weary Wand'rer."* S. 404.

mf १ थके भूले रह और सुन ले
खुश पैग़ाम मसीहा का
ईसा ने तैयार किई ज़ियाफत
आ मक़बूल तू होवेगा।

f देर न कर न कर तू उज़्र
ईसा अब बुलाता है
आ और सब कुछ देख तैयार है
मान्दा क्यूं तू रुक्का है।

mf २ क्या गुनाह का बोझ है भारी
आ अब उस का कर इक़रार
वह है ख़ुश कि तुझे बख़्शे
मुआफी ले क्यूं है बेज़ार।

३ ईसा के पियारे हाथ से
राहत ले हो ईमानदार
आ उस चश्मे में तू साफ़ हो
आ क्यूं करता इनतिज़ार।

४ देख उस ख़ूब और शाद लिबास को
जो कि उस के हाथ में है
उस ज़ियाफ़त में हो शामिल
दाख़िल हो क्यूं रुक्ता है।

त्राण—ग्रहण किया गया.

१२२ (१०८) P. M. *"I will arise."* *PH. (S.S.) 16.*

mp मैं उठूंगा मैं उठूंगा
और अपने बाप पास जाऊंगा
और उस से कहूंगा
pp ऐ बाप ऐ बाप
mp मैं ने आसमान का मैं ने आसमान का
मैं ने आसमान का और तेरा गुनाह किया
p और मैं इस लायक़ नहीं
कि फिर तेरा बेटा कहलाऊं
m मैं उठूंगा मैं उठूंगा
और अपने बाप पास जाऊंगा
mf हां जाऊंगा।

१२३ (१०९) C. M.

SALZBURG { Ps. M. 131. P. 301.

pp १ क्या बुरा है हमारा हाल
हम सब बेहूदः हैं
कि सारी बात ख़्याल अमाल *m*
गुनाह आलूदः हैं।

:: २ नजात की दावत है तैयार
मसीह का यह कलाम
गुनाह के हो जो बारबरदार
पास मेरे है आराम।

mp ३ हम थके मांदे आते हैं
यह भार तू हम से ले
ईमान हम तुझ पर लाते हैं
आराम तू हमें दे।

४ तू अपने बन्दों को सम्भाल
तू क़ादिर दायम है
तू अपना जूआ हम पर डाल
कि वह मुलायम है।

---

१२४ (११०) 7.7.7.7.

UNIVERSITY COLLEGE *H. 275. P. 271.*
PETERL *P. 412.*
MAIDSTONE *H. 377. P. 589.*

mp १ किस पास जावे पापी जन
किस से पावे मुक्त का धन
किस से कहे मन का दुःख
किस से मिले प्राण का सुख।

mp २ न मनुष्य तो कहीं है
स्वर्गी दूत भी नहीं है
पापी को जो आश्रा दे
उस को ढूंढें कहां से।

३ मूरत मन्दिर देवतास्थान
तीरथ दरशन पुन्य और दान *c*
इन से प्राप्त नहीं कुछ
ठहरे सब बे-अर्थ और तुच्छ। *mf*

mf ४ प्रभु ईसा दयावन्त
उस्से जीवन है अनन्त
उस पर लावे जो विश्वास
सो ही रक्खे मुक्त की आस।

५ प्रभु ईसा तुझ ही पर
आस रक्खूंगा जीवन भर
स्तुति तेरी गाऊंगा
तुझ से शान्ति पाऊंगा।

mp ६ जब बैकुण्ठ को जाना हो
देखूंगा जब तुझ ही को
तब कहूंगा हे ईसा
तेरे द्वार मैं बच गया।

१२५ (११२) 8.8.8.6. *"Just as I am."* WOODWORTH P. 151. S. 473. MISERICORDIA H. 175.

p १ जैसा मैं हूं बग़ैर एक बात
पर तेरे लहू से हयात
और तेरे नाम से है नजात
मसीह मैं आता हूं।

२ जैसा मैं हूं कंगाल बदकार
कमज़ोर नालाइक़ और लाचार
अब तेरे पास ऐ मददगार
मसीह मैं आता हूं।

३ जैसा मैं हूं कमबख़्त नापाक
और मेरी हालत दहशतनाक
लड़ाई भीतर बाहर बाक
मसीह मैं आता हूं।

pc ४ जैसा मैं हूं क़बूल कर ले
मुआफ़ी और तसल्ली दे
mf सिर्फ़ तेरे ही वसीले से
c मसीह मैं आता हूं।

pc ५ जैसा मैं हूं तेरा पियार
मुझ से उठावेगा हर भार
f और बरकत देगा बेशुमार
मसीह मैं आता हूं।

"Jesus my Lord to Thee I cry"

१२६ (११३) 8.8.8.6.6.6.8.6. *H. 476*

p १ पुकारता हूं ऐ मददगार
बिन तेरे जान है बे-क़रार
नजात का हूं मैं तलबगार
अब मुझ को कर क़बूल।

mp अब मुझ को कर क़बूल
अब मुझ को कर क़बूल
नजात का मैं हूं तलबगार
अब मुझ को कर क़बूल।

p २ मैं हूं लाचार और गुनहगार
m पर मेरे लिये वही धार
mp तू अपने लाइक़ कर तैयार
अब मुझ को कर क़बूल।

p ३ तैयारी मेरी है बेकार
हूं अपनी कोशिश से बेज़ार
c अब तेरा ही है इन्तिज़ार
अब मुझ को कर क़बूल।

mp ४ है तेरे प्यार की मुझ को प्यास
मैं रखता हूं नजात की आस
और आने चाहता तेरे पास
अब मुझ को कर क़बूल।

५ गर अपना काम तू मुझे दे
तो मर्ज़ी को और दिल को ले
और मुझ को पाक कर अन्दर से
अब मुझ को कर क़बूल।

६ जब होगा ख़िद्मत का अंजाम
जब जंग का होगा इख़्तिताम
तौभी यह होवेगा कलाम
अब मुझ को कर क़बूल।

---

१२७ (११४) 7.7.7.7. INNOCENTS { H. 293. P. 99. S. 1149.

m १ ईसा प्रभु सत अवतार
तू है मेरा तारणहार
mp गिरता तेरे चरण पर
अपने दास पर दया कर।

mp २ किस के पास मैं जाऊंगा
किस से मुक्ति पाऊंगा
m मुक्ति है तो तेरे हाथ
प्रभु ईसा कृपानाथ।

३ तू पवित्र आत्मा दे
मुझे धर्म्म की शिक्षा दे
वही जब सिखाती है
मुक्त की बात खुल जाती है।

४ ईसा तुझे मानता हूं
तुझ को अपना जानता हूं
केवल तू है सत अवतार
तू है मेरा तारणहार।

"I hear Thy welcome voice"

१२८ (११५) S. M. 6.6.7.6. WELCOME VOICE. { P. 163. S. 475.

mp १ तेरी शीरीन अवाज़
मैं सुनता हूं ख़ुदा
बुलाती पास उस चशमे के
सलीब से जो बहा।
आता हूं मसीह आता तेरे पास
धोके साफ़ कर चशमे से
जो बहता क्रूश से ख़ास।

p २ आता कमज़ोर लाचार
देख मेरी हालत को
नजासत से कर पाक औ साफ़
c कि एक भी दाग़ न हो।

m ३ मसीह तू बख़्शता है
कामिल पियार ईमान
कामिल उम्मेद और चैन आराम
ज़मीन पर और आसमान।

mf ४ तहसीन कफ़ारे को
तहसीन मुफ़्त फ़ज़ल को
तहसीन मसीह की बख़्शिश को
अब मिलके सब कहो।

१२९ (११६) 7.7.7.7.7.7.

DIX H. 35. P. 24.
PETRA H. 191. P. 161.

m. १ प्रभु ईसा दयावन्त
जगतत्राता कृपावन्त
पापी को तू तारता है
तुझे जो पुकारता है
सभों पर तू है कृपाल
mp मुझ पर भी तू हो दयाल।

m २ तेरा नाम मैं लेता हूं
तन और मन मैं देता हूं
मुक्ति मिलेगी मुझे
केवल तेरी कृपा से।

३ मेरे सारे पाप का भार
कृपा कर मुझ से उतार
c अपना दास तू मुझे कर
रख तू मुझे जीवन भर।

m ४ भेज पवित्र आत्मा को
मेरा मन पवित्र हो
मुझ में प्रीत प्रतीत बढ़ा
अंत को मुझे स्वर्ग में ला।

---

१३० (११८) C. M. Ps. 38. MARTYRDOM {H. 256. P.Ps. 251}

p १ तम्बीह न दे तू क़हर से
मुझे ऐ रब्ब रहीम
न ग़ज़ब करके सज़ा दे
ख़ुदावन्दा करीम।

p २ गुनाहों का जो मेरा वार
मुझे दबाता है
और मेरा दिल जो ख़्वार लाचार
आराम न पाता है।

m ३ उम्मेद है मुझ को तुझ ही से
करीम ख़ुदावन्दा
mp मेरी फ़रयाद को सुन तू ले
और मुझे जल्द बचा।

४ दिल खोलके अपने सब गुनाह
मैं करता हूं क़बूल
कर मुझ पर रहम की निगाह
और आसी को न भूल।

५ ख़ुदाया मुझे तर्क न कर
न हो तू मुझ से दूर
मेरी नजात तू जल्दी कर
बख़्श मेरे सब क़ुसूर।

"My hope is built on nothing less."

१३१ 8.8.8.8.8.8. St. Catharine: *P. 155.* *S. 902.*

१ सिर्फ़ एकही मेरा चारा है,
वह यीशू का कफ़ारा है;
न जाता मैं और किसी पास,
सिर्फ़ यीशू पर है मेरी आस.

ख़ास वहही मेरी है चटान,
सब और वसीले हैं बुतलान,

२ तारीकी जब आ जाती है,
उस चेहरे को छिपाती है,
तब उसका फ़ज़ल आता है,
तारीकी को हटाता है.

३ तूफ़ान जब ज़ोर से आता है,
और मेरा दिल घबराता है,
तब उसका वआदा है चटान,
और मुझको होता इतमीनान.

---

१३२ 7.7.7.7. D. *"I am coming to the Cross."* *S. 477.*

१ आता हूं सलीब के पास, मैं हूं अन्धा और लाचार,
मेरी आंख हैं क्रूश पर ख़ास; हूं नजात का तलबगार.
क्रूश ही मेरी है पनाह, क्रूश पर मेरी है निगाह;
बोलता हूं मैं क्रूश की जयः यीशु अब बचाता है.

२ मैं आवारा बे-तसकीन, कामिल राहत पाता हूं,
सुनता अब यह कौल शीरीन; "तुझ को मैं बचाता हूं"

३ तुझे सब कुछ देता हूं, तुझे अपना कहूंगा,
तेरी चीजें लेता हूं, तेरा नित मैं रहूंगा.

४ तुझ पर मेरा है ईमान, तुझ से साफ़ मैं हुआ हूं,
तुझ ही में है मेरी जान, तेरे साथ मैं मुआ हूं.

५ तेरी रूह से हूं मअ़मूर, तेरी ही सिताइश हो,
एक दाग़ है दिल से दूर, सना सना बर्रे को.

देखो भीः १३३—१४६.

मसीही जीवन.

१. विश्वास, पश्चात्ताप और स्वीकार.

१३३ (१२१) 7.6.7.6. D. *Ps. 25: 4-11.*

AURELIA { *H. 454.* *P. 225.*
EWING { *H. 334.* *P. 351.* *S. 217.*

mp १ ख़ुदाया अपनी राहें
मुझ आसी को दिखला
और मुझ को अपने रस्ते
सदाक़त के बतला
तू मेरा है मुनज्जी
ख़ुदावन्दा रहीम
देख मेरी इन्तिज़ारी
नजात की दे तअ़लीम।

m २ कमाल है तेरा फ़ज़्ल
और रहम है अ़ज़ीम
तू अपने हिल्म को याद कर
जो तुझ में है क़दीम
mp जवानी की ख़ताएं
न कभी याद में ला
मुनजी मसीह की ख़ातिर
तू मुझे मुआफ़ फ़रमा।

m ३ गुनाहों को मुआफ़ करने
ख़ुदा है रास्त रहीम
वह देता है ग़रीब को
नजात की ख़ास तअ़लीम
सदाक़त और मुहब्बत
सो है ख़ुदा की राह
तू अपने नाम की ख़ातिर
बख़्श मेरे सब गुनाह।

---

१३४ (१२२) L. M.

MAINZER { *H. 140.* *P. 161.*
CYPRUS *P. 93.*

m १ हे ईसा तू जगत्राता है
हमारे कारण दिया प्राण
तू नरक से बचाता है
तू पापियों को देता त्राण।

p २ अकथ हमारे हैं अपराध
हम सब ही हुए नरक जोग
अंधकार हमारा है अगाध
अब क्या करें हम पापी लोग

mf ३ पर तेरी दया है असीम
अनुप है तेरे त्राण का काम
अकथ अगाध है तेरा नेम
आश्चर्य्य अद्वैत है तेरा नाम॥

mp ४ लचा तू हमें अपनी ओर
और इस अंधियारे को मिटा
c तब पाप की रात में होगा भोर
और धर्म का सूरज चमकेगा।

---

१३५ (१२३) 7.7.7.7.7.7. *"Rock of Ages."* PASCAL *H. 191.* PETRA *H. 191. P. 162 S. 237.*

m १ ईसा मेरी पनाहगाह
तुझ में मेरी है पनाह
तेरा छिदी पसली का
पानी ख़ून जो वहा था
सो गुनाह को धोता है
हर एक दाग़ को खोता है।

mp २ नेकी जो मैं करता हूं
आंसू जो मैं भरता हूं
जो सवाव कि मेरा हो
सो गुनाह छुटाने को
ज़रः काम न आता है
c फ़क़त तू छुटाता है.

mp ३ ख़ाली हाथ हूं मैं ग़रीब
धरता हूं तेरी सलीब
मेरी सब नजासत को
अपने लहू से तू धो
नंगा हूं हक़ीर लाचार
c रास्ती से मुझे संवार।

p ४ दम जब तलक चलता हो
pp या जब दम निकलता हो
जब तू खोलेगा किताब
जब तू लेवेगा हिसाब
c ईसा मेरी पनाहगाह
तब तू मेरी हो पनाह।

---

१२६ (१२४) S.7.S.7.1.7.

PLEASANT PASTURES P. 585.
MANNHEIM { H. 295. P. 316.

m १ पापी दोषी दीन हीन सकल
आवो गावो यीशु नाम
तारण कर्त्ता वह है केवल
तिस के ऐसा किस का काम
mf प्रभु यीशु प्रगट होवे तेरा नाम।

p २ हम सब अधम अपराधी
सब हैं दोषी नरक जोग
c तेरी कृपा सो अगाधी
प्रेम से किया पाप का भोग
प्रभु यीशु अब निस्तार तू पापी लोग।

m ३ धरम अवतार तू भया
धरती पर दिखाया प्रेम
पापी लोग का दंड उठाया
तिस पर धरी त्राण की नेम
प्रभु यीशु कर सभों का कुशल क्षेम।

mp ४ तू ने अपना लहू दिया
दिया निज अमोल का प्राण
c ऐसा प्रेम कब किस ने किया
तू ही जगत लोग का त्राण
प्रभु यीशु तुझ बिन और न कोई त्राण।

m ५ जगत अंत लों तू ही राजा
वेग से अपना राज्य दिखा
सकल लोग हों तेरी प्रजा
लज्जा देवन पर बहा
c प्रभु यीशु आवे तेरी प्रभुता।

१३७ (१२५) 8.7.8.7.

BATTY (INVITATION) { PH. 233. P. 310.
BIRD P. 169.

mp १ आया हूं मसीह पास तेरे
मुझे दूर न कीजियो
बाइस गुनाहों के मेरे
मुझे फेंक न दीजियो।

२ मुआ तू नजात के लिये
मेरी ख़बर लीजियो
औरों के गुनाह बख़्श दिये
मेरे भी बख़्श दीजियो।

३ रूह-उल-क़ुद्स की पाक निअ़मत
बन्दे को तू दीजियो
आवेगा जब रोज़ क़ियामत
मुझे तब थाम लीजियो।

४ दुशमन मेरे हैं घनेरे
मेरी मदद कीजियो
सौंपता आप को हाथ में तेरे
मुझे छोड़ न दीजियो।

---

१३८ (१२६) 9.8.9.8.

RADFORD { H. 371.
ST. CLEMENT { P. 376.

m १ मसीह की मेरी है दुहाई
मसीहा मेरी ख़बर ले
मसीह से मेरी है रिहाई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

mp २ तारीकी मेरे दिल पर छाई
शैतान गरजते बबर से
अज़ाब की दहशत दिल में आई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

३ सलीब पर तू ने मौत जो पाई
और फिर जी उठा क़बर से
c नजात की राह इस से बनाई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

mp ४ ईमान और प्यार की कुल खोटाई
दुनिया गुनाह के जबर से
m मसीहा मुझे दे रिहाई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

"Jesus Lover of my Soul"

१३९ (१२८) 7.7.7.7. D. HOLLINGSIDE { H. 193. P. 162. S. 237.

mp १ ईसा तू ही मेरा है
मुझे आसरा तेरा है
तेरी रखता हूं पनाह
है तू मेरी उम्मेगाह
आंधी जब तक बहती है
आफ़त जब तक रहती है
c तब तक मेरा हाफ़िज़ हो
चैन से रख तू बन्दे को।

mp २ दूसरा नहीं मेरी आस
रख तू मुझे अपने पास
तुझ पर लगा मेरा ध्यान
तू ही मेरी है अमान
मुझ बे-कस को तू न छोड़
मुझ लाचार से मुंह न मोड़
m मेरा तू सहाई है
ईसा नाम दुहाई है।

m ३ इस तूफ़ान से तू बचा
मुझे अपने पास छिपा
हो तू मेरा मददगार
हो तू मेरा क़ादिर यार
mp जब मैं गिरूं तू उठा
बदियों को तू मिटा
मुझ बीमार को चंगा कर
मेरे दिल में ताक़त भर।

p ४ तू पाकीज़ः मैं नापाक
मुझे बख़्श और कर बे-बाक
सब गुनाहों से बचा
m अपनी तरफ़ तू फिरा
दे तू मुझे रूह-इ-पाक
अपनी राह में कर चालाक
f तू हयात का सोता है
तुझ से दिल सेर होता है

"Jesus Lover of my Soul"

१४० (१२९) 7.7.7.7. D. HOLLINGSIDE { H. 193. P. 162. S. 237.

mp १ ईसा मेरे जानी दोस्त
आंधी चलती है ब-ज़ोर
तेरे पास मैं भागता हूं
मौजें उठती हैं ब-शोर
जब तक चले यह तूफ़ान
मेरी आड़ हो ख़ाविन्दा
c आख़िर तू सलामती से
मेरा बेड़ा पार लगा।

mp २ मेरी है तू जाए पनाह
मेरी जान तू रख बे-डर
तू न तनहा मुझे छोड़
मेरी ख़ातिर जसअ कर
m मेरा तू भरोसा है
मेरा हामी ऐ ख़ुदा
तले अपने परों के
अपने बन्दे को बचा।

m ३ जो कुछ मुझे हो दरकार
तुझ में है मौजूद तमाम
mp तू मुझ थके मान्दे को
बारबरदार को दे आराम
m तेरा नाम है रास्त और पाक
p मैं नापाक हूं और मजबूर
मैं गुनाह से लदा हूं
c पर तू फ़ज़ल से मअमूर।

m ४ अपने बे-हद्द रहम से
मेरे सब गुनाह कर मुआफ़
अपनी रूह के असर से
कर तू मेरे दिल को साफ़
mf तू हयात का चश्मः है
ज़िन्दगी का है दर्या
मेरे अन्दर जारी हो
बहता रह बे-इन्तिहा।

---

१४१ (१३०) 8.7.8.7.

SHARON *PH. 220.*
BATTY (INVITATION) *PH. 223. P. 310.*

m १ ऐ मसीह ख़ुदाया मेरे
तू है मेरा मददगार
मानूंगा मैं हुकम तेरे
हूंगा तेरा ताबिअदार।

२ तू मसीहा आलमं वाला
छोड़के उतरा उल्फ़त से
तू नजात का देनेवाला
मुझे भी नजात तू दे।

३ तू गुनाह का है बख़शिन्दः
मैं हूं तेरा ताबिअदार
तू बिहिश्त का है दिहिन्दः
मैं हूं उस का उम्मेदवार।

१४२ (१५०) 7.7.7.7.7.7.

Dix H. 35. P. 24.

p १ पापी मैं तो बड़ा हूं
महा कष्ट में पड़ा हूं
मेरे कैसे बड़े दुःख
कौन दे सकता मुझे सुख

m मेरी रच्छा करने को।
प्रभु तू सहायक हो।

m २ सब है तेरा भूमि आकाश
पशु पक्षी फूल और घास
तू ने उत्पन्न किया है
सब कुछ हम को दिया है।

३ दया से तू है भरपूर
मेरा संकट कीजिये दूर
जग में जितने दिन जीऊं
मन में शान्ति मैं पाऊं।

४ तू जो मेरा मित्र हो
तो मैं जीतूं शत्रु को
दुष्ट को तू नसाता है
पाप से तू बचाता है।

---

१४३ (१५१) 7.7.7.7.

St. Dunstan H. 102.
Pleyel P. 412. S. 457.

m १ ऐ मसीहा मेरे यार
कर तू मेरा दिल तैयार
तेरी हम्द मैं करूंगा
तेरा गीत मैं गाऊंगा।

mp २ था गुनाह का मैं ग़ुलाम
भूला भटका बे-आराम
फिरता था कमबख़्त लाचार
बे-तसल्ली बे-क़रार।

३ खोजता था मैं मददगार
सब को पाता था नाचार
करता था बहुत तदबीर
पाता था सब बे-तासीर।

४ रोता था मैं दिन और रात
क्योंकर मेरी हो नजात
गुनाह क्योंकर होंगे मुआफ़
दिल भी क्योंकर होगा साफ़।

mf ५ यसू आया पुर-रहम
देखा मेरा दुःख और ग़म
पाया मुझे दिल अफ़गार
हुआ मेरा मददगार।

१४४ (१५४) 6.4.D.6.6.4.

BETHANY (EXCELSIOR) { PH. 201. P. 223. S. 581.

mp १ आता मैं तेरे पास
ईश्वर दयाल
तुझ से है मेरी आस
पिता कृपाल
आप से मैं हूं बलहीन
कर मुझे मन में दीन
मुझे संभाल ।

p २ पाप से मैं भरा हूं
धार्म्मिक पिता
और किस के पास जाऊं
कर तू दया
हो गया बलिदान
निज सुत ने दिया प्राण
मुझे बचा ।

mp ३ मेरे सब पाप मिटा
मुझे शुद्ध कर
मेरा विश्वास बढ़ा
मन प्रेम से भर
सुध मेरी सदा ले
मरने पर आने दे
तेरे ही घर ।

१४५

SOLDAU H. 140. P. 130.

mf १ मैं आता हूं तेरे हुज़ूर,
ख़ुदा, मैं ठहरा पुर-क़ुसूर;
गुनाह तो मेरे हैं क़रीब,
पर मेरा आसरा है मसीह.

२ गुनाह का बोझ तो बड़ा है,
लाचार यह आसी पड़ा है;
किधर को भागूं मैं ग़रीब?
मेरी पनाह तो है सलीब.

३ सलीब है मेरी जा पनाह,
सलीब पर मेरी है निगाह;
कि उस पर हुआ जो ज़बीह,
सो मेरा मुंजी है, मसीह.

४ लाचार बेकस मैं आता हूं,
ईमान मसीह पर लाता हूं;
मसीह, गुनाह का मेरा भार,
तू अपनी रहमत से उतार.

१४६ 8.6.8.6. *"I do believe."* S. 493.

mf १ ऐ गुनहगार, ऐ गुनहगार, क्यों ग़ाफ़िल सोता है
ख़ुश हो कि तेरा मददगार, ईसा बुलाता है।
मैं मानता हूं, मैं जानता हूं, कि ईसा मुनजी है;
और उसके साथ और उसके हाथ आस्मान की कुंजी है।

२ ऐ गुनहगार, बेकस लाचार, दिन गुज़रा जाता है:
अब हो नजात का तलबगार, ईसा बुलाता है।

३ ऐ गुनहगार अब हो बेदार, क्यूं दुःख में रहता है
अगर्चि तू है ख़ताकार, ईसा बुलाता है।

४ ऐ गुनहगार, ऐ बेक़रार, क्यूं मरने चाहता है
बेशक अगर्चि तू है बदकार, ईसा बुलाता है।

५ ऐ गुनहगार, क्यूं है बेज़ार, तू क्यूं शरमाता है
देख कैसा यह अजीब पियार, ईसा बुलाता है।

६ ऐ गुनहगार हो ताबिऽदार क्यूं फ़ज़ल खोता है
अब देख यह फिर एक पिछली बार, ईसा बुलाता है।

---

१४७ 11.1 .11.11. *"I have a Saviour."* S. 350.

mf १ यीशू है मेरा, सब प्यारों में प्यारा,
आस्मान पर वह बाप पास है शाफ़ी सहीह:
हर वक़्त और हर हालत है हाफ़िज़ हमारा,
काश सारे लोग आके अब जानें मसीह!

f ऐ मेरे सब भाइयो,
मसीह के पास आइयो
लो, सब से अज़ीज़ है,
मसीह इ मसलूब.

mf २ बाप भी है मेरा, और अपने
फरज़न्द को
उम्मेद उसने बख़्शी,
मुबारक, पुर-नूर.
मैं पास उसके जाऊं जब उसे
पसन्द हो,
काश तुम से भी मिलूं तब
उसके हुज़ूर!

३ जामा है मेरा सफेद ओ
नूरानी;
आस्मान पर तैयार है,
खूबसूरत ओ पाक;
जब उस में मुलब्बस हो, करूं
शादमानी,
काश तुम को भी मिले वह
उमदा पोशाक!

४ मुझे तसल्ली और चैन ओ
आराम है,
सिर्फ़ यीशू से मिलता यह
उमदः इनआम;
जो दुनिया दे सकती, सब
हेच ओ-बुतलान है:
काश तेरा भी होवे वह
सच्चा आराम!

---

१४८ S.S.S.S. *"Pass me not."* *P. 168. S. 486*

mp १ छोड़ न मुझे, प्यारे ईसा, सुन मेरी फ़रयाद;
औरों पर तू रहम करता; मुझ को भी कर याद.

ईसा, ईसा सुन मेरी फ़रयाद,
औरों को जब तू बुलाता,
मुझ को भी कर याद.

२ झुकता हूं मैं तेरे साम्हने, मैं हूं परेशान,
बरकत बख़्श दे, ऐ मसीहा; दे मुझ को ईमान.

३ हामी जानता हूं मैं तुझे, चिहरा अब दिखला;
चंगा कर इस ज़ख़मी रूह को, फ़ज़्ल से बचा.

mf ४ तू है राहत का सर-चश्मः, जान से भी अज़ीज़,
तू ही है ज़मीन आसमान पर, मुझ को दिल अज़ीज़.

---

३४९ 6.6.6.6. *"I hear the Saviour say."* *S. 255.*

mp १ ख़ुदावन्द कहता है,
तू है कमज़ोर लाचार,
दे मुझ को अपना हाथ,
हूं तेरा मददगार.

mf यीशू शाफ़ी है,
अब मैं उसका हूं;
मेरे दिल के दाग़ जो थे,
सब उसने साफ़ किये.

mp २ मैं जानता हूं मसीह,
है तू ही बरतरीन,
c तू तोड़ता, क़ुदरत से,
गुनाह का दिल संगीन.

mp ३ मै हूं ग़रीब, तंग-हाल,
पर आता हूं बेबाक
साफ़ करता है मुझे
वह तेरा ख़ून इ पाक.

mf ४ जब दुनिया फ़ानी से,
रूह करेगी परवाज़,
तअरीफ़ में यीशू की,
मैं गाऊंगा मलाज़.

mf ५ और जब मैं जाऊंगा,
अपने आसमानी घर,
तब सिर मैं धरूंगा,
मसीह के क़दम पर.

१५० 11.10.11.10. *"Hold Thou my hand."* *P. 175. S. 550*

mp १ हाथ मेरा थाम्भ मैं हूं निरबल निराश्रय
तेरे बिना मैं आगे न बढूं
हाथ मेरा थाम्भ तब हे यीशु पियारे
c हानी के भय से क्योंकर मैं डरूं।

mp २ हाथ मेरा थाम्भ और निकट खींच तू मुझे
तू जिस में हैं आनन्द और आस भरपूर
हाथ मेरा थाम्भ न हो कि फिर मैं भटकूं
और मेरे पांव फिसलें जो तू हो दूर।

p ३ हाथ मेरा थाम्भ मार्ग आगे है अन्धेरा
जो साथ न हो मुख तेरे की प्रभा
c पर जब विश्वास से महिमा उस की देखता
mf क्याही प्रसन्नता क्या आनन्द मेरा।

mp ४ हाथ मेरा थाम्भ कि जब उस नद पर पहुंचूं
जिस के तू मेरे लिये हुआ पार
c स्वर्गीय उज्ञाला उस के ऊपर चमके
और हर एक लहर पर तेरा तेज अपार।

देखो भीः १२२—१३२.

२. प्रेम और धन्यबाद.

१५१ (१३२) 8.7.8.7. *Ps. 40: 1–3.* St. Oswald *H. 459. P. 274.*

m १ मैं तो सब्र करके हुआ
मुन्तज़िर यहोवाह का
mf उस ने मुतवज्जिह होके
सुनी मेरी इल्तिजा।

२ मुझे बाहर निकाल लाया
d गढ़े से हौलनाकी के
mf मुझे बाहर भी निकाला
d दलदलवाली कीच में से।

mf ३ और चटान पर मेरे पांवों को
फ़ज़ल कर रख दिया है
उस ने मेरे क़दमों को
आप ही साबित किया है।

४ और एक नया गीत तअरीफ़ का
मेरे मुंह में डाला भी
जिस्से हम्द ओ सना होवे
हम्द ख़ुदा हमारे की।

५ उस को देखेंगे बहुतेरे
और ख़ुदा से डरेंगे
और यहोवाह पर वे दिल से
तब तवक्कुल करेंगे।

---

१५२ (१३३) C. M. *Ps. 116: 12–18.* St. Stephen { *Ps. M. 118* *P. 338.* *S. 278.* }

mf १ सब निअमतों के एवज़ में
जो तू ने मुझे दीं
ख़ुदावन्दा मैं क्या देऊं
जो इतनी मिहर की।

m २ नजात का प्याला ऐ ख़ुदा
मैं अब उठाऊंगा
और तेरा ही मुक़द्दस नाम
दिल से पुकारूंगा।

३ पाक नज़रें अदा करने को
सभों के रूबरू
मैं तेरे घर में जाऊंगा
हो मेरा हामी तू।

४ सब बन्दे तेरे हैं अज़ीज़
नजात से घिरे हैं
mp फिर गिरान-क़द्र उन की मौत
s वे सदा तेरे हैं।

mf ५ मुबारक तेरे बन्दे हैं
मैं भी मुबारक हूं
मैं जाके अपनी नज़रों को
जल्दी अदा करूं।

"*When this passing world is done.*"

१५३ (१३४) 7.7.7.7.7.7. PETRA { H. 181. P. 101. S. 237.

mp १ जब आ जावे महा कष्ट
जब यह जगत होवे नष्ट
m जब मैं स्वर्ग में उतरूं पार
पाके सदा का निस्तार
mf तब ही प्रभु समझ लूं
तेरा कितना धारता हूं।

m २ तख़्त के पास जब खड़ा हूं
महिमा जब पहिन लूं
देखूं तेरा तेज अपार
निर्मल मन से करूं प्यार
mf तब ही प्रभु समझ लूं
तेरा कितना धारता हूं।

३ जब मैं सुनूं स्वर्ग का गीत
उठता हुआ गर्ज की रीत
पानी का सन्नाटा सा
p शब्द तो मीठा बीन का सा
mf तब ही प्रभु समझ लूं
तेरा कितना धारता हूं।

---

१५४ 8.7.8.7. "*Precious Saviour Thou hast saved me.*" *S. 629.*

mf १ प्यारे यीशू ने बचाया,
मेरा शाफ़ी, मुंजी हां,
मेरे लिये ख़ून बहाया,
सना, सना, वरें को.

f सना, सना, मैं बच गया,
सना सना वरें को,
मेरे लिये ख़ून बहाया,
सना, सना, वरें को।

mf २ मेरे दिल की थी यह आरज़ू
मिले दिल को ख़ास आराम
जब ईमान में ज़िन्दः हुआ,
मिला मुझ को वह इनआम.

३ तेरी ख़िदमत में करूंगा,
जब तक मेरी है हयातः
सब को इस की ख़बर दूंगा,
यीशू देता है नजात.

f ४ सना होवे ख़ून इ पाक की,
सना उस की क़ुदरत को,
सना, सना, मैं बच गया,
सना, सना, अबद हो.

१५५ 9.9.9.5. "Glory to His Name" G165..

mf १ क्रूसही के पास जहां खून वहा,
दबके गुनाहों से मैं गया.
ख़ून से वहां यह दिल साफ़ हुआ,
c उसकी हो तअ़रीफ़.
f उसकी हो तअ़रीफ,
उसकी हो तअ़रीफ़
ख़ून से वहां यह दिल साफ हुआ,
उसकी हो तअ़रीफ़.

mf २ दूर हैं गुनाह मेरे विल-यक़ीन,
दिलमें अब यीशु है तख़्तनिशीन.
क्रूसही का गीत मुझको है शीरीन,
उस की हो तअ़रिफ़.

३ क्रूस का वह चशमा है वेश वहा,
ख़ुश हूं कि मैं उसके पास गया.
ख़ूब मुझ को यीशु ने साफ़ किया,
उस की हो तअ़रीफ़ .

४ आ, देखयह चशमाहै साफशफ़ाफ़,
आ, ताकि हों तेरे गुनाह मुआफ.
आ, इसी वक्त ताकि हो तू साफ़,
उसकी हो तअ़रीफ़.

---

१५६ 8.8.8.8.D "Blessed be the Fountain." S. 118.

mf १ हो मुबारक चश्मः सलीव,
था जहान में मर्द इ मसलूब.
वह जो गुनहगार की तबीव,
जिस्र की मार से मैं वनूं महबूब,
f बारहा उसकी गोद से गुमराह हो
दिल में पाया रंज इ शदीद,
वर्रे के लहु में अब धो,
तब होऊंगा मैं वर्फ़ से सुफ़ेद.
c वर्फ़ से भी सुफ़ेद;
वर्फ़ से भी सुफ़ेद;
वर्रे के लहु में तू धो,
तब होऊंगा मैं वर्फ़ से सुफ़ेद.

२ कांटों का भी ताज सिर पर था
और वह क्रूस पर हुआ
जान-निसार;
रंजिशों को ख़ुश हो सहा,
हां! यह सब कुछ न हुआ बेकार.

काश कि चश्मे पास जाना हो,
कि गुनाह से होऊं आज़ाद!
बर्रे के लहु में अब धो,
तब होऊंगा मैं बर्फ़ से सुफ़ेद,
३ बाप, मैं तुझ से हुआ गुमराह,
और गुनाह में मैं रहा लाचार,
कुल्ल अर्ग़वानी थे जो गुनाह,
उन से पाक होकर ख़ुश हूं
हर बारः
मुंजी, तेरे पास आने को
मेरे दिल में है ख़ास्स उम्मेद;
अपने पाक लहु में तू धो,
तब होऊंगा मैं बर्फ़ से सुफ़ेद.

देखो भीः ६०, ६४, ६६—७०, ७३, १७६, १८८.

---

३. आनन्द और शान्ति.

१५७ (१७४) 8.7.8.7. D. "*Come Thou Fount.*" LUGANO *H. 363.* NETTLETON *P. 197.*

mf १ ऐ ख़ुदा कमाल के चश्मे
मुझ से अपनी हम्द करा
तेरी मिहर है ला-सानी
क़ाइम दाइम बे-बहा
तेरा प्यार जो बे-निहायत
बे-ज़वाल ला-इन्तिहा
उस की मुझ से ऐ ख़ुदावन्द
अब तअरीफ़ का गीत गवा

२ अबनज़र तू मसीहा
हुआ मेरा मददगार
mp इस से भी मैं पहुंचूंगा
ग़म के इस दरया के पार
था मैं भूली भेड़ की मानिन्द
गल्ला छोड़ आराम बिदून
ईसा खोजने और बचाने
आया दिया अपना ख़ून।

mf ३ उमर भर मैं कर रहूंगा
तेरे फ़ज़ल की सिपास
अपने करम से ख़ुदावन्द
रख तू मुझे अपने पास
mp तुझे भूलने को तो सदा
इमतिहान बहुतेरा है
mf मुहर कर तू मेरे दिल पर
अबद तक तू मेरा है।

१५८ (१७५) 11.11.11.11. HANOVER {H. 12. P. 22. HOUGHTON H. 12. P. 16.

m १ ख़ुदा मेरा हिस्सः महबूब ओ हबीब
मैं बन्दः हूं तेरा मजबूर ओ ग़रीब
सब रू-इ-ज़मीन और आसमान पर कहीं
है तेरे सिवा मेरा कोई नहीं।

mp २ जो तू ही न होता तो सारा आसमान
और सारी ज़मीन भी है ख़ाली बुतलान
सब इज़्ज़त है ज़िल्लत सब दौलत है धूल
c ख़ुशबख़्ती की तू ही है असल-इ-उसूल।

m ३ हां सूरज की रोशनी मख़लूक़ का जमाल
और दोस्तों की ख़ूबी और माल ओ मनाल
जो होवे सो होवे पर मुझे मंज़ूर
है तुझ में ख़ुशबख़्ती हक़ीक़ी मअ़मूर।

mf ४ ख़ुदाया तू मेरा है दाइम मुदाम
ख़ुदाया मैं तेरा हूं दिल से तमाम
pc या जीते या मरते हर हाल में हर जा
mf तू मेरा ही हिस्सः है मेरा ख़ुदा।

---

१५९ (१७७) 7.7.7.5. D. IRENE H. 311. P. 114.

mp १ दुनया है लड़ाईगाह
दुशमनों की है सिपाह
c मुझे सब से है पनाह
m ईसा मेरा है।

mp हमलः करे गर शैतान
चढ़ें भी सब बद इनसान
c मुझे आसरा है हर आन
m ईसा मेरा है।

mf २ क़ादिर है सिपहसालार
नेकों का जो है सरदार
मेरा वह है निगहदार
ईसा मेरा है

जंग में पैठके हथ्यारबन्द
ईसा हुआ फ़तहमन्द
नाम है उस का इक़बालमन्द
ईसा मेरा है

mp ३ उस की फ़ौज के सब मक़तूल
c उस की ख़ातिर हो मक़बूल
mf करते हैं नजात हुसूल
ईसा मेरा है

नबियों की पाक गुरोह
मूमिनीन का कुल्ल अम्बोह
ग़ालिब हुआ बर अंदोह.
ईसा मेरा है।

४ क्योंकर होंउ मैं अनाथ
वह जो देता मेरा साथ
क़ुदरत कुल्ल है उस के साथ
ईसा मेरा है

जिस का तख़्त आसमान पर है
ज़िन्दगी जो बख़्शता है
उस का फ़ज़्ल मुझ पर है
ईसा मेरा है

---

१६० 10.10.10.7. "*Are you weary, are you heavy-hearted?*" G. 235.

mf १ क्या हो मांदे, क्या हो दिल-शिकस्तः?
यीशू से कह दो, यीशू से कह दो;
क्या हो आजिज़, क्या है ग़म का रास्ताः
c यीशू से जाके कहो.

f यीशू से कह दो, यीशू से कह दो,
वह ही है दोस्त, मोमिन;
गर तुम न रखते ऐसा दोस्त ओ भाई,
यीशू से जाके कहो.

mp २ क्या तुम रोते, क्या है ज़ख़्म इ कारी
यीशू से कह दो, यीशू से कह दो;
क्या गुनाह का बोझ है दिल पर भारी
c यीशू से जाके कहो.

mp ३ क्या तुम डरते, क्या हैं बादल ग़ालिब
यीशू से कह दो, यीशू से कह दो,
क्या तुम भेद को जानने के हो तालिब
c यीशू से जाके कहो.

mp ४ क्या तुम दिल में मौत के ख़याल से डरते
यीशू से कह दो, यीशू से कह दो;
क्या तुम खेत में ठाडी सांसें भरते
c यीशू से जाके कहो.

---

१६१ L.M. "He leadeth me." P. 297. S. 542.

mp १ वह हादी है! मुबारक बात!
है इस से राहत और हयात;
c जो करता हूं, जो राह हो ले,
वह मेरा मुझी हादी है.

mf वह हादी है, वह हादी है,
वह मेरा मुझी हादी है,
मैं उस का हूं, हो उस की जय!
वह मेरा मुझी हादी है.

p २ बाज़दफ़ा दुःख ओ आफ़त में,
c बाज़ दफ़ा बारा इ राहत में;
mp हां, जिस जां मेरे क़दम गये,
वह मेरा मुझी हादी है.

mf ३ ऐ रब्ब, मैं थामता तेरा हाथ,
यह दिल न दुखता तेरे साथ;
हूं साबिर आवे कोई शै,
कि तू ख़ुद मेरा हादी है.

mp ४ जब तेरे पास मैं आऊंगा,
c जब फ़तह पाके गाऊंगा,
mf तब यरदन से न होगा भय,
कि मौजों पर तू हादी है.

१६२ 6.5.6.5. D. *"Like a river glorious."* *S. 652.*

mp १ इतमीनान ख़ुदा का मिस्ल इ दरया है,
बढ़ता आगे बढ़ता, फ़तह पाता है.
c कामिल है, पर तौ भी बढ़ता जाता है;
लम्बा, चौड़ा गहरा होता जाता है.
mf क़ुरबत इ यहोवाह बख़्शती है आराम
ईमानदार के दिल को, कामिल ओ तमाम.

m २ उस का दस्त मुबारक है अजीब पनाह,
दुशमन के फ़रेब से उमदः आरामगाह.
फ़िक्र और बेचैनी दिल से जाती है,
मुतलक़ न घबराहट वहां आती है.
mf क़ुरबत इ यहोवाह बख़्शती है आराम
ईमानदार के दिल को, कामिल ओ तमाम.

m ३ हर एक दुख या ख़ुशी ऊपर ही से है,
चश्मा इ मुहब्बत उस का सोता है.
c अपने को हम सौंप दें—वह है मददगार;
वही मुशकिलात में है हक़ीक़ी यार.
mf क़ुरबत इ यहोवाह बख़्शती है आराम
ईमानदार के दिल को, कामिल ओ तमाम.

"My life flows on in endless song."

१६३ 8.7 8.7. D. CONSTANCE (*H. 215. P. 80.*)

mf १ रूह मेरी ख़ुश हो गाती है,
भूल जाके दुःख, आज़ार को,
और गीत शीरीन जो सुनता हूं,
बताती ख़ुश दयार को:
है गर्चि शोर ओ ग़ुल हर आन,
मैं सुनता राग आस्मानी,
और मेरी रूह भी शामिल हो,
गीत गाती ब शादमानी.

२ जब चलता ग़म की वादी में,
तब मुंजी ख़बर लेता,
और रात के पहरों में मुझे
वह राहत के गीत देता
तूफ़ान की शिद्दत से कभी
न होगी परेशानी,
जब यीशू सब पर क़ादिर है,
मैं गाता ब शादमानी.

३ आस्मान की सिम्त मैं देखता हूं,
है फ़िज़ा साफ़ औ नीली,
और रोज़ ब रोज़ के चलने से,
यह राह है बे-पथरीली.
मसीह की बे-हद बरकत से
है दिल में ख़ुश-इलहानी;
वह मेरा है—मैं उसका हूं,
मैं गाता ब शादमानी.

१६४ 8.7.8.7. D. *"In the secret of His presence."* *S. 1186.*

mp १ यीशू की दरगाह के लिये
मेरी रूह को है पियास,
कैसे क़ीमती हैं वे सबक़
जो मैं सीखता यीशू पास.
यां की फ़िक्रें कर न सकतीं
कभी मुझे उस से दूर;
c क्योंकि जब शैतान आज़माता,
जाता मैं उस के हुज़ूर.

mp २ मेरी रूह जब हांपनेलगती,
और जब थक मैं जाता हूं,
तेरे पहलू पास, मसीहा,
कामिल राहत पाता हूं.
यीशू रहता है साथ मेरे,
मुझ से करता गुफ़्तगू,
मैं बयान नहीं कर सकता
कैसी ख़ुश है मेरी रूह.

३ अपने कुल तकलीफ़ और ग़म को,
लाता मैं उस के हुज़ूर;
कैसे सब्र से वह सुनता
और हर एक को करता दूर;
मुझ को वह तम्बीह भी देता,
मुझ में देखता जब गुनाह;
गर मुझे तम्बीह न करे,
तो वह दोस्त न रहेगा.

mf ४ क्या तुम चाहते हो कि तुम भी
रहो नित मसीह के पास?
उस के साया में जा छिपो,
उस पर रखो अपनी आस
फिर तुम जहां कहीं जाओ,
किसी मौक़े पर तुम हो,
रखो नित तुम मद्द इ नज़र
चिहरः इ मुनज्जी को.

---

१६५ 8 7.8.7 D. *"All my doubts I gave to Jesus."* S. 868.

mf १ शुभे सब मसीह पर डालता,
उसका वअ़दा सुनता हूं;
कभी परेशान न होता,
बात जब उसकी मानता हूं
मैं अब मानता, मैं अब जानता
यीशू तेरी बात शीरीन;
मैं अब मानता, मैं अब जानता
यीशू कामिल है वकील.
२ सब गुनाह मैं उस पर छोड़ूं,
अपने ख़ून से धोवेगा;
उसके ख़ून से पाक अब होऊं,
दाइमी घर पहुंचावेगा.
३ अपने ख़ौफ़ अब सब निकालता,
मेरी रूह!—तू ले आराम;
गर्चि राह तारीक में चलता,
रोश्नी मेरी है मुदाम.
४ सब कुछ मेरा है मसीह का,
गर ग़रीब तौ भी अमीर;
गर कमज़ोर मैं हूं और थका,
उस में सब कुछ है कसीर.

---

१६६ 8.6.8 8.6. *"Dear Lord and Father."* CAMPFIELDS H. 322. REST P. 196.

mp १ पियारे बाप ख़ुदावन्दा
मुआफ़ कर हर क़सूर
c लिबास होश्यारी का पहिना
पाकीज़ः ख़िद्मत अब करा
और तअ़ज़ीम कर मनज़ूर।
mp २ गालील के दर्या के किनार
वअ़ज़ों ने सुना जों
इलाही फ़ज़ल की पुकार
c यों उठके हम पुर इख़्तियार
तेरे ही पैराव हों।

p ३ शबनम-इ-राहत ख़ूब टपका
बेचैनी होवे दूर
c दिल की मशक्कत सब मिटा
ख़ूबी सलामती की दिखला
कि हम भी हों मसरूर।

mp ४ जब दिल में उठे सख़्त तूफ़ान
तू हम को बख़्श तसकीन
सुन लेवे तब हम पाक फ़रमान
भूंचल तूफ़ान के दरमियान
बोले आवाज़ शीरीन।

---

१६७ S.S.S.S. *"'Tis so sweet to trust in Jesus."* G. 196.

m १ सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा,
क्या ही ख़ूब यह बात शीरीन!
क्या तसल्ली जब मैं करता
उस के वअ़दों को यक़ीन.

mf येसू, येसू, प्यारे येसू,
जानता हूं कि तू है यार!
येसू, येसू, प्यारे येसू,
और भी करूं तुझ को प्यार.

m २ सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा,
उस के ख़ून से है नजात
सिर्फ़ ईमान से मुझ को मिलती,
ख़ून के चश्मे से हयात.

३ सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा,
सब ख़ुद-ग़र्ज़ी, बुरे काम
छोड़ता हूं, और उससे लेता
अबदी ख़ुशी और आराम.

४ क्या ही ख़ूब कि वह है मेरा,
प्यारे येसू दोस्त मिहरबान
जानता हूं कि मेरे साथ है,
साथ रहेगा वह हर आन.

---

१६८ (२४०) 10.10. *"Peace Perfect Peace."* PAX TECUM { H. 229. P. 199. S. 226.

mp १ कामिल आराम पे दिल क़बूल कर ले
m मसीह का वअ़दः है ग़म-ज़दों से।
p २ कामिल आराम दिल मेरा है नापाक
c मसीह के ख़ून से होऊं मैं बे-बाक।

mp ३ कामिल आराम दुनया है बे-क़रार
m मसीह की बरकत होती पायदार।

mp ४ कामिल आराम दोस्त मेरे होते दूर
m मसीह तू मेरे है नज़दीक ज़रूर।

mp ५ कामिल आराम जब होवे ग़म ओ दुःख
m मसीह हमदर्द से मिलता मुझे सुख।

mp ६ कामिल आराम जब राह अन्धेरी हो
m मसीह तू नूर है राह बताने को।

p ७ कामिल आराम अब मौत भी हो नज़दीक
m मसीह की ज़िन्दगी में मैं शरीक।

देखो भीः २०७—२१८.

---

४. पवित्रता और सुइच्छा.

१६६ (१३५) S. M. *Ps. 19: 12-14.* SELMA { *Ps. M. 161.* *P. 220.*

p १ अपने गुनाहों को
कौन आदमी जानता है
और अपने दिल के हाल को कौन
तमाम पहचानता है।

२ पाक मुझे कर ऐ रब्ब
पिनहां गुनाहों से
जान बूझके हुए जो क़ुसूर
मुझ से तू दूर कर दे।

३ गुनाह मुझ आजिज़ पर
न ग़ालिब होने दे
तब मैं बे-ऐब हो जाऊंगा
छूटूंगा ख़ता से।

m ४ और मुंह की बातें भी
और मेरे दिल के ख़याल
तेरे हुज़ूर में हों मक़बूल
और पाक हों मेरी चाल।

m ५ मसीह की ख़ातिर से-
जो अपने बन्दों का
वकील बर-हक़ है मुझे तू
क़बूल कर ऐ ख़ुदा।

१७० (१३६) C. M. *Ps. 119: 1-4.* TALLIS *H. 510. P. 104.*

m १ मुबारक होते हैं वे शख़्स
जो राह में कामिल हैं
शरअ़ पर चलनेवालों में
जो आदमी शामिल हैं।

२ हां जो उस की शहादतें
हिफ़्ज़ करते हैं हर आन
और जो ख़ुदा के तालिब हैं
तालिब ब-दिल ओ जान।

३ हां वे तो सब नाराास्ती से
दूर रहते सरासर
वे दिल ओ जान से चलते हैं
ख़ुदा की राहों पर।

m ४ रब्ब तू ने अपने फ़रज़ों का
हमें दिया फ़रमान
ता कि हम उन को हिफ़्ज़ करें
मानें ब-दिल ओ जान।

---

१७१ (१३७) S. M. *Ps. 39: 1-2.* FRANCONIA { *H. 142. P. 63. S. 190.*

mp १ तू मेरा हादी हो
ऐ पाक परवरदिगार
कि तेरी राह पर चलने को
मैं रहूं ख़बरदार।

२ ज़बान की ख़ता से
तू बन्दे को बचा
सारी बेहूद:गोई से
मैं दूर ही रहूंगा।

३ जब दुनयादार के साथ
कुछ मेरा होवे काम
मैं करूं दूनी चौकसी
और मुंह को दूं लगाम।

mp ४ और ठट्ठेबाज़ के साथ
मैं रहूंगा ख़ामोश
वह सच को झूठ कर डालता है
गुनाह से है मदहोश।

m ५ लेकिन जब मौक़अ़ हो
तो मैं ख़ुदा की राह
और उस के पाक कलाम का भी
बे-डर होऊं गवाह।

१७२ (१३८) 8.7.8.7. *Ps. 51: 10-17.* ROUSSEAU *H. 605. P.548.*

mp १ साफ़ ओ पाक दिल मेरे लिये
पैदा कर तू ऐ ख़ुदा
मुस्तक़ीम और नई रूह को
मेरे अन्दर तू बना
रूह-उल-क़ुदूसको मुझे बख़्श दे
p अपने पास से न निकाल
c मुझे दे नजात की ख़ुशी
रूह-इ-रज़ा से संभाल।

m २ तब मैं तक़सीरवारों को भी
तेरी राह सिखाऊंगा
जब तू मेरे लब खोलेगा
तेरी हम्द मैं गाऊंगा
रूह शिकस्ते का ज़बीहा
तुझे है ऐ रब्ब मंज़ूर
तौबः से दिल कुचला हुआ
तुझे पसन्द है ज़रूर।

---

१७३ (१३९) L. M. *Ps. 119: 12-19.* ELY *H. 7. P. 598.*

mp १ रूहक़ुदुस का फ़ज़्ल ऐ ख़ुदा
इस आजिज़ बन्दे पर बहा
गुनाहों से साफ़ पाक कर दे
और बख़्श ब ख़ातिर ईसा के।

m २ तब औरों को सिखाऊंगा
और तेरी राह बताऊंगा।
सुन आसी फिरके आवेंगे
और तेरे क़दम पकड़ेंगे।

p ३ ख़ून के गुनाह से ऐ ख़ुदा
नजात दिहिन्दः तू छुड़ा
m तब तेरे फ़ज़्ल का बयान
मैं गाऊंगा ब-दिल ओ जान।

४ खोल दे ख़ुदावन्द मेरे लब
तेरी तश्रीफ़ मैं गाऊं तब
और अगर चाहता तू क़ुरबान
तो देता मैं ब-दिल ओ जान।

५ तू चाहता है शिकस्तः दिल
कि यही है क़ुरबान कामिल
जो टूटा मन है और दिलगीर
तू नहीं जानता है हक़ीर।

६ बढ़ा सेहून को ऐ ख़ुदा
यरूसलम को फिर बना
तब चढ़ें तेरे पाक क़ुरबान
तू उन से होगा भी शादमान।

१७४ (१५५) L. M. Ps. 1. ANGEL'S SONG (ANGELS) H. 370. P. 491.

m १ वह आदमी है मुबारक हाल
न चलता जो शरीर की चाल
न उन की मानता है सलाह
वह जानता ठट्ठेबाज़ की राह।

२ कि जिस के दिल में है दवाम
शरीअत ही का पाक कलाम
ख़ुशी से मानता उस की बात
और उस पर सोचता है दिन रात।

mf ३ वह पेड़ की मानिन्द ख़ुश-बहार
जो लगा नहर के कनार
वह फूलता लहलहाता है
और वक्त पर मेवः लाता है।

mp ४ शरीर हैं मानिन्द भूसे के
उड़ जाता है जो हवा से
नेकों की मजलिस में गुमनाम
अदालत में है बे-क़ियाम।

m ५ आदिल क़ुद्दूस जो है अल्लाह
वह जानता सादिक़ों की राह
p पर गुनहगार की राह मरदूद
ख़ुदा से होगी नेस्त नाबूद।

---

१७५ (३३५) 8.7.8.7.4.7. MANNHEIM H. 295. P. 316.

१ प्रभु मैं हूं महा पापी
mp तौभी मुझ को याद फ़रमा
तू ही पापी का है साथी
मेरे पाप को तू मिटा
मुझे शुद्ध कर
मुझ को अपने मार्ग पर ला।

m २ ईसा, तू है मेरा मुनजी
मेरे लिये दिया प्रान
मुझ को कर ले अपना साथी
रह तू मेरे साथ हर आन
मुझे याद कर
रूह का दे तू मुझे दान।

p ३ मेरा मरनकाल जब आवे
तब तू मेरे साथ हो ले
यरदन से तू पार कर मुझे
प्रभु मुझे स्वर्ग में ले
c जैसे पौल को
वैसे मुझे भी ताज दे।

१७६ 6.4.6.4.6.6.4.4. "More love to Thee."

MORE LOVE TO THEE { P. 180. S. 631. MISTLEY H. 214.

mp १ तुझ को ज़ियादः पियार,
यीशू अज़ीज़
दिल में मैं पाता हूं
यह हाल लज़ीज़
c यह मेरा है इक़रार,
तुझ को, ऐ पियारे यार,
ज़ियादः पियार
ज़ियादः पियार।

mp २ पेश्तर मैं दुनिया का
ढूंढता आराम;
अब तुझ से मांगता हूं
ख़ुशी मुदाम.
यह आरज़ू है हर वार,
तुझ को, ऐ पियारे यार,
ज़ियादः पियार
ज़ियादः पियार।

p ३ जब दुनिया छोड़ूंगा,
तेरी तअरीफ़
दिल से मैं गाऊंगा
और नाम शरीफ़.
c तब होगा यह इज़हार,
तुझ को, ऐ पियारे यार,
ज़ियादः पियार
ज़ियादः पियार।

---

१७७ 7.6.7.6. "Jesus keep me near the cross."

NEAR THE CROSS { P. 54. S. 134.

mp १ यीशू रख सलीब के पास
चश्मः जहां बहता,
मिलता मुफ़्त जो सभों को
कलवरी से निकलता.
mf क्रूस पर ख़ास, क्रूस पर ख़ास,
होगी मेरी नज़र
जब तक मेरी रूह ख़ुश हो
जावेगी आस्मान पर.

mp २ क्रूस पर ख़ास मैं गुनहगार,
प्यार को देख ख़ुश हुआ
वहां दुख मुसीबत में
मेरा मुंजी मूआ.

mp ३ क्रूस के पास, ऐ बर्रे ख़ास
देखूं तेरे दर्द को
चलूं जब मैं रोज़ ब-रोज़,
पनाह ख़ास सलीब हो.

४ क्रूस के पास मैं ठहरूंगा
इस उम्मेद को रख के
c कि सोनहरे वतन में
पहुंचूंगा इस धार से.

१७८ 7.9.7.9. *"Saviour, more than life to me."* EVERY DAY { *P. 311.* *S. 570.*

mp १ यीशू तू है मेरी जान,
तुझ पास आता, आता, हो शादमान,
अपने खून से कर खलास,
रख तू अबद, अबद, अपने पास
mf हर एक दिन बरकत दे,
पाक कर अपने लहू से:
सदा तेरा पियार अजीब
खींचे मुझे, मुझे, पास सलीब.

mp २ जब तक हूं मैं बीच जहान,
हो तू हादी, हादी, नेक चौपान
तेरे साथ जब चलूंगा,
राह न कभी, कभी, भूलूंगा.
३ मेरा प्यार है तुझही को,
जब तक जीना, जीना, मेरा हो,
c रहूंगा मैं नित शादमान,
जब मैं जाऊं, जाऊं, बीच आस्मान

---

७९ 8.7.8.7. *Ps. 42: 1-4, 7, 8, 11.* BATTY (INVITATION) { *PH. 223.* *P. 310.*

mp १ जैसे हिरनी, हांपती, पियासी,
ख्वाहिशमन्द है पानी की,
ऐ ख़ुदावन्द, देख, यह आसी
तेरे लिये हांपता भी.

२ तेरे पास कब हाज़िर आऊं?
देख, तरस्ती मेरी जान:
तुझे कब मैं देखने पाऊं?
मेरा दिल है परेशान.

३ कब तक ठट्ठे में लोग कहें,
"कहां तेरा है खुदा?"
कब तक मेरे आंसू बहें?
क्या तू याद न करेगा?

m ४ साथ गुरोह के, ईद मनाने
जाऊंगा मैं तेरे घर;
तेरी हम्द ओ सना गाने
चलूंगा मैं तेरे दर?

५ मेरे जी, तू क्यों है भारी
क्यों घबराती, मेरी जान?
c कर ख़ुदा की इन्तिज़ारी
तब तू होगा सना-ख्वान.

१८० 6.6.4.6.6.6.4. *"My faith looks up to thee."* Olivet {H. 191. P. 207.

mp १ तुझी पर है ईमान,
वर्री जो था क़ुरबान,
यीशू मसलूब;
p सुन मेरी, ऐ ख़ुदा,
दूर कर हर एक गुनाह,
c तेरा रहूं सदा,
mp मुंजी महबूब.

mf २ तू अपने फ़ज़्ल से
आजिज़ को क़ूवत दे,
दिल को जला.
p जैसा तू जान-निसार,
c वैसा मैं करूं प्यार,
mf दिलसोज़ और वफ़ादार,
होऊं सदा.

p ३ जब आवे सख़्त तूफ़ान,
दुःख में जब परेशान,
हो मददगार.
c रात में तू नूर चमका,
ग़म मेरा सब हटा,
d तुझ से न हूं गुमराह,
ऐ जान के यार.

p ४ जब मौत की वादी को
पहुंचूं, तू रहबर हो;
हाथ मेरा थाम.
c प्यार से दिल रोशन कर,
हटा तू शक और डर,
mf पहुंचा तू बाप के घर,
सालिम मुदाम.

---

१८१ 11s. *"Whiter than snow."* P. 217. S. 569.

mp १ मुझे, ऐ मसीहा, नित यह चाहट है,
कि तू मेरे अन्दर दे दिल की सफ़ाई;
हर एक बुरी ख़्वाहिश अब दिल से दूर हो;
तू अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

c बरफ़ से सुफ़ेद, हां, बरफ़ से सुफ़ेद,
d कि तेरे पाक ख़ून से दिल होवे सुफ़ेद.

mp २ मसीहा अब देख, अपने तख़्त पर से सुन,
और मदद तू दे कि गुनाह मैं छोड़ूं;
जो कुछ मेरा है मैं अब देता तुझ को,
d तू अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

c ३ मसीहा, यह बरकत है मुझे ज़रूर;
सलीब पर तू मूआ कि होऊं मसरूर;
mf ईमान से मैं सुनता, तू पाक ओ साफ़ हो;
d तू अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

p ४ मसीहा, मैं सब्र से राह तकता हूं,
यह नया दिल दे कि मैं तेरा होऊं;
c मैं तुझ से यह मांगता, तू बख़्श दे मुझ को,
d और अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

---

१८२ 8.7. "All for Jesus." S. 1179.

mf १ सब मसीह का, सब मसीह का,
सब जो कुछ मैं रखता हूं,
उसको अपनी ताक़त, ख़िदमत
दिन और घण्टे क्यों न दूं!
f सब मसीह का, सब मसीह का,
सब जो कुछ मैं रखता हूं.

mf २ हाथों से हो उसकी ख़िदमत,
राह सैहून में हों क़दम;
आंख देखें सिर्फ़ मसीह को,
लब से हो तअरीफ हर दम.

३ जब से आंखें हैं मसीह पर,
और सब मुझ को हैं ना-चीज़;
उसही पर मैं हूं फ़रेफ़्ता,
वह ही मुझ को है अज़ीज़.

२ क्या अज़ीब है यह मुहब्बत!
यीशू शाहों का सुलतान
मुझ को कहता है "अज़ीज़ा"
उस में खुश है मेरी जान.

देखो भी: ५६, १८३, १६१, १६६, २८३.

५. सतसंगति.

"Nearer, my God to Thee."

१८३ (१५३) 6.4. D. 6.6.4. — HORBURY { H. 237. P. 223. — BETHANY { PH. 201. P. 223. S. 581.

mp १ तुझ पास ख़ुदावन्दा
तुझ पास ख़ुदा
हरचन्द मुझ को सलीब
दे पहुंचा
c तौभी यह गाऊंगा
तुझ पास ख़ुदावन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

p २ दुनया के जंगल में
अंधेरा है
m पर तू रहीम ख़ुदा
नूर मेरा है।
c ख़ुश हो मैं चलूंगा
तुझ पास ख़ुदावन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

m ३ तू मुझे साफ़ दिखला
आसमानी राह
तब होगी मेरी जान
तेरी मद्दाह
मैं जल्दी जाऊंगा
c तुझ पास ख़ुदवन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

m ४ ख़ुदाया अपने पास
मुझे बुला
दुनया का बयाबान
तब छोड़ूंगा
mf शादमान मैं आऊंगा
c तुझ पास ख़ुदावन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

"I need Thee every hour."

१८४ (१६०) 10.10.7.6.7.4. — I NEED THEE { P. 192. S. 577.

mp १ रह मेरे पास हर आन रहीम ख़ुदा
शीरीन तेरी आवाज़ मुझ को सदा
मसीह तू मेरा यार है
हर वक़्त मुझ को दरकार है
अब तेरे पास मैं आता
तू बरकत दे।

२ रह मेरे पास हर आन रह मेरे पास
c तकलीफ़ें होतीं दूर जब तू है पास।

mp ३ रह मेरे पास हर आन दुःख हो या सुख
जल्द आ अब मेरे पास जान को है दुःख।

mp ४ रह मेरे पास हर आन मरज़ी बतला
और अपने वश्रदों को मुझे सुझा।

५ रह मेरे पास हर आन तू जो क़ुद्दूस
अपना मुझ को कर ले मुनजी मख़सूस।

---

१८५ (१६१) 8.7.8.7. D. S. 543.

mf १ तेरी अफ़लज़ है मुहब्बत
बरतरीन और बे-क़ियास
होवे दुःख या हो मुसीबत
रहूंगा मैं तेरे पास।
तेरे पास मैं नित रहूंगा
नित रहूंगा तेरे पास
बे-यहा है तेरी उलफ़त
ला-ज़वाल और बे-क़ियास

२ राह के ख़तरे से निडर हूं।
होवे तू जो दहिने हाथ
फिर तसल्ली और तशफ्फ़ी
पाता हूं मैं तेरे पास।

mp ३ ज़िन्दगी जब आख़िर होवे
mf कैसी ख़ुशी होगी ख़ास
फिर आसमानी मुल्क कनआन मैं
मुनजी देगा पाक मीरास।

४ गाऊंगा मैं हम्द-ओ-सना
सब मुक़द्दसों के साथ
हल्लिलूयाह बीच जलाल के
बरबत होगा मेरे हाथ

---

c २ मुझ को पाक कर अब, कि मैं तेरा काम
करूं दिल से ठीक ओ ख़ूब;
तेरी मरज़ी पाक मुझ से पूरी हो,
मेरी मरज़ी हो मग़लूब.

mf ३ कैसी राहत ख़ास्स दिल को मिलती है
जब मैं जाता पाक हुज़ूर;
जब मैं दुआ में आता तेरे पास,
तब तू करता है मसरूर.

mf ४ तेरा मीठा प्यार और भी जानूंगा,
जब मैं जाऊंगा आस्मान;
c जब मैं देखूंगा तेरे चिहरे को,
तब ख़ुश होगी मेरी जान.

---

१८८ (३२६) 8.7.8.7. D. CONSTANCE (H. 315. P. 80. S. 871.

mf १ एक मेरा यार और कैसा यार जब मैं उस को न जानता
तब उसने मुझ को किया प्यार और प्यार से खींच के बांधा
और उस के बन्द के टूटने का न डर है न अन्देशा
कि उसका मैं और मेरा वह हमेशा और हमेशा ॥

mp २ एक मेरा यार और कैसा यार कि अपने को सौंप दिया
c जान उसने दी और खाई मार सो मुझको बचा लिया
mf और मैं न कहता अपना कुछ पर दौलत ताक़त पेशा
और दिल ओ जान और मेरा सब उसी के हैं हमेशा ॥

mf ३ एक मेरा यार और कैसा यार सब क़ुद्रत उस को मिली
कि मुझ को करके पाक तैयार आस्मान में दे तसल्ली
जलाल अब नज़र आता दूर दिलगीर को यह दिलासा
सो अब हो लड़ना जागना काम और तब आराम हमेशा ॥

mp ४ एक मेरा यार और कैसा यार रहीम लतीफ़ और सच्चा
o और हादी दाना सलाहकार और हामी शाफ़ी कैसा
mf इस प्यार से जुदा करे कौन न यह कटीला बेशा
f न मौत न ज़िन्दगी न कुछ मैं उस का हूं हमेशा ॥

देखो भीः १६३, १६४, १६६, १६८.

---

६. शिष्यता और सेवा.

१८९ (१४०) 8 7.8.7 8.8.7.7. CORINTH H. 11. BIRDS ARE SINGING P. 515.

m १ प्रभु अपना प्रेम दिखाके
मेरे मन को बल दिला
तब मैं अपना क्रूस उठाके
तेरे पीछे चलूंगा
तुझ पर अपनी आस मैं धरूं
अपने ज्ञान का गर्व न करूं
अपना चैन न मानूं कुछ
अपनी बढ़ती जानूं तुच्छ।

२ अपने मार्ग पर तू हे प्रभु
मुझे प्रतिदिन चला
तेरी सेवा में मैं कभू
नाह की बात न करूंगा
तू सन्तोष और धीरज देता
दास की प्रार्थना सुन तू लेता
भक्त की बात सिखाने को
ईसा मेरा गुरू हो।

m ३ सदा मानूं तेरी इच्छा
पकड़े रहूं तेरा हाथ
तेरे पांव पर तेरी शिक्षा
सीखता रहूं कृपानाथ

तेरा काम मैं करता रहूं
अपने क्रूस का दुःख मैं सहूं
कुछ न करूं मैं विलाप
रहूं धीरज धर चुपचाप।

४ प्रभु जी मैं तेरी शरन
दास ही हो पकड़ता हूं
गुरू जी मैं तेरे चरन
चेला होके पड़ता हूं
विना वात मैं धीरज धरके
और सन्तोष और क्षमा करके
सहके कुछ न कहूंगा
ढाढ़स वांधके सहूंगा।

"I gave my life for thee."

१९० (३२७) 6.6.6.6.6.6. BACA S. 621

mp १ जान मैं ने अपनी दी
ख़ून दिया वेश वहा
c कि पावे ज़िन्दगी
और मौत से हो रिहा;
mp यह जान यूं दी तुझे
p क्या देता तू मुझे?

mp २ मैं छोड़कर ख़ास जलाल
ज़मीन पर आया था
हुआ ग़रीव तंग-हाल
सदमः उठाया था,
यूं मैं ने छोड़ा सव,
p क्या छोड़ता है तू अव?

mp ३ मुसीवत वे-ब्यान
मैं ने गवारा की
c कि वचे तेरी जान
और पावे मख़लसी
mp यूं दुःख में मैं रहा,
p क्या तू ने कुछ सहा?

mp ४ मैं लाया हूं नजात
और मुआफी का इनआम
c मैं लाया अव हयात
और सुलह का पैग़ाम;
mp यह सव कुछ आया है,
p अव तू क्या लाया है?

"*Take my life and let it be.*"

CULFORD, CONSECRATION *H. 250.*

१९१ (३३३) 7.7.7.7.

MOZART { *P. 237.* *S. 616*

m १ मेरी ज़िन्दगी तू ले,
अपनी मुहर उस पर दे,
ले तू दिन और वक़्त भी सब
सना तेरी हो ऐ रब्ब।

m २ कर क़बूल इन हाथों को,
इन से तेरी ख़िद्मत हो
पांव भी कर तू ताबिअ़दार
होवें तेज़ और ख़ुश-रफ़्तार।

३ यह आवाज़ भी तेरी है,
तेरी हम्द में सेरी है,
मेरे दिल को भी तू ले,
उस में आके रौनक़ दे।

४ अ़क़्ल की कुल ताक़तें
काम में तेरे सर्फ़ होवें,
मरज़ी अपनी देता हूं,
तेरी मरज़ी लेता हूं।

mf ५ उलफ़त का ख़ज़ानः भी
लाता हूं मैं बा-ख़ुशी,
मुझ को ले सब सर-ता-पा,
तेरा नित मैं रहूंगा।

---

१९२ 11.11.11.11.

HOUGHTON { *H. 12.* *P. 16.*

mf १ मसीही, तू सोच कर है
तेरा क्या नाम,
मसीही, कह हर रोज़ है
तेरा क्या काम?
न नाम से पर काम से है
काम तुझे भी
जो नाम का और काम
का, सो सच्चा मसीही.

२ सो हर रोज़ तू याद रख
और कभी मत भूलः
ख़ुदा की तअ़रीफ़ में आज
रहूं मशग़ूल,
गुनाह से पछताऊं और उसे
छोड़ जाऊं;
मसीह पर ईमान ला,
जान अपनी बचाऊं.

३ मैं रूह से मार डालूं आज
जिस्म के काम;
मैं मांगूं दीनदारी और रूह
के इनआम;
मैं याद करूं गुज़रे दिनों
की निअ्मत;
कि अल्लाह रहीम है और
मैं पुर मलामत.

४ मैं वक़्त को ग़नीमत जान,
हो रहूं चुस्त,
और आख़िरत की फ़िक्र में
न रहूं सुस्त,
जहन्नम से भागूं, जो जाये
अज़ाब है,
बिहिश्त को मैं चलूं, जो
जाये सवाब है.

५ आज भाइयों के प्यार में
मैं रहूं मशग़ूल,
और नेकियां करना हो
मुझे क़बूल;
दुनिया और शैतान के सब
फ़ितने जान जाऊं;
मुक़ाबला कर के मैं उन को
हराऊं.

६ फिर आज मेरा मरना जो
होवे शिताब,
तो आज मेरे कामों का
होगा हिसाब;
पस भाई ग़ाफ़िल, आज अपना
काम करना;
जो करना है, आज कर,
कि जल्द होगा मरना.

१९३ 8.7.8.7. "Must I go and empty handed." S. 789.

mp १ क्या मैं ख़ाली हाथ से जाऊं ? *rit*
अपने प्यारे यीशू पास
उस की ख़िदमत में न करूं,
उस की करूं न सिपास.
mp क्या मैं ख़ाली हाथ से जाऊं,
अपने प्यारे यीशू पास
एक भी रूह न लेके जाऊं,
उस का ख़ादिम हो के ख़ास !

mp २ मौत गर अभी मुझ पर आवे
उस से मैं न डरूंगा
लेकिन ख़ाली हाथ गर जाऊं,
ठंडी साँस मैं भरूंगा.

३ जितने दिन कि दूर मैं रहा,
करता हूं अफ़सोस कमाल
o अब मैं मुंजी के क़दम पर
रखता हूं यह जान और माल.

mf ४ पे मसीह के ईमानदारो,
पे मसीही भाइयो
f इस के पेश्तर कि मौत आवे,
रूहों को बचाइयो.

देखो भीः १६६, २००, ३०२, ३०३, ३२०, ३२४.

---

७. परीक्षा और लड़ाई.

"Christian seek not yet repose."

१६४ (१४१) 7.7.7.3. VIGILATE { H.264. P.254.

mf १ दुआ कर और हो बेदार
सुख की जा यह नहीं यार
mp तेरे दुशमन बेशुमार
जागता रह।

mp २ अपनी फ़ौज को ले हमराह
करता ज़ुलमत का बादशाह
तेरी ग़फ़लत पर निगाह
जागता रह।

m ३ बक्कर बांधके बा-ईमान
दुआ मांगता रह हर आन
घात में बैठा है शैतान
mp जागता रह।

m ४ सुन जो हुए फ़तहमन्द
जंग उन का तमाम हरचन्द
बोलते ब-आवाज़ बुलन्द
mp जागता रह।

m ५ रब्ब का जिस को करता प्यार
याद कर यह कलाम हर बार
दुआ कर और होशयार
mp जागता रह।

mf ६ जागना है ज़रूरी काम
गर तू चाहे नेक अंजाम
दुआ भी ज़रूर मुदाम
जागता रह।

"*Onward, Christian Soldiers.*"

१९५ (१४२) 6.5.6.5. D. 6.5.6.5. St. Gertrude { *H. 272. P. 262. S. 706.*

mf १ यिसू के सिपाही
आगे क़दम मार
कि सलीब है आगे
तेरे नमूदार
तेरा शाही पेशवा
है यिसू मसीह
उस के झंडे आगे
चलते हैं सरीह।
यिसू के सिपाही
आगे क़दम मार
कि सलीब है आगे
तेरे नमूदार।

mf २ इस निशान को देखके
भागता है शैतान
आगे पे सिपाही
फ़तह अपनी मान
सना की आवाज़ से
दोज़ख़ है लरज़ान
भाइओ हम्द ओ सना
गाओ ख़ुश-इलहान।

m ३ लशकर सी कलीसिया
जंग में चढ़ती है
साविक़ के बुज़ुर्ग को
याद में रखती है
हम एक बदन भाईओ
एक हैं बे-तफ़रीक़
एक तअलीम और आसरा
उलफ़त में भी एक।

mf ४ पस सब क़ौमो आओ
जंग में शामिल हो
ख़ुश आवाज़ बजाओ
शादियानः को
ff बादशाह की तअरीफ़ में
यिसू जिस का नाम
आदमी और फ़िरिश्ते
गाते हैं मुदाम।

"Forward! be our watchword."

Vexillum H. 571.
Hermas { H. 548. P. 537.

१९६ (१४३) 6.5.6.5. D. 6.5.6.5.

mf १ आगे आगे बढ़ो
ऐ ईसाईयो
देख मसीह का झंडा
उस के पैरव हो
देख ख़ुदा का बादल
राह दिखाता है
आगे क्यूं न बढ़ें
ईसा रहबर है
आगे आगे बढ़ो
राह तो है वीरान
mf पर हमारे साम्हने
चमकता आसमान ।

२ आगे आगे बढ़ो
तुम जो बच्चे हो
ईसा का नमूना
अभी पकड़ लो
वह तो ख़ूब हलीम था
था वह ताबिअदार
mf उस के पीछे होके
उस को करो प्यार
पिछली बातें भूलके
आगे बढ़ना है
उस के क़द तक पहुंचना
कामिल होना है ।

३ तुम जो नूर और नमक
इस जहान के हो
आगे बढ़ो गरचि
छोटा झुन्ड तो हो
mp देख जहान के ऊपर
रात अब छाई है
गुनाह के अन्धेर में
दुनिया पड़ी है
mf उठो पाक कलाम को
हाथ में लिये हो
उस को नूर दिखलाना
ऐ मसीहीओ ।

mf ४ आगे आगे बढ़ो
ऐ ईसाइओ
अपने घर आसमान का
रास्ता पकड़ लो
ख़ुर्रमी और ख़ुशी
रोशनी और जमाल
गुनाह से आज़ादी
वहां है कमाल
अपनी आंख से देखें
ईसा दिल का यार
देखके सच्चे तौर पर
उस को करें प्यार ।

"Ho my Comrades."

१९७ (१४४) 8.7.8.7. S. 669.

mf १ ऐ सिपाही हो दिलावर
जंग तो है दुश्वार
लेकिन फ़तह है यक़ीनी
पास है मददगार।
f हां मर्दानः यसू कहता
कि मैं हूं नज़दीक
हम दिलेर हैं कर इनायत
फ़ज़्ल की तौफ़ीक़
mp २ देख एक फ़ौज ज़ोरावर आती
और सरदार शैतान
हरचन्द हम शुमार में थोड़े
दिल हो हिरासान।
mf ३ देखो फ़तह की निशानी
झंडा-इ-सलीब
बिसमिल्लाह ग़नीम पस्त होगा
गरचि है मुहीब।
४ कितनी सख़्त भी हो लड़ाई
मदद है नज़दीक
पेशवा आता हिम्मत बांधो
यारो हो वसीक़।

"Sound the battle cry."

१९८ (३३२) 5.5.5.55.5.5.1.10.9.10.9. S. 703.

mf १ जंग की है पुकार,
दुशमन हैं बेन्दार,
झंडा हो तैयार—
मालिक का
हाथ में लो हथयार,
रहो पायदार
फ़तह का आसार
जल्द होवेगा.
हां मरदानः, झंडा ऊंचा करो,
फ़तह, फ़तह, बोलो एक ज़ुबान!
आगे बढ़ के गावें हम होशअन्ना,
यिसू मुनजी फ़ौज का है कप्तान।
mf २ होके बे-ख़तर,
करते हैं सफ़र,
होवेगी ज़फ़र,
बिल-यक़ीन;
रूह की तेज़ तलवार,
साफ़ ओ चमकंदार,
होगी कारगुज़ार,
कामिल-तरीन।

३ रब्ब-इ-ज़ुल-जलाल
मालिक ब-कमाल
हमें तू संभाल
फ़ज़ल से
जंग जब ही तमाम
mp ख़तम होवे काम
तब बिहिश्त इनआम
हम सब को दे।

---

१६६ (३४४) 7.6.7.6.D. "*O Jesus I have promised.*" DAY OF REST { *H. 405. P. 193.*

m १ ऐ यिसू मैं ने कहा
और किया क़ौल क़रार
कि तेरा ही सिपाई
मैं हूंगा वफ़ादार
mf गर तू हो मेरी तरफ़
न ख़ौफ़ है ख़तरों का
गर तू हो मेरा हादी
मैं कैसे हूं गुमराह।

mp २ आह काश कि तेरी क़ुरबत
नित मुझे हासिल हो
ख़ास जब कि बुरी नियत
उभारती है मुझ को
जब दुशमनों के ज़ुल्म से
दिल मेरा हो उदास
मसीह मुबारक हामी
तब रह तू पास ही पास।

m ३ तेरी आवाज़ मैं सुनूं
मुलाइम और शीरीन
जब दुनया की तकलीफ़ से
दिल होता है ग़मगीन
फ़रमा अज़ीज़ मसीहा
तूफ़ान तब होगा बन्द
तसल्ली बख़्श तू मुझे
मैं तेरा आरज़ूमन्द।

mf ४ ऐ यिसू तू ने कहा
और किया क़ौल क़रार
कि तेरे साथ जलाल में
मैं हूंगा हिस्सादार
m और मैं ने वअ़दः किया
कि मैं भी उमर भर
रहूंगा तेरा पैरौ
तू मेरी मदद कर।

२०० 8.6.8.6. *"Am I a Soldier of the Cross."* *S. 672.*

mp १ गर क्रूस का मैं सिपाही हूं,
और पैरौ वरें का,
क्या उस के नाम ओ काम से मैं
यहां शरमाऊंगा ?
mf ऐ यीशू, मुझे रख दिलेर
और वफ़ादार सदा;
और जब तू तख्त पर बैठा हो
तो मुझे याद फरमा.

p २ क्या मैं आस्मान के सफ़र में
आराम से सो रहूं,
जब औरों ने दिलेरी से
बहाया अपना .ख़ून ?

mp ३ क्या जंगका हुआ इख़्तिताम,
क्या दुशमन न रहे,
क्या मैं हथियार को फेंक करके
अब चलूं ग़फलत से ?

m ४ हां, बे-शक मुझको लड़ना है;
ख़ुदावन्द मदद दे :
मैं दुःख तकलीफ़ सब सहूंगा,
ख़ास तेरे फ़ज़्ल से.

mf ५ ख़ुदा का लशकर जीतेगा,
हो गर्चि जंग कमाल,
कि उन का हादी यीशू है,
ख़ुदावन्द ज़ुल-जलाल.

f ६ लड़ हिम्मत से, ऐ ईमानदार,
जल्द मालिक आवेगा,
और अपनी वफ़ादारी का
इनआम तू पावेगा.

"Arise go forth to conquer."

२०१ 7.6.7.6. D. 7.6.7.6. MORNING LIGHT { *H. 267. P. 256. G. 308.*

mf १ अब उठ जवान सिपाही,
अब जंग को हो तैयार;
कर दीन का झण्डा ऊंचा,
और हाथ में ले तलवार,
ले तेज़ तलवार वह रूह की,
जो है आज़मूदा .ख़ूब,
कि जिसके आगे दुश्मन,
हो जाते हैं मग़लूब.
f अब उठ जवान सिपाही,
और जंग को हो तैयार,
कर दीन का झण्डा ऊंचा,
और हाथ में ले तलवार.

mf २ अब उठ जवान सिपाही,
अब जंग को हो तैयार,
सलीब का बोझ उठा ले,
और रह अमानतदार,
पुराने लोग, हां जल्दी,
जावेंगे यर्दन पार,
तू उनकी जगह लेके,
हो जंग में कारगुज़ार.

mf ३ अब उठ जवान सिपाही,
ले ताक़त यीशू से
c हां ग़ालिब पर हो ग़ालिब,
मत ख़ौफ को जगह दें,
ff .खूब लड़, .खूब लड़, सिपाही,
गो जावे .खून ओ जान,
जो तेरे पीछे आते,
वे देखेंगे निशान.

---

२०२ 11.11.11.6. *O. 310.*

f १ सिपाहीओ मसीह के, तुम
बकतर पहिन लो;
जलील सैहून की राह पर
तुम्हारा जाना हो;
लश्कर कश है ईसा; पैरौ उसके रहो:
वह होगा फ़तहमन्द.
f सना, सना, हल्लिलूयाह!
c सना, सना, हल्लिलूयाह!
ff सना, सना, हल्लिलूयाह!
हम होंगे फ़तहमन्द.

f २ सालार पुकारा करता, हर
आदमी हो तैयार!
इंजील का झण्डा लेके, तुम
रहो सब होशियार;
हिम्मत होवे दिल में, और
हाथों में हथियार,
आस रक्खो यीशू पर.

३ मसीह सिपह-सालार पर
तुम लाओ सब ईमान;
निगाह तुम रखो उस पर,
न कभी हो हैरान;
न आदमी न शैतान से तुम
होंगे परेशान—
तुम होंगे फ़तहमन्द.

४ जब तक न फ़तह पाओ,
उतारना न सिलाह;
मसीह को तकते रहो,
वह है मज़बूत पनाह;
वह ग़लबः जल्दी देगा,
और ताज और आरामगाह
और ख़ुशी अबदी.

८. ढाढ़स और आशा.

"My soul be on thy guard."

२०३ (१६६) S. M. — ST. MICHAEL (OLD 134.) H. 115. P. 102. S. 691.

mp १ मुख़ालिफ़ बे-शुमार
तुझे सताते हैं
ऐ मेरे दिल हो ख़बरदार
वे तुझ पर आते हैं।

m २ तू जाग और मांग दुआ
दिलेर हो और निडर
तू हाथ को जंग से मत उठा
पर जी से लड़ा कर।

३ मत ढूंढ तू अब आराम
कि यह है जंग की जा
जो जंगी होगा फ़तहयाब
ताज उस को मिलेगा।

४ तब तक ऐ मेरे दिल
आराम को जान हराम
सरदार जब हुक्म देवेगा
तब होवेगा आराम।

---

२०४ (१६८) 6.6.6.6.8.8. *Ps. 121.* — DARWELL H. 89. P. 69. S. 86.

m १ तरफ़ पहाड़ों की
आंखें उठाता हूं
हां क्यूंकि मदद मैं
वहां से पाता हूं
आसमान ज़मीन का किरदिगार
वह मेरा ठहरा मददगार।

२ न तेरे पांव को वह
फिसलने देवेगा
जो तेरा हाफ़िज़ है
न कभी ऊंघेगा
अपनों का हाफ़िज़ होता है
न ऊंघता है न सोता है।

m ३ यहोवाह हाफ़िज़ है
हां हाफ़िज़ है हर आन
वह तेरे दहने पर
है तेरा सायबान
न सूरज तुझ को मारेगा
न चांद ज़रर पहुंचावेगा।

४ हर एक बुराई से
तुझे बचावेगा
और तेरी जान को भी
महफ़ूज़ वह रखेगा
जो तेरा आना जाना हो
रब्ब हाफ़िज़ होगा सदा को।

---

२०५ (१६९) 10.4.10.4.10.10. *Ps. 121.* SANDON *H. 297. P. 318.*

mp १ उठाके आंख तरफ़ पहाड़ों की उम्मेद रखूं।
m मेरी नजात कहां से आवेगी किसे से मांगूं
o ख़ुदावन्द ही से मदद है मेरी
आसमान ज़मीन का ख़ालिक़ है वही।

m २ वह तेरे पांव को फिसलने कभी न देवेगा
जो ख़बरदारी करता है तेरी न ऊंघेगा
देख इसराएल का निगहबान ख़ुदा
d न ऊंघता है न कभी सोवेगा।

m ३ हमेशः करता तेरी रखवाली ख़ुदावन्द ही
खड़ा है तेरे दहने हाथ पर भी आसरा वही
न दिन को धूप कर देगी तुझे घात
न चांद तेरा नुक़सान करेगा रात।

४ हर एक बुराई से हाफ़िज़ अबदी बचावेगा
सहीह सलामत दिल ओ जान तेरी वह रखेगा
हां तेरे आने जाने में रक्षा
कर देगा अब से अबद तक ख़ुदा।

२०६ S. M. "Come ye that love the Lord." S. 323.

mf १ आओ, तुम जो रखते हो
खुदावन्द पर ईमान,
हमारे साथ अब करो हम्द—
हमारे साथ अब करो हम्द,
और गाओ खुश इलहान—
और गाओ खुश इलहान.

सैहून को हम जाते,
शहर ख़ूबसूरत सैहून को,
हम जाते ऊपर सैहून को,
ख़ूबसूरत शहर इ खुदा.

mf २ इनकार जो करते हो,
हमारे साथ न गाओ;
c पर शाह आस्मानी की औलाद
आवाज़ें खुश मिलाओ.

३ पहाड़ सैहून का फल
हम पहिले चखते हैं,
जब न सोनहली सड़क को
न शहर को तकते हैं.

f ४ सो गावें गीतें सब,—
हम किस से डरते हैं,
c कि हद इम्मानुएली में
अब आ कूच करते हैं.

देखो भी: १५७—१६८.

६. भरोसा और सहना.

२०७ (१४५) "Commit thou all thy griefs." AURELIA { H. 454. P. 225. S. 228.
7.6.7.6. D.

m १ तू अपनी सारी फ़िक्र
और दिल के दुःख का हाल
पूरा भरोसा करके
परवरदिगार पर डाल
जो रास्ता वह निकालता
हवा और बादल का
तो तेरे लिये भाई
राह भी निकालेगा।

m २ जो तू यह सचमुच चाहे
कि खातिर-जमअ हो
तो सच भरोसा करके
पुकार खुदावन्द को
हज़ारों फ़िक्रें करके
कुछ हाथ न आता है
पर दुआ मांगनेवाला
खुदा से पाता है।

३ ऐ मेरे बाप आसमानी
तू रहम से मअमूर
हर वक्त ब-खूबी जानता
जो मुझ को है ज़रूर
और जो कुछ मेरे लिये
तू जानता फ़ाइदःमन्द
सो तू ज़रूर भी देगा
ज्यों तुझे है पसन्द।

mf ४ खुशवक्त और खातिर-जमअ
अब हो ऐ मेरी जान
हरचन्द अब ग़म के ग़ार में
तू पड़ी है हैरान
c खुदावन्द रहम करके
ऐन वक्त के आने पर
तुझे बचा भी लेगा
तब तलक सबर कर।

mf ५ सब उस के हाथ में छोड़ दे
वह मालिक दुनिया का
और उस के काम को देखके
तू तअज्जुब करेगा
जिस मुशकिल से तू हुआ
घबराहट से मजबूर
किसी अजीब तदबीर से
कर डालेगा वह दूर।

६ खुदाया सब तकलीफ़ से
मुझ आसी को बचा
हाथ पांव को मेरे ज़ोर दे
राह रास्त पर चलने का
हर नौबत में तू मुझे
अपनी पनाह में ले
mp कूच करते वक्त तू मुझे
c बिहिश्त में जगह दे।

---

२०८ (१४६) 8.8.8.8. "*My God and Father.*" AGATHA *PH. 174.* RESIGNATION *P. 294.* TROYTE'S CHANT {*H. 290.* *P. 294.* *S 718.*}

mp १ हे बाप हे ईश्वर जब फिरूं
परदेश में दूर और दुःख सहूं
सिखा कि दिल से नित कहूं
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

२ जिस चीज़ से लगता मेरा प्राण
जो तू मंगावे मैं तो मान
फेर तुझे देता तेरा दान
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

३ जो मांदा और बीमार रहूं
बल घटे जब जवान भी हूं
तौभी हे बाप मैं यह कहूं
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

४ नित मेरी इच्छा ठीक बना
तेरी सी शुद्ध कर वह लेजा
जो कहने से कुछ अटकाता
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

५ और जब अवस्था हो वितीत
और पाप और मौत पर पाऊं जीत
mf सुखलोक में गाऊंगा यह गीत
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

"O Holy Saviour, Friend unseen."

२०९ (१५२) 8.8.8.6.

MISERICORDIA *H. 175.*
HAMBURG *P. 295.*

mp १ ऐ दोस्त अनदेखे मुनजी पाक
जिस पर टिक सकता हूं बेन्बाक
बख़्श दे जब हाल हो हैबतनाक
कि तुझ पर रखूं आस।

m २ मैं तेरे फ़ैज़ से हो नेकबख़्त
सह सक्ता हूं मुसीबत सख़्त
डाली का आसरा है दरख़्त
मैं तुझ पर रखता आस।

mp ३ दुनयावी राहत और सुरूर
गर उड़ें ख़्वाब की मानिन्द दूर
c तसल्ली मेरी है भरपूर
जब तुझ पर रखता आस।

mp ४ बारहा जब होता हूं ग़मगीन
और राह दुशवार है और संगीन
धूं बोलती एक आवाज़ शीरीन
अब मुझ पर रख तू आस।

mp ५ तू क़ाइम रख उम्मेद ईमान
जिस वक़्त तक हों सख़्त इमतिहान
उन को दे चैन और इतमीनान
जो तुझ पर रखते आस।

m ६ जो हो सो हो मैं हूं ख़ुशहाल
न मुझे ख़तरा न जंजाल
c कि तू है ज़ोर चटान और ढाल
और तुझ पर मेरी आस।

२१० (१५६) C. M. *Ps. 43.* St. Paul. {H. 294. P. 106.

mp १ मेरा इनसाफ़ कर पे ख़ुदा
और मेरा हामी हो
तू ज़ालिमों के ज़ुल्म से
नजात दे बन्दे को ।

p २ मैं रोता चला जाता हूं
न कर तू मुझे दूर
mp तू मेरी रहनुमाई कर
कर ज़ाहिर अपना नूर ।

३ तू अपने कोह मुक़द्दस पर
पाक घर के अन्दरून
जल्द मुझे लेजा ता न हो
कि रहूं सरनिगून ।

m ४ यहोवाह के पाक मज़बह पर
यहोवाह के हुज़ूर
मैं जाके तेरी गाऊंगा
सिताइश पुर-सुरूर ।

५ क्यों गिरा जाता मेरे जी
क्यों है तू बे-आराम
mf ख़ुदावन्द पर भरोसा रख
और ख़ुश हो हर पैयाम ।

---

२११ (१५७) 7.6.7.6. *Ps. 115: 9-15.* Lancashire *H. 83. P. 347.* Ewing *H. 334. P. 351.*

mf १ ख़ुदा के बरगुज़ीदो
हो उस के उम्मेदवार
रब्ब है तुम्हारी सिपर
पनाह और मददगार
ऐ सारे ख़ुदातरसो
ख़ुदा है उम्मेदगाह
उस पर भरोसा रखो
मुबारक है अल्लाह ।

२ ख़ुदा ने फ़ज़ल करके
अब हम को किया याद
और हमें बरकत देके
दिल को भी किया शाद
जो कोई ख़ुदातर्स है
क्या छोटा बड़ा हो
ख़ुदावन्द बरकत देगा
सब अपने बन्दों को ।

mf ३ तुम को अल्लाह के बन्दो
और फ़रज़न्दों को भी
रब्ब रहम से बख़्शेगा
ख़ैर की ज़ियादती
हां रहमतों का मालिक
वह तुम पर हो रहीम
और बरकत तुम्हें बख़्शे
परवरदिगार करीम ।

२१२ (१५८) P. M. "*The Child of a King.*" S. 946.

mf १ मेरा बाप दौलतमन्द उस के हैं घर ज़मीन
कुल दुनया की दौलत हर चीज़ बिहतरीन
और सोना और रूपा जवाहिर जो सब
क्या खान या ख़ज़ाने में दाख़िल हैं अब।

f फ़रज़न्द बादशाह का हूं
शाहनशाह का मैं हूं
शाफ़ी यीशू के साथ
फ़रज़न्द बादशाह का हूं।

mf २ मेरे बाप का ख़ास बेटा क्या ही अजीब
d इस दुनया में फिरा हां सब से ग़रीब
mf आसमान पर राज करता है अबद वही
वां जगह वह देगा मुझ असी को भी।

m ३ बेगानः मैं था ज़मीन पर लाचार
p था ग़ज़ब का फ़रज़न्द दिल से ख़ताकार
mf लेपालक हो गया हुआ दर्ज मेरा नाम
हूं वारिस मैं पाऊंगा ताज और इनआम।

४ क्यों झोंपड़ी या डेरे की करूं परवा
वहां मेरा बनता है घर ख़ुशनुमा
गर अब मैं हूं दूर ख़ुशी से मैं कहूं
ख़ुदा की तअरीफ़ फ़रज़न्द बादशाह का हूं।

२१३ (१५६) 9.9.9.9. *"Blessed assurance."* *S. 873.*

mf १ यिसू है मेरा कैसा ख़ुशहाल
दिल में वह देता शान-ओ-जलाल
वारिस नजात का साकिन आसमान
उस पर मैं रखता पूरा ईमान।

यह मेरा हाल है यह मेरा गान
उस की तअरीफ़ मैं करता हर आन।

mf २ कामिल भरोसा चैन है और सुख
अब मेरे दिल में न ग़म है न दुःख
देता मसीहा रहम का पैग़ाम
करते फ़िरिश्ते पियार का बयान।

३ यिसू पर रखता अपना ईमान
उस में मैं होता नया इनसान
उस के पियार से होता हूं सेर
क़ूवत अब पाके रहता दिलेर। *c*

---

२१४ (१६५) C.M. *Ps. 86: 1–7.* St. Bernard. (*H. 97. P. 41.*)

mp १ कर मेरी तरफ़ अपना कान
तू ऐ करीम ख़ुदा
ग़रीब की अर्ज का दे जवाब
और मेरी जान बचा।

२ कि मुझ पर तेरा रहम है
हां तेरे बन्दे को
जिस का तुझ पर तवक्कुल है
नजात इनायत हो।

p ३ मैं दिन भर रोया करता हूं
c ख़ुश कर तू मेरा जी
सिर्फ़ तेरे नाम पर ऐ ख़ुदा
उम्मेद है बन्दे की।

m ४ कि तू ख़ुदावन्द भला है
और रहमत से मअ़मूर
जो तेरे नाम को लेते हैं
तू उन का है ग़फ़ूर।

mp ५ अब मेरी मिन्नत की आवाज़
कान धरके सुन तू ले
मैं विपत में पुकारता हूं
सुन मेरी जल्दी से।

---

२१५ (१७३) C. M. *Ps. 23.*

WILTSHIRE *H. 284. P. 10.*
FRENCH *H. 151. P. Ps. 96.*

m १ ख़ुदावन्द मेरा है चौपान
क्या कमी मेरी है
वह हरी चरागाहों में
मुझे बिठलाता है।

२ वह लिये जाता आब के पास
वह जान फेर लाता है
और मुझे अपने नाम ही से
राह रास्त चलाता है।

mp ३ जब चलूं मौत के साये में
c न ख़ौफ़ न ख़तर है
mf कि तू है साथ तेरा हुज़ूर
d तसल्ली बख़्शता है।

m ४ तू दुश्मनों के रूबरू
बिछाता मेरी मेज़
तू मलता मेरे सिर पर तेल
पियाला है लबरेज़।

mf ५ साथ मेरे रहम ला-कलाम
रहेगा उमर भर
और मैं हमेशः रहूंगा
ख़ुदावन्द ही के घर।

---

२१६ (३४५) 7.6.7.6. D.

DAY OF REST *H. 405. P. 193.*
HORA NOVISSIMA { *P. 541.* / *S. M. 1.* }

m १ हे प्रिये प्रभु यिसू
सहायता दिला
कि तेरा चेला होके
मैं दृढ़ रहूं सदा
मुझे कुछ डर न होगा
जो तू बहादुरी दे
mp परन्तु बल कुछ नहीं
जो तू संभाल न ले।

m २ हे प्रिये प्रभु यिसू
इन नेत्रों को तू खोल
कि देखें तेरा विभव
और तेरा प्रेम अनमोल
तू मुझे दरशन देवे
सत ज्योति हो प्रकाश
तव यह संसार भूलूंगा
कुचिन्ता होगी नाश।

३ हे प्रिये प्रभु यिसू
इन कानों को खोल दे
कि तेरा मीठा वचन
इन में प्रवेश करे
जब तुझ से बातचीत होवे
निहाल हो जाऊंगा
इस लोक की लल्लोपत्तो
मैं नहीं सुनूंगा।

m ४ हे प्रिये प्रभु यिसू
हाथ मेरे पकड़ ले
और घुटनों को बलवान कर
पांव को तू स्थिर कर दे
तब तेरे मार्ग पर चलके
न ठोकर खाऊंगा
न कांटे कंकर कीच से
मैं दुःख उठाऊंगा।

५ हे प्रिये प्रभु यिसू
कर मेरे मन में वास
ये सत गुन उस में भर दे
प्रेम आशा और विश्वास
आपस्वार्थीपन मिट जावे
और तेरे ही समान
ईश्वर की इच्छा मानूं
जब छुटे अभिमान।

"Be still, my Soul."

२१७ 10.10.10.10.10.10. ST. HELEN (*H.* 292, *P.* 299.)

mp १ चुप मेरी जान ख़ुदावन्द तेरा यार
बरदाश्त कर हर एक दुख और रंज और ग़म
ख़ुदा के हाथ में सोंप दें दिल का भार
तुझ मांदें को वह करता ताज़दम
चुप मेरी जान तू रंज से हाथ उठा
ख़ुदावन्द आप जो तेरा रहनुमा।

mp २ चुप मेरी जान वह तेरा इनतिज़ाम
हमेशा करता है गो वक्त ह हाल
m अन्धेरा है तू देखेगा अन्जाम
सब दुखों का है खुशी वा कमाल
mp चुप मेरी जान क्या तुझे न मअलूम
कौन करता ज़ब्त समुन्दर का हुजूम।

p ३ चुप मेरी जान छोड़ जाते हैं अज़ीज़
अश्क तेरी आंखों में और तू तन्हा
मुसाफ़िर जिला-वतन और मरीज़
mp पर ख़ातिर जमअ रह और शक्क न ला
m चुप मेरी जान तू पावेगा आराम
खुदावन्द देगा अजर ला-कलाम।

४ चुप मेरी जान मसीहा की दरगाह
न फिर तू कभी होगा बेक़रार
वे प्यारे जिन से रहा तू जुदा
सो उन का दाइमी होगा वां दीदार
चुप मेरी जान तू होवेगा निहाल
mf और देखेगा खुदावन्द का जलाल।

---

२१८ (३२३२) 8.4.8.4. *"Just for to-day."* *S. 868.*

mp १ न कल के लिये ऐ खुदा है अर्ज़ मेरी
गुनाह के दाग़ से अलग रख आज ही अभी।
२ ईमान में करूं तेरा काम दुआ विन्ती
और मिहरबानी सभों पर आज ही अभी।

३ जल्द तेरी मरज़ी मानने को न तो अपनी
और मारने नफ़्स को मदद कर आज ही अभी।
४ न मैं निकम्मी बात कहूं न तो बुरी
हिफ़ाज़त मेरे होंठ की कर आज ही अभी।
५ वक्त पर मुझे संजीद कर शादमान तौभी
m हमेशा ईमान्दार रहूं आज ही अभी।
६ सो फ़िक्र कल की न करूं दुआ यही
c सम्भाल तू मुझे राह बतला आज ही अभी॥

देखो भो: १५७–१६८.

---

१०. यात्रा और विश्राम.

"Jesus still lead on."

२१९ (१६२) 5.5.8.8.5.5. ZINZENDORF *H. 296. P. 308.*

m १ ईसा हादी हो
राह बताने को
तेरी राह पर क़दम धरें
तेरी पैरवी हम करें
जब तक मरते आन
मनज़िल हो आसमान।

mp २ जब हम हैं तंगहाल
हमें तब सम्भाल
दुःख पर दुःख जो हम उठावें
m तौभी हम न कुड़कुड़ावें
यहां दुःख तमाम
वहां है आराम।

mp ३ अपना रंज जो हो
ग़ैर का रंज भी जो
दोनों दुःख हों छोटे बड़े
जब कि भारी हम पर पड़े
m तू तब फ़ज़ल से
हमें सबर दे।

mf ४ ज़िन्दगानी भर
हम पर नज़र कर
राह की मुशकिल हों बहुतेरी
तब तू हमें दे दिलेरी
दौड़ जब हो तमाम
हमें बख़्श आराम।

---

२२० (१६३) 8.7.8.7.

MARINERS *H. 581. P. 197. S. 316.*
ST. SYLVESTER *H. 312. P. 331.*

m १ प्रभु ईसा कृपासागर
तू है सचमुच जोत अपार
mp मेरा मन तू कर उजाला
अपने भक्त का कर निस्तार।

p २ प्रभु मैं हूं महापापी
तुझे छोड़ा बारंबार
mp मुझे अपनी ओर फिराके
पाप से मुझे कर उद्धार।

३ अपनी आत्मा से परमेश्वर
मेरा मन पवित्र कर
तन और मन मैं सौंपता तुझे
कृपा करके ग्रहण कर।

p ४ मरनकाल जो निकट आवे
प्रभु मेरा जी संभाल
c मरने से मैं क्योंकर डरूं
जो तू मेरा हो रखवाल।

---

२२१ (१६४) 7.6.7.6.

MORLAIX (KNECHT) *H. 393. P. 307. S. 494.*

mp १ मसीहा तेरा फ़ज़ल
रहे हमारे साथ
न हो शैतान से दबें
और पड़ें उस के हाथ।

mp २ मसीहा तेरा कलमः
नित हम में क़ाइम हो
वह हो हमारा हादी
राह हक़ बताने को।

३ मसीहा तेरे नूर में
हम चलें उमर भर
अपने कलाम की रौशनी
हम पर चमकाया कर।

४ मसीहा तेरी बरकत
हो तेरे बन्दों पर
और सब रूहानी दौलत
हमें इनायत कर।

५ मसीहा की पनाह में
हम रहें हर ज़मान
तब दुनया और शैतान से
हम रहें ब-अमान।

६ मसीहा तेरी वफ़ा
हमेशः रहेगी
बख़्श हमें वफ़ादारी
और अबदी ज़िन्दगी।

"I'm but a stranger here."

२२२ (१६७) 6.4.6.4.6.6.6.4. PILGRIM SONG { *PH. 232. P. 342.*

m १ यहां मुसाफ़िर हूं
घर है आसमान
mp सरा में टिकता हूं
घर है आसमान
दुनया के दरमियान
दुःख है और रंज हर आन
mf घर मेरा है आसमान
हां घर आसमान।

m २ यहां हूं बे-मकान
पर घर आसमान
छोड़ूं यह बयाबन
जाऊं आसमान
यहां के ख़ौफ़ ओ डर
दूर होंगे सरासर
mf जब चलूं अपने घर
वह घर आसमान।

mf ३ वहां मसीह के पास
घर है आसमान
ख़ुश हूंगा न उदास
घर है आसमान
n वहां सब लोग हैं पाक
उन की सुफ़ेद पोशाक
आसमान पर सब बे-बाक
mp घर है आसमान।

"Guide me, O Thou great Jehovah."

२२३ (१७१) 8.7.8.7.4.7.

MANSHEIM H. 295. P.310. S. 524.
DISMISSAL PH. 343. P. 451. S. 287.

m १ पन्थ बता हे शक्त परमेश्वर
याट के भूले पन्थी को
मैं हूं निर्बल तू है बली
करके कृपा पत्ती हो
स्वर्ग्य भोजन
दे मुझ भुक्त के भूखे को।
२ खोल दे अब वह कुन्ड बिल्लौरी
निकली जिसमे जीवन धार
आग और मेघ का खंभ साथ देके
मुझे यात्रा भर सम्भार
mf परबल ईसा
हो तू मेरी ढाल तलवार।
mp ३ मृत्यु नदी तीर जब पहुंचूं
चिन्ता भय को सब मिटा
m हे मुक्तदायक नरकनाशक
चैन से बेड़ा पार लगा
f महिमा तेरी
करूंगा मैं सर्वदा।

"I'm a pilgrim and I'm a stranger."

२२४ (१७८) 9.7.10.10.9.7.

U.O. 52. S. 837.

m १ मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का
मैं जल्दी जाऊं क्यों करूं देरी
आसमान पर जगह तैयार है मेरी
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।
२ वहां सूरज सदा चमकता
उस को देखने चाहता हूं
mp इस बयाबान में ना-पसन्दीदः
दौड़ धूप उठाके मैं हूं रंजीदः
m मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।
mf ३ उस जहानका आफ़ताब जलाली
मेरा मुंजी सदा है
वहां न ग़म है न आहें भरना
और न गुनाह है न कभी मरना
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।

*m*४ मेरे उस पार के रिश्तेदार भी
इधर आओ कहते हैं
d पस रुख़सत होऊं यह जाय वीरान है
mp शाम होती जाती दिल परेशान है
m मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।

*mf*५ जब पार उतरा फिर न परदेसी
न मुसाफ़िर रहूंगा
आसमानी मुल्क में मेरा आराम है
वहां की ख़ुशी कमाल तमाम है
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।

---

२२५ (१७६) 10.4.10. 4.10. 0. "*Lead kindly light.*" LUX BENIGNA SANDON (*H. 397. P. 318.*

*mp*१ इलाही नूर कर रौशन यह देजूर
तू रहबर हो
रात है तारीक और मैं हूं घर से दूर
तू रहबर हो
न चाहता हूं कि दूर तक देखूं राह
m पांव मेरे थामके तू ही हो हमराह।
*mp*२ न आगे मेरी ख़्वाहिश थी कि तू
हो रहनुमा
मैं अपनी राह निकालता थाअब तू
हो रहनुमा
आह मैं ख़ुदबीन हो कैसा भटका था
p तू गुज़रे दिनकी भूल नयाद फ़रमा।
*mf*३ अब तू है रहबर मुझे तेरा हाथ
संभालेगा
राह मुशकिलहो क्याडरजो मेरे साथ
तू रहेगा
ज़ुलमातके बअ़द में बीच फ़िरिश्तगान
अबदी जलाल में हूंगा सनाख़्वान।

---

२२६ (१८२) 11.10.11. 10.9.11. "*Hark, hark my soul.*" PILGRIMS {*H. 308. P. 319. S. 231.*

mp १ सुन मेरी जान फ़िरिश्ते पुरसोज़ गाते
फैलती आवाज़ ज़मीन की सब नवाह
m कैसी शीरीन बशारत वे सुनाते
उस ज़ीस्त आसमानी की जो बे-गुनाह
mf नूर के फ़िरिश्ते गाते हर बार
रात के मुसाफ़िर का करते इंतिज़ार।

m २ सफ़र के वक़्त हम सुनते उन की बातें
p ऐ थकी जान मसीह बुलाता है
m रात में सुन पड़तीं ये शीरीन आवाज़ें
इनजील का नग़मः घर बतलाता है।

mp ३ येसू बुलाता अपनी नर्म आवाज़ से
सब लोगों को जो रहते बीच जहान
उस के कलाम को सुन हज़ारों आते
तू उन का हादी हो अज़ीज़ चौपान।

m ४ राह दूर दराज़ हो चैन तो होगा आख़िर
पौ फटते वक़्त तारीकी होगी दूर
मंज़िल मक़्सूद पर पाता है मुसाफ़िर
अपने आसमानी घर को पुर-सुरूर।

mf ५ गाते रहो ऐ पाक अज़ीज़ फ़िरिश्तो
हम को आसमानी ख़ुश सरोदिआं
f जब तक न रोने की यह रात तमाम हो
जब तक न आवें दिन की ख़ुशिआं।

---

२२७ (१८३) 7.6.7.6.D. AURELIA { H. 454. P. 225. S. 228.

p १ इनसान की देखो फ़ना
वह फूल सा खिलता है
चन्द रोज़ः ख़ाक का बना
फिर ख़ाक में मिलता है
c पर देखो क्या करामत
ख़ुदा दिखावेगा
mf इस ख़ाक को रोज़ क़ियामत
वह फिर उठावेगा।

mp २ फ़ना में बोया गया
mf उठेगा ला-ज़वाल
mp नाक़िस हो गोर में जाता
mf उठेगा बा-कमाल
mp बे-इज़्ज़त और जिसमानी
बदन हम बोते हैं
mf जलाली और रूहानी
वे ज़िन्दः होते हैं ।

mf ३ जो मूमिन हैं हक़ीक़ी
शरीक कलीसिया के
सो ज़िन्दगी तहक़ीक़ी
पावेंगे ईसा से
जो सर हमारा ज़िन्दः
तो अंग भी ज़िन्दः है
मसीह हयात दिहिन्दः
नजात बख़्शिन्दः है ।

"On Jordan's stormy banks."

२२८ (१८४) C.M. SALZBURG [Ps. M. 121. F. 301.]

m १ अब यरदन के किनारे पर
मैं खड़ा रहता हूं
और चाहता हूं ख़ुश देश कनआन
कि दुःख अब सहता हूं ।

२ उस साफ़ ख़ूबसूरत जगह की
अब धुन्धली है निगाह
चमकीले दरया बहते हैं
और सुथरी चरागाह ।

mf ३ वहां क़याम दरख़्तों पर
हैं मेवे मज़ःदार
दूध शहद से छलकते हैं
हर वादी और पहाड़ ।

४ उन चौड़े साफ़ मैदानों पर
उजाला दाइम है
वहां अंधेरी रात न हो
कि ईसा क़ाइम है ।

mp ५ कब उस .ख़ूबसूरत जगह पर
मैं करूंगा निगाह
और देखकर अपने बाप का मुंह
कब पाऊंगा सलाह ।

mf ६ रूह मेरी भरकर ख़ुशी से
न करे देर यहां
अगरचे यरदन बढ़ती है
जावे बे-डर वहां ।

"My days are gliding swiftly by."

२२९ (१८५) 8.7.8.7. SHINING SHORE { P. 318. U.G. 23.

mp१ जल्द मेरे दिन गुज़रते हैं
मैं सफ़र करता जाता
परदेश में होऊं जा ब जा
मैं राह का दुःख उठाता।
हम खड़े हैं यरदन किनार
और एक एक गुज़र जाता
mf जलाल उस पार का यग्नज़े वक्त
इस पार तक नज़र आता
m२ मसीह बादशाह फ़रमाता है
मशअलें तुम सुधारो
उस पार के मुल्क में अपना घर
हम देखते हैं पियारो।
३ मुसाफ़िरत के दुःखों से
हम भाई हार न जावें
बिहिश्त के सच्चे उम्मेदवार
उम्मेद का फल भी पावें।
४ यहां जो दुःख मुसीबत हो
तो उस को क्यूं न सहें
उस पार में अपने बाप के घर
हम जल्दी जाके रहें।

"All the way my Saviour leads me."

२३० (३३६) 8.7.8.7. D. ALL THE WAY { P. 320. S. 522.

m १ ईसा राह में साथ ले चलता
और क्या मुझ को है ज़रूर
उस का प्यार मैं बे-हद्द पाता
वुह है राह में मेरा नूर
मैं आस्मानी ताक़त पाके
रहूंगा नित ईमानदार
जो कुछ ख़तरा मुझ पर आवे
ईसा होगा मददगार।

m २ ईसा राह में साथ ले चलता
मेरी ख़बर लेता है
हर तकलीफ़ को हलकी करता
मन्न आस्मानी देता है
जब मैं थके ठहर जाता
दिल जब हांपा करता है
तब चटान से पानी आता
मेरी प्यास को भरता है।

mf ३ ईसा राह में साथ ले चलता
कैसा प्यार यह ईसा का
आह क्या ख़ुशी दिल में पाता
बाप के घर जल्द जाऊंगा
जब मैं होऊंगा ग़ैर-फ़ानी
जब आस्मान पर पहुंचूंगा
तब गाऊंगा ब-शादमानी
ईसा मेरा हादी है।

---

२३१ (३३७)

AURELIA { *H. 454.* *P. 225.* *S. 228.*

mf १ चैन-ओ-अमान है तुझ पास
ईसा अज़ीज़ चौपान
तेरे पियार से मुझे
ख़ुशी है बे-पायान
mp सुनो फ़िरिश्ते गाते
आस्मान से ख़ुश-इलहान
उन की शीरीन आवाज़ से
c दिल मेरा है शादमान।
m २ सारी दिल-परेशानी
ख़तरे और सब गुनाह
दुनया के इमातिहान से
तू मेरी है पनाह
सारी तकलीफ़ ओ दुःख को
तू हम से करता दूर
mp सिर्फ़ थोड़ी देर तक रोना
अब हम को है ज़रूर।
p ३ ईसा सलीब पर मूआ
c वुह मेरी है पनाह
mf वुही चटान है मेरी
आशा और मददगार
यहां ईमान से उस का
करता हूं इन्तिज़ार
जब तक न दिन की रौशनी
ऊपर से हो आशकार।

---

२३२ (३४१) C. M. *"O God of Bethel."*

ST. PAUL { *H. 294.* *P. 106.*

m १ ख़ुदा-इ-बैतेल जो ख़ुराक
रोज़ देता अपने हाथ
और जो इस पूरे सफ़र भर
रहा हमारे साथ।
२ दुआ के साथ हम आते हैं
फ़ज़ल के तख़्त के पास
बापों के रब्ब हमारा हो
सब पुश्तों की हो आस।

m ३ तू राह की सख़्त घबराहट में
हमारा रहबर हो
ख़ुराक पोशाक इनायत कर
जो वाजिब मअ़लूम हो।

४ तू अपने पर फैलाया कर
जब तक न हो तमाम
हमारा सफ़र, और हम सब
न पहुंचें मक़ाम।

५ यह बरकत तू इनायत कर
हमारी सुन पुकार
तब होगा तू हमारा रब्ब
और हिस्सः आख़िरकार।

देखो भीः २३५—२३७.

११. मृत्यु और पुनरुत्थान.

२३३ (१८६) L. M. *"Asleep in Jesus."* RETREAT *PH.241. P. 326.*

mp १ यसू में सोते नींद क्या ख़ूब
न होंगे ग़म से फ़िर मग़लूब
अब क़ामिल है क़रार रफ़ाह
सब दुशमनों से है पनाह।

m २ यसू में सोते ख़ूब आराम
कि जागना होगा पुर-सलाम
न होगा रंज न डर उस आन
जब ज़ाहिर हो मसीह की शान।

mp ३ यसू में सोते हर मकान
यह पनाहगाह है हर ज़मान
लपलैण्ड के बर्फ़ में हिन्द की ताब
ईमानदार पाते एकसां ख़्वाब।

४ यसू में सोते मेरी भी
आरामगाह हो इस ख़ुशी की
n महफ़ूज़ रहेगी मेरी ख़ाक
जब तक न आवे मुनजी पाक.

"A few more years shall roll."

२३४ (१४६) S. M. D. LEOMINSTER *H. 305. P. 321.* CHALVEY *H. 305. S. 1053.*

p १ अब होगी थोड़ी देर
तब उम्र है तमाम
और उन के साथ जो सोते हैं
हम पावेंगे आराम।

mp उस रोज़ अज़ीम तक तू
तैयार कर मेरी जान
और अपने ख़ून से सब गुनाह
तू धो दे ऐ रहमान।

p २ अब थोड़ी देर आफ़ताब
फिर होवेगा गुरूब
c तब जहां येसू है आफ़ताब
हम जायेंगे क्या ख़ूब ।

p ३ और थोड़ी देर ब-ज़ोर
यों चलेगा तूफ़ान
c तब बन्दग्गाह में पहुंचके
चैन पाते बे-बयान ।

p ४ सब रोना और दौड़ धूप
दुःख दर्द इस सफ़र का
c है थोड़ी देर का तब ख़ुदा
सब आंसू पोंछेगा ।

m ५ तू थोड़ी देर में रब्ब
आसमान से उतरेगा
c तू मूआ था और जीता है
ता जीवें हम सदा ।

देखो भी: २३५—२४५.

---

१२. अनन्त जीवन.

"The sands of time are sinking."

२३५ (१८१) 7.6,7.6. D. RUTHERFORD { H. 306. P. 346. S. 975.

mp १ संसार का दिन ढल जाता
और स्वर्ग का है विहान
जिस भोर की आस में रखता
c वह भोर अब है जोतमान
p रात थी बहुत अन्धेरी
m अब करता दिन प्रवेश
mf और विभव—विभव रहता
इम्मानुएल के देश ।

m २ मसीह है प्यार का सोता
उस जल की क्या मिठास
संसार में उस को चखा
स्वर्ग में बुझेगी प्यास
mf वहां एक बड़ा सागर
है उस का प्रेम अशेश
f और विभव—विभव रहता
इम्मानुएल के देश ।

m ३ मसीह है मेरा प्यारा
वह मुझे करता प्यार
जेवनार के घर में लाता
mp अशुद्ध और दुराचार
mf मैं उस पर रखता आसरा
और होगी आस विशेष
जहां वह विभव रहता
इम्मानुएल के देश ।

m ४ मैं स्वर्ग की ओर चढ़ गया
जब हुई बयार प्रचंड
mp अब थक पथिक नाईं
जो टेकता अपने दंड
d आयु के संध्या समय
ज्यों मौत का है सन्देश
mf मैं विभवोदय ताकता
इम्मानुएल के देश।

"Brief life is here our portion."

२३६ (१८७) 7.6.7.6. St. Alpheol { H. 332. P. 349. S. 284.

mp १ यह ज़िन्दगी कोताह है
चन्द रोज़ःरंज उस का
m पर ज़िन्दगी आसमान की
वे-ग़म ला-इन्तिहा।

mf २ क्या ही मुबारक जज़ा
दुःख थोड़ा सुख अपार
इनसान के वास्ते जगह
विहिश्त में है तैयार।

m ३ अब लड़ना है लड़ाई
तब करेंगे हम राज
कि ईमानदार को मिलता
जलील ग़ैरफ़ानी

mp ४ अब दौड़ना है और जागना
और सब्र है दरकार
कि बाबुल की असीरी
सैहुन पर है दुशवार।

m ५ तब देखेंगे ब-नज़र
अनदेख जो प्यारा है
तब जानेंगे बा-ख़ुशी
मसीह हमारा है।

mf ६ नूर सुबह का हो रौशन
तब करेगा रात दूर
और दिन की मानिन्द होगा
दीनदारों का ज़हूर।

f ७ ख़ुदा को अपना बादशाह
वे देखकर हैं मसरूर
और सदा सिजदः करते
वे उस के पाक हुज़ूर।

"*Forever with the Lord*"

२३७ (१८८) S.M.D.

MONTGOMERY { H. 307. P. 334. S. 917.

mp १ हमेशः रब्ब के साथ
आमीन यह ऐसा हो
mf कि इससे पाता ज़िन्दगी
और अबदी ख़ुशी को
p इस बदन में असीर
दौड़ धूप उठाता हूं
c एक मंज़िल अपने डेरे को
रोज़ रोज़ बढ़ाता हूं।

m २ घर बाप का है आसमान
वह मेरी जान का घर
ईमान से कभी देखता हूं
उस के सुनहरे दर
mp आह तब ब-दिल औ जान
हूं उस का आरज़ूमन्द
c पाक लोगों की जो है मीरास
यरूसलम बुलन्द।

m ३ हमेशः रब्ब के साथ
ऐ बाप गर मर्ज़ी हो
तो अब भी मुझ पर पूरा कर
इस उम्दः वअ़दः को
mf हो मेरे दहिने हाथ
तो हूंगा पायदार
संभाल मुझे कि मरने तक
मैं रहूं ईमानदार।

p ४ और जब इस ख़ैमे को
तू तोड़े मरते आन
mf तो मौत की तलख़ी कर के दूर
बचा तू मेरी जान
m और मुझे अपने पास
उठावे तेरा हाथ
f पास तख़्त के ख़ुश हो कहूंगा
हमेशः रब्ब के साथ।

---

२३८ (१८९) L. M.

CRASSELIUS (WINCHESTER) { H. 6. P. 150. S. 177.

m १ जहां तक है ज़मीन आबाद
जहां तक रहते आदमज़ाद
ख़ुदावन्दा का है सब जहान
आसमान पर उस का ख़ास मकान।

२ ख़ुशनुमा जगह पाक मकान
है तेरे तख़्त की जा आसमान
mp कौन इस में दख़ल पावेगा
तेरे हुज़ूर कौन जावेगा।

m ३ जिस की ख़ताएं हुईं मुआफ़
दिल जिस का पाक हाथ जिस के साफ़
रास्तबाज़ी उसे मुनजी की
और सारी बरकत मिलेगी।

४ जो रब्ब का फ़ज़्ल चाहते हैं
और उस का नाम सराहते हैं
c बिहिश्त में जगह पावेंगे
mf तश्रीफ़ ता-अबद गावेंगे

"*Jerusalem, my happy home.*"

२३६ (१६०) C.M.

JACKSON *H. 620. P. 617.*
BELMONT *H. 588 P. 387.*

m १ पाक शहर ऐ यरूसलम
अज़ीज़ है तेरा नाम
मैं पहुंचूंगा तुझ में कब
और पाऊंगा आराम।

२ जिस के दरवाज़े मोती हैं
दीवारें अलीशान
सोने की सड़कें झलकदार
सो देखूंगा किस आन।

f ३ और तेरी पाक बारगाहों को
मैं कब चढ़ जाऊंगा
जहां जमाअतें नित मौजूद
और सब्त है सदा का।

mf ४ वहां गुनाह और ग़म नहीं
है अदन की बहार
mp यहां तअन तूफ़ान से हो
मैं जाता हूं उस पार।

f ५ मसीह के पास सब हाज़िर हैं
रसूल शहीद दीनदार
और उन में शामिल होंगे जल्द
मेरे मसीही यार।

mf ६ पाक शहर ऐ यरूसलम
दुःख कब तक भरूंगा
जब तुझ में मेरी पहुंच हो
आराम तब करूंगा।

२४० (१९१) 11.11.11.11.8.11. HIDING IN THEE { P. 263 S. 619. HOME SWEET HOME

mp १ कौन वतन है रूह का कौन जा-ए-आराम
वह कहां पावेगी पनाह का मक़ाम
क्या दुनिया में है ऐसी जा-ए-पनाह
कि जहां पहुंच नहीं सकता गुनाह
नहीं नहीं यह बात मत मान
o किस वास्ते कि वतन है ऊपर आसमान।

m २ उस वतन को ढूंढो तो छोड़ो ज़मीन
वह वतन है ऊपर जलील और हसीन
यरूसलम ऊपर सुनहरा मक़ाम
वह रूह का है वतन और जा-ए-आराम
mf हां है हां है फ़क़त आसमान
है वतन ही रूह का और चैन का मकान।

m ३ उठा अपनी आंखें और देख तू उस पार
है नज़र में शहर आसमानी तैयार
मसीह ने तो खोला है दर-इ-आसमान
mp जब ख़ून अपना देके बचाया जहान
m मत रो मत रो आगे मत रो
मुनजी के रहम पर डाल आपने को।

mf ४ ख़ुदावन्द का रहम मिटावेगा ग़म
और रोना सब छोड़के तब हंसेंगे हम
फ़र्याद ओ हर रंज की बात होगी ख़ामोश
और ख़ुशी तब दिल में नित करेगी जोश
f ख़ुश हो ख़ुश हो अब हो ख़ुशहाल
आसमान पर है ख़ुशी तमाम-ओ-कमाल।

"*Jerusalem the Golden.*"

२४१ (१९२) 7.6.7.6.D. Music (P.H. 250. P. 198. S. 63.

m १ यरूसलम आसमानी
ऐ शहर पुर-जलाल
कौन तेरी शान ओ शौकत
बतावे बा-कमाल
तू दुल्हिन सी आरास्तः
पाकीज़ः और तैयार
आसमान से उतर आके
होवेगी नमूदार।

२ पुर रौशनी और तजल्ली
और ख़ालिस सोने की
बिल्लौर सी जैसे यशम
शफ़्फ़ाफ़ तू चमकेगी
m मोती के दर जो बारह
तअ़रीफ़ से बाहिर हैं
और तेरी बारह नेवें
अजीब जवाहिर हैं।

३ ज़रीना तेरी सड़कें
दीवारें हैं बुलन्द
मैं तेरी रौनक़ देखने
हूं निपट ख़्वाहिशमन्द
न सूरज से न चांद से
कुछ वहां होगी ताब
कि ज़ुल-जलाल ख़ुदावन्द
है शहर का आफ़ताब।

४ सब क़ौमें तेरे नूर में
फिरेंगी बा-सुरूर
ज़मीन के साथ झुकेंगे
ख़ुदावन्द के हुज़ूर
न दुःख न रंज न रोना
है तेरे अन्दरवार
पर ख़ुशी और तसल्ली
और सुलह और क़रार।

m ५ यरूसलम आसमानी
ऐ शहर पाक बर्राक़
मैं तुझ पर हूं फ़रेफ़्तः
दिल तेरा है मुशताक़
तू है ख़ुदा का शहर
ज़र्रीन और रौनक़दार
और पाऊंगा मैं तुझ में
ख़ुदावन्द का दीदार।

"Jerusalem the Golden"

२४२ (१-६३) 7.6.7.6.D. EWING { H. 334. P. 351. S. 217.

p १ यरूसलम ज़रीना
ऐ शहर आलीशान
क़ुद्सी और ख़ुशवक़्ती
हैं तेरे दरमियान
c न मुझ पर ज़ाहिर हुआ
कि तुझ में होगा क्या
यक़ीनन तेरी ख़ूबी
है पाक और बे-बहा।

mf २ पाक शहर तेरे अन्दर
शहीद फ़िरिश्तगान
तेरे जमाल को देखकर
हम्द करते हैं हर आन
उस पर जो तख़्त-निशीन है
वे करते हैं निगाह
गिर्द उस के खड़े होके
वे गाते हम्दुल्लाह।

३ दीवार हैं तेरी यशम
और सड़कें हैं ज़रीन
जवाहिर ही की मानिन्द
है तेरा नूर हसीन
तुझ में कुछ रात न होगी
और मौत भी होगी दूर
मसीह जो तख़्त-निशीन है
सो है हयात और नूर।

४ तुझ में रिहाई पाके
सब रंज और आफ़त से
मसीह के लोग बच जाके
मुज़फ़्फ़र होवेंगे
f वे अपना पेशवा देखकर
पास उस के रहेंगे
और हम्द और पाक इबादत
ता अबद करेंगे।

m ५ यरूसलम मुक़द्दस
मुक़द्दसों की जा
तू दुनिया के सब माल से
है ख़ूब और बे-बहा
c तुझ में न ग़म है कभी
न दुःख न तकलीफ़ात
f है तुझ में पाक सआदत
और अबदी नजात।

२४३ (१६४) 11.11.11.11. HOUGHTON H. 18, P. 28. HANOVER H. 10. P. 16.

mf १ आसमान पर आराम है और कुछ नहीं दुःख
आसमान मेरा घर है वां पाऊंगा सुख
m रूह मेरी ख़ामोश हो और रह तू निडर
c दुःख आवे तो आवे मैं जाता हूं घर।

mp २ है दुनया की ख़ुशी से नहीं आराम
mf आसमान की सआदत है पाक और मुदाम
जिस शहर मैं जाता जलील है और ख़ूब
मैं देखूंगा वहां मसीह-इ-महबूब।

mp ३ यह दुनया है जंगल वीरान बयाबान
क्यों इसे क़बूल करके खोऊं आसमान
m आसमान पर ख़ुदा से है मेरी मीरास
मैं करूंगा वहां मसीह की सिपास।

४ जो आवे मुसीबत और ख़तरे और दुःख
आसमान पर मुझ दुःखी को मिलेगा सुख
जो रंज ओ मुसीबत है इस से क्या ग़म
mf वह ख़ुशीआं पैदा कर रहे हर दम।

"There's a land that is fairer."

२४४ (१६५) 9.9.9.9.9.9. S. 964

mp १ देख एक मुल्क है जलील ख़ुशनुमा
ईमानदारों की कामिल मीरास
उस में ईसू हमारा पेशवा
करता जगह तैयार अपने पास
ख़ुश हो बअद थोड़ी देर
जमअ होंगे उस जा-ए-जमाल

mp २ तब हम सारे मुक़द्दसों से
मिलके गावेंगे गीत ख़ुश-इलहान
फिर न ग़म न अफ़सोस करेंगे
कि वह अमन ओ चैन बे-बयान।

३ बाप आसमानी है करम से मअमूर
उसका प्यार है बे-हद् बे-क़ियास
वही चश्मः है फ़ैज़ से भरपूर
उसकी करें तअरीफ़ ओ सिपास।

"There is no night in heaven."

२४५ (१८७) S. M. St. Olave { H. 327. P. 281.

m १ आसमान में रात नहीं
उस अदन ख़ुश-बहार
काम से न होती मांदगी
कि सारा काम है प्यार

mp २ आसमान में रंज नहीं
हयात है लबालब
और आंसू अगली चीज़ों में
जो गुज़र गईं सब।

m ३ आसमान में शर्र नहीं
देख उस ख़ुशहाल गुरोह
बे-दाग़ और पाक उन की पोशाक
गीत पाक और बे-अन्दोह।

m ४ आसमान में मौत नहीं
जो उतरे हैं उस पार
mf बक़ा को हासिल किया है
न होगा फिर आज़ार।

mp ५ ऐ ईसा रहबर हो
और बख़्श तू दे आराम
c ता रात रंज शर्र और मौत से छूट
हम दाख़िल हों आसमान।

---

२४६ 12.8.12.9. *"The home of the soul."* G. 334.

mf १ मैं एक गीत अपने वतन का
अब गाऊंगा,
वह रूहों का देस है ख़ुशनूदः
वहां दुःख ओ तूफ़ान का न
होगा गुज़रान,
जहा अबद के साल है मौजूद।

२ मेरे ख़ुशनुमा देस तू है दिल
में मौजूद
है यश्म की तेरी दीवार;
फ़क़त छोटा सा परदा है बीच
में मौजूद
जो कि रोकता है तेरी बहार.

३ तुझ में हैं ज़िन्दगी के दरख़्त
ख़ुश-गवार,
और चश्मे हयात के रवां;
और न तुझ में मुसीबत न
मौत का आसार
और न झूठ का है कोई निशान.

४ हम सब रहेंगे देस में हमेशः
शादमान
और देखेंगे यीशू को ख़ास्स;
वह हमारा है मालिक ख़ुदावन्द
सुल्तान
और हम पावेंगे ताज उस के पास.

५ क्या ख़ुश होवेंगे हम बीच
उस शहर हसीन
जब दुःख का न होगा निशान;
तब हम गावेंगे गीत और
बजावेंगे बीन
और फिर देखेंगे सब को वहां.

---

२४७ 10.10.10.10. *"Glory Song."* *S. 949.*

mf १ जब दुख मुसीबत हैं मेरे तमाम,
और मुझ को मिला आस्मान
में आराम,
और मैं ने पाया मसीह का
सलाम,
अबदी ज़मानों में होगा जलाल.

f होगा जलाल, पूरा जलाल
पूरा जलाल, पूरा जलाल
यीशू को देखकर मैं हूंगा
ख़ुशहाल
उस के हुज़ूर में है पूरा
जलाल.

mf २ जब उस के फ़ज़ल का पाऊं
इनआम
मिले आस्मान पर जलाली
मक़ाम
मुंजी के पास होगी ख़ुशी
तमाम
अबदी ज़मानों में होगा
जलाल.

mf ३ देखेंगे उस पार हम अपने
हबीब
रहेंगे सदा मसीह के क़रीब
पावेंगे दिल में हम उलफ़त
अजीब.
अबदी ज़मानों में पूरा जलाल.

होगा जलाल पूरा ज़लाल
पूरा जलाल पूरा जलाल
यीशू को देखकर हम होंगे
ख़ुश हाल.
उस के हुजूर में है पूरा
जलाल.

"Oh, think of the home over there:"

२४८ 8.8.8.8. S. 912.

mf १ देख! घर है तैयार बीच
आस्मान
ज़िन्दगी के साफ़ चश्मों
के पास
सब मुक़द्दस हैं उस में
शादमान
और नूरानी है उनका
लिबास।
f बीच आस्मान, बीच आस्मान–
तू याद कर वह घर बीच
आस्मान।

mf २ उस घर में हमारे अज़ीज़
जो कि आगे हैं गुज़रे उस
पार
चैन अब पाते हैं ख़ूब ओ
लज़ीज़
हम्द के गीत गाते
रब्ब के हर बार।
f बीच आस्मान, बीच आस्मान–
उन की याद कर जो
हैं बीच आस्मान।

mf ३ मेरा मुनजी भी है बीच
आस्मान
सब दीदार वहां पाते आराम
काश कि छोड़ के यह फ़ानी जहान
जाने पाऊं मुबारक मक़ाम।
f बीच आस्मान, बीच आस्मान–
मेरा मुनजी भी है बीच
आस्मान।

mf ४ अब बअ़्द थोड़ी देर बीच
आस्मान
में भी सफ़र में चैन ओ क़रार
पाके अपनों के साथ हूं शादमान
मेरा करते हैं जो इन्तिज़ार।
f बीच आस्मान, बीच आस्मान
मैं भी हूंगा अब जल्द बीच
आस्मान।

कलीसिया—१. आराधना

(१.) आराधना का आरम्भ.

२४९ (२५) C. M. St. Peter *H. 201. P. 178. S. 112.*

mp १ फिर तेरे पास हम आते हैं
ख़ुदाया मदद दे
कि करें तेरी बन्दगी
रूह और सच्चाई से।
२ ऐ बाप तू अपनी रूह-इ-क़ुद्दस
हमें इनायत कर
और अपनी पाक मुहब्बत भी
हमारे दिल में भर।
३ जो पाक कलाम से सुनते हैं
सो दिल में रक्खें याद
खींच अपनी तरफ़ हर ख़ियाल
और दिलों की मुराद।

---

२५० (२६) C. M. *Ps. 132: 8-11, 16-18.* Martyrdom { *H. 236.* *P. Ps. 25.* }

m १ उठ ऐ सलामत के बादशाह
हमारे बीच में आ
कलीसिया ताकती तेरी राह
तू रहम अब फ़रमा।
२ तू अपनी रूह ओ कलमे से
सैहून में हाज़िर हो
और दिल की तर-ओ-ताज़गी
बख़्श अपने बन्दों को।

३ तू ज़िन्दगी की रोटी को
हम आजिज़ों को दे
फ़क़ीरों को मुलब्बस कर
नजात ओ सुलह से।

mf ४ दाऊद की नसल जो मसीह
नित रहेगा सुलतान
o उस की बादशाहत फैलेगी
f ता अबद हर ज़मान।

---

२५१ (२७) 11.11.11.11. *Ps. 24: 7-10.* HOUGHTON *H. 12. P. 22.* HANOVER *H. 12. P. 16.*

mf १ ऐ फाटको अपने सिर ऊंचे कर दो
ऐ अबदी दरवाज़ो तुम ऊंचे होओ
कि वही जो ठहरा है सच्चा अल्लाह
सो दाख़िल हो जावे जलाल का बादशाह।

m २ जलाल का बादशाह जो अब होगा अयान
सो कौन है बताओ और करो बयान
mf यहोवाह जो क़वी है क़ादिर ख़ुदा
यहोवाह जो जंग में ज़ोरमन्द है सदा।

३ ऐ फाटको अपने सिर ऊंचे कर दो
ऐ अबदी दरवाज़ो तुम ऊंचे होओ
कि वही जो ठहरा है सच्चा अल्लाह
सो दाख़िल हो जावे जलाल का बादशाह।

m ४ जलाल का बादशाह जो अब होगा अयान
सो कौन है बताओ और करो बयान
mf यह वह है जो ठहरा फ़ौजों का अल्लाह
हां वही ठहरता जलाल का बादशाह।

२५२ (२८) C. M. D. *Ps. 24, 7–10.* St. George's / Edinburgh (*Ps. M. 324. / P. Ps. 16.*)

mf १ ऐ फाटको उठाओ सिर
दरवाज़ो पायदार
हो ऊंचे ता जलाल का शाह
दाख़िल हो रौनक़दार
m तो कौन है यह जलाल का शाह
अज़ीम ख़ुदावन्द है
mf ख़ुदावन्द क़ादिर और अज़ीम
जंग में ज़ोरावर है।

२ ऐ फाटको उठाओ सिर
उठाओ पायदार
दरवाज़ो ता जलाल का शाह
दाख़िल हो रौनक़दार
m तो कौन है यह जो पुर-जलाल
बादशाह कहलाता है
mf रब्ब-उल-अफ़वाज और और नहीं
ff जलाल का बादशाह है।

---

२५३ (२९) L. M. Duke Street (*H. 438. P. Ps. 74. / S. 1084.*)

mp १ हम आये हैं इबादत को
ऐ रब्ब हमारे बीच में हो
तू बन्दगी पर बरकत दे
कि होवे रूह ओ रास्ती से।

२ कलाम जब पढ़ा जावे तब
तासीर तू उस की दे ऐ रब्ब
कि अपने कान से सुनें जो
हम दिल से मानें उसी को।

३ गीत गाने में जब हों मशग़ूल
हमारा गाना हो मक़बूल
जब सुनें वअ़्ज़ की बातों को
हमारे दिल पर असर हो।

४ जब वक़्त हो दुआ मांगने का
तू सुन हमारी ऐ ख़ुदा
शुक्रगुज़ारी सुन तू ले
गुनाह हमारे मुआफ़ कर दे।

५ तू हो हमारे दरमियान
तू दे हम सभों को ईमान
डाल अपनी रूह तू गिरजे पर
और सबके दिल आसूदः कर।

---

२५४ (३०) L. M.

LUX ALMA *H.* 316.
HESPERUS *H.* 41. *P.* 76.

mp १ हे प्रभु मेरा मन थमा
और प्रार्थना करने को ठहरा
p मन मेरा डोलता बे-ठिकान
कभीं न होता एक समान।

mp २ हे प्रभु तू है मेरे पास
संग तेरा पावे तेरा दास
जो मेरे संग तू हो प्राणनाथ
नेम प्रेम से बोलूं तेरे साथ।

३ हे प्रभु मेरा मन-उभार
और हर एक बोझ मुझ से उतार
और अपने दास को शक्ति दे
कि मांगे सत और आत्मा से।

p ४ प्रार्थना बे-अर्थ है मेरे नाथ
जो तू न होवे मेरे साथ
mp सन्सारिक सोच मुझ से टला
और प्रार्थना सत मुझसे करवा।

२५५ (३१) L. M.

ABENDS, HURSLEY *H.* 352. *P.* 368. *S.* 302.

mp १ जब गिरजे में हम जाते हैं
हुज़ूर ख़ुदा के आते हैं
शुक्र और हम्द बजाने को
और बरकत उस से पाने को।

m २ क्या ही मुबारक उस का नाम
वह है यहोवाह ला-कलाम
जब उस के जाते हैं हुज़ूर
mp अदब से जाना है ज़रूर।

३ वह बूझता है हमारे ख़ियाल
वह देखता है हमारी चाल
p पस डर के साथ झुकावें सर
और गिरें उस के क़दम पर।

mp ४ ऐ रब्ब मौजूद इस वक़्त तू हो
दे फ़ज़ल अपने बन्दों को
p जो आप को जानता हाजतमन्द
m तू उस को करेगा बुलन्द।

२५६ (३२) L. M.

SOLDAU *H.* 140. *P.* 130.

m १ जहां दो तीन एक दिल ही हो
मिल जाते दुआ मांगने को
मुक़द्दस ठहरा वह मकान
मसीह है उन के दरमियान।

२ हम घर में हों या बाहिर हों
पोशीदः हों या ज़ाहिर हों
उठाते जब दुआ के हाथ
मसीह को जानें अपने साथ।

३ मसीहियों के दरमियान
मसीह मौजूद है हर ज़मान
और वश्रदः है ख़ुदावन्द का
जो मांगेगा सो पावेगा।

mp ४ मसीहा अपने फ़ज़्ल से
दुआ की रूह तू हमें दे
और दुआ मांगनेवालों पर
रूह की तासीर को ज़ाहिर कर।

mp ५ शफ़ीअ तू बाप के है हुज़ूर
हमारी अर्ज़ करवा मंज़ूर
कि बाप तेरी सिफ़ारिश से
इन अर्ज़ों को क़बूल कर ले।

---

२५७ (३३) L. M. *Ps. 134.* WAREHAM {H. 481. P. 15. S. 274

m १ ख़ुदावन्द के ऐ आदिमो
जो उस के घर में हाज़िर हो
रहो सिताइश को तैयार
ख़ुदा के हो शुक्रगुज़ार।

२ कलीसिया में दुआ के हाथ
उठाओ दिल से सब के साथ
c ख़ुदावन्द की तअरीफ़ करो
उस को मुबारकबाद कहो।

m ३ और वह जो सब का मालिक है
आसमान ज़मीनका ख़ालिक़ है
सो अपने पाक सैहून में से
बरकत पर बरकत तुम्हें दे।

---

२५८ (३४) C. M. *Ps. 27: 4-6.* ST. BERNARD *H. 97. P. 41.*

m १ ख़ुदावन्द एक है मेरी अर्ज़
क़बूल तू उसे कर
कि तेरे घर मुक़द्दस में
मैं रहूं उम्र भर।

२ तब देखा करूं ऐ ख़ुदा
मैं तेरा पाक जमाल
दरयाफ़्त मैं करूं हैकल में
जो तेरा है जलाल।

३ तू मेरा हामी होवेगा
मुसीबत के ज़मान
पहाड़ तू मेरा ठहरेगा
जब दुःख का हो तूफ़ान।

mf ४ तब ख़ुशी की क़ुरबानीआं
चढ़ाऊंगा ज़रूर
और तेरी सना गाने में
मैं रहूंगा मसरूर।

२५९ (३५) L. M. *Ps. 84: 1-4.* OLD HUNDRED { *H. 380. P. 14. S. 9.*

m १ क्या ही दिलकश बुज़ुर्ग अल्लाह
है तेरी पाक इबादतगाह
रूह मेरी इस की आर्ज़ूमन्द
तेरी बारगाह से है ख़ुरसन्द।

२ ज़िन्दः ख़ुदा हक़ीक़तन
देख मेरा तन और मेरा मन
तुझ को इस वक़्त पुकारता है
दुआ के हाथ पसारता है।

३ ख़ुदाया मेरी जगह ख़ास
है तेरे मज़बहों के पास
कि तेरे घर के रहनेवाल
नेकबख़्त हैं और मुबारकहाल।

४ ख़ुदावन्दा यह रहम कर
कि मैं नित रहूं तेरे घर
और मजलिस में नेकबख़्तों की
मैं करूं तेरी बन्दगी।

---

२६० (३६) S. M. *Ps. 89: 15-18.* HAMPTON *H. 420. P. 431.*

mf १ मुबारक हैं वे लोग
ऐ रब्ब जो जानते हैं
इनजील की ख़ुश आवाज़ों को
और दिल से मानते हैं।

२ हां क्योंकि जलवे में
तेरे पाक चिहरे के
वे ख़ुदातर्स हो चलेंगे
कमाल ख़ुशवक़्ती से।

३ तेरी सदाक़त से
वे होवेंगे बुलन्दे
वे तेरे नाम के लेने से
नित रहेंगे ख़ुरसन्द।

४ कि उन की क़ूवत की
तू शौकत है हर जा
वे तेरी मिहरबानी से
ख़ुश रहेंगे सदा।

mf ५ ऐ रब्ब हमारी तू
है सिपर और पनाह
इसरायल का क़ुद्दूस वहीद
हमारा है बादशाह।

२६१ (२३३) 6.6.6.6.8.8.

DARWELL { H. 89. P. 69. S. 86.

mf १ अन्धियारा गया है
और रौशनी है नमूद
हम तेरे शुक्र को
हैं हाज़िर पे मग़्बूद

नूरों के बाप परवरदिगार
हम तेरे हैं शुक्रगुज़ार।

mp २ तारीकी दिल की भी
जो हम में है मिठा
m और अपनें मुंह का नूर
तू बन्दों पर चमका।

३ और दिन भर करें भी
हम नूर-इ-हक़ के काम
और दिल से मानें भी
सब तेरे पाक अहकाम।

mp ४ उमर की शाम के वक़्त
ख़ौफ़ से बचाने को
तू मौत की घाटी में
c हमारा हामी हो।

m ५ और रोज़ क़ियामत में
अपने ख़ास रहम से
तू नूर आसमानी में
बन्दे को दख़ल दे।

---

२६२ (२३४) 7.7.7.7.

INNOCENTS { H. 299. P. 99. S. 1149.

mf १ अब अन्धयारा गया है
फिर उजाला आया है
m मेरा मन उजाला कर
प्रभु मन को प्रेम से भर।

mp २ पाप की इच्छा आज जो हो
c शक्ति दे नाश करने को
ईसा तू सहारा दे
कि मैं बचूं पापों से।

m ३ मन के बुरे सोच मिटा
मुझे जोखिम से बचा
कहीं मुझे तू न छोड़
अपना मुंह न मुझ से मोड़।

md ४ आवेगा जब मरनकाल
m मुझ बलहीन को तब सम्भाल
mf प्रभु तू है कृपामय
हो उस काल तू मृत्युञ्जय।

२६३ (२३५) L. M. "Awake my soul." MORNING HYMN { H. 342. P. 361. S. 265.

mf १ जाग सूरज साथ हे मेरे दिल
और फुरती से सुपंथ में चल
सवेरे उठके झाड़ आलस
ध्यान करने को और गाने जस।

२ धन्य तुझ को जिस ने चैन दिया
और नींद के बीच बचा लिया
mp दे प्रभु मौत से जब उठूं
कि अनन्त जीवन में पैठूं।

m ३ मैं आप को सोंपता आज तुझे
तू पाप पर जयवन्त कर मुझे
आप मेरे मन में करके धाम
दूर रख क्रोध लोभ डाह मद और काम।

४ सिखा करवा बुलवा आज हूं
जो कुछ मैं करूं या कहूं
mf कि केवल तेरी सेवा में
सब मेरे गुण और बल लगें।

ff ५ धन्य ईश्वर को जिस से हर दान
धन्य मानो भूम के सकल प्राण
धन्य मानो स्वर्ग के सब कुड़मा
धन्य हो बाप बेटा धर्म्मात्मा।

---

२६४ (२३६) L. M. CRASSELIUS (WINCHESTER) { H. 6. P. 150. S. 177.

mf १ ख़ुदावन्द तेरा शुक्र हो
मैं देखता हूं फिर रौशनी को
ख़ुशनुमा सुबह है नमूद
और फ़ज़्ल तेरा है मौजूद।

m १ आज दिन भर मेरा हाफ़िज़ हो
रख अपने साथ तू बन्दे को
गुनाह और बदी से बचा
और हर एक इमतिहान हटा।

२ आफ़ताब है जैसे जलवःगर
और रौशनी बख़्शता सरबसर
यों राह को मेरी रौशन कर
और दिल को भी मुनव्वर कर।

mf ४ ऐ बाप बे-हद्द है तेरा प्यार
है फ़ज़्ल तेरा बे-शुमार
काश मैं भी तुझ को करूं प्यार
हमेशः रहूं ताबिअदार।

(३.) शाम.

२६५ (१८०) 10.10.10.10. "*Abide with me.*" 'EVENTIDE' / TROYTE'S CHANT { H. 365. P. 377. S. 297.

mp १ रह मेरे पास शाम होती जाती है
ख़ुदावन्दा रात चली आती है
सब मुझ को छोड़ें दिल भी हो उदास
बे-कस के हामी रह तू मेरे पास।

p २ जल्द मेरी ज़िन्दगी गुज़रती है
दुनया की ख़ुशी न ठहरती है
बदलती हैं सब चीज़ें बे-क़ियास
बे-बदल मालिक रह तू मेरे पास।

m ३ न ख़ाली लमहे तक ठहरने को
पर मेरे घर ही में उतरने को
कर मुझ पर ज़ाहिर अपना रहम ख़ास
और बूद ओ बाश ही रख तू मेरे पास।

४ शैतान के जाल से तेरा ख़ास हुज़ूर
मुझे बचावेगा हर वक़्त ज़रूर
तेरी हिफ़ाज़त पर है मेरी आस
ऐ मेरे हाफ़िज़ रह तू मेरे पास।

mf ५ तेरी हुज़ूरी से मैं हूं महज़ूज़
सब दुःख तकलीफ़ में बन्दः है महफ़ूज़
f हर क़ैद से हूंगा मैं बेशक ख़लास
जो तू ख़ुदावन्द रहे मेरे पास।

"The day is past and over."

२६६ (२३७) 7.6.7.6.8.8. St. Anatolius (H. 364. P. 374.

m १ तमाम है दिन की रौशनी
ख़ुदाया शुक्र हो
इस रात में सब गुनाह से
महफ़ूज़ रख बन्दे को
mp यीशू रात भर हो निगहबान
और चैन से रख तू मेरी जान।

m २ तमाम है दिन की ख़ुशी
टेक रखता हूं तुझ पर
इस रात के सब वसवास से
हिफ़ाज़त मेरी कर
mp यीशू रात भर हो निगहबान
और चैन से रख तू मेरी जान।

m ३ तमाम है दिन की मिहनत
हम्द मेरी हो मंज़ूर
इस रात के सारे ख़ौफ़ को
तू बन्दे से कर दूर
mp यीशू रात भर हो निगहबान
और चैन से रख तू मेरी जान।

m ४ कर मेरे दिल को रौशन
ज़ुलमात को कर बरबाद
ता मेरा जानी दुशमन
न मुझ पर होवे शाद
mf अहा यह मुझे है मंज़ूर
ख़ुदा का बन्दः है मजबूर।

५ ऐ मेरी जान के हाफ़िज़
जो ख़तरे बे-शुमार
मिसकीन को हर जा घेरते
सो तुझे हैं आशकार
तू हामी हो और निगहबान
सुन दुआ मेरी ऐ-चौपान।

---

२६७ (२३८) L. M. "Sun of my soul." Abends / Hursley { H 352. P 368. S 402.

m १ आफ़ताब इलाही ऐ मसीह
तू मुझ पर ज़ाहिर हो सरीह
काश दुनया से तकलीफ़ न हो
कि जो डुबावे बन्दे को।

mp २ जब नींद में लेऊं रात ही को
मसीहा मेरा हाफ़िज़ हो
इस सोच से मुझे तू सम्भाल
कि ईसा सदा है रखवाल।

m ३ मैं करता हूं यह इल्तिमास
कि उमर भर रह मेरे पास
p जो होऊं मरते वक्त हैरान
तो मेरा हामी हो रहमान।

mp ४ जो तुझ से हुए हों गुमराह
रहीम तू उन पर कर निगाह
कि छोड़ें सारी बदी को
और होवें तेरे बन्दे सो।

m ५ जिस वक्त मैं जागूं नींद ही से
तू अपनी बरकत मुझे दे
c जब तक न जाऊं मैं आसमान
तू मेरा हाफ़िज़ हो हर आन।

"Saviour grant an evening blessing."

२९८ (२३९) 8.7.8.7. D.

LUGANO (H. 363. P. 375.)

mp १ तेरी बरकत हम पर आवे
आज की रात ख़ुदावन्दा
बद-ख़ियाल और सोच दूर जावे
हाफ़िज़ हो तू ऐ ख़ुदा
p गरचि आसपास ख़तरे होवें
गरचि चलें मौत के तीर
c ख़ातिर-जमअ़ हो हम सोवें
जो तू होवे ख़बरगीर।

mp २ हरचन्द होवे रात अंधेरी
हम न छिपे हैं तुझ से
आंख न कभी सोती तेरी
एक-सां रात और दिन तुझे
p आज की रात में मौत जो आवे
उठें फिर न बिस्तर से
c काश आसमान पर हरएक जावे
और सआ़दत में रहे।

---

२९९ (२४०) 7.7.7.7.

BRANDENBURG PH. 364. P. 599.

m १ काम से हाथ उठाता हूं
सोने को मैं जाता हूं
बाप आसमानी ऐ अल्लाह
मेरे ऊपर रख निगाह।

mp २ चूक जो हुई ऐ ख़ुदा
आज के दिन सो मुआ़फ़ फ़रमा
ख़ून मसीह का होता है
सब गुनाह को धोता है।

m ३ घरके लोग सब अपने साथ
सौंपता हूं मैं तेरे हाथ
छोटे बड़े सब इनसान
सब का हो तू निगहबान।

४ बख़्श आराम बीमारों को
कर ख़ुश-हाल दुखियारों को
mp मरते वक़्त तू रहम कर
p ले हम सब को अपने घर।

---

२७० (२४१) L.M. EVENING HYMN (CANON) (H. 351. P. 367. S. 301.

mf १ अब शाम के वक़्त ख़ुदावन्द को
दिन भर की ख़ैर का शुकर हो
और ऐ बादशाहों के बादशाह
इस रात में मेरी हो पनाह।

२ ईसा मसीह की ख़ातिर से
mp मेरी ख़ताएं मुआफ़ कर दे
हर बोझ से मैं फ़राग़त पा
बे-ख़ौफ़ ओ फ़तर सोऊंगा।

m ३ रख मेरी जान को अपने हाथ
रह सोते वक़्त तू मेरे साथ
और नींद से नई ताक़त हो
कि ताज़ः दम हों फ़जर को।

mp ४ जो नींद न आवे आज की रात
तो दिलमें डाल आसमानी बात
मुझे बचा बद-ख़्वाबों से
और रात का ख़ौफ़ मिटा तू दे।

mp ५ तू मौत के ख़ौफ़ को यों मिटा
कि गोर हो मुझे बिसतर सा
और मरना मेरा ऐसा हो
mf कि सुर्ख़रू उठूं हशर को।

ff ६ सब रहमतों के ख़ुदा को
सब आदमियों की सना हो
कहो आसमान की फ़ौज शरीफ़
बाप बेटे रूह की हो तअरीफ़।

(४) सनीचर शाम.

२७१ (२४२) C. M. SALZBURG {PH. 178. P. 301.

mp १ अब दूसरा हफ़्तः गुज़रा
पे मेरे दिल ग़ौर कर
ख़ुदा जो निगहबान रहा
निहायत शुकर कर ।

२ इस हफ़्ते कितने थे बीमार
और कितने मूए हैं
शैतान से कितने गिरिफ़्तार
बुतों को पूजते हैं ।

mp ३ पर मुझे मिला हक़ कलाम
और तन का ख़ुश-मिज़ाज
ख़ुराक पोशाक रफ़ीक़ मुक़ाम
किस चीज़ का मैं मुहताज ।

४ पर इमतिहान से बे-क़रार
मैं अकसर भूलता हूं
दे मुझे अब से इख़्तियार
कि ऐब से पाक रहूं ।

५ गर सबत मुझ पर रौशन हो
तू मेरी मदद कर
कि उस आसमानी सबत को
मैं ताकूं मुन्तज़िर ।

---

(५) प्रभु का दिन.

२७२ (२००) C. M. *"Blest morning."* HOWARD *Ps. M. 70. P. 68.* ST. MAGNUS {*H. 88. P. 389. S. 141.*

f १ मुबारक सुबह जिस का नूर
पड़ा ख़ुदावन्द पर
जब क़ब्र और तारीकी से
वह निकला जलवःगर ।

mp १ गोर की ख़मोशी में महबूस
पड़ा रहा मसीह
जब तक कि गरदिश-इ-आसमान
न लाई दिन सहीह ।

m ३ क़ब्र और मौत ने किया ज़ोर
न हुईं फ़तहमन्द
f नागाह वह उठा पुर-जलाल
और तोड़ा उन का बन्द ।

४ अब तेरे नाम की ऐ मसीह
हम करते हैं तकरीम
और गाके ख़ुश आवाज़ी से
मानते यह दिन अज़ीम ।

ff ५ सब क़ौमें मुनजी की तअ़रीफ़
नित करें ता-मक़दूर
आसमान ज़मीन दर्या पहाड़
सना से हों मसरूर ।

f ६ बाप बेटे रूह मुक़द्दस को
जो एक मअ़बूद ख़ुदा
जलाल जिस क़दर था और है
ता आख़िर होवेगा ।

---

२७३ (२०१) L. M. HAPPY DAY *P. 150. S. 866.*

m १ ख़ुदावन्द तेरे फ़ज़ल से
है आज तक हम को ज़िन्दगी
हम सभों को यह ताक़त दे
कि करें तेरी बन्दगी ।

mf ख़ुशी से ख़ुशी से
हम देखते रोज़ ख़ुदावन्द के
mp ईसा मसीह की ख़ातिर से
गुनाह हमारे बख़्श तू दे
mf ख़ुशी से ख़ुशी से
हम देखते रोज़ ख़ुदावन्द के

mp २ हम जाएं तेरी पाक दरगाह
और करें पाक इबादत को
ख़ुदाया हम पर कर निगाह
और हम पर मुतवज्जिह हो ।

३ ख़ुदावन्द हम पर ज़ाहिर हो
और सभों की तू कर तअ़लीम
जो ग़ाफ़िल हों जगा उन को
और अपना दीन फैला रहीम ।

p ४ गर हमें होवे मरने को
c ख़ुदाया बख़्श दे यह इनआ़म
mf कि तुझ पास हमें जाना हो
कि करें तेरी हम्द मुदाम ।

---

२७४ (२०२) L. M.

DUKE STREET { H. 438. P. Ps 74. S. 1084.

m १ अब आया है आराम का रोज़
खुदा का फ़ज़्ल है हनोज़
अब छोड़ें सब दुनयावी काम
और करें दिल से पाक आराम।

mp २ वह जो सलीब पर मूआ था
mf इतवार में ज़िन्दः हुआ था
आज उस ने मौत पर ज़बर हो
जी उठके छोड़ा क़बर को।

m ३ आज बन्द हो दुनयावी काम काज
खुदा कर फ़ज़्ल हम पर आज
कि यह न खाली क़ाइदः हो
पर हमें दिन का फ़ाइदः हो।

४ फिर बड़ा सब्त एक आवेगा
जहान आराम जब पावेगा
सब मिहनत होगी तब तमाम
और कामिल होगा तब आराम

---

२७५ (२०३) L. M.

WARRINGTON { H. 438. P. 385. S. 368.

m १ आ पहुंची है इतवार की शाम
और आख़िर होता रोज़ आराम
खुदाया तेरे पाक हुज़ूर
में शुकर करता पुर-सुरूर।

२ तू निअमतों को बे-शुमार
नित दिया करता हर इतवार
p तौभी में ग़ाफ़िल होता हूं
और निअमतों को खोता हूं।

mp ३ बन्दे की सारी भूल गुनाह
फ़ज़्ल से बख़्श तू ऐ अल्लाह
कलाम ओ रूह के असर से
ईमान में तू तरक़्क़ी दे।

m ४ तू बरकत बख़्श नसीहत पर
इस आजिज़ पर तू रहम कर
कि ज्ञान और प्यार में बढ़ती हो
नजात भी होवे आख़िर को।

"Safely through another week."

२७६ 7.7.7.7.7.7. MORNING *H. 367. P. 382.* GUIDE *P. 380. S. 194.*

mp १ हफ्ता भर ख़ुदावन्द ने
बख़्शी हम को ज़िन्दगी
c चलें अब हम ख़ुशी से
करें उसकी बन्दगी
सख़्त अज़ीज़ है बे-बयान
अब्दी सुख का है निशान ।

mp २ बरकत के हम तलबगार
देते यीशू की दुहाई
हमें अपना दे दीदार
दूर तू कर दे कुल्ल रुसवाई
ख़तम कर दुनयावी काम
तुझ में करें आज आराम ।

३ यां हम आते ऐ ख़ुदा
देखें हम तेरा जलाल
c तू हमारे बीच में आ
बरकत से कर मालामाल
यहां अब्दी दअ़वत का
मज़ा हमें तू चखा ।

mf ४ काश इञ्जील का ख़ुश पैग़ाम
बख़्शे दिलों को आराम
फ़ज़्ल हम पर कर मुदाम
दूर तू कर अब दुख तमाम
c यूंही गुज़रें कुल्ल इतवार
जब तक जावें ख़ुश दयार

---

(६) प्रार्थना और स्तुति.

२७७ (३७) 7.5.7.5.7.5. 7.5.8.8. *"When the weary."* INTERCESSION { *H. 393. P. 406.*

p १ थके मांदे आजिज़ जब
करते हैं फ़रयाद
बारबरदार जब ईसा से
मांगते हैं इमदाद
परेशान ग़मज़दः जब
लेते तेरा नाम
गुनहगार जब चाहते हैं
गुनाह से आराम
c तब ऐ ख़ुदावन्द रहम से
d उनकी दरख़्वास्त क़बूल कर ले ।

mp २ दुनयादार जब दुनया से
होवे सख़्त बेज़ार
मुसरिफ़ को जब आवे याद
अपने बाप का प्यार
mp जब मग़रूर ओ गरदन-कश
होवे ख़ाक-निशीन
ख़ताकार जब पशेमान
तेरा हो शौक़ीन।

३ भूखे जब ग़रीब मिसकीन
मांगते हैं ख़ुराक
नंगे आजिज़ ख़्वार लाचार
चाहते जब पोशाक
जब मरीज़ ज़ईफ़ कमबख़्त
दुःख में गिरिफ़्तार
करें आजिज़ी सेती
तेरा इन्तिज़ार।

४ सारी ख़िलक़त जब पुरदर्द
आहें मारती है
इसराएल की सख़्त तकलीफ़
याद जब आती है
जब कलीसिया मिन्नत से
करती है दुआ
दुलहिन तेरी कहती जब
ऐ मसीहा आ।

---

२७८ (३८) S. M. *Ps. 36: 8-9.* ST. MICHAEL (OLD 134) *H. 115. P. 102. S. 691.*

m १ ख़ुदाया तेरा हिल्म
और रहमत क्या अज़ीज़
और तेरे घर की निअ़मतें
हैं दिल को क्या लज़ीज़।

२ पास तेरे है मौजूद
चश्मः-इ-ज़िन्दगी
हां सारी बरकतों का गंज
है घर में तेरे ही।

३ चशमः-इ-ज़िन्दगी
तू ख़ुद है ऐ ख़ुदा
अब मेरे प्यासे दिल की प्यास
तू आप में से बुझा।

४ और रौशनी मुझे बख़्श
ऐ नूर सदाक़त के
हम रौशन दिल हो जाते हैं
सिर्फ़ तेरी रौशनी से।

---

२७९ (३९) L. M. *Ps. 65: 1-5.* WARRINGTON { H. 438. P. 385. S. 268.

m १ सैहून में ऐ परवरदिगार
है तेरी हम्द का इन्तिज़ार
और तेरे लिये शुक्र की
पाक नज़र मानी जायगी।

२ दुआ तू सुनता है रहमान
पास तेरे आवें सब इन्सान
तू ने गुनाह जो मेरे थे
बख़्शे मसीह की ख़ातिर से।

३ मुबारक वह ऐ ज़ूउत्तूल
जो तेरा ठहरा है मक़बूल
ता कि वह पावे ख़ास मिरास
सुकूनत करे तेरे पास।

४ घर तेरे की भलाई से
और उस की ख़ुशनुमाई से
हमारा होगा इतमीनान
और दिल नित रहेगा शादमान।

५ नजात दिहिन्दः ऐ अल्लाह
तू आलम की है उम्मेदगाह
सब क़ौमों पर तू बाला है
mf बर-हक़ ख़ुदावन्द तआला है।

---

२८० (४०) 8.7.8.7. D. *Ps. 95: 1-7.* CORINTH H. 11. AUSTRIA { H. 461. P. 449. S. 221.

mf १ आओ रब्ब की मदहसराई
करें हम ब-दिल ओ जान
उस की करें हम बड़ाई
वह नजात की है चटान
शुक्र करने को तुम आओ
mp आओ मालिक के हुज़ूर
c दिल से उस की सना गाओ
गाओ मालिक की मज़मूर।

mf २ है यहोवाह सब से बाला
सब मअबूदों से अज़ीम
वह बादशाह है क़ुदरतवाला
और हकीमों का हकीम
कि ज़मीन की कुल्ल तराई
हर पहाड़ और सब मैदान
तरी भी उसने बनाई
वह है ख़ालिक़ आलीशान.

mp ३ मालिक के हुज़ूर में आओ
उसे सिजदः करने को
p घुटने टेको दिल झुकाओ
अदब से तुम हाज़िर हो
c सब का वह बनानेवाला
है हमारा वह चौपान
mf गाओ सब ख़ुदावन्द तआला
है बुज़ुर्ग और आलशिान।

---

२८१ (४१) L. M. D. *"Sweet hour of prayer."* PETERBOROUGH *H. 13.* SWEET HOUR *S. 318.*

m १ मुबारक नौबत दुआ की
जब छोड़के फ़िक्र दुनयावी
मैं अपने बाप के पाक हुज़ूर
सब उस्से मांगूं जो ज़रूर
दुआ से दुःख और ग़म की आन
तसल्ली पाती मेरी जान
आज़माइश से भी बचता हूं
जब दुआ करके जागता हूं।

m २ मुबारक नौबत दुआ की
जब अपने बाप के वअ़दः की
याद कर मैं सोचता उस का प्यार
और बरकत का हूं उम्मेदवार
mp तू मेरे मुंह का तालिब हो
m यह सुन मैं ढूंढता उसी को
और अपनी फ़िक्र सरासर
दुआ में डालता उसी पर।

३ मुबारक नौबत दुआ की
उस से तसकीन ओ ताज़गी
मैं पाऊं जब तक बीच आसमान
मैं देखूं अबदी मकान
तब ख़ाक से उठके येसू पास
ग़ैरफ़ानी पाऊंगा मीरास
और सदा उस के रूबरू
ख़ुशहाल मैं हूंगा हूबहू।

---

२८२ (४२) 6.6.4.6.6.6.4. *Ps. 149: 1 6.* MOSCOW { *H. 429. P. 438. S. 5.*

m १ रब्ब का ऐ भाइयो
नया गीत गाइयो
mf हल्लिलूयाह
m गिरजे के दरमियान
गाओ अज़ ख़ुश इलहान
o दिल से ख़ुदा की शान
होओ मद्दाह।

m २ ऐ बनी इसराएल
मुनजी इम्मानूएल
जानो महमूद
ग़ैर क़ौमें आवेंगी
सैहून में गावेंगी
o ईसा को जानेंगी
सच्चा मअ़बूद।

m ३ जो उस के ईमानदार
उन से ख़ुदा हर बार
है रज़ामन्द
m जितने जो हैं हलीम
उन को ख़ुदा रहीम
o बख़्शता नजात अज़ीम
करता ख़ुरसन्द।

m ४ पाक लोगो उमर भर
अपने पाक दरजों पर
होओ मद्दाह
रब्ब की सिताइश को
बन्दो तुम हाज़िर हो
o नया गीत गाइयो
f हल्लिलूयाह।

---

२८३ (२७०) C. M. *"O help us Lord."* MARTYRDOM { *H. 236. P. Ps. 23.*

mp १ ख़ुदाया मेरी ख़बर ले
और मेरी मदद कर
m हर वक्त हर हाल हर तरह से
तू मेरी मदद कर।

२ जो माल से हूं मैं मालामाल
डाल मेरे दिल में डर
p जो होऊं मैं ग़रीब तंगहाल
तू मेरी मदद कर।

m ३ सब ग़फ़लत से ख़ुदावन्दा
मैं बचूं उम्र भर
अज़ाब और ग़ुस्से से बचा
तू मेरी मदद कर।
४ बचा दुनया के जालों से
शैतान के फन्दों पर
मुझ आसी को तू फ़तह दे
तू मेरी मदद कर।
mf ५ कर मेरी मदद मौत में भी
मिटा सब खौफ़ ओ डर
पनाह तू हो मुझ आजिज़ की
और मेरी मदद कर।

"Lord I hear of showers."

२८४ (२४६) 8.7.8.7.3. EVEN ME { *PH. 322.* *P. 403.* *S. 486.*

m १ बड़ी बरकत ऐ ख़ुदावन्द
बरस्ती है अब कसरत से
ख़ुश्क ज़मीन को ताज़ः करती
मुझ को भी तू बरकत दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ कंगाल को भी तू दे।
mp २ मैं अगरचि गुनहगार हूं
तौभी दुआ सुन तू ले
छोड़ न मुझे बाप आसमानी
रहम करके बरकत दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ बदकार को भी तू दे।
mp ३ ऐ मसीह बचानेहारे
मुझ को अब क़बूल कर ले
तू गुनाह मिटाने आया
अब रिहाई मुझे दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ नापाक को भी तू दे।
४ छोड़ न मुझे रूह इलाही
मेरे दिल में जगह ले
साफ़ दिखला तू कुल सच्चाई
मुझ नादान को दानिश दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ नादान को भी तू दे।
५ बाप और बेटे रूह मुक़द्दस
सुन तू मेरी रहमत से
m तू बर-हक़ तीन एक ख़ुदा है
मुझ लाचार को मदद दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ लाचार को भी तू दे।

२८५ (३२८) 8.8.8.8.8.8. *"Awake my soul."* S. 251. Z. 550.

mf १ उठ मेरी जान और हो शादमान
गा रब्ब की गीतें ख़ुश-इलहान
ख़ुश होकर गा, और यह पुकार
कि कैसा ख़ूब है, उस का प्यार।

कैसा ख़ूब है, कैसा ख़ूब है
हां, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

mp २ जब मैं गुनाह की क़ैद में था
वह मेरा हाल न देख सका
हां, क्रूश पर हुआ जान-निसार
mf आह, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

m ३ जब दुशमन ज़ोर दिखाते हैं
और जान को दुःख पहुंचाते हैं
तब यिशू होता मददगार
mf आह, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

mp ४ जब दुःख के बादल आते हैं
और मेरे दिल पर छाते हैं
mf तब फ़ज़ल देता बे-शुमार
आह, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

२८६ S.7.8.7. D. *"What a friend."* WHAT A FRIEND { *P. 404.* *S. 319.*

mf १ यीशू, कैसा दोस्त पियारा
दुःख और बोझ उठाने को
क्या ही उम्दः वक़ हमारा
बाप के पास अब जाने को
mp आह, हम राहत अक्सर खोते
ना-हक़ ग़म उठाते हैं
c यह ही बाइस है यक़ीनन
बाप के पास न जाते हैं।

mp २ गरचि इमतिहान हों साम्हने
या तकलीफ़ मुसीबत हो
c तब दिलेर और शाद तुम होके
बाप को जाके ख़बर दो
कौन और ऐसा दोस्त है मक़्तदर
लेवेगा जो दुःखों को
पर एक है जो रखता ख़बर
जाके बाप से अब कहो।

mp ३ क्या तुम्हारा हाल है पुरदर्द
क्या तुम बोझ से दबे हो
mf यिसू है तुम्हारा हमदर्द
जाके उस को ख़बर दो
mp दोस्त जब छोड़ें और सतावें
c बाप से तुम बयान करो
mf तब वह गोद में तुम को लेके
खोवेगा सब दुःखों को।

साक्रमेंट—(१) बप्तिस्मा.

२८७ (२०४) L. M. ANGELUS { *H. 363.* *P. 411.* *S. 79.*

m १ मसीह कलीसिया का चौपान
जब छोड़ने को वह था जहान
तब उस ने अपने लोगों को
फ़रमाया ता कि सनद हो।

mf २ आसमान ज़मीन का सारा कार
सुपुर्द है मेरे इख़्तियार
तुम जाके सारी क़ौमों को
क़ुद्दूस इनजील की ख़बर दो।

m ३ ईमान जो उस पर लाता है
और जो बपतिस्मा पाता है
बचावेगा वह अपनी जान
p हलाक होंगे सब बे-ईमान।

mp ४ ख़ुदावन्दा जो आता है
और अब बपतिस्मा पाता है
तू रूह-उल-क़ुदस के फ़ज़ल से
इस को भी पाक बपतिस्मा दे।

---

२८८ (२०५) 15.15.15.15. ROUSSEAU { *H.* 605. *P.* 543. *S.* 370.

mp १ ऐ ख़ुदावन्द देख यह भाई तेरे साम्हने आता है
ज़ाहिर करने कि मसीह पर सच ईमान वह लाता है
और यह अब सभों के साम्हने करने चाहता यह इक़रार
झूठे मज़हब को मैं छोड़ के हूं मसीह का ईमानदार।

२ अपनी रूह तू फ़ज़ल करके भाई को इनायत कर
कि ईमान भी और इक़रार भी सच्चा हो ख़ुदावन्द पर
जब बपतिस्मा इसे मिले तब यह इस पर ज़ाहिर हो
कि ख़ुदावन्द अपनी क़ौमें में गिन्ता है मुझ आसी को।

३ और तू इसे यह तौफ़ीक़ दे कि मसीही जंगी हो
और हर वक़्त तैयार यह रहे शर्र का साम्हना करने को
ऐ ख़ुदा बख़्श इसे ताक़त राह-इ- रास्त पर चलने की
और मसीह के हाथ यह पावे ज़िन्दगानी अबदी।

---

२८९ L. M. OLD 100. { H. 380. P. 14. S. 9.

mp १ ख़ुदावन्द अपने फ़ज़्ल से
इन शख़्सों को तू बरकत दे
जो अब बपतिस्मा पाते हैं
ईमान अब तुझ पर लाते हैं।

२ ऐ रूह उल क़ुद्स, तू उतरआ
और दिलों में अब नूर चमका
तू अपने नाज़िल होने से
इन बन्दों को बपतिस्मा दे।

३ ख़ास तेरी बरकत है दरकार
ऐ रूह-उल-क़ुदस ऐ मददगार
तू इन के दिल को नया कर
कि चलें राह-इ-रास्ती पर।

४ यह बख़्श कि यह हों ताबईदार
हों यिसू में नित मेवेदार
तू अपने बड़े करम से
इन सभों को क़बूल कर ले।

---

२९० (२०६) C. M. L. M. FRENCH { H. 151. P. Ps. 96.

m १ ख़ुदा का यह है क़ौल क़रार मैं तेरा हूं ख़ुदा
तेरी औलाद को बे-शुमार मैं बरकत बख़्शूंगा।

२ अबिरहाम ने मूमीन हो इज़हाक़ की नज़र दी
बपतिस्मा से इस लड़के को हम नज़र करते भी।

३ ख़ुदावन्दा क़बूल तू कर हमारी नज़र को
और सब हमारे लड़कों पर रब्ब तेरी नज़र हो।

२९१ (२०७) C. M.

GRAFENBERG H. 424. P. Ps. 3.
ST. PETER H. 201. P. 178. S. 112.

mp १ ख़ुदावन्दा इस बच्चे को
हम लाते हैं तुझ पास
तू इस का बाप और हाफ़िज़ हो
बिहिश्त में दे मीरास।

२ ख़ास फ़ज़ल को फ़रज़न्दी के
इस को इनायत कर
और उमर भर रूह क़ुद्दूस ही से
इस की हिदायत कर।

३ ऐसों पर तू ने मिहर की
जब गोद में लिया था
इस बच्चे पर ऐ ईसा भी
तू वैसा प्यार दिखा।

४ ईमान की पूरी बरकत को
बख़्श इसे उमर भर
और जो शैतान की हरकत हो
सो दूर तू इस्से कर।

"See Israel's gentle Shepherd."

२९२ (२०८) C. M.

BELMONT H. 588. P. 149. S. 663.

m १ देख इसरायल का नेक चौपान
प्यार और हिल्म के साथ
बच्चों पर होके मिहरबान
वह रखता अपने हाथ।

२ तुम आने दो फ़रमाया है
और निन्दा मत करो
जलाल का बादशाह आया है
उन के बचाने को।

mf ३ हम अपने बच्चे शुकर से
अब लाते तेरे पास
मसीहा इन की ख़बर ले
और इन्हें दे मीरास।

"A little child the Saviour came."

२६३ (२०६) L. M. ANGELUS { *H. 353. P. 411. S. 79.*

m १ एक मा की गोद में लड़का था
नाम उस का था अज़ीम ख़ुदा
फ़िरिश्ते झुके पुर-सुरूर
नौ-पैदा बच्चे के हुज़ूर।

m २ जो लड़का होके राह ख़ुदा
सब को बतलाने आया था
रहमत से करता हुक्म ख़ास
लड़कों को आने दो मुझ पास।

३ ऐ रब्ब हम बच्चे लाते हैं
और तेरी छाप लगवाते हैं
तू इन्हें भर ख़ास फ़ज़ल से
और रूह का पाक बपतिस्मा दे।

४ फ़िरिश्तों को तू हुक्म कर
कि रखें तेरे रास्ते पर
हो तेरी बरकत शामिल-हाल
और प्यार से इन्हें नित संभाल।

५ कराता तू ऐ रब्ब लतीफ़
शीरख़्वारों से कमाल तअ़रीफ़
इन बच्चों से हर वक़्त हर हाल
बाप बेटे रूह का हो जलाल।

---

(२) प्रभुभोज.

२६४ (२१०) L. M. HESPERUS { *H. 41. P. 76. S. 905.*

mp १ आरास्तः हो ऐ मेरी जान
कि बिछा है अब दस्तरख़्वान
जांच अपने को आरास्तः हो
ख़ुदावन्द की ज़ियाफ़त को।

m २ तू ने ख़ुदाया मिहर की
कि मुझे पाक फ़रज़न्दी दी
ऐ बाप रहीम तेरा फ़रज़न्द
पाक अशा का है आरज़ूमन्द

३ अपने निहायत फ़ज़ल से
आरास्तगी तू मुझे दे
mp बे-रिया ग़म गुनाहों का
c और हक़ ईमान दे मुंजी का।

m ४ खुदावन्द मेरा तू हबीब
मैं तेरा बन्दः हूं ग़रीब
मैं भूखा प्यासा आता हूं
आसूदा हुआ चाहता हूं।

mf ५ मसीह जो निअ़मत तेरी है
उसी से दिल की सेरी है
m आरास्तः हो ऐ मेरी जान
देख बिछा है अब दस्तरख़्वान।

---

२६५ (२११) L. M. RETREAT { PH. 241. P. 326.

mp १ हे प्रभु तेरी आज्ञा से
हम मिलके बैठते खाने को
तू जैसा बोला शिष्यों से
कि मुझे स्मरण यूं करो।

m २ हां यीशू तुझे जीवन भर
निरन्तर स्मरण करेंगे
और तेरी उत्तम सेवा पर
तन मन आनन्द से सौंपेंगे।

३ दाखरस और रोटी का दृष्टान्त
निज देह का तू ने दिया है
mp कि मेरे रक्त से होती शान्त
m देह मेरा सच्चा भोजन है।

m ४ दे हम लोगों को सत बिश्वास
न खाने में निष्फलता हो
और कृपा कर कि तेरे दास
सब पावें स्वर्गी भोजन को।

"*According to Thy gracious word.*"

२६६ (२१२) C. M. EVAN { H. 144. P. 415. S. 327.

mp १ तेरी रहमत का हो मग़लूब
और तेरे प्यार से शाद
ब-दिल ओ जान ऐ रब्ब मसलूब
करूंगा तुझे याद।

२ है तेरे तोड़े बदन से
नजात का इतिक़ाद
और तेरा अहदी प्याला ले
तुझे करूंगा याद।

p ३ जब देखता कलवरी करके ध्यान
सलीब पर पाक उस्ताद
c बर्रः-इ-ख़ुदा मेरे क़ुरबान
करता हूं तुझे याद।

m ४ ऐ ईसा तेरा प्यार और ग़म
नित हो मुबारकबाद
mf और जब तक मुझ में होवे दम
तुझ करूंगा याद।

p ५ और जब ज़ुबान न बोल सके
और होश सब हों बरबाद
mp जब तू बादशाहत में आ ले
मसीह कर मुझे याद।

"'Twas on that night."

२६७ (२१३) L. M.

COMMUNION (ROCKINGHAM) { H. 407. P. 419. S. 115.

p १ जिस रात को पकड़ा जाता था
कि मारा जावे क्रूस उठा
प्रभु यसू ने रोटी ली
और करके धन्यवाद तोड़ दी।

mp २ वह शिष्यों से यों बोला तब
देह मेरी लेओ खाओ सब
और जब जब ऐसा करते हो
तब मेरा स्मरण सदा हो।

m ३ कटोरा भी उस ने उठा
फिर धन्य माना पिता का
तब उसे दिया उन के हाथ
और बोला अत्यन्त प्रेम के साथ

mp ४ यह नये नेम का लहू है
जो मेरी देह से बहता है
mf तुम पीओ सब विश्वासियो
और मोक्ष की पूरी आशा हो।

---

२६८ (२१४) C. M.

MARTYRDOM { H. 236. P. Ps. 23.

m १ ख़ुदावन्द मुझे आरज़ू है
तेरे पाक अशा की
mp कि जिस में तेरे मरने की
यादगारी होवेगी।

m २ जब रोटी को मैं खाता हूं
तब बोलती मेरी जान
mp मसीह के तोड़े जिस्म का
यह रोटी है निशान।

m ३ जब दाखरस को मैं पीता हूं
तब सोचता हूं उस आन
mp मसीह के दिये लहू का
यह दाखरस है निशान।

४ और मुझे याद भी होता है
कि ईसा इक़ क़ुरबान
p सलीब पर चढ़ा था पुर्दर्द
और था लहू लुहान।
pp ५ हाथपांव में कील नसनसमें दुःख
रग रग में उसके दर्द

p यह सोचके दिल में कहता हूं
मसीह है दुःख का मर्द।
६ मसीहा दुःख और ईज़ा से
जो तू ने पाई है
c तू ने मुझ आसी की नजात
सचमुच कमाई है।

---

२९९ (२१५) S. M.

HOLYROOD H. 576. P. 462.
DENNIS P. 218. S. 566.

m १ मुताबिक़ दअ्वत के
अब बन्दः आया है
इस मेज़ पर जिस को मिहर से
तू ने बिछाया है।
mp २ अपनी लियाक़त पर
न मुझ को है उम्मेद

m ख़ुदावन्द की सदाक़त पर
भरोसा है जावेद।
३ तेरी यादगारी से
मैं मानूं अशा को
सच्ची तैयारी दिल की दे
कि बरकत इस में हो।

"Here, O my Lord."

३०० (२१६) 10.10.10.10.

ST. AGNES H. 415. P. 423.

m १ तेरा दीदार ख़ुदावन्द चाहता हूं
नादीदः चीज़ों को अब कर आशकार
फ़ज़ल इलाही हासिल फिर कर लूं
और तुझ पर डालूं दिल का सारा भार।

२ ख़ुदा की रोटी फिर मैं खाता हूं
आसमानी मै को पीता तेरे घर
दुनया का हर एक बोझ उतारता हूं
और दिल का रंज छूट जाता सरासर।

mp ३ मैं गुनहगार, सिर्फ़ तू ही है रास्तबाज़
मैं हूं नापाक, साफ़ करता तेरा ख़ून
m तेरी रास्तबाज़ी मेरा है लिबास
मेरी पनाह नहीं मसीह बिदून।

mp ४ हम उठते हैं, निशानियां होतीं दूर,
बाक़ी है प्यार गो दअ़्वत हो तमाम
रोटी और मै दूर हों, तेरे हुज़ूर
आफ़ताब और सिपर मेरी है दवाम।

"Alleluia, sing to Jesus."

३०१ 8.7.8.7.D.

BETHANY { *H. 81.* *P. 241.*
ADORATION *H. 93.*

mf १ हल्लिलूयाह दिल से गाओ
ईसा तख़्त पर है बुलन्द
हल्लिलूयाह अपने ज़ोर से
ईसा हुआ फ़तहमन्द
सुन सैहून के ख़ुश-सरोद को
बेशुमार आवाज़ों से
ईसा ने ख़ून से ख़रीदा
हम को सारी क़ौमों से।

mf २ हल्लिलूयाह हम न रहे
आगे को यतीम ग़मगीन
हल्लिलूयाह वह नज़दीक है
यह ईमान से है यक़ीन
गरचि वह आस्मान पर चढ़के
बैठा बाप के दहिने हाथ
क्या हम भूलें उस का वअ़्दा
सदा हूं तुम्हारे साथ।

mf ३ हल्लिलूयाह तू हयात का
आब और रोटी है और राह
c हल्लिलूयाह गुनहगार का
तू है आसरा और पनाह
d पे इनसान के शाफ़ी मेरी
mp कर सिफ़ारिश बाप के पास
c जहां सारी क़ौम मुक़द्दस
mf गाती तेरी हम्द सिपास।

mf ४ हल्लिलूयाह शाह दवाम के
तू है रब्ब-उल-आलमीन
हल्लिलूयाह दरमियानी
तू आसमान पर तख़्त-निशीन
पाकतरीन में दाख़िल होके
सरदार काहिन है पुर-शान
p पाक रिफ़ाक़त में हमारे
mp फ़सह का तू है क़ुरबान।

mf ५ हल्लिलूयाह दिल से गाओ
ईसा तख़्त पर है बुलन्द
हल्लिलूयाह अपने ज़ोर से
ईसा हुआ फ़तहमन्द
सुन सैहून के ख़ुश-सरोद को
बेशुमार आवाज़ों से
ईसा ने ख़ून से ख़रीदा
हम को सारी क़ौमों से।

देखो भीः ३३, ३५—३८, २३५.

---

(३) दान देना.

३०२ (४३) C. M. York {H. 513. P. Ps. 3. S. 243.

mp १ ख़ुदाया सच्ची दानिश दे
कि अपना माल मनाल
मुताबिक़ तेरी मरज़ी के
हम करें इस्तिमाल।

mp २ दुनया की फ़ानी चीज़ों की
हम क़दर जानें ख़ूब
और उसके ऐश ओ इशरत से
न कभी हों मग़लूब।

३ न हो कि सिर्फ़ इस दुनिया में *m*
हम जमअ़ करें माल
दुनयावी इज़्ज़त हासिल कर
p हम आख़िर हों कंगाल।

४ पर अब ख़ैरात में देके धन
और दौलत दुनयावी
हम जमअ़ करें बर आसमान
ख़ज़ानः अबदी।

---

२०३ *S.S.S.4.*

ALMSGIVING (*H. 423.* *P. 427.*)

mf १ ख़ुदा रहीम बाप मिहरबान
बुज़ुर्ग तू है और आलीशान
तौभी तू देखता है इनसान
ख़ास फ़ज़्ल से।

२ तू बरकतें हज़ार हज़ार
रोज़ बख़्शता है परवरदिगार
हर तरह से तू अपना प्यार
दिखलाता है।

३ चाहिये कि तेरे सब फ़रज़न्द
हों तेरे मानिन्द भी दर्दमन्द
और उन पर जो हैं हाजतमन्द
करें लिहाज़।

४ तंगहाल दिलगीर कमज़ोर लाचार
मुसीबतज़दः और बीमार
हम सब के होवें मददगार
ख़ुशदिली से।

५ जो अपने माल या ताक़त से
इस ख़िदमत में सर्फ़ करेंगे
ऐ बाप मसीह की ख़ातिर से
कबूल फ़रमा।

(४) सुसमाचार का फैलना।

"Blow ye the trumpet blow."

३०४ (१०२) 6.6.6.6.8.8.

LENOX *P. 437. S. 230.*
ST. JOHN *H. 632. P. 359.*

mf १ इनजील का ख़ुश पयाम
सब मुल्कों में तुम दो
कि उस का इश्तिहार
हर जगह मअलूम हो

आज ही को जान नजात की आन
यह है मक़बूलियत का ज़मान।

२ मसीह के सबब से
है यह नजात तैयार
अब सारी दुनिया में
हो उस का इश्तिहार।

p ३ शैतान की हरकत से
हम हुए बद-अमाल
c पर हमें ईसा ने
फिर किया है बहाल।

mf ४ पस होवे हर कहीं
इनजील का इश्तिहार
हर मुल्क में ज़ाहिर हों
मसीह के ताबिअदार।

"Tell it out among the nations."

३०५ (१०६) 13.6.13.6.
13.13.13.6.

TELL IT OUT { *CH. 42.* *P. 566.* *S. 1073.*

mf १ ख़बर दो कि क़ौमें जानें यिसू है सुलतान
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो कि क़ौमें गावें हम्द अल्लाह हर आन
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो ख़ुशी से जाके जो हैं दूर ओ पास
कि है क़ादिर शाह ओ मालिक वही मुनजी ख़ास
ख़बर दो कि वे भी मिलकर गावें हम्द सिपास
ख़बर दो ख़बर दो।

mf २ ख़बर दो कि आदमी जानें सीधी राह नजात
ख़बर दो ख़बर दो
m ख़बर दो कि दुनया जाने अपनी भूल की बात
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो जो रोते हैं कि यिसू है हमदर्द
ख़बर दो तुम उन को जो कि लेते आह-इ-सर्द
ख़बर दो गुनाह की सब को होवे कोई फ़र्द
ख़बर दो ख़बर दो।

mf ३ ख़बर दो कि हर एक जाने यिसू है तैयार
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो कि क़ौमें जानें उस का बे-हद्द प्यार
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो सड़क पर जाके या कि बीच बाज़ार
लोग पहाड़ ओ वादी के भी होवें सब बेदार
कि सब थके मांदे आवें जो कि हैं लाचार
ख़बर दो ख़बर दो।

---

३०६ (२२१) 7.6.7.6. D. *Ps. 67.* HEBER (MISSIONARY) { *H. 441. P. 443. S. 1070.*

m १ ख़ुदाया अपनी बरकत
तू हम पर नाज़िल कर
और कर तू अपना चिहरः
बन्दों पर जलवःगर
कि सारी क़ौमें जानें
तेरी अजीब नजात
ज़मीन पर जानी जावे
तेरे तरीक़ की बात।

mf २ जो तेरा राज ख़ुदावन्द
ज़मीन पर जारी हो
तो क़ौमें शुकर करके
मानेंगी शरअ को
तू करेगा वा-रास्ती
तब क़ौमों का इनसाफ़
मिटावेगा तू हक़ से
सब ज़िद्द और इख़्तिलाफ़।

mf ३ हर उम्मत तेरे नाम पर
तब शुकर भेजेगी
ज़मीन तब अपना हासिल
ब-ख़ूबी देवेगी
बरकत पर बरकत पाके
हम्द क़ौमें करेंगी
ज़मीन की सब सरहद्दें
तब तुझ से डरेंगी।

---

३०७ (२२२) S. M. *Ps. 67.* BOYLSTON *P. 219. S. 117.* SELMA *PH. 72. P. 218.*

m १ तू बरकत दे ख़ुदा
और हम पर रहम कर
और जलवः अपने चिहरे का
चमका तू बन्दों पर।

२ कि सुनके तेरी बात
लोग जानें तेरी राह
और तेरा फ़ज़्ल और नजात
जानकर छोड़ें गुनाह।

m ३ हर मुल्क के लोग ऐ रब्ब
करें तेरी तअरीफ़
और ख़ुशी करके गावें सब
कि तू ही है लतीफ़।

४ इनसाफ़ सब क़ौमों का
और राज तू करेगा
c सो ख़ुशी करके ऐ ख़ुदा
गावें तेरी सना।

mf ५ ज़मीन तब देगी फल
बरकत हमारा रब्ब
और उस से डरके छोड़के छल
ख़ुश होगी दुनया सब।

३०८ (२२३) 6.6.6.6.8.8. *Ps.* 72: 1–11.

St. John { *H.* 632. *P.* 369. *S.* 313.

m १ बादशाह को ऐ ख़ुदा
अपनी अदालत दे
और बेटे को बढ़ा
साथ शान ओ शौकत के
mf तब हक़ से करेगा इनसाफ़
मिटावेगा सब इख़्तिलाफ़।

m २ मुसीबतज़दों को
वह करेगा मसरूर
और सारे बदों को
वह करेगा मजबूर
mp हां सारी क़ौमें डरेंगी
और तुझ को सिजदः करेंगी।

m ३ वह मानिन्द शबनम के
ज़मीन पर उतरेगा
और मेंह की सूरत से
वह नाज़िल होवेगा
mf तब सादिक़ रहेंगे ख़ुशहाल
और पावेंगे आराम कमाल।

४ दरया से ता दरया
ता इन्तिहा ज़मीन
तब शाह सब शाहों का
वह होगा तख़्त-निशीन
तब वहशी होंगे ताबिअदार
और दुशमन बनेंगे ख़ाकसार।

mf ५ जज़ीरों के रईस
तब हदिये लावेंगे
सबा सिवा तरसीस
मुजरे को आवेंगे
f हां सारी क़ौमें सारे शाह
मानेंगे उस को शाहनशाह।

---

३०९ (२२४) 6.6.4.6.6.6.4.

Olivet { *H.* 197. *P.* 207. *S.* 235.

mp १ ख़ुदाया रहमत से
हमारी अर्ज़ सुन ले
तू हो मिहरबान
हमारे सब गुनाह
बख़्श दे रहीम अल्लाह
c कि तेरी ही सराह
होवे हर आन।

m २ हमारे दिल साफ़ कर
मुहब्बत से तू भर
सब लोगों को
mf तब हम ब-दिल ओ जान
हम्द गावेंगे शादमान
ख़ुदावन्द आलीशान
हमेशः हो।

m ३ इस मुल्क का फ़ायदः कर
और सारे लोगों पर
तू हो मिहरबान
अन्धेरा जावे दूर
जल्द आवे सच्चा नूर
तो रास्ती से भरपूर
होवे जहान।

"O'er those gloomy hills."

३१० (२२५) 8.7.8.7.4.7. REGENT SQUARE { H. 444. P. 4. S. 255.

m १ देख अन्धेरे पर्वत ऊपर
देख ले मन सूर्योदय ओर
वाचाएं सब पूरी होंगी
हुई अनुग्रह की भोर
mf धन्य यूबेल
तेरा बिभव हो प्रकाश।

m २ हिन्दू चीनी अरब हबशी
जंगली ज्ञानी सब संसार
वह सम्पूरण विजय देखें
mp क्रूस पर हुआ जो एक बार
mf मंगल संदेश
उत्तर दक्षिण हो प्रचार।

mp ३ देश विदेश अन्धेरा छाया
देखे अब हर कुल और जात
c पूरब सीम से पश्चिम तलक
ज्ञान की भोर भगावे रात
mf और छुटकारा
सेंत मेंत सब को होवे प्राप्त।

४ मंगल वचन फैलता जावे
जीत रहे पराक्रम पा
उस के अटल बड़े राज में
बढ़ती होवे सर्वदा
c उस का राजदंड
f सारे जग पर हो जयमान।

"Thou Whose Almighty Word."

३११ (२२६) 6.6.4.6.6.6.4.

Moscow { H. 429. P. 458. S. 5.

mf १ तेरे फ़रमान से रब्ब
शुरू में ज़ुलमत सब
हुई है दूर
mp सुन अरज़ू बन्दों की
जिस जा न पहुंची
रौशनी इंजील ही की
mf अब होवे नूर।

m २ यीसू तू आया है
आसमान से लाया है
करम से मअ़मूर
सिहत और मख़लसी
रौशनी और ज़िन्दगी
mf हर क़ौम में दुनया की
अब होवे नूर।

m ३ ऐ हक़ और प्यार की रूह
पाक ज़ीस्त-दिहिन्दः रूह
फैला तू नूर
फिर एक वार जुम्बिश कर
करम से हो जलवःगर
mf और तारीक दुनया पर
अब होवे नूर।

m ४ ऐ पाक तसलीस महमूद
जलाली ग़ैर-महदूद
क़ादिर ग़फ़ूर
mf तू अपना बे-हद्द प्यार
सभों पर कर आशकार
f दुनया के सब किनार
अब होवे नूर।

---

३१२ (२२७) 7.7.7.7.7.7.

Wells { PH. 176. P. 240. S. 277.

m १ आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज
होवें तेरे आधीन सब
देश के देश फिर आवें अब
आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज।

p २ देख कि सब ही भटके हैं
धर्म से सुख से परे हैं
नहीं जानते मुक्ति को
दौड़े जाते मृत्यु को
m आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज।

३ प्रभु वचन तेरा है
सब को आसरा लेना है
खींच तू सब के मन को अब
तुझ में लौलीन होवें सब
आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज।

m ४ सब जाति ईश्वर ढूंढें अब
समीप होवें सब के सब
सब के पाप का मोक्षण हो
हृदय शुद्ध और मुक्ति हो
आवे प्रभु तेरा राज
होवे सिद्ध सब जग का काज।

"Jesus shall reign."

३१३ (२२८) L. M.

WARRINGTON. { *H.* 438. *P.* 386. *S.* 268.

mf १ ईसा का मज़हब फैलेगा
तमाम जहान में दौड़ेगा
नूर उस का ज़ाहिर होवेगा
सभों के आगे चमकेगा।

२ जहां वह फ़ज़ल बख़्शेगा
वहां लानत मिटावेगा
जो बरकत उससे आती है
निदान वह सब को करती है।

३ मसीह के दिन जब आवेंगे
दीनदार दुनिया में फैलेंगे
वे ख़ुशी से वक़्त काटेंगे
आफ़त औ बदी भूलेंगे।

f ४ हर ज़ात उठके तअ़रीफ़ करे
ईसा के नाम का गीत गावे
फ़िरिश्ते उतर मिल जावें
और सब के सब आमीन कहें।

---

३१४ (२२४) 8.7.8.7.4.7.

ST. BEDE *PH.* 288.
DISMISSAL { *PH.* 343. *P.* 461.

m १ प्रभु शीघ्र धरमराजा
अपने राज में सब ले आव
अब मिटा सब देव की पूजा
वेग से अपना राज फैलाव
प्रभु शीघ्र अपने राज की जय कराव।

२ आप ही सच्चा उंजियाला
करो दूर यह अन्धकार
धरमात्मा सब पर डालो
अब जिलाव सब मरणहार
धरम सूरज उदय हो अब सभों पर।

३ जब जब आप का मंगल वचन
लोगों पास खुल जाता है
तब दिखाव सच्चाई के लक्षन
mp झूठ क्यों सब भ्रमाता है
m तारणकर्त्ता आपसे लोग बचजातेहैं।

m ४ बड़ा संग्राम करो अभी
हो सर्वतर आप की जय
जीत शैतान न पावे कभी
करो दूर भक्तों का भय
mf प्रभुयीशू आपकेराजकीहोजयजय।

---

३१५ (२३०) 6.6.6.6.8.8.

St. John { H. 632. P. 359. S. 313.

m १ ऐ रब्ब-उल-आलमीन
कर फ़ज़ल क़ौमों पर
क़ौल तेरा है अमीन
अब उस को पूरा कर
सब सुनें अब इनजील की बात
ईमान लाके पावें नजात।

२ हर क़ौम के लोग और ज़ात
जो बुत के परसतार
सुन लें मसीह की बात
हों तेरे ताबिअ़दार
तू अपनी सल्तनत फैला
और सब मुख़ालिफ़त मिटा।

From Greenland's icy mountains."

३१६ (२३१) 7.6.7.6.D.

Heber (Missionary) { H. 441. P. 443. S. 1070.

m १ ग्रीनलैण्ड के मुल्क-इ-सर्द से
और हिन्द ओ चीन से भी
और हबश् से जहां चशमे
बख़्श देते ताज़गी
दरया मैदान पहाड़ से
हर क़ौम से हर ज़ुबान
लोग मिन्नत कर यह कहते
दिखाओ राह आसमान।

२ अलक़ादिर ने बनाए
इनसान बे-ऐब रास्तकार
mp शैतान के जाल में आए
सब हुए गुनहगार
वह निअ़मतें हज़ारहा
मसीह से पाते हैं
तौभी तबाह आवारः
ईमान न लाते हैं।

m ३ क्या हम जो रौशनी पाते
और लाखों बरकतें
mp उन को जो मरते जाते
c हयात का नूर न दें
mf पस ख़ुशी से फैलावें
नजात का ख़ुश पयाम
सब क़ौमें सुन्ने पावें
ईसा मसीह का नाम।

४ कलाम-उल-क़ुद्स फैलाओ
फैलाओ सच्चा दीन
c मसीह का नाम सुनाओ
हर जगह रूए ज़मीन
f जब तक वह लौट न आवे
जो वर्ः था पस्तहाल
अपनी बादशाहत पावे
राज करे पुर-जलाल।

---

३१७ (२३२) P. M. U. G. 88.

mf १ ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो फूलेगा बयाबान
सैहून के लोग गीत गावेंगे
वीराने लहलहावेंगे
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो फूलेगा बयाबान
इनजील का झण्डा ख़ुशनुमा
सब दुनिया में फर्रावेगा
और सब इनसान ग़ुलाम आज़ाद
कहें उस को मुबारकबाद
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो फूलेगा बयाबान।

२ ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो ख़लक़ुल्लाह गाओ गीत
सैहून से शरअ़ निकलेगा
सब दुनिया में फैल जायेगा
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो ख़लक़ुल्लाह गाओ गीत

mf

हक़ होगा तब हर जगह में
दरया सी होंगी बरकतें
तब हर एक दिल और हर ज़ुबान
ख़ुदा के होंगे सनाख़्वान
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो ख़लक़ुल्लाह गाओ गीत ।

३ ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो राज करेगा मसीह
तब भेड़ से चीता खेलेगा
सैहून में दुःख न होवेगा
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो राज करेगा मसीह
तलवार और भाले तोड़के वे
फाले हंसुए कर डालेंगे
लड़ाइयां बन्द हो जाएंगी
क़ौमें सुलह से रहेंगी
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो राज करेगा मसीह ।

"*The morning light is breaking*"

३१८ (३४७) 7.6.7.6. Morning Light { *H. 267. P. 256. S. 680.*

mf १ लो सुब्ह की रौशनी आती
तारीकी हटती दूर
हर मुल्क और क़ौम अब पाती
मसीह का सच्चा नूर।

२ ख़ुश-ख़बरी चीन और हब्श में
सुनाई जाती है
और उन के लोग पुकारते
"अब हो मसीह की जय"।

३ नबूवत पूरी होती
जिस में यह है मज़कूर
कि ईसा की बादशाहत
जल्द पावेगी सुरूर।

m मसीह इस हिन्दुस्तान में
अब अपना राज फैला
c कि क़ौमें तुझे मानें
ज़मीन का शाहनशाह।

---

३१९ P. M. "*Awake! awake!*" *S. 810.*

mf १ अब जाग! अब जाग! मसीह
तुझ को बुलाता है
अब जाग! अब जाग! और
नींद से हो बेदार
c पुकार! पुकार! है साल यह
बड़ी ख़ुशी का—
सलीब को ले, सलीब को ले
जल्द हो तैयार
f चल चल क़ार ज़रूर है
चल चल अब सुब्ह के
तारे का ज़हूर है
चल चल अब तो नूर है—
वह मुंजी मुंजी यीशू हादी है
c सना सना सुनो गीतें
ख़ुश-इलहान
हो होशअन्ना बोलें हम भी
एक ज़ुबान
वफ़ादार सिपाहीओ यीशू
को सिर्फ़ मानियो
बोलो मुफ़्त नजात जहां
पर जाना हो।

२ आवाज़ें हैं हां रोने की
 ग़ैर-क़ौमों की
वह आती हैं समुन्दर के
 इस पार
तो चल तो चल नजात की
 ख़बर उन्हें दे
मत ठहर यां मत देर कर
 जल्द हो तयार।

३ ऐ बर्रे की पाक दुलहिन
 अब फैला तू हाथ—
बचा उन्हें जो हैं गुमराह
 औ दूर
खुश-ख़बरी दे उन लोगों को
 जो हैं बेताब
कि पावें वे तारीकी में
 आस्मान का नूर।

mf ४ अब देख अब देख वह दिन
 जलील आ पहुंचा है
जब सीखेंगी सब क़ौमें
 यीशू को
c जब नूर-इ-पाक फैल जावेगा
 सब मुल्कों में
और गावेंगे हर देश के
 लोग कि सना हो।

---

२२० P. M. "To the work." S. 761.

१ ख़िदमत में ख़िदमत में
 हम सब होवें मशगूल
हो नमूना मसीह का अब
 दिल से मक़बूल
उसकी बरकत से होकर मज़-
 बूत जा-ब-जा
जो कुछ काम होवे साम्हने
 हम देवें अंजाम।
करो काम करो काम
करो काम करो काम
साथ उम्मेद साथ ईमान
 काम होवे दिल से मालिक का।

mf २ ख़िदमत में ख़िदमत में
 भूखे पावें ख़ूराक
और बतावें हम मांदों को
 चश्मः इ पाक
हाथ में लेकर सलीब का फिर
 वाला निशान
हम सुनावें हर जा मुफ्त नजात
 का बयान।

mf ३ खिद्मत में खिद्मत में
मिलकर हों ज़बरदस्त
ताकि सलतनत दुश्मन की
पावे शिकश्त
लेकर नाम-इ-यहोवाह-इ-रब्ब
श्रालीशान
तुम सुनाश्रो हर जा मुफ्त नजात
का बयान।

mf ४ खिद्मत में खिद्मत में गर
हम रहें मुदाम
होगा ताज इ जलाली हमारा
इनश्राम
जब हम पहुंचेंगे अपने श्रासमानी
मकान
c तब हम गावेंगे सदा नजात
का बयान।

"We have heard a joyful sound."

३२१ (३२३१)

P. 562. S. 1079.

mf १ सुना हम ने सुख का बोल–
यीशु खीष्ट तारनहार
दूर फैलावें बात अनमोल
यीशु खीष्ट तारनहार
जल्दी जावें हर एक देश
पर्ब्बत पर श्रौर दरया पार
यीशु कहता "दो सन्देश"–
यीशु खीष्ट तारनहार।

२ मरके जीता अब सदा–
यीशु ख़ीष्ट तारनहार
गावें हम तो सर्बदा
यीशु खीष्ट तारनहार
mp धीरे गावें शोक समय
मन जब दया मांगनेहार
mf हर्ष से गोर पर करते जै–
यीशु खीष्ट तारनहार।

f ३ श्रांधी लहरो तुम कहो
यीशु खीष्ट तारनहार
बोलो दूर के पापी को
यीशु खीष्ट तारनहार
टापू सागर प्रतिगा
गाके करो तुम प्रचार
ff मुक्ति पूरी सेंत मेत श्रान–
यीशु खीष्ट तारहार।

देखो भीः ४८—५२, १०८—१२१.

५. पासबान और शिक्षक.

३२२ (२१७) L. M. — ANGELUS {H. 353. P. 366. S. 79.

mp १ कलीसिया के बुज़ुर्ग चौपान
मसीहा आली निगहबान
इस वक़्त तू सारी मजलिस पर
अपनी पाक रूह को नाज़िल कर।

२ इस तेरे ख़ादिम पर अल्लाह
तू कर ख़ास रहम की निगाह
इंजील की ख़िदमत करने को
अब इस का पाक तक़र्रुर हो।

३ तू अपनी बड़ी रहमत से
इस काम पर अपनी बरकत दे
हो अपने ख़ादिमों के साथ
जब इस के सिर पर रक्खें हाथ।

४ तक़र्रुर पानेवाले को
पाक रूह का मसह हासिल हो
हो इस के ऊपर मिहरबान
कि ठहरे अच्छा निगहबान।

mp ५ और निगहबान के गल्ले पर
तू अपनी रूह को नाज़िल कर
कि गल्लःबान और गल्ले को
ख़ुदा से पूरी बरकत हो।

---

३२३ (२१८) L. M. — CRASSELIUS. (WINCHESTER) {H. 6. P. 150. S. 177.

mp १ अपनी पाक रूह ख़ुदावन्दा
इन अपने बन्दों पर बहा
हर निअ़मत से तू इन्हें भर
सदाक़त से मुख़स्सस कर।

२ प्यार हिल्म औ हिकमत ऊपर से
ज़ोर और सरगर्मी इन को दे
ता तेरे झुण्ड के निगहबान
चरावें भेड़ों को हर आन।

३ कि ढूंढें खोए हुओं को
और गल्ले की तरक़्क़ी हो
ऐ भेड़ों के बुज़ुर्ग चौपान
साथ इन के हाज़िर रह हर आन।

p ४ यहां जब इन का काम तमाम
c तब पावें मिहनत से आराम
mf जब शान से आवेगा सरदार
जलाल में ये भी हों ताजदार।

"Lord speak to me."

WINSCOTT H. 255.
WAYLAND P. 459.

३२४ 8.8.8.8.

mf १ ख़ुदावन्दा तू मुझ से बोल
कि मैं भी बोलूं वैसी बात
गुमराह को तू ने ढूंढा है
तो मैं भी ढूंढूं दिन औ रात।

mp २ बता तू मुझे अपनी राह
कि मैं बताऊं राह-इ-पाक
ख़ुराक तू मुझे दिया कर
कि बांटूं भूखों को ख़ुराक।

f ३ चटान पर मुझे क़ाइम रख
और ताक़त बख़्श दिलेरी साथ
d कि मैं बचाने डूबे को
मुहब्बत से बढाऊं हाथ।

p ४ अपना आराम तू मुझे बख़्श
कि उन को जो हैं बे आराम
मैं कहूं तेरी तरफ़ से
ठीक वक़्त पर राहत-बख़्श कलाम

mf ५ तू अपनी ही भरपूरी से
यूं मेरे दिल को कर भरपूर
c कि मेरी चाल और बातों से
हो तेरी ख़ूबी का ज़ुहूर॥

mf ६ तू अपना काम मुझ से करा
c जहां जिस तरह मर्ज़ी हो
जब तक न देखूं तेरा मूंह
f और तेरी ख़ुशी मेरी हो।

---

६. इकताई और रक्षा.

"The Church's one Foundation."

AURELIA { H. 454. P. 225. S. 228.

३२५ (१६८) 7.6 7.6. D.

m १ कलीसिया की गैरफ़ानी
बुनयाद मसीह मसलूब
आब और कलाम से बनी
वह नई ख़िलक़त ख़ूब
आसमान से उस ने आके
चुन लिया दुलहिन को
mp और अपना ख़ून बहाके
ख़रीदा है उस को।

mf २ हर क़ौम के बीच है शाहिद
वह बरगुज़ीदः ज़ात
विलादत एक रब्ब वाहिद
ईमान एक एक नजात
खुराक एक एक मुबारक
नाम उस में है मअ़रूफ़
उम्मेद में भी मुशारक
हर फ़ज़्ल से मौसूफ़।

mp ३ अब दिक़्क़त और मशक़्क़त
और जंग में जो दुशवार
वह करती कामिल राहत
और चैन का इन्तिज़ार

mf तब कामिल है ख़ुशहाली
कि जंग तब है तमाम
कलीसिया जलाली
तब होती पुर-आराम।

m ४ पर यहां भी ख़ुदा से
रिफ़ाक़त है उस की
सुहबत शीरीन आसमान के
मुक़द्दसों से भी
हमें तौफ़ीक़ ओ ताक़त
बख़्श दे या रब्ब रहीम
ता हम इस ख़ुश रिफ़ाक़त
और मेल में हों मुक़ीम।

---

३२६ (१६६) L. M.

HESPERUS { H. 41. P. 76. S. 905.

m १ कलीसिया की मख़सूस पनाह
सब ज़ोर ओ सिपर है अल्लाह
वह सख़्तियों में है हर बार
अपने लोगों का मददगार।

mp २ ज़मीन अगर्चि कांपती हो
पहाड़ दरया में गिरें जो
समुन्दर करे शोर ओ शार
सब चीज़ें होवें बे-क़रार।

m ३ तौभी हक़ तआ़ला के मकान
कलीसिया की है नित अमान,
ख़ुदावन्द के हुज़ूर सेती
बे-जुम्बिश नित वह रहेगी।

f ४ ख़ुदा के शहर में शफ़्फ़ाफ़
एक नदी बहती ख़ास ओ साफ़
मक़दिस में से उतरती है
और बन्दों को ख़ुश करती है।

५ हमारे साथ नित रहने का
है लशकरों का पाक ख़ुदा
कलीसिया की मख़सूस पनाह
सब ज़ोर ओ सिपर है अल्लाह।

"Blest be the tie that binds."

DONCASTER H. 243.
DENNIS (P. 218. S. 566.)

३२७ S. M.

m १ क्याही मुबारक हाल
हमारे दरमियान
रिफ़ाकत है और मेल कमाल
जैसा कि है आस्मान।

२ हम मिन्नत करते हैं
खुदा के तख़्त के पास
हमारे मक़सद यकसां हैं
यकसां तस्कीन और आस।

३ रञ्ज या मुसीबत हो
उन में हम हैं शरीक
शरीअत पूरी करने को
हम बोझ में हैं रफ़ीक।

mp ४ जब भाई से भाई हों दूर
दिल रहते हैं उदास
m फिर मिलने की उम्मेद है पुर
और मुलाक़ात की आस।

mp ५ हिम्मत में और क़रार
दिल होते हैं सुरूर
उस दिन का रखते इन्तिज़ार
जब एक साथ हों मसरूर।

६ तब रञ्ज और दुख से दूर
गुनाह से भी आज़ाद
मुहब्बत से रहें मअमूर
ता अबद-उल-आबाद।

देखो भी: १९५, १९६, १९८.

विशेष समय.

१. बिवाह और घर.

३२८ (२१६) C. M.

St. Peter (H. 201. P. 178. S. 112.
Tallis H. 510. P. 104.

m १ जिन्हें ख़ुदावन्द ख़ुशी दे
वे सचमुच हैं ख़ुशहाल
जो करें ब्याह ख़ुदावन्द में
सो सचमुच मालामाल।

२ इन दोनों पर ख़ुदावन्दा
जो करेंगे निकाह
हम तुझ से मिन्नत करते हैं
तू इन पर कर निगाह।

३ ये जोरू ख़सम होने को
अब करें क़ौल क़रार
पर तुझ से बरकत पाने को
हैं दोनों उम्मेदवार।

४ जहां तू दिल को करे शाद
वां सच्ची शादी है
जिस घर को करे तू आबाद
वां .ख़ूब आबादी है।

५ जैसे गलील के काना में
तू ब्याह में था मिहमान
वैसे इस वक़्त भी हाज़िर हो
इस ब्याह के दरमियान।

m ६ और अपनी ख़ास हुज़ूरी से
कर दोनों ख़ुशतरीन
जब ये निकाह में बोलें हां
तब तू भी कह आमीन।

---

३२९ (२२०) 7.6.7.6.

St. Alphege (H. 472. P. 349.

mp १ मसीह बचानेहारे
हमारे बीच में आ
और अब इलाही बरकत
हम सभों पर बहा।

२ ख़ास करके ऐ ख़ुदावन्द
तू अपने बन्दों पर
जो पाक निकाह अब करते
रूहानी फ़ज़्ल कर।

३ इस परेशान संसार में
तू इन का रहबर हो
कि तेरे सच्चे शागिर्द
ये होवें आख़िर को।

४ जो इन पर वाक़िफ़ होवे
तू आप हिमायत कर
कि तेरी ही पनाह में
ये रहें जीवन भर।

"O Father, all creating."

३३० 8.7.8.7. D. ROUSSEAU *H. 605. P. 548.*

m १ अदन में तू ने ख़ुदावन्द
पाक बियाह का इन्तिज़ाम
रहमत से मुक़र्रर किया
ता इनसान को हो आराम
जैसा तू ने बरकत बख़्शी
पहले मर्द और औरत पर
वैसा तू इन दोनों पर भी
अपनी बरकत नाज़िल कर।

२ काना में तू ने दिखाई
अपनी क़ुदरत ओ जलाल
अब भी हाज़िर हो और इन को
फ़ज़्ल से कर मालामाल
उन्हें तू पाकीज़ा करके
एक को दूसरे से मिला
अपनी रहमत से तू उन पर
दौलत फ़ज़्ल की बरसा।

mp ३ उमर भर तू उन के साथ हो
उन की नित हिदायत कर
साथों साथ वे दुःख ओ सुख में
चलें तेरी राहों पर
उन्हें बरकत से मअ़मूर कर
सदा रहें तेरे पास
उन का सफ़र जब तमाम हो
उन्हें बख़्श अबदी मीरास।

३३१ (२४३) S.8.6.S.8.6. COLWYN BAY H. 211. HULL H. 465. P. 465. S. 552.

mp १ अब गुज़रा है पुराना साल
m पर रब्ब का रहम है बहाल
हज़ारों शुकर हो
mp ख़ुदावन्द मुझ पर कर निगाह
मुआफ़ कर तू मेरे सब गुनाह
बख़्श फ़ज़्ल बन्दे को।
mp २ हां मेरे सब गुनाहों को
मसीह के लहू से तू धो
मुझ को क़बूल कर ले
m मुहब्बत से तू है मअमूर
जो कुछ कि मुझे है ज़रूर
मसीह की ख़ातिर दे।
३ और आगे मेरे सब घरवार
और दोस्तों का हो मददगार
सभों पर कर निगाह
तू मेरी जान की ख़बर ले
तू रोज़ की रोटी मुझे दे
और दुःख में हो पनाह।

---

३३२ (२४४) 8.7 8.7. MARINERS H. 581. P. 197. S. 316.

mf १ अबनज़र मालिक मेरे
तू ने मेरी मदद की
फिर एक साल ब-फ़ज़्ल तेरे
मेरी ज़िन्दगी रही।
m २ राहत रंज जो मुझ पर आया
मेरे लिये अच्छा था
दुःख और सुख जो मैं ने पाया
सो इनआम था फ़ज़्ल का।
mp ३ जितनी ख़ता हुई मेरी
रहम करके मुआफ़ कर दे
m निअमत तेरी थी बहुतेरी
शुकर को क़बूल कर ले
४ नये साल में मेरी ख़बर
रोज़ ब-रोज़ ख़ुदावन्द ले
मेरी कर बरदाश्त और सबर
ख़तरों से पनाह तू दे।
mp ५ दिन और साल गुज़रते जाते
m तू ख़ुदावन्द क़ाइम है
pp आदमज़ाद सब मरते जाते
m तू ख़ुदावन्द दायम है।
६ तुझ पर मैं ने नये साल में
सारी आस लगाई है
जीते मरते हर एक हाल में
ईसा की दुहाई है।

३३३ (२४५) 8.7.8.7. — BATTY PH. 323. P. 310. SHARON P.H. 220. S.239.

mp १ दिन ओ साल शिताब से जाते
जल्दी आता है अख़ीर
p जब कि ख़ाक में सब मिल जाते
क्या अमीर और क्या फ़क़ीर।

mp २ जल्द हमारी जान उड़ जाती
जहां ख़ालिक़ है उस का
काश हम अपनी जान बचाते
जब तक वक़्त है फ़ज़्ल का।

३ ऐ मसीह नजात दिहिन्दः
मिहर कर हम को सिखला
ता हम सोचें जब तक ज़िन्दः
आख़िर पर क्या होवेगा।

४ सोचें कहां से हम आते
और हम कहां जाते हैं
उन के पास आराम जो पाते
p या अज़ाब जो पाते हैं।

५ येशू मसीह बक़्-इ-वफ़ात
मिह से रह तू मेरे पास
o फ़ज़्ल से बख़्श मुझे नजात
तुझ नज़्दीक अबदी मीरास।

---

३३४ (२५०) 8.8.8.8.8.8. *Ps. 90: 1-6.* — ST. MATTHIAS H. 618. STELLA P. 607.

mf १ तू पुश्त दर पुश्त बर-हक़ अल्लाह
हमारी रहा जा-पनाह
जब कि पहाड़ न थे मौजूद
ज़मीन ज़मान न थे नमूद
तू अज़ल से है ऐ ख़ुदा
और अबद तक भी रहेगा।

m २ जब तू ऐ रब्ब फ़रमाता है
इनसान जहान में आता है
mp और जिस वक़्त बनी आदम को
लौट जाने का फिर हुक्म हो
ज्यूं ख़ाक से तू बनाता है
त्यूं ख़ाक में फिर मिलाता है।

३ तेरी निगाह में साल हज़ार
ज्यूं कल के दिन का है शुमार
है पहर रात ही की मिसाल
तेरे नज़्दीक हज़ारों साल
इनसान को तू उठाता है
और फिर बहा ले जाता है।

mp ४ देख नींद सी है यह ज़िन्दगी
हम सब हैं मानिन्द घास ही की
सवेरे लहलहाती है
और शाम को फिर मुरझाती है
जिस हाल में सब कुछ बे-क़रार
ऐ रब्ब तू हमें कर बेदार।

३३५ (२५१) 8.7.8.7.

GOTHA H. 619. P. 21.
MARINERS H. 581. P. 197.

p १ आदमी धूल है घास का फूल है
जल्दी वह गुज़रता है
आज वह आता कल वह जाता
फूल सा जल्दी मरता है।

२ लो अमीर को और फ़क़ीर को
सब को मौत उठाती है
नौ-जवान को नान्तवान को
दोनों को गिराती है।

mp ३ बाप आस्मानी सब नादानी
दफ़अ़ कर दिल मेरे से
होशियारी और तैयारी
आक़िबत की मुझे दे।

---

३३६ (२५२) 8.7.8.7.

ST. OSWALD H. 459. P. 247.

mp १ दानिश सीखो ऐ नादानो
देरी क्यूं तुम करते हो
आज का वक़्त ग़नीमत जानो
कल की देरी मत करो।

२ तौबः करो गुनहगारो
करो आज कि जीते हो
मौत नज़दीक है सच तुम जानो
कल की देरी मत करो।

३ आज तो है तुम्हारा स्वासा
आज मसीह की ओर फिरो
जब तक स्वासा तब तक आसा
कल की देरी मत करो।

m ४ बे-बहा नजात की पूंजी
गुनहगारो मुफ़्त में लो
ईसा को तुम जानो मुनजी
कल की देरी मत करो।

देखो भीः २१८—२२२.

३. फ़सल की ख़ुशी.

Now thank we all our God."

३३७ (१३१) 6.7.6.7.6 6.6.6. GRATITUDE { H. 20. NUN DANKET { P. 485.

m १ ख़ुदा की अब तश्रीफ़
ज़ुबान और दिल से गाओ
वह करम बख़्शता है
सब उस का गीत सुनाओ
जब मा की गोद में थे
तब से उस ने हर रोज़
हमारी ख़बर ली
और लेता है हनोज़ ।

n २ हमारी उम्र भर
ख़ुदा जो पुर करामत
हमें ख़ुशदिली दे
और रखे बा-सलामत
और उस के फ़ज़्ल से
हम रहें सब औक़ात
अब हमें बरकत दे
और आख़िर को नजात ।

f ३ हम शुक्र और सिपास
ख़ुदा की बजा लावें
बाप की और बेटे की
और रूह की हम्द हम गावें
वह अज़ल से मौजूद
तीन एक बर-हक़्क़ ख़ुदा
अब है और अबद तक
नित बाक़ी रहेगा ।

---

३३८ (२४७) 7.7.7.7. INNOCENTS H. 299. P. 99. S. 1149.

mf १ पानी बरसा भाइयों
कहो धन परमेश्वर को
वह जो सामर्थ में महान
हम पर हुआ दयावान ।

२ बुझी है अब भूम की प्यास
मगन हुए पेड़ और घास
मानुष पशु पक्षी भी
करते स्तुत परमेश्वर की ।

३ हे परमेश्वर दयावन्त
तेरी कृपा है अनन्त
तेरी दया है अपार
नाम और गुण अपरंपार।

mp ४ प्रभु हम हैं पापी जन
सूखे हैं हमारे मन
m हम पर कृपा तू बरसा
और सब धर्म्म के फल फला।

"We plough the fields."

३३९ (२४८) 7.6.7 6. D. 6.6.8.4. DRESDEN { *H. 498.* *P. 488.* *S. 1053.*

m १ हम जोते हैं और बोते
ज़मीन पर बीज बार बार
पर बरकत के हम होते
ख़ुदा से उम्मेदवार
वह ओस और मेंह बरसाता
ता खेत की नरमी हो
वह हवा को चलाता
और भेजता गरमी को।
सारी अच्छी बख़शिश
आसमान से आती हैं
पस शुकर हो हां शुकर हो
ख़ुदावन्द को।

२ चांद सूरज और सितारे
और सारी मौजूदात
जो गिरदागिर्द हमारे
हैं उस के मख़लूक़ात
अनाज और सब आधार को
वही उगाता है
इनसान और सब जानदार को
वही खिलाता है।

mf ३ पस तुझे बाप आसमानी
हो शुकर ओ सिपास
कि तेरी मिहरबानी
बे-हद्द और बे-क़ियास
ब-आजिज़ी हम आते
अब तेरे पाक हुज़ूर
क़ुरबानी जो हम लाते
सो तुझे हो मंज़ूर।

४. मुसाफ़िर.

"God be with you."

३४० (३५०) P. M. GOD BE WITH YOU *P. 501. S. 298.*

mp १ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
ज़िन्दगी की राह बतावे
हमें अपनों में मिलावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
जब जुदाई हो, जब जुदाई हो
कि उस पार हम फिर मिलें
जब जुदाई हो, जब जुदाई हो
रब्बसाथ होवे जबहम जुदाहों।

२ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
अपने साया तले लावे
मन्न आस्मानी रोज़ खिलावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

३ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
ख़ौफ़ ओ ख़तरे से बचावे
अपनी गोद की आड़ दिखावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

४ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
प्रेम का झंडा नित फैलावे
मौत की मौज का ज़ोर मिटावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

"Great Ruler of the land and sea"

३४१ 8.6.8.6.8.6. ST. CHRYSOSTOM *H. 213. P. 500.* STELLA *H. 618. P. 607.*

m १ हे तू जो जल और धरती को
नित अपने हाथ में रखता है
समुन्दर के सब जोखिम को
और डर को दूर कर सक्ता है।

m २ तू रात की छाया को हटा
अन्धयारे को उंजाला कर
तू उठती लहरों को थमा
और उन्हें शान्त और नम्र कर।

mp सम्भाल तू अपने हाथ से सब
समुन्दर पर जो होवें अब।

३ तू स्थिर कर मुंह समुन्दर का
और आंधियों का बल घटा
सभों को मीठा पवन दे
और देम से रात और दिन चला।

mp ४ हे खीष्ट हर बिपत के समय
कह दुःख से "चुप रह और थम जा"
c हमारा आसरा तू ही है
तू शोक और संकट सब मिटा।

५. क़ौमी गीत.

३४२ (३४८) 7.6.7 6.D — Morning Light { H. 267. P. 256. S. 680.

mf १ ऐ हिन्दुस्तान खूबसूरत
ख़ुश-नुमा रौनक़दार
हैं तेरे बाग़ पुर-फ़िज़ा
मैदान हैं ख़ुश-गवार
हैं तुझ में सुथरे चशमे
और सुथरी चरागाह
जहां कि दिन की धूप में
है राहत ओ पनाह।

२ हां वादीआं भी तेरी
हैं फूलों से मअ़मूर
और आंख जब उन पर जाती
दिल होता है मसरूर
बुलन्द पहाड़ हिमालया
और बीच के कोहिस्तान
सब तुझ को बख़्शते जीवन
ऐ मुल्क-इ-हिन्दुस्तान।

m ३ ऐ यिशू के शागिर्दों
मत हो हैरान उदास
mf जल्द होवेगी यह जगह
ख़ुदा की ख़ास-उल-ख़ास
ईमान उम्मेद को लेके
और रूह की तेज़ तलवार
तुम जंग में आगे बढ़ो
हो फ़तह की पुकार।

४ अवध ओ रोहेलखंड से
कुमाऊं भी ओ गढ़वाल
सभों से इ़ज़्ज़त पावे
ख़ुदावन्द ज़ुल-जलाल
हां हैदराबाद-इ-दखन
बंबई बंगाल मदरास
और कुल ज़मीन यह हिन्द की
हो जावे पाक मीरास।

God save the King."

३४३ (३२२) 6.6.4.6.6.6.4. NATIONAL ANTHEM *H. 511. P. 508.*

mf १ बादशाह सलामत हो
या अल्लाह बादशाह को
रख तू ब-ख़ैर
कर उसे फ़तहमन्द
ख़ुश-हाल और सर-बुलन्द
राज उस का इक़बालमन्द
बादशाह की ख़ैर।

२ जितनी जो निअ़मत हो
बख़्श दे तू बादशाह को
राज रख ब-ख़ैर
राज की शरीअ़त पर
चले वह उम्र भर
तब गावें ख़ुशी कर
बादशाह की ख़ैर।

"God save the King."

३४४ (३२२१) 6.6.4.6.6.6.4. NATIONAL ANTHEM *H. 511. P. 508.*

कैसर इ हिन्द की जय
उन का राज हर समय
हम पर रहे

उन को पवित्रता
चैन सुख और महिमा
आनन्द अब और सदा

हे ईश्वर दे ॥

देखो भीः ३०६, ३१५, ३१८.

बालकों के गीत.

१. परमेश्वर पिता.

३४५ (१६) 8.7.8.7. BATTY (INVITATION) {PH. 223. P. 310.

mf १ हे परमेश्वर रक्षक मेरे
तेरा प्रेम मैं जानता हूं
पाया करता हूं दान तेरे
तेरा धन्य मैं मानता हूं।

२ भोजन वस्त्र तू ने दिया
दिया सब कुछ दीनदयाल
रक्षन मेरा तू ने किया
m सदा रक्षन कर रखवाल।

३ सब कुछ मैं ने तुझ से पाया
p तौभी तेरा किया पाप
अब मैं पापों से लजाया
उन से मुझे है सन्ताप।

mp ४ प्रभु ईसा रुधिर तेरा
मुझे शुद्ध कर सकता है
मन पवित्र कर तू मेरा
c करूंगा मैं तेरी जय।

"God sees the little sparrow fall."

३४६ C.M. PROVIDENCE P. 514.

१ गोरैयों पर जब गिरती हैं
दृष्टि पड़ती ईश्वर की
जो चिड़ियों को वह करता प्यार
प्यार मुझ को करता भी।

वह मुझे भी वह मुझे भी
प्यार मुझे करता भी
जो छोटी चीज़ें करता प्यार
प्यार मुझे करता भी।

२ वह खेत के फूल को रंगता है
सुगन्ध वह देता भी
जो फूलों को वह करता प्यार
प्यार मुझे करता भी।

३ फूल पन्छी सृजा ईश्वर ने
सब बड़े छोटे भी
वह अपनों को न भूलेगा
प्यार सब को करता भी।

३४७ C. M. *"God who dwells in heaven above."* BELMONT { *H. 588. P. 149. S. 663.*

mp १ ईश्वर जो स्वर्ग में रहता है
क्या मेरी सुनेगा
c हां निश्चय वही सुनता है
और उत्तर देवेगा।

mp २ क्या ईश्वर मुझे देखता है
d जब करता हूं कुकर्म्म
हां रात औ दिन वह ताकता है
कि खोजे पाप औ धर्म्म।

mp ३ क्या ईश्वर जान भी सक्ता है
जो बोलूं झूठी बात
हां निश्चय वही सुनता है
न उसे कुछ अज्ञात।

c ४ क्या ईश्वर चिन्ता करता है
मुझ छोटे लड़के की
mp हां मुझे वह खिलाता है
और सब कुछ देता भी।

p ५ क्या ईश्वर मुझे मरते दिन
बुलाएगा अपने पास
c हां यदि करूं पाप से घिन
और बनूं उस का दास।

देखो भीः १०, २३.

---

२. पुत्र—(१) उसका जन्म.

"From the eastern mountains."

३४८ (३२३) 6.5.6.5.D. COLYTON *H. 442.* HERVAS *H. 548. P. 210.*

m १ पूर्वी देश की ओर से
ज्ञानी आते हैं
बुद्धिमान मनुष्य
नज़र लाते हैं
दूर ही दूर से आके
ख्रीष्ट को खोजते हैं
तारे को देख करके
आगे बढ़ते हैं।

२ बैतलहम पहुंचके
दरशन पाते हैं
जग का मुक्तिदाता
बालक देखते हैं
तब वे नज़र खोलके
साम्हने रखते हैं
अपनी भेंट चढ़ाके
घुटने टेकते हैं।

mp ३ यीशु खीष्ट जब आया
मन में दीन रहा
c तौभी बालकपन में
गुप्त न रह सका
mf अब उस का सितारा
खूब है चमकता
हर कहीं उजाला
उस का पहुंचता।

m ४ पूरब में और पच्छिम
लाखों देखते हैं
mp अपने सिर झुकाके
डंडवत करते हैं
m बुद्धिमान मनुष्य
उस से सीखते हैं
सत्य गुरू जानके
उस को मानते हैं।

५ आदरमान का सोना
शुक्र का लुबान
और प्यार का सुगन्ध—
ये चढ़ाते दान
mf सब का मुक्तिदाता
सब को देता त्रान
प्रभु यीशु खीष्ट है
ईश्वर पूत महान।

"There came a little child to earth."

३४८ (३५६) P. M. TROYTE'S CHANT H. 584. P.520.

m १ एक लड़के की पैदाइश थी
कदीम ज़मान
फ़िरिश्तों ने सिताइश की
ज़मीन आसमान।

mp २ रात ही के वक्त बड़ी रौशनी में
गाई सना
m क्योंकि पैदा जो हुआ बैतलहम में
ख़ुदावन्द था।

mf ३ एक पसन्दीदा मुल्क में दूर
दिलचस्प औ पाक
हैं लड़के पहिने ताज पुर-नूर
सुफ़ेद पोशाक।

४ वे गाते हैं कि आसमानका रब्ब
लड़का था एक बार
p और कि ताज जलील हम पावें सब
लिया ताज ख़ारदार।

५ और होके दिलगीर कमज़ोर
मुहताज दी अपनी जान
c कि आदम-ज़ाद कर सकें राज
ऊपर आसमान।

mf ६ और वे लड़के जलाल सुफ़ेद
पोशाक गीत गा गा
सराहते हमेशः मुनजी पाक
जो लड़का था।

पुत्र—(२) जीवन और नमूना.

"*Jesus is Our Shepherd.*"

३५० (१७२) 6.5.6.5. D. PASTOR BONUS (GOSHEN) { H. 565. P. 522. S. 1153.

m १ ईसा है चरवाहा ख़ौफ़ सब होवे दूर
उस्से लगे रहके करें हम सुरूर
उस के साथ ही चलें जिधर दे निशान
सूखे बयाबान को या सरसब्ज़ मैदान।

२ ईसा है चरवाहा क्या ही ख़ूब इर्शाद
उस की शीरीन बातें दिल को करतीं शाद
mp जब तम्बीह भी देवे मानता हूं इहसान
m हादी और कौन मेरा वही है चौपान।

mp ३ ईसा है चरवाहा क़ादिर निगहबान
शेर नज़दीक भी आवे हम को क्या नुक़सान
मौत की वादी चलें कैसी हो तारीक
हम न कुछ डरेंगे हो चौपान नज़दीक।

mf ४ ईसा है चरवाहा कामिल मददगार
अपनी रहमत हम पर करता है आशकार
f तअरीफ़ अब हम गावें दिल में हो शादमान
जुदा फिर न होंगे पहुंचें जब आसमान।

---

३५१ 6.5.6.5. "*Do no sinful action.*" WARFARE H. 563. P. 529.

१ बुरा काम मत करो
बोलो मत क्रोध से
तुम हो प्रिय लड़को
बालक यीशु के।

२ ख्रीष्ट कृपाल औ कोमल
शुद्ध औ सच्चा है
उस के सब लड़कों को
वैसा बनना है।

३ चाहता है दुष्ट आत्मा
तुम को घेरने को
तुम्हें यत्न करता
पाप में डालने को।

४ पर उस की न सुनना
जो कि कठिन हो
पाप से लड़के करना
भले कामों को।

५ ख्रीष्ट तुम्हारा स्वामी
उत्तम सच्चा है
उस के सब लड़कों को
वैसा बनना है।

---

३५२ C.M. *"There is a green hill far away."* HORSLEY *H 540. S. 1137*

mp १ एक दूर के शहर के नज़दीक
मौजूद है ख़ास मक़ाम
जहां मसीह ने जान तक दिई
कि बचें हम तमाम।

२ न जानते हैं न कह सक्के
क्या दुःख उठाना था
अफ़सोस हमारे लिये वह
सलीब पर टांग रहा।

mp ३ वह मुआ ता कि हम ही को
मुआफ़ी हासिल हो
c और जा सकें आस्मानी घर
पाक साफ़ और कामिल हो।

mp ४ कफ़ारः करने के वही
अकेला लाईक़ था
c आस्मान पहुंचने के वही
दरवाज़ा खोल सका।

mf ५ जैसी मुहब्बत उसने किई
हम करें वैसी ही
हम उस पर रखें इअतिकाद
और करें बन्दगी।

देखो भी: ३६३, ३७४,

पुत्र—(३) उसकी सेवा।

"Jesus bids us shine."

३५३ (३५१) 5.5.6.5.6.4.6.4. S. 1138.

m १ अपनी रौशनी दे
तुझे है फ़रमान
छोटे दीप की मानिन्द
रात के दरमियान
p दुनया है अन्धेरी
c हम रौशनी दें
तू ही तेरी जगह
और अपनी मैं।

m २ अपनी रौशनी दे
ईसा कर मशहूर
mp देखता वह अफ़सोस से
जब घट जाता नूर
c बरकत हम को बख़्शता
ता रौशनी दें
तू ही तेरी जगह
और अपनी मैं।

m ३ अपनी रौशनी दे
सभों पर चमका
p दुनया में अन्धेरा
कैसा छा रहा
गुनाह रंज और ग़म हैं
c हम रौशनी दें
तू ही तेरी जगह
और अपनी मैं।

"Beautiful the little hands."

३५४ 7.7.7.7.9.7.9.7. G. 400.

mf १ उमदः हैं जो छोटे हाथ
करते काम पियार के साथ
उमदः हैं वे आंखें भी
जिन में है नूर इ मसीह
उमदः हां उमदः जो छोटे हाथ
करते काम ईमान के साथ
उमदः हां उमदः हैं आंखें भी
जिन में चमकता मसीह।

mf २ छोटे हाथ हैं बने सब
वास्ते तेरे काम के रब्ब
पांव भी तेज़-रफ्तारी से
चलेंगे वास्ते तेरे।

३ छोटे लब जो हैं दिलसोज़
जम्आ करें रोज़ व रोज़
छोटे दिल की ख्वाहिश भी
सदा हो वास्ते मसीह।

४ छोटे जो कर सकते हो
करो दिल से उसही को
वही चाहता है मसीह
वही करो ब ख़ुशी।

---

३५५ C. M.

"*A little helpless child am I.*"

BELMONT { *H. 583. P. 149. S. 663.*

mp १ एक छोटा बच्चा नातवान
ग़रीब लाचार मैं हूं
नजात को चाहता मैं नादान
न जानता क्या करूं।

२ तू मेरे लिये ऐ मसीह
एक लड़का हुआ था
मुझ छोटे के बचाने को
d सलीब पर मुआ था।

m ३ इस प्यार के इवज़ ऐ महीह
मैं तुझे देऊं क्या
और तुझे राज़ी करने को
क्या करूं सो बता।

४ पर ऐ मसीह कौन बड़ा काम
हो सकता है मुझ से
ज़ोरावर तू है मैं कमज़ोर
तू मुझे मदद दे।

mf ५ तू अपने दिल को मुझे दे
यह हुक्म तेरा है
ऐ रब्ब तू बिलकुल मुझे ले
तू मालिक मेरा है।

६ तू मेरे दिल का हाफ़िज़ हो
नापाकी से कर पाक
कर रोशन मेरी समझ को
बख्श मुझे रूह-इ-पाक।

"*We are but little children weak.*"

३५६ L. M. ALSTONE *H. 577.S. 1139.*

१ हम छोटे लड़के हैं अबल
हमारा है न शक्त न ज्ञान
यीशु के लिये क्या करें
जो है सर्वोत्तम और महान।
२ हर लड़के को है दिन ब दिन
कुछ भीतर बाहर करने को
यीशु के लिये है मरन
और पाप से नित्य लड़ने को।
३ जब क्रोध और घमण्ड के विचार
हम अपने मन में करते हैं
जब जीभ पर कड़ी बातें हैं
और कोप से आंसू भरते हैं।
४ तब क्रोध का हाथ हम करें बन्द
और रोक लें अपनी बात विरुद्ध
हम नमरता से उत्तर दें
और खीष्ट के लिये करें युद्ध।
५ हम कैसे छोटे क्यूं न हों
पर क्रूस सभों को धरना है
और सब का है वह प्रेम का काम
जो खीष्ट के लिये करना है।

"*Hear the pennies dropping.*"

३५७ 6.5.6.5.8.5.6.5. *S. S. H. 50.*

mf १ पैसे डाले जाते
सुनो गिरते अब
हर एक है यिसू का
वह पावेगा सब।
f गिरते गिरते गिरते गिरते
सुनो गिरते अब
हर एक है यिसू का
वह पावेगा सब।
mf २ गिरते सदा गिरते
छोटे हाथों से
दान यह है यिसू को
हम ही लड़कों से।
३ जब तक हम हैं छोटे
पैसे सिर्फ़ पुंनजी
पर जब होंगे बड़े
और हम देंगे भी।
४ पैसे पास न होवें
करें उस को प्यार
ग्रहण वह करेगा
होके खुश हर बार।

"*Yield not to temptation.*"

३५८ 11.11.11.12. FORTITUDE { *H. 561. P. 530. S. 698.*

mf १ लड़ो तुम शैतान से
हट जाता है पाप
जय पाने से तेरा
फिर होगा प्रताप
दिल से बढ़ते जाओ
हे प्रभु के दास
नित उसको तुम देखो
वह रहेगा पास।
mp अब मसीह से तुम मांग लो
o शान्ती रक्षा और बल को
mf उस पर आशा तुम रखो
वह रहेगा पास।

mp २ दुष्ट लोगों की संगती
मत किया करो
और ईश्वर के नाम को
बे-अर्थ तुम न लो
करो बड़े प्रेम से
संग सभों के बास
o नित प्रभु को देखो
वह रहेगा पास।

f ३ तब मिलेगा मुकुट
जो करोगे जय
तब शोखित न होगे
सुख पाने का है।
जो है मुक्तिदाता
तब देगा लिबास
नित प्रभु को देखो
वह रहेगा पास।

पुच—(४) उसकी स्तुति.

३५९ (६६) P. M. "*O come let us sing.*" *C. H. 59. P. 546.*

mf १ एक दिल होके गाओ
ईसा मसीह की स्तुति
उस की कीर्ति बढ़ाओ
जिस ने सिद्ध की है मुक्ति
क्योंकि सोता भराया
mp निज हृदय के ख़ून से
m जहां धोए हम छूट जाते
मन के दोष और औगुण से।

f जै जै तारणहार
तेरा प्रेम हम गावेंगे
मृत्यु सागर के पार
जब हम तुझे देखेंगे।

p २ अब मैला है दिल
पाप से क्याही दुःख आता
और दुनया का छल
हमें बार बार फंसाता
m पर प्रभु का वचन
आस और ज़ोर हमें देता
क्योंकि वह देता मोचन
और सब दुशमन जीत लेता।

p ३ शायद मौत का समय
जल्द हम को आवेगा
c जो विश्वास का विजय
और विश्राम हमें देगा
जब तू पाप की माया
आत्मा से दूर करेगा
mf और अमर की छाया
अपने पास सदा देगा।

"The Great Physician."

३६० (६८) 8.7.D.7.7.7.6. *P. 544. S. 89.*

m १ सन्सार का सब से बड़ा वैद
वह है हमारा येसू
mp उन को जो पाप में पड़े क़ैद
प्यार से बोलता येसू।
m सब सन्सार में मीठा नाम
पृथ्वी स्वर्ग में मीठा नाम
सब से प्रिय मीठा नाम
mp येसू येसू येसू।

m २ तुम्हारा सब से बड़ा पाप
है क्षमा बोलता येसू
तुम स्वर्ग को आओ साथ मेल मिलाप
कि मुक्ति देता येसू।

m ३ येसू का नाम हटाता है
हर पाप और दुःख से येसू
प्यार से अब बुलाता है
mp कौन और है जैसा येसू।

m ४ आओ भाइयो उस की स्तुति गाओ
गाओ स्तुति वास्ते येसू
आओ बहिनो तुम भी गीत उठाओ
नाम धन्यवाद है येसू।

५ आओ लड़को तुम भी राग मिलाओ
तुम्हारा भी है येसू
खजूर की शाख़ साथ ख़ुशी लाओ
तुम को बचाता येसू।

६ स्वर्ग देश को जब हम चढ़ेंगे
तब देखें अपने येसू
वहां फिर नहीं मरेंगे
अनन्त आनन्द साथ येसू।

"Come children join to sing."

३६१ (३५९) 6.6.6.6. D. MADRID {H. 544. P. 536.

mf १ ऐ लड़को मिलके गाओ
हल्लिलूयाह आमीन
मसीह की हम्द सुनाओ
हल्लिलूयाह आमीन

सब फ़ज़्ल से मअ़मूर
ख़ुश हों उस के हुज़ूर
हम्द उसकी है मनज़ूर
हल्लिलूयाह आमीन।

mf २ अब अपने दिल उस्काओ
हल्लिलूयाह आमीन
आसमान तक गीत उठाओ
हल्लिलूयाह आमीन
m वह है हमारा यार
हादी और मददगार
बे-हद है उस का प्यार
हल्लिलूयाह आमीन।

mf ३ तश्रीफ़ फिर करो सब
हल्लिलूयाह आमीन
हम थक जावेंगे कब
हल्लिलूयाह आमीन
f आसमान के पाक मक़ाम
नित रहके बा-आराम
हम गावेंगे मुदाम
हल्लिलूयाह आमीन।

---

३६२ (३६३) P. M. "If you have a pleasant word." G. 407.

mf १ दिल की ख़ुशी अब मनाओ
गाओ गाओ
लड़को सब शाद्-दिल हो जाओ
गाओ दिल से गाओ
ईसा कहता सभों को
लड़को मेरे फ़रज़न्द हो
मेरी बरकत दिल में लो
गाओ दिल से गाओ
f गाओ अभी दिल से गाओ
हम्द के गीत मसीह पास लाओ
दिल की ख़ुशी अब मनाओ
गाओ दिल से गाओ।

mf २ तुझ को वह पुकारता है
गाओ गाओ
दिल से ऐब उखाड़ता है
गाओ दिल से गाओ
शक ओ शुभा करो दूर
उस में होके रह मसरूर
अब से हो तुम बे-क़ुसूर
गाओ दिल से गाओ।

३ तुम जो दबे हुए हो
गाओ गाओ
उस पर अपने बोझ डालो
गाओ दिल से गाओ
वह हर बोझ उठावेगा
पुर-आराम फ़रमावेगा
बाप के घर में लावेगा

"Who is He in yonder stall."

३६३ (३६७) 7.7.7.7.7.7. LOWLINESS (ADORATION) { H. 541. P. 538.

mp १ बालक कौन है देख उस थान
जिस को पूजते हैं चौपान
f वुह है ईश-कथा अनूप
वुह है ईश-ज्योति स्वरूप
mp करें उस का आदरमान
c सब का प्रभु उस को जान

mp २ वुह है कौन धनहीन के घर
सिर झुकाता उद्यम पर।

३ वुह है कौन स्वरूप उदास
करता वन में उपवास।

p ४ वुह है कौन जो रोता है
जहां लाज़र सोता है।

p ५ कौन गथसमन आधी रात
प्रार्थना करता शोक के साथ।

mp ६ वुह है कौन जो मरन काल
वैरियों पर है दयाल।

m ७ वुह है कौन जो क़ब्र से
उठके हम को जीवन दे।

mf ८ कौन सिंहासन पर विराज
करता आप ही स्वर्ग में राज।

"Little children praise the Saviour."

३६४ (३७४) 8.7.8.7.8.7. SWEET HOSANNAS { H. 546. S. S. H. 34.

m १ लड़को गीत मसीह का गाओ
उस की तुम पर है निगाह
उस के प्यार का गीत सुनाओ
और नजात के हो मद्दाह।

m २ जब वह पहले आदमी बना
लड़के लोग तब ख़ुशी से
उसकी पाक तअरीफ़ और सना
एक आवाज़ हो गाते थे।

mf ख़ुश होशअन्ना ख़ुश होशअन्ना
गाओ ईसा की तअरीफ़।

३ माओं ने बाल बच्चे लेके
ईसा को घेर लिया था
उस ने उन्हें बरकत देके
गोद में ले खुश किया था।

mf ४ लड़को लड़कियो गीत गाओ
गाओ सब मसीह का प्यार
फिर जब तुम आसमान को जाओ
गाओ गीत तब बे-शुमार।

देखो भी: ४४, ४५, ५६, ६७, ७७, ३७४, २७६.

४. पवित्र आत्मा.

३६५ 8.7.8.7.D. ROUSSEAU { *H. 603.* *P. 543.* }

mp १ रूह उल क़ुद्दस पे पाक मुअल्लिम
मेरे ऊपर हो करीम
आप से आप मैं कुछ न जानता
दे मुझ लड़के को तअलीम
मेरे ज़िहन को कर रौशन
कि मैं जानूं अपने को
d तुझ से रौशनी पाके देखूं
दिल में जो ख़राबी हो।

mp २ मेरे दिल को कर उजाला
जब मैं पढ़ता पाक कलाम
बैबल की मुक़द्दस बातें
मेरे दिल में करें काम
मैं नजात के भेद को समझूं
रूह उल क़ुद्दस मुझ को समझा
आप से आप मैं क्योंकर जानूं
तू मुझ लड़के को सिखा।

३ और मसीह ने जो कुछ किया
काम कलाम मुहब्बत का
उस को बोलना उस का चलना
सब कुछ मुझे तू बता
c मुझ से कह कि ईसा प्यारा
मुझे भी प्यार करता है
और कि अपने प्यार के हाथ को
सदा मुझ पर धरता है।

m ४ और यह बात भी मुझ पर खोल दे
ईसा मेरा है बे-शक
c मैं हूं उस का वह है मेरा
अब से ले हमेशः तक
रूह उल क़ुद्दस पे पाक मुअ़ल्लिम
मेरे ऊपर हो करीम
आप से आप मैं कुछ न जानता
दे मुझ लड़के को तअ़लीम।

"Holy Spirit, hear us".

ERNSTEIN *H. 662.*
FILITZ *H. 679.*
(BEMERTON) *P. 671.*

३६६ 6.5.6.5.

mp १ कर पवित्र आत्मा
गाने में सहाय
संग तू हो हमारे
स्तुती के समय।

२ कर पवित्र आत्मा
प्रार्थना में अगवाई
निकट आ सिखला दे
जो कुछ बोलना है।

३ दे पवित्र आत्मा
ज्योती बैबल पर
उस पवित्र बचन
अब तू उजला कर।

mp ४ कर पवित्र आत्मा
मन में दीन हर आन
शुद्ध बना और कोमल
यीशू के समान।

c ५ कर पवित्र आत्मा
हलका हर एक क्लेश
और हमारे खेल में
पाप न हो प्रवेश।

mp ६ रख पवित्र आत्मा
दूर उन पापों से
जो हमारे मन में
गुप्त हों आंखों से।

c ७ दे पवित्र आत्मा
प्रतिदिन सहाय
mf कि बुराई हम जीत लें
और चुन लें भलाई।

---

५. सुसमाचार.

"Tell me the old old story".

३६७ (३२६) 7.6.7.6.D.

REMEMBRANCE. *H. 170.*
EVANGEL *P. 555. S. 1131.*

m १ मुझे वह बात सुनाओ
क़दीम से जो मशहूर
कि यिशू मिहरबान है
और प्यार से है मअ़मूर
mp मुझे वह बात समझाओ
कि बच्चा हूं नादान
गुनाह से हूं आलूदः
ज़ेर-बार और ना-तवान

m २ बार बार मुझे सुनाओ
ता उसे करूं याद
कि यह ख़ुश-ख़बरी सुनके
हूं दिल ओ जान से शाद
नजात का भेद बताओ
कि यिसू आया है
और अपने क़ीमती ख़ून से
मुझे बचाया है।

m मुझे वह बात सुनाओ
कि यिशू है पुर-प्यार।

mp ३ मुझे फिर याद दिलाओ
जब ख़्वार हूं और बीमार
और ग़म और दुःख के मारे
बे-कल हूं और लाचार
m इस प्यार की बात को सुनके
तसल्ली पाता हूं
और नाम मसीह का लेके
शुक्र मनाता हूं।

mp ४ मुझे वह बात सुनाओ
जब आवे इमतिहान
और ग़फ़लत से जगाओ
संभालो मेरी जान
p और मौत का वक़् जब आवे
सुनाओ वही बात
c कि यिसू के पाक ख़ून से
है अबदी हयात।

---

३६८ (३५३) 8.7.8.7.7.7.

OBERLIN { C.H. 89. P.H. 87 / P. 131.
BOHEMIA P. 79.

m १ ईसा पाप से मुक्ति देता
छोटे लड़के लड़कियों को
और वह कहता बेटी बेटा
अपना दिल अब मुझे दो
mp मैं ने दी है अपनी जान
तेरे पाप का बलिदान।

p २ हम सब हुए दास और दासी
पाप की क़ैद और ज़ंजीर में
m अनन्त जीवन और ख़लासी
हमें मिलती तुझ ही से
mp तू ने दी है अपनी जान
मेरे पाप का बलिदान।

m ३ हे प्यारो तो बिचारो
ऐसा प्रेम है बे-बयान
ख़ुदा का एकलौता बेटा
प्रेम अपार से छोड़ आसमान
mp दुष्ट सन्सार में अपनी जान
दी है पाप का बलिदान।

m ४ आओ तो लड़को दिल शुद्ध करें
प्रेम से उस की स्तुति गायें
जब इस दुखित देह छोड़ देके
अपने प्रभु से मिल जायें
mf सीखेंगे तो नये गीत
जब हम पावें मौत की जीत।

"*If I come to Jesus*"

३६९ (३५४) 8.5.8.5.D. WOODBROOK H. 557. IF I COME P. 553. C.H. 35. S. S. H. 33.

m १ ईसा पास गर आऊं
मिटेगा वसवास
ख़ुशी मुझे देगा
दिल जब हो उदास
mf ईसा पास गर आऊं
हूंगा ख़ुश सरीह
छोटों को बुलाता
उलफ़त से मसीह।

m २ ईसा पास गर आऊं
करेगा इहसान
प्यार बे-हद्द वह रखता
हुआ भी क़ुरबान।

mf ३ ईसा पास गर आऊं
लेगा मेरा हाथ
विहतर मुल्क की राह पर
वह रहेगा साथ।

४ लड़कों में तब शामिल
ख़ुश सुफ़ेद-पोशाक
उस नूरानी मुल्क में
देखूं मुनजी पाक।

"*Gentle Jesus meek and mild*".

३७० (३५७) 7.7.7.7. SIMPLICITY H. 554. INNOCENTS H. 299. P. 574.

m १ ऐ मसीह ग़रीब हलीम
लड़कों पर तू हो रहीम
मुझे तुझ पास आने को
ताक़त और इजाज़त हो।

२ तू ने किया हुक्म ख़ास
लड़के आवें मेरे पास
सो तू मुझ को फ़ज़्ल से
अपने पास भी आने दे।

mp ३ जो दरकार हो मुझे दे
मुझ कमज़ोर की ख़बर ले
रात और दिन हो मेरे साथ
रख तू मुझ पर अपना हाथ

"When mothers of Salem."

३७१ (३६१) P. M. SALEM { C.H. 48. P. 561.

m १ जब लड़कों को मांएं ख़ुदावन्द के पास लाईं
शागिर्दों ने तब तुन्द होकरके रोका उन्हें
mp पर यीशु ने तब गोद में ले
यह कहा बड़ी उलफ़त से
"ऐसे छोटे लड़कों को पास आने दो"।

mf २ मैं हाथ रखकर सिर पर अब उन्को बरकत दूंगा
मैं हूं चौपान इन बच्चों का वे क्यूं जावें दूर
मैं उन के दिल को लेऊंगा
और बरकत उन को देऊंगा
"ऐसे छोटे लड़कों को पास आने दो"।

mf ३ आह! कैसी मुहब्बत ख़ुदावन्द ने किई ज़ाहिर
उन बच्चों को मुहब्बत से बुलाया क़रीब
पस दिल से कोशिश होवे अब
और मिलकर हम भी कहें सब
"ऐसे छोटे लड़कों को पास आने दो"।

---

३७२ (३६६) "I love to hear the story" ELLON { P.H. 355. P. 566. S. 1156. ANGEL'S STORY H. 545.

m १ फ़िरिश्तों ने जो गाया
वह क़िस्सा क्या शीरीन
जलाल का बादशाह उतरा
कि रहे बीच ज़मीन
mp कमज़ोर और गुनाहगार हूं
o पर एक है मददगार
मसीह बचाने आया
कि मुझे किया प्यार।

m २ मेरा मुबारक मुनजी
एक लड़का मुझसा था
और लड़कों को दिखलाया
नमूना नेकी का
और अगर उस की पैरवी
मैं करूं इख़्तियार
वह मुझे न भूलेगा
कि मुझे करता प्यार।

mf ३ मैं उस की हम्द करूंगा
रहीम है और लतीफ़
अगर्चि है अनदेखा
वह सुनता है तअरीफ़
और उस ने वअदः किया
कि मैं भी आख़िरकार
फ़िरिश्तों में गीत गाऊं
कि मुझे करता प्यार।

"*Come to the Saviour.*"

३७३ (३७०) 9.9.9.6. INVITATION { C.H. 77. P. 560. S. 1165.

mp १ यीशू पास आ न देर कर ऐ यार
उस के कलाम में राह है आशकार
देख वह हमारे बीच हो इस बार
उलफ़त से कहता "आ"
mf ख़ुशी ख़ुशी होगी बे-क़ियास
जब गुनाह से पाक हो और ख़लास
यीशू! हम जमअ़ हों तेरे पास
अबदी मकानो में।

mp २ लड़कों को मेरे पास आने दं
m उस की आवाज़ को सुन खुर्रम हं
उस को हम देवें दिल अपने कं
देरी न करके आ।

३ देख वह है आज हमारे दरमियान
उस के कलाम मुबारक को मान
उस की शीरीन आवाज़ सुन हर आन
mf ऐ मेरे फ़रज़न्द आ।

"Jesus loves me."

३७४ (२७२) 7.7.7.7. JESUS LOVES ME { H. 548. P. 554. S. 1155.

m १ यीशू हम को करता प्यार
बाइबल में है समाचार
हम हैं निर्बल वह बलवान
लड़कों पर है दयावान

mf हां उस का प्यार है
है सत्य यह समाचार।

m २ यीशू हम को करता प्यार
mp मरके खोला स्वर्ग का द्वार
मेरे पाप को सब मिटा
मुझे ग्रहण करेगा।

m ३ यीशू मुझे करता प्यार
संग रहेगा इस सन्सार
c जो मैं अन्त लों रखूं आस
स्वर्ग में लेगा अपने पास।

"Sing them over again to me."

३७५ 8.7.8.6.7.7.5.6. WORDS OF LIFE P. 569. S. 367.

mf १ गाके फिर मुझको राहत दो
कलमः इ ज़िन्दगी
वह ही बस मुझ को ज़ीनत हो
कलमः इ ज़िन्दगी
कलमः ख़ूब ओ नादिर
हो ईमान इ क़ादिर
o कलमः अज़ीज़ कलमः अजीब
कलमः इ ज़िन्दगी।

mf २ यीशू देता है सभों को
कलमः इ ज़िन्दगी
लो अब तुम जो कि भूले हो
कलमः इ ज़िन्दगी
आओ बिना नक़दी
लो हयातं इ अब्दी।

३ जाके सभों को दो पैग़ाम
कलमः इ ज़िन्दगी
बख़्शता दिलों को चैन आराम
कलमः इ ज़िन्दगी
यीशू सच्चा शाफ़ी
उस से मेल ओ मुआफ़ी।

"I am so glad that our Father in Heaven."

३७६ P.M. GLADNESS *P. 548. S. 38.*

mf १ मीठा हां मीठा है उस का बयान
यीशू मसीह का जो रहता आस्मान
बैबल बताती है उस का पियार
है वास्ते मेरे जो हूं गुनहगार।

c कैसा अ़जीब है उसका पियार
सच्चा पियार अबदी पियार
बड़ा अ़जीब है उसका पियार
जो रखता मुझ से भी।

mp २ ख़ुदी में आकर मैं हुआ गुमराह
c पीछे वह हुआ हर वक़ जा ब जा
देख उस पियार को मसीह आया याद
उस पास मैं दौड़ा अब होता हूं शाद।

mf ३ यीशू है मेरा मैं जानता यह बात
यीशू ख़ुद कहता मैं हूं तेरे साथ
इस से यहां पर मैं रहता ख़ुश-हाल
पाऊंगा पीछे आस्मानी जलाल।

---

३७७ 8.7.8.7.D. ROUSSEAU *H. 605. P. 543. S. 376.*

mp १ एक आवाज़ निहायत मीठी
मेरे दिल को है मरग़ूब
मेरे छोटे दिल से कहती
कहती यूं कि ऐ महबूब
क्यूं तू रोता आंसू भरता
क्यूं तू होता ग़म-पिज़ीर
मैं अब तेरी हालत देखता
मेरे पास आ ऐ दिलगीर।

mp २ एक आवाज़ निहायत मीठी
मुझे फिर पुकारती है
मेरे छोटे दिल में ख़ुशी
बे-हद यों वह भरती है
ऐ पियारे ऐ दुलारे
क्यों तू फिरता है हैरान
c दोनों हाथ दराज़ हैं मेरे
मुझ पास आ और ले अमान

mp ३ एक आवाज़ निहायत मीठी
धीमे तौर फिर आती है
मेरे छोटे दिल को फेरती
यह मज़मून सुनाती है
आ तू ऊपर इस सैहून में
देख बिहिश्त की रौनक़को
mf अबद् रह तू इस मकान में
नूर में अब तू दाख़िल हो।

mp ४ मीठी यह आवाज़ जो आती
है पियारे यीशू की
मुझ को वह हर दम पुकारती
क्या मैं यूं न कहूं भी
c ऐ मसीहा ऐ मसीहा
तेरे पास मैं आता हूं
अपने हाथ बढ़ा मसीहा
क़दम देख उठाता हूं।

देखो भी: ९६, १०१, १११.

---

६. सुसमाचार का फैलना.

"I think when I read."

३७८ (३६०) P.M. SALAMIS {*H. 534.* *P. 567.* *S. 1136.*

m १ जब बैबल में पढ़ता मैं ईसा की चाल
कि ज़मीन पर यार लड़कों का था
तब दिल से मैं चाहता कि मेरा भी हाल
अब होता उन लड़कों का सा।

२ कि मुझ पर भी रखे वह बरकत का हाथ
और गोद में भी लेवे मुझ को
और सुनूं जो बोला मुहब्बत के साथ
लड़कों को मुझ पास आने दो।

mp ३ पर अब भी दुआ मांगके मैं लाकर ईमान
जा सक्ता हूं उस के हुज़ूर
और जब उसे ढूंढता हूं ब-दिल ओ जान
तब आसमान पर देखूंगा ज़रूर।

mf ४ एक जगह दिलकश उस से हुई तैयार
सब के लिये जो हुए पाक साफ़
और उन में हैं लड़के हज़ारों हज़ार
जिन के सारे गुनाह हुए मुआफ़।

mp ५ पर अब तक बहुत लड़के ज़मीन पर तमाम
न जानते आसमानी दियार
m उन्हें कहा चाहिये मसीह का कलाम
सब आओ—है जगह तैयार।

mf ६ ख़ुदा वह मुबारक ज़मानः जल्द ला
वह ख़ुशी ओ ख़ुर्रमी का वक़्त
कि लड़कों का गुरोह हां सब मुल्कों का
मसीह के पास होवे ख़ुश-वक़्त।

"God of heaven hear our singing."

३७९ 8.7.8.7.

SEFTON *H. 610.*
ST. OSWALD *H. 459. P. 274.*

mp १ स्वर्गीय पिता सुन हमारी
छोटे बालक हैं हम सब
c तौभी बड़ी अर्ज़ हमारी
जो हम लाते तुझ पास अब।

mp २ आवे तेरा राज है बिन्ती
पावे चैन तुझ में सन्सार
c सब पहचान के मानें तेरी
करके स्तुति धन्य प्यार।

mf ३ धरती पर वह मीठा बर्णन
यीशु के अद्भुत प्रेम का
महिमा का गीत गवावे
स्वर्गीय दूत लोगों का सा।

४ भेज हे पिता जल्द वह समय
होगा जब हर एक तेरा
क्योंकि तेरा है पराक्रम
राज और महिमा सदा।

देखो भी: ३०५, ३२१.

७ सुबह.

"The morning light."

३८० C.M. SPRINGTIDE HOUR *H. 595.* DENFIELD *P. 569.*

mf १ सुबह का नूर रात करके दूर
मुझे जगाता है
पिता हर बार सिर्फ़ तेरा प्यार
मुझे बचाता है ।

mp २ दिन भर यही है अर्ज़ मेरी
तू अगुवा हो और नाथ
c पाप क्षमा कर और मुझे घर
हे यीशु अपने साथ ।

३ रह मेरे पास और अपना बास
धन आत्मा मुझ में कर
साफ़ मुझे रख कि तेरा मुख
मैं देखूं मरने पर ।

देखो भीः २६२.

---

८. शाम.

"Jesus, tender Shepherd."

३८१ (२५८) 8.7.8.7. EVENING PRAYER *H. 601.* DIJON H.(App) 4. *P. 567.*

mp १ ऐ मसीह रहीम चरवाहे
मेम्ने को अब बरकत दे
मुझ पास रह अन्धेरी रात में
फ़जर तलक ख़बर ले ।

m २ दिन भर तू ही ने सम्भाला
अपनी बड़ी रहमत से
तू ने कपड़ा खाना दिया
शाम की दुआ भी सुन ले ।

mp ३ सब गुनाह से दे मुआफ़ी
दोस्तों पर तू रहम कर
m बख़्श कि मरने बाद आसमान में
सदा रहूं तेरे घर ।

३८२ 6.5.6.5. "Now the day is over." LYNDHURST H. 599. FILITZ (BEMERTON) H. 579. P. 671. EUDOXIA S.S.H. 160.

१ अब है दिन बीत गया
रात फिर आती है
सन्ध्याकाल की छाया
जग पर छाती है।

२ अब अन्धेरा फैलता
तारे निकले हैं
पशु फूल और पत्ती
जल्द सो जाते हैं।

mp ३ थकों को हे यीशु
चैन आराम तू दे
साथ अपनी आशीष के
हमें नीन्द भी दे।

४ छोटे बालकों को
दरशन हों तेरे
बीच समुद्र जो फिरते
रख तू जोखिम से।

५ दुःख में जो तरपते
उन्हें शान्ति दे
जो बुराई को चाहते
उन्हें रोक तू ले।

६ रात भर मेरा रक्षन
करें दूत तेरे
उन के परों तले
रहूं कुशल से।

mf ७ और जब हो सवेरा
तब फिर उठूं मैं
शुद्ध हो और पवित्र
तेरे देखने में।

f ८ महिमा हो पिता की
महिमा पुत्र की
और तेरी धन आत्मा
अब और नित्य भी।

---

६. प्रभु का दिन.

३८३ P.M. "Sweet Sabbath School." G. 384.

mf १ ऐ सबाहे इस्कूल मुझ को मक़बूल
सब और मकानों से
दिल तेरे ख्याल में है मशग़ूल
ऐ मसकन ख़ुशी के

पियारे घर ख़ुश मकान
दिल तेरी ख़ुशी से मअ़मूर
ऐ मेरे ख़ुश मकान

२ इस घर में दिल को मिली थी
आस्मानी घर की राह
वह बिहतर चीज़ तब मैं ने ली
और पाई शाद की गाह।

३ यीशू ने आके मेरे पास
बचाई मेरी जान
वह मेरी हुआ ख़ुश मीरास
मैं उस में हूं शादमान।

१०. प्रार्थना।

३८४ (७१) 6.5.6.5.

INFANT PRAISES { P.H. 340. P. 510.

mp १ यीशु दीन और कोमल
पुत्र ईश्वर के
प्रेमी मुक्तिदाता
विन्ती को सुन ले।

२ पापों को कर क्षमा
बेड़ी को खोल डाल
तोड़ दे हर एक मूर्ति
फिर न हो जंजाल।

३ कर निर्बन्ध और निर्मल
मन में प्रेम भर दे
स्वर्ग की ओर हे यीशु
हमें खेंच तू ले।

mp ४ यात्रा में संग होके
मार्ग तू आप बता
जग के अन्धकार से
स्वर्ग में ले पहुचा।

५ यीशु दीन और कोमल
ईश्वर पूत महान
सुन हमारी विन्ती
त्राता दयावान।

३८५ (३६५) 6.5.6.5.

FILITZ (BEMERTON) { H. 579. P. 581. U. G. 118.

m १ प्रभु ईसा प्यारे
मेरा गुरू हो
धर्म का ज्ञान और शिक्षा
दे मुझ लड़के को।

२ प्रभु ईसा प्यारे
मेरा त्राता हो
क्षिमा क्षेम और मुक्ति
दे मुझ लड़के को।

m ३ प्रभु ईसा प्यारे
मेरा प्रभु हो
जान तू मुझे अपना
अपने लड़के को।

"Jesus from Thy throne on high."

३८६ 7.7.7.6. LEBBAEUS H. 369. P. 650.

mp १ तू जो रहता बीच आस्मान
ज़ाहिर करता अपनी शान
देखता है तमाम जहान
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

mf २ हम तो छोटे हैं लाचार
दिल में भी हैं गुनहगार
तौभी हम हैं उम्मेदवार
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

३ लड़कों को तू करता प्यार
उन का दोस्त है वफ़ादार
मदद देने को तैयार
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

४ तू ने छोड़ा था आस्मान
यहां हुआ था क़ुरबान
तेरा प्यार है बे बयान
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

m ५ जो ईमान से आवेगा
वह रिहाई पावेगा
तू ज़रूर बचावेगा
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

६ जांच हमारे दिल का हाल
गुनाह उन से तू निकाल
पाक तू कर हमारी चाल
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

७ काम में खेल में भी हर बार
होवें हम फ़रमानबरदार
तेरे रहें वफ़ादार
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

p ८ तू जो है जहान का नूर
है हमारे पास ज़रूर
कभी नहीं होता दूर
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

mp ९ अपनी राह में तू चला
निगहबान हो सभों का
आख़िर अपने पास उठा
सुन ख़ुदावन्द ईसा।

"All our sinful words and ways."

३८७ 7.7.7.7. CHANT H. 652. LAST HOPE P. 652.

mp १ सब ख़राब कलाम अमाल
खोटा करना वक़्त और माल
सब मग़रूर और बद ख़ियाल
मसीहकी ख़ातिर मुआफ़ कर दे।

२ भूल से हुआ जो क़ुसूर
झूठ और जो बात ना मन्ज़ूर
हुई तेरे पाक हुज़ूर
मसीहकी ख़ातिर मुआफ़ करदे।

३ जो बुराई हम ने किई
मना चीज़ जो चाही थी
बुरी भी सलाह जो किई
मसीह की ख़ातिर मुआफ़ करदे।

m ४ मदद जो नित है ज़रूर
क़ाइम रहने का मक़दूर
ता न हों मसीह से दूर
मसीह की ख़ातिर हम को दे।

५ ईमान तुझे देखने को
उम्मेद डर से बचाने को
ताक़त आगे बढ़ने को
मसीह की ख़ातिर हम को दे।

६ फ़ज़्ल की सब बरकतें
जब तक तुझ पास आ रहें
तेरा चिहरा भी देख लें
मसीह की ख़ातिर हम को दे।

"Jesus, Saviour, hear my call."

St. Alban *H.* 406.
Jesus, Saviour (*P.* 579. *S.M.* 87.)

३८८ 7.7.7.5

mp १ यीशु त्राता सुन मेरी
मन में जो मैं हूं पापी
m तू है जीवन श्वास मेरी
रह तू मेरे पास।

mp २ मैं परदेश अकेला हूं
तुझ से दूर मैं न रहूं
तुझ में अगुवा मैं पाऊं
रह तू मेरे पास।

m ३ भ्रष्टों के बचाने को
तू ने दिई जान अपनी को
mf और जीत लिया क़बर को
रह तू मेरे पास।

m ४ अपने प्रेम से मुझे भर
मेरा जीवन अर्पित कर
इच्छा मेरी आधीन कर
रह तू मेरे पास।

mp ५ पड़े छाया मृत्यू की
कर पिता सहाय मेरी
खड़ु में होके चलूं भी
रह तब मेरे पास।

३८९ 8.8.6.6. TAMIL AIR

१ मेरे पापों को क्षमा कर दे।

लोहू से लोहू से यीशू के लोहू से

२ मेरे पापों के दाग़ मिटा दे ।

३ पूरी शान्त मेरे मन में भर दे ।

४ जै शैतान पर तू नित मुझे दे ।

५ साहस प्रार्थना तू करने को दे ।

६ ज्योत के राज्य में प्रवेश करने दे।

---

११. जीवन की यात्रा.

"Whither, Pilgrims, are you going?"

WHITHER PILGRIMS *P. 583. S.H. 430. S.M. 187.*

३९० (१७६) 8 7.8.7.8.8.7. PILGRIM BAND *H. 580. U.J. 117.*

m १ किधर जाते यात्री लोगो
किधर जाते किये भेश
mf जाते हम एक दूर की यात्रा
पाया राजा का आदेश
जंगल पर्वत दुःख उठाते
उस के भवन को हम जाते
जाते हैं एक उत्तम देश।

m २ क्या पाओगे यात्री लोगो
जाके दूर के उत्तम देश
f उजले वस्त्र तेज के मुकुट
प्रभु देगा प्रेम विशेश
निर्मल अमृत जल पीवेंगे
ईश्वर पास हमेश रहेंगे
जावें जब उस उत्तम देश।

mp ३ छोटा झुण्ड हो तुम न डरते
कठिन मार्ग में सूने देश
mf नहीं पास हैं दोस्त अनदेखे
स्वर्गी दूत टाल देते क्लेश
ईसा स्वामी साथ चलेगा
रक्षक अगवा आप रहेगा
जाने में उस उत्तम देश।

m ४ यात्री लोगो हम भी साथ हो
चलें उज्जल उत्तम देश
mf आओ सही भले आये
बीच हमारे हो प्रवेश
आओ संग न छोड़ो कभी
ईसा नाथ तैयार है अभी
लाने को उस उत्तम देश।

३९१ (३५२) 7.7.8.8.7.7. Gitawali 3.

m १ ईसा की मैं भेड़ी हूं
पस मैं ख़ुशी कर रहूं
अच्छा मेरा है चरवाहा
उस ने मुझे दिल से चाहा
मुझे ख़ूब चराता है
नाम ले ले बुलाता है।

२ सुथरी मेरी चरागाह
मुझ पर उस की है निगाह
क्या लज़ीज़ ख़ुराक है मेरी
उस से होती रूह की सेरी
राहत के चशमों के पास
वह बुझाता मेरी प्यास।

mf ३ मैं मुबारक भेड़ी हूं
क्या मैं ख़ुशी न करूं
pc मरूं मैं तो ख़ुश सरोद में
जाऊंगा मसीह की गोद में
वहां ख़ुशी है कमाल
हां मैं हूं मुबारक-हाल।

"I'm a little pilgrim."

३९२ (३६८) 6.5.6.5. FILITZ (BEMERTON) {H. 579. P. 581.}

m १ मैं एक छोटा यात्री
करता हूं प्रवास
जगत में जो सुख हो
mp पाप है सदा पास

m २ अच्छा देश है मेरा
पाप है उस्से दूर
mf वासी सब हैं सुखी
आनन्द से भरपूर।

m ३ अब जो छोटा यात्री
शुद्ध और निर्मल हो
स्वर्ग में वह पावेगा
उजले वस्त्र को।

mp ४ यीशू निर्मल कर दे
अपना धर्म सिखा
हे पवित्र आत्मा
मुझे मार्ग बता।

m ५ मैं एक छोटा यात्री
करता हूं प्रवास
स्वर्ग में मेरा घर है
शीघ्र आता पास।

"Poor and needy though I be."

St. Lucy H. 523.
Battishill { H. 566. P. 513.

३९३ (३६६) 7.7.7.7.

m १ मैं हूं निर्बल और कंगाल
ईश्वर करता प्रतिपाल
देता खाना कपड़ा स्थान
देता है सब अच्छे दान।

m २ जानता है वह मेरी आस
रात और दिन है मेरे पास
सोते जागते सदाकाल
कृपा करता है दयाल।

३ सब कुछ है जिस के आधीन
वह हो गया मुझ सा दीन
mp न विश्राम का ढूंढता स्थान
मेरे लिये दिया प्राण।

m ४ हो जो श्रम और निर्बलता
पिता अपना मुख चमका
मेरा भाग हो और चटान
पूरा होगा तब कल्याण।

mf ५ गाऊं तेरा नया गीत
रखूं मन से प्रीत प्रतीत
आनन्द होगा सदा-काल
क्योंकि ईश्वर है कृपाल।

"Jesus, high in glory."

St. Martin H. 558.
Infant Praises { P.H. 340. P. 510.

३९४ (३७१) 6.5.6.5.

mp १ यीशु स्वर्गवासी
धर दे अपना कान
हम आराधना करते
सुन हमारा गान।

m २ तू ही है पवित्र
सब से शक्तिमान
तौभी स्तुति सुन्ने
हम पर करता ध्यान।

mp ३ हम हैं छोटे बालक
भ्रमते धोखा खा
यीशु स्वर्ग के मार्ग पर
हमें नित चला।

४ हम पर कृपा करके
सारा पाप मिटा
m प्रेम और सेवा करने
प्रभु अब सिखा।

mf ५ और जब तू बुलावे
ऊपर के निवास
तब हम उत्तर देंगे
आते हैं तुझ पास।

"We have a loving Shepherd."

३९५ 7.6.7.6. D.

HEBER (MISSIONARY) { H. 441. P. 443. S. 1070.

mf १ चौपान एक है हमारा
प्यार उस का है अथाह
वह हमें ढूंढने आया
जब फिरते थे गुमराह
हिदायत उस की पाके
हम झुण्ड में आये हैं
नहीं तो अब तक भूलते
भटकते जाते हैं।

२ हमें बचा वह लेगा
जो लड़कों का है यार
बिहिश्त में क्या कुछ देगा
प्यार उस का है अपार
ममदूह हो तेरी रहमत
ऐ प्यारे निगहबान
कर आख़िर तक हिदायत
और हम को दे आसमान।

---

३९६ 10.10.10.10. D.

Z. 491.

mf १ ख़ुशी कर ख़ुशी कर होके शादमान
चलें हम घर को वह घर है आसमान
ईसा मुनज्जी ख़ुद कहता है आ
ख़ुशी कर ख़ुशी कर घर को तू जा
जल्दी तमाम सफ़र होगा ज़रूर
जल्द जाना होगा ख़ुदा के हुज़ूर
फिर जो मसीह पर हम लाए ईमान
ख़ुश होके अपने घर जाते आसमान।

२ उस पार जो पहुंचे सो करके निगाह
खड़े हैं देखते हम लोगों की राह
गाके पुकारते हैं आओ निडर
ख़ुशी कर ख़ुशी कर आओ तुम घर

गाना बजाना है वहां शीरीन
सादिक़ लोग छेड़ते हैं बरबत और बीन
कैसा दिल-कश है आस्मानी दियार
ख़ुशी कर ख़ुशी कर चलें उस पार।

mf ३ मौत हम को मारे तो क्या है परवा
ईसा के हाथ हम सलामत सदा
ईसा ने खोया है क़बर का डर
ख़ुशी कर ख़ुशी कर चलें हम घर
c मौत का डंक टूटा जी उठा मसीह
नूर उस जहान का हम देखें सरीह
f देखेंगे अपना आस्मानी मकान
ख़ुशी कर जाते घर घर है आस्मान।

---

३९७ 7.6.7.5.7.6.7.6. TAMIL AIR.

mf १ यीशु पास मैं जाऊंगा
रोशनी में रोशनी में
उस के साथ मैं चलूंगा
उस की रोशनी में।

f चलेंगे हम रोशनी में
रोशनी में रोशनी में
चलेंगे हम रोशनी में
साथ उस के रोशनी में।

mf २ मुआफ़ी हासिल करूंगा
रोशनी में रोशनी में
सब गुनाह को छोड़ूंगा
उस की रोशनी में।

३ काम मसीह का करूंगा
रोशनी में रोशनी में
ताक़त उस से पाऊंगा
उस की रोशनी में।

४ क्या कर सकेगा शैतान
रोशनी में रोशनी में
फतह पाऊंगा हर आन
उस की रोशनी में।

mp ५ कूच का वक़्त जब आवेगा
रोशनी में रोशनी में
मुतलक़ ख़ौफ़ न रहेगा
उस की रोशनी में।

f ६ जावेंगे आसमानी घर
रोशनी में रोशनी में
ख़ुश रहेंगे सरासर
सदा रोशनी में।

---

३९८ 7.5.7.6. TAMIL AIR.

mf १ स्वर्ग की ओर हम चलते हैं
जै हल्लिलूयाह
स्वर्ग की ओर हम चलते हैं
जै जै हल्लिलूयाह।

२ नया गीत हम गावेंगे।

३ सेवा उसकी करेंगे।

४ उस को ख़ुश हो देखेंगे।

५ उस के सदृष होवेंगे।

६ संग हम नित्य रहेंगे।

---

१२. स्वर्गीय घर.

"Here we suffer grief and pain."

३९९ (१८६) 7.7.6.6.6.6.7. JOYFUL *H. 589. P. 592.*

mp १ यहां दुःख हम सहते हैं
मिल एक साथ न रहते हैं
m विहिश्त है मेल की जा।
तब हम करें ख़ुशी
ख़ुशी ख़ुशी ख़ुशी
जब हम सब ही मिलके
जुदा फिर न होवेंगे।

२ सब जो चाहते ईसा को
सो जब उन का मरना हो
विहिश्त को जावेंगे।

mf ३ ख़ुशी तब मनावेंगे
जब हम देखने पावेंगे
मसीह को तख़्त-निशीन।

४ तब एक दिल और एक ज़ुबान
गावेंगे हम हर ज़मान
ख़ुदावन्द की तअ़रीफ़।

"There is a happy land."

४०० (३५५) 6.4.6.4.6.7.6.4. HAPPY LAND (H. 692. P. 593.

m १ एक मुल्क है ख़ुश ओ पाक
दूर दूर है दूर
वां लोगों की पोशाक
नूर नूर है नूर
mf गाते उस में हर आन—
ईसा मुनजी है सुलतान
हम करें हर ज़मान
दिल में सुरूर।

m २ उस मुल्क को जाने को
कौन है तैयार
शक़ क्यूंकर लाए हो
क्यूं हो बेज़ार
mf पाक ख़ुशी से मअ़मूर
दुःख और ग़म से होके दूर
हम ईसा के हुज़ूर
गावें हर बार।

m ३ उस मुल्क में रहते जो
सो हैं ख़ुश-हाल
प्यार सब के दिलों को
रखता निहाल
mf पस आओ जल्दी से
ताज और राज को शौकत के
ईसा से पावेंगे
पुर पुर जलाल।

"I would be like an angel."

४०१ (३६२) 7.6.7.6.D. *S. M. 74. Z. 437.*

m १ जो मैं फ़िरिश्तः होता
तो वीन को लिये हाथ
और सिर पर ताज भी धरे
मैं मिलता उन के साथ
तब यीसू के हुज़ूर में
नाम जिस का है शरीफ़
मैं वीन बजाके गाता
सिताइश और तअरीफ़।

२ वहां न कोई थकता
न कोई रोता है
वहां न ग़म न दुःख है
न ख़ौफ़ कुछ होता है
पाक-दिल मैं होके रहता
तब यीसू के हुज़ूर
और लाखों लाख में मिलके
नित रहता पुर-सुरूर।

mp ३ सच अब मैं गुनहगार हूं
c पर यीसू करता मुआफ़
जा चुके बहुत लड़के
बिहिश्त को पाक ओ साफ़
mp ऐ मुनजी ऐ पियारे
तू मुझे मरने पर
अपना फ़िरिश्तः भेजके
बुलवा ले अपने घर।

"Had I the wings of a dove."

४०२ (३६४) P. M. FAR FAR AWAY *C. H. 146. S. M. 44.*

m १ पंख अगर होते तो उड़ जाता दूर
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर
जहां काली घटा से छिपता न नूर
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर
फूल हैं उस अदन में सदा बहार
ख़ुश ताज़ः बाग़ में है पानी की धार
दिल में सब पाक हैं और पोशाक ताबदार
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर।

२ दोस्त वहां मिलके न जानेंगे ग़म
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर
एक घर रहेंगे एक दिल हो हर दम
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर
सोने का शहर और नदी शफ़्फ़ाफ़
मोती के दर से जलाल है क्या साफ़
करने बयान से ज़ुबान है मुआफ़
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर।

m ३ सुनो क्या गाते हैं बरबत-नवाज़
आओ जल्दी आओ आओ जल्दी आओ
दुनया है फ़ानी जल्द होगी गुदाज़
आओ जल्दी आओ आओ जल्दी आओ
आओ बाप के घर में मकान है तैयार
साथ हो उस दोस्त के जो है वफ़ादार
गाओ वह गीत जिस को दिल करे प्यार
आओ जल्दी आओ आओ जल्दी आओ।

"When He cometh."

४०३ (३७३) 8.6.8.5.7.7.7.7.

WHEN HE COMETH (JEWELS) — *H. 585. P. 591. S. 1140.*

m १ रब्ब फ़रमाता वह दिन आता
जब मेरे लोग होंगे
ख़ास ख़ज़ानः ताज शहानः
अज़ीज़-ओ महबूब

mf अपने यसू में कामिल
और जलाल में हो शामिल
तब सितारों की मानिन्द
वे चमकेंगे ख़ूब।

m २ सब ख़रीदे घरगुज़ीदे
इकट्ठे तब होंगे
नूर पोशाक है गुरोह पाक है
अज़ीज़ ओ महबूब ।

३ छोटे लड़के छोटे लड़के
जो रब्ब को प्यार करते
हैं ख़ज़ानः ताज शहानः
अज़ीज़ ओ महबूब ।

"There's a Friend for little children."

४०४ (३७५) 7.6.7.6.D.

In Memoriam *H. 586.*
Ellacombe (*H. 538. P. 590. S. 695.*)

m १ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का एक दोस्त
वहां प्यार है दाइम
न बदलता वह दोस्त
mp जो दुनया में है दोस्ती
नहीं है पायदार
mf वह दोस्त हमेशः एकसां
रहीम है वफ़ादार ।

m २ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का आराम
ख़ुदावन्द को जो मानते
पहुंचते उस मक़ाम
mf वहां आराम कमाल है
गुनाह और रंज हैं दूर
और सब ईमानदार लड़के
नित होंगे पुर-सुरूर ।

m ३ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का एक घर
वहां मसीह का चिहरः
है रौशन सभों पर
mf उस घर की मानिन्द कभी
ज़मीन पर घर न था
है सब की ख़ुशी पूरी
बे-हद्द ला-इन्तिहा ।

m ४ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का एक ताज
और सब जो उसे पाते
हमेश करेंगे राज
mf उन को वह ताज जलाली
मिलेगा बाप के हाथ
जो मुनजी को दोस्त रखते
और चलते उस के साथ ।

"Safe in the arms of Jesus."

४०५ (३७६) 7.6.7.6.D. · ARMS OF JESUS { *H. 693. P. 191. S. 57.*

mp १ सालिम मसीह की गोद में
सालिम मसीह के पास
मैं ख़ुश हूं उस के प्यार में
है राहत रूह को ख़ास
सुनो फ़िरिश्ते गाते
ख़ुश राग एक शीरीनतर
उस वतन रौनकदार में
बिल्लौरी चशमों पर।

mp सालिम मसीह की गोद में
सालिम मसीह के पास
मैं ख़ुश हूं उस के प्यार में
है राहत रूह को ख़ास।

२ सालिम मसीह की गोद में
सालिम मुसीबत से
सालिम मैं इमतिहान में
ख़तरे से दुशमन के
अब दूर सब बे-क़रारी
अब दूर सब शक़-शुभे
सिर्फ़ थोड़ा दुःख यह बाक़ी
सिर्फ़ थोड़ा ग़म मुझे।

m ३ यसू मेरी पनाह है
जो हुआ है मसलूब
वह मेरी ख़ास चट्टान है
मुझ को यक़ीन है खूब
मैं ठहरूंगा सबर से
जब तक है रात मौजूद
मैं ठहरूंगा ख़ुशी से
जब तक हो दिन नमूद।

---

४०६ 6.6.5.5.6. *"There is a city bright."* CITY BRIGHT { *H. 555. P. 557.*

m १ एक शहर पाक और साफ़
गुनाह से ख़ाली है
उस में नापाकी
उस में नापाकी
हरगिज़ न दाख़िल है।

mp २ पास तेरे आता हूं
मसीह ऐ बर्रे पाक
तू मुझे धो ले
तू मुझे धो ले
गुनाह से कर तू पाक।

m अपना फ़रज़न्द मसीह
तू मुझे अब बना
और सब गुनाह से
और सब गुनाह से
तू मुझे नित बचा।

mf २ जब तक उस शहर में
मेरा पोशाक पुर-नूर
बे-दाग़ और बे-ऐब
बे-दाग़ और बे-ऐब
पहुंचूं तेरे हुज़ूर।

"Around the throne of God."

४०७ (३७७) C. M.

GLORY *H. 687.*
AROUND THE THRONE *P. 590.* *S.M. 4.*

mf १ हज़ारहा लड़के खड़े हैं
ख़ुदा के तख़्त के पास
मुहब्बत से वे भरे हैं
और पाते ख़ुश मीरास

f गाते सना सना सना
सना हो ख़ुदावन्द की।

m २ साफ़ होके सब गुनाहों से
वे रहते हैं ख़ुश-हाल
पियारे हैं ख़ुदावन्द के
वे गाते हैं निहाल।

m ३ किस तरह पाया लड़कों ने
यह उमदः पाक मक़ाम
वे बचके सब तकलीफ़ों से
ख़ुश रहते हैं मुदाम।

४ इस सबब से कि ईसा ने
बहाया अपना ख़ून
वे धोके उस में फ़ज़्ल से
आसमान पर हैं मामून।

५ ख़ुदावन्द को इस दुनिया पर
पियार वे करते थे
सो अब हमेशः उस के घर
वे ख़ुर्रम रहेंगे।

रुख़सत.

"O Saviour bless us ere we go."

४०८ (२५३) 8.8.8.8.8.8. STELLA { H. 618. P. 607.

m १ आशीष से यीशू विदा कर
और वचन सभों में जमा
तू हम्में प्रेम और चेष्टा भर
कि मन हो तप्त न गुनगुना
d जीवन के दिन और सन्ध्याकाल
c हमारी जोत हो खीष्ट दयाल।

mp २ यह दिन अब हुआ है समाप्त
और तू ने देखे सारे कर्म्म
कृपा से जो कुछ हुआ प्राप्त
और सब भूल चूक भी और अधर्म्म॥

m ३ हे प्रभु क्षमा कर सब पाप
कुपन्थ से हमें नित बचा
और अगले दिनों का प्रताप
पवित्रता और सुख बढ़ा।

४ तू श्रमी था अब श्रम है सुख
उतारा तू ने क्लेश का भार
न होवे वैर और पाप से दुःख
न मन में छल वा अहंकार।

m ५ हर मित्र दुःखी और कंगाल
और पापी निमित्त सुन पुकार
c दे हम को आनन्द हे कृपाल
हे यीशू प्रिय तारणहार।

"Saviour, again to Thy dear name."

४०९ (२५४) 10.10.10.10. ELLERS { H. 617. P. 608. S. 291.

mf १ नजात दिहिन्दः फिर ब-दिल ओ जान
हम तेरे नाम के होते सनाख्वान
हमारी वन्दगी अब है तमाम
d सो घुटने टेककर चाहते हैं सलाम।

m २ वख़्श घर की राह पर अपना पाक सलाम
ता आज का रोज़ मुक़द्दस हो तमाम
जो सिजदः करके आये तेरे घर
तू उन को वदी से वचाया कर।

mp ३ इस रात को भी मसीहा दे सलाम
और दिल को रौशन करके दे आराम
कर दूर तू अपनों से दुःख ओ नुक़सान
कि तेरे पास हैं दिन ओ रात एक-सां।

mp ४ तू हमें उमर भर वख़्श दे सलाम
दुःख ओ तकलीफ़ के वक़्त दिल को क़याम
m जब तेरे हुक्म से जंग है तमाम
इनायत कर तू अवदी सलाम।

---

४१० (२५५) 8.7.8.7.4.7. MANNHEIM { H. 295. P. 316. S. 524.

m १ वक़्त-ए-रुख़सत वाप दे वरकत
मुनजी दे सलामती
पे तसल्ली देनेवाले
कर तू मदद अवदी
वरकत वख़्श दे
वाप और वेटे पाक रूह भी।

२ जब यहां मुसाफ़िर होते
तू हमारे साथ हो ले
ऊपर भी आसमानी घर में
वरकत हमें सदा दे
सदा सदा
प्यार के नूर में रहने दे।

---

४११ (२५६) 8.7.8.7.4.7. ROUSSEAU { H. 605. P. 317. S. 376.

m बोया है फिर बीज आसमानी
ऐ ख़ुदावन्द फ़ज़ल कर
बीज उगाके फल रूहानी
आगे हम में ज़ाहिर कर
बरकत दीजिये
होवें फलदार उमर भर।

---

४१२ (२५७) 8.7.8.7.4.7. REGENT SQUARE { H. 444. P. 460. S. 265.

m अपने घर से रुख़सत कीजिये
फ़ज़ल से ख़ुदावन्दा
बाप रहीम अब रूह पाक दीजिये
mf हम्में बसे वह सदा
हल्लीलूयाह
शुकर करो अल्लाह का।

---

४१३ (२५८) 8.7.8.7.4.7. TRIUMPH H. 630. P. 614. S. 1.

m रुख़सत और आशीष दे ईश्वर
हम्में भर दे सुख और प्यार
अपना प्रेम और दया देकर
f मन हमारे खूब सुधार
जै जै ईसा
जै जै ईसा आमीन।

---

४१४ (२५९) L. M. ELY H. 7. P. 598. RETREAT P.H. 241. P. 326.

m १ अब रुख़सत कर ख़ुदावन्दा
हम सब पर बरकत तू बहा
mp कर सब क़ुसूरों को मुआफ़
कर दिलों को कलाम से साफ़।

p २ हम हैं अलबतः गुनहगार
mf पर फ़ज़ल तेरा बे-शुमार
m अब बन्दगी क़बूल कर ले
और रुख़सत कर सलामती से।

४१५ (३४३) THE LORD BLESS THEE AND KEEP THEE (H. 649. P. 603.)

mp १ प्रभु आशीष देवे
तुझ को प्रतिदिन आनन्द देवे
तेरी रक्षा करे
वह अपना रूप
नित तुझ पर प्रगट करे
और शान्ति दे।

तमजीद-इ-तसलीस.

४१६ (२६०) L. M. ELY H. 7. P. 598. OLD 100. H. 634. P. 615.

mf तीन एक ख़ुदा जो आलीशान
हम्द उस की करे सब जहान
आसमान ज़मीन की मख़्लूक़ात
ख़ुदा की गाओ तुम सिफ़ात।

---

४१७ (२६१) 8.8.8.8.8.8 OLD 113. P. H. Dor. 10.

mf मुबारक और बुज़र्ग ख़ुदा
तसलीस और वाहिद है सदा
तअरीफ़ और सना उस की हो।
फ़िरिश्ते सब और सब इनसान
आसमान ज़मीन हां कुल जहान
कहें मुबारकबाद उस को।

---

४१८ (२६२) — RAVENNA (VIENNA) H. 392. P. 32.

mf

शुक्र हम्द सिताइश हो
नित मसीह मुनजी को
बाप और रूह-उ-क़ुद्स को भी
हो तग्रीफ़ हमेशः की।

---

४१९ (२६३) S. M. — PRAGUE P.H. Dox. 5. P. 83

mf

सिताइश बाप की हो
सिताइश बेटे की
और रूह-उल-क़ुद्स की करें हम
सिताइश अबदी।

---

४२० (२६४) 8.7.8.7. — WINTER P.H. 138. STUTTGART (LEIPSIC) H. 607. P. 84.

mf

अब हमारे बाप ख़ुदा की
और मसीह ख़ुदावन्द की
और तसल्ली-दिह रूह पाक की
हो सिताइश अबदी।

---

४२१ (२६५) 7.6.7.6 D. — MUNICH P.H. 250. P. 123.

mf

आसमानी बाप हमारे
तेरी सिताइश हो
मसीहा मुनजी प्यारे
तेरी सिताइश हो

ऐ रूह जो हामी मेरा
तेरी सिताइश हो
ऐ पाक तसलीस हमेशः
तेरी सिताइश हो।

४२२ (२६६) 8.7.8.7.4.7. TRIUMPH *H. 630. P. 614.*

mf बाप आसमानी तेरी हम्द हो
तेरा प्यार है बे-अयान
ऐ पाक बर्रा तेरी हम्द हो
कि तू हुआ था क़ुरबान
रुह-उल-क़ुद्स की
हम्द हो अबदुज़्ज़मान।

---

४२३ (२६७) L. M. EVENING HYMN (CANON) *H. 351. P. 367.*

mf सब रहमतों के ख़ुदा को
सब आदमियों की सना हो
करो आसमान की फ़ौज शरीफ़
बाप बेटे रूह की हो तअरीफ़।

परमेश्वर की स्तुति.

४२४ (२६८)

mf दीनदयाल सकल बर दाता
दे यश गावन को उपदेशा।
निथरे नीर अगम नद नाईं
तोर दया जल बहुत हमेशा
वातें तन मन कुशल मिलत है
धन्य जगत पालक परमेशा।
m शठ अपराधी नर तारन को
सेवक का प्रभु लियो भेशा
mp दीनन संग संकट पथ धारा
p क्रूश सहित सहि लाज कलेशा।

m निज जन अन्तर बिमल करन कं
है प्रभु तोहै शक्ति विशेषा
तोर आत्मा गुन तिन चित में
दिवस जोत सम करत प्रवेशा।

तव यश भरत भुवन में होवे
सरग भुवन जिमि होत अशेशा
आश्रित मुख निज भजन कराओ
ठारि कुटिल मन दुर्मति लेशा।

मसीह की स्तुति.

४२५ (२७४) *H. T. B. 65.*

mf जय प्रभु यीशु जय अधिराजा
जय प्रभु जय जय कारी
mp पाप निमित्त दुःख लाज उठाई
प्रान दियो बलिहारी।
तीन दिनों तब यीशु गोर में
mf तीजा दिवस निहारी
प्रात समय इतवार दिना में
आप निवासा छारी।

भोर सवेरे घोर मरन का
तोड़ा बन्धन भारी
हार गयो शैतान निबल हो
पायो लाज अपारी।
सन्त पवित्र तुरन्त सरग मों
मंगल सुर उच्चारी
भास्कर जग परकाशक यीशू
आश्रित करु निस्तारी।

४२६ (२७८)

H. T. B. 37.

mf यीशू स्वर्गन को प्यारो
यीशू वही है स्वर्गन को प्यारो
दीनन बन्धु सब गुन सिन्धु
आज पापिन कुं बचानो
जानो मानो प्रेम में तो सानो
उन को बचन सांचो प्रमानो
mf आवो धावो गुन उन के गावो
जे हैं निश्चय गुन निधानो

प्राण गंवायो त्राण लभायो
तिनने निवाह्यो मोक्ष विधानो
सरग निवासी सकल हुलासी
यीशू को नित वे गावें शुभ गानो
यीशूको नाम अब धामधाम कुंव्यापेसब
ग्रामग्राम कुंहोय अब याही बखानो
हे जगत जन तम आवो तो गावें हम
यीशू पियारो तुमहु यह मानो।

---

४२७ (२७९)

mf जय जगतारक प्रेम निधाना
तोहि बखान करूं मैं।

यीशू दयाल त्राण तुम कीयो
नित नित गुन गावूं मैं
तुम मम हेतु प्रान निज दीयो
अद्भुत प्रेम कहूं मैं।

मोहि अधम पर क्यों अस नेहा
कैसो मन मानूं मैं
कैसो तोर प्रेम हित सन्ते
सेवा भजन करूं मैं।

mp हे प्रभु मम सब काज निकम्मे
तुहरी आस धरूं मैं
जौलगि देह सहित जग जीवूं
तुहरे चरन गहूं मैं।

mf प्रेम पदारथ तुम मह बसही
करुणा निधि सुमरूं मैं
मोहे दोउ लोक सुधरे हैं
जो प्रभु आश्रित हूं मैं।

४२८ (२८०)

Z. 500.

mf जय जनरंजन जय दुःखभंजन
जय जय जन सुखदाई।
अशरन के शरनागति दायक
प्रभु यीशु जगराई।
पाप निवारन दुष्ट विदारन
सन्तन के सहजाई।
अद्भुत महिमा जगत दिखाये
भूमि निवासन आई।

अलख अगोचर अंतरजामी
नर तन देह धराई।
अतिगुन तेरो कत मैं गुनिहों
तारनि तें अधिकाई।
उदधि समाना प्रेम तिहारो
जामध्य जगत समाई।
ज्ञान अधम जन को प्रभु दीजे
बिन्दु समाना ठाईं।

---

४२९ (२८१)

H. T.B. 33.

mf जय प्रभु यीशु जय प्रभु यीशु
जय प्रभु यीशु स्वामी।

१ जय जगत्राता जय सुखदाता
जय जय प्रभु अनुपामी
जय भवभंजन जय जनरंजन
जय पूरन सत कामी।

२ पाप तिमिर घन नाशक तुमही
धर्म दिवाकर नामी
कलिमल दूषन हरता तुमही
संकट बट सहगामी।

३ नर तन धारि लियो अवतारा
तजि सुन्दर दिवधामी
दय निज प्राण उबारि लियो तु
पापिन बहु दुकामी।

४ अस गुन तेरो कस मैं गावों
छन्द प्रबन्ध न ठामी
अटपटि टेरन जानक सुनिये
पतित उधोरन नामी।

४३० (२८८)

H. T. B. 91.

mf यीशू नाम यीशू नाम
यीशू नाम गाउ रे।

१ यीशू नाम गुनन धाम
धर्म ग्रन्थ ठाउ रे
रटत नाम पुरत काम
सत्य प्रेम भाउ रे।

२ सूर उदित जलज मुदित
अस्तहि मुरझाउ रे
सन्त कमल नाम किरन
तैसही उगाउ रे।

३ नाम अस्त्र शस्त्र नाम
युद्ध बुद्ध दाउ रे
त्रिविध ताप जेहि दाप
सब दूरि जाउ रे।

४ सबहि हाल सबहि काल
भक्त शक्ति पाउ रे
जान अधम सोई नाम
नरनि मुक्ति ठांउ रे।

---

४३१ (२८६)

H. T. B. 94.

mf एक नाम यीशू सांच
सब झूठ औरु रे।

१ जेहि नाम छाड़ि मूढ़
पड़त भरम मौरु रे
अमिय मूरि सुखद कन्द
लखत नाहि बौरु रे।

२ आन नाम छलहि ठाम
हाथ लाय छौरु रे
उदर नाहि भरत खाय
घाट स्वान कौरु रे।

३ जैसही तृपा कुरंग
गहन चहत दौरु रे
आय निकट दूरि जात
जात प्राण ठौरु रे।

४ यीशू नाम तारन धाम
नाहि जगत औरु रे
जान जेइ सेइ लहत
सीस मुक्ति मौरु रे।

४३२ (२८१)

H. T. B. 81.

m १ मन भजो मसीह को चित से
वह तुम्हें उद्धारे नरक से
mp जो मन भूलो मन से वाको
तो कैसे बचोगे नरक से।

m २ दुःख सुख दोनो वाके बश में
वह तुम्हें बचावे विपत से
जब तुम पाप में डूब रहे थे
वह आया बचाने सरग से।

३ चार दिनन का मरा था लाज़र
वाको जिलाया क़बर से
भूले मत तू वाको आसी
वह तुम्हें चुना है जगत से।

४३३ (२८२)

H. T. B. 25.

mp जिन परतीत यीशू पर नाहीं
कस पावें भव पारा हो।

१ ज्ञानी पंडित जित जग भयेउ
डूब गये यहि धारा हो
m ईश्वर बचन अनादि अनन्ता
सोई देत सहारा हो।

m २ सरग छोड़ जग में प्रभु आयो
मेघ जहां अंधियारा हो
जननि गर्भ मनुज तन धारा
सकल सृष्टि करतारा हो।

mp ३ नर सब भरमें भेड़ समाना
जिन का नाहीं रखवारा हो
m तिन को यीशू महा सुख दीन्हा
दुःख सहि कीन्ह उधार हो।

mf ४ दास करे कहं लग परसंसा
प्रेम अमित विस्तारा हो
आवो सब मिलि प्यारो भाई
संत गहो निस्तारा हो।

४३४ (२८४)

H. T. B. 80.

m मैं तो यीशू को मन में मना रखिहूं
कोई मानो नमानो तोमैं क्याकरिहूं।

१ यीशू मसीह है तारणहारा
कोई जानो न जानो मैं जना रखिहूं।

२ यीशू मसीह प्रभु तुम्हरे दर्श को
मैं तोमन चितउधरही लगारखिहूं।

३ आसी की बिनती सुनो प्यारे बधुं
तुम चेतो न चेतो मैं चिता रखिहूं।

४३५ (२६७)

mp प्रभु जी मोहि प्रेम कर देखो
राखो पाप नियारा हो।
mf ईश्वर का अवतार भयो तुम
पापिन हित बलिदाना हो।
m धर्म्मआत्मा मो पर ढालो
हे प्रभु दयानिधाना हो।
mf निश्चय हो तुम सब का ईश्वर
सब जग जन का स्वामी हो।
m मम अवगुनतें मोहि बाचावो
हे प्रभु अन्तरजामी हो॥
सीस नवत हूं बारमबारा
तुम बिन को सुखदाता हो।
मेरे मन की आस पुरावो
हे पापिन के त्राता हो।
नित्य रहो प्रभु मम रखवारा
तुम अस प्रेमी नाहीं हो।
भूल न जावे निर्बद्ध हृदय
या कंटक बन माहीं हो।
कृपा करि बुद्धि बल दे मोहे
निज महिमा अनुसारी हो।
यश हो तोहे आश्रित होवे
सरग भुवन अधिकारी हो।

---

४३६ (२६६)

H. T. B. 1

mf यीशू मसीह मेरो प्राण बचैया।
जो पापी यीशू कने आवे
यीशू है वाकी मुक्ति करैया।
mf यीशू मसीह की मैं बलि बलि जैहूं
यीशू है मेरो त्राण करैया।
mp गहिरी वह नदिया नाव पुरानी
mf यीशू है मेरो पार करैया।
दीनानाथ अनाथ के बन्धू
तुमही हो प्रभु पाप हरैया।
आसी को अपनी शरण में रखिये
mp अंत समय मेरी लीजे ख़बरिया।

---

४३७ (३०१)

Z. 529.

mp तुम बिन मेरो कौन सहायक
प्रभु यीशू स्वर्गवासी ।
m अगिणित पापिन को तुम तारियो
तुम पै जो विश्वासी ।
दीन हीन शरणागत जेई
तोहि दियो सुखरासी ।
mp हम पापिन को उद्धारो प्रभु जी
कृपा दृष्टि निहारी ।
m औरन को प्रभु और भरोसा
हम को शरण तुम्हारी ।

---

४३८ (३०२)

H. T. B. 34.

mf यीशू दयानिधि सुमरो प्यारो
संकट शोक हरैया ।
विपत समय तुम वाहि पुकारो
वहि दुःख भंजन भैया ।
बहु दुःख मांहि काम वही आये
पुन वही काम अवैया ।
वापर सकल भरोसा राखो
सब को ज्ञान दिवैया ।
सगरो अघ दुःख हारक यीशू
अस को मुक्ति करैया ।
तन मन सांत्वन वातें मिलहीं
निज वल कछु न मिलैया
आश्रित तोहि कहत हैं प्रभु जी
तू मम आस पुरैया ।

४३९

G. 608.

१ और किसी बात की बड़ाई न करें
यीशू मसीह के क्रूश को छोड़ ।

२ खीष्ट के क्रूश पर चढ़ाया गया
तौभी मैं अब तक जीता हूं ।

३ मैं तो नहीं पर यीशू मसीहा
वही मुझ में जीता है ।

४ वह मृतकों से उठाया गया
ताकि मैं धर्म्मी ठहेरा हूं ।

५ जब मैं पापी हो रहा था
खीष्ट मेरे लिये मर गया ·

६ पाप के लिये मृतक होके
ईश्वर के लिये मैं जीऊंगा ।
७ यीशू मसीह शरीर में आया
पाप पर दण्ड की आज्ञा दिई।
८ उसके संग जो हम दुख उठावें
तो महिमा भी पावेंगे ।
९ यीशू ने आप को खुश न किया
दुष्टों की निन्दा सह लिया ।
१० और किसी बात को हम न जानें
मारे गये खीष्ट को छोड़ ।
११ दाम दे खीष्ट ने हमें मोल लिया
तो उसकी महिमा प्रगट कर।

मसीह का अवतार लेना.

४४० (२६८)

mf जय परमेश्वर प्रेरित आवत
सोहत प्रभु सुख दाई ।
जय जय दाऊद वंश उजागर
शांति जगत जिन लाई ।
जगत भूआला जय शुभशाला
प्रगटे निज पुर आई ।
को तुमरे सम अधम उधोरन
किन की अस प्रभुताई ।
जय जन रंजन जय दुःखभंजन
जय खलगंजन सांई ।
m लोक सुहावन शोक नसावन
युग युग तोर दुहाई ।
त्राहि त्राहि नर नारी टेरें
जान अधम हरखाई ।

४४१ (२८४)

mf क्यों नहीं गैहों गुन शतबारा
अस मित है नहीं यह संसारा ।
१ तीन लोक पति नर तन लेके
mp सह्यो दुःख औ शोक अपारा ।
m २ प्राण दान जग हेतु कियो है
जगत कहीं नहीं ऐसो प्यारा ।
३ यीशु समीप चलो नर पापी
वह निश्चय जग तारनहारा ।
m ४ वैरिन हित वैरिन में आयो
mp छल करि वैरिन वाहि संहारा ।
m ५ मित्र निमित्त नर मरत न कोई
शत्रुन को प्रभु कीन्ह उधारा ।
mf ६ आश्रित लाखों धन्य कहत है
धन्य सदा प्रभु नाम तिहारा ।

मसीह का जीवन चरित्र.

H. T. B. 85.

४४२ (२७१)

mf १ बैतलम की पैदाइश यरूसलम है वास
नज़ात के बाइस थी पैदाइश भी ख़ास

m अपने प्यारे प्रभु को मैं कहां पाऊंगा
गले डाले क्रूस को उठाए रहूंगा
अपने प्यारे प्रभु वग़ैरः ।

mf २ समुन्दर की लहरों को थांबा किया
टूटे हुए दिलों को जुड़ाता फिरा ।

३ इस दुन्या के शहरों में घूमा किया
और बहुत से बीमारों को चंगा किया ।

४ इस दुन्या के शहरों में घूमा किया
मरे हुओं को वह जिलाता फिरा ।

५ इस दुन्या के लिये सब दुःखों को सहा
m हमदर्द ऐसे खोजूं तो कहां पाऊंगा

६ लाचारों का साथी बीमारों का यार
p देख ख़ून का पसीना था कैसा पियार ।

m ७ गुनहगारों की ख़ातिर वह हुआ था क़ुरबान
mf मुआफ़ी पावेगा जो लावे ईमान ।

---

४४३ (२७२)

H. T. B. 84.

mf हम यीशू कथा प्रचार करें
सब मानुष जासु दया सुधरें।

१ तन ते प्रभु दीनन नाथ फिरत
निज हाथन रोगिन शोक हरे
दिधवा बिनती जब कान सुने
तबहीं मनसा प्रभु तासु भरे।

mf २ प्रभु कोढ़िन अंग अपावन पै
सुख देवन को निज हाथ धरे
तमवासिन पै अस कीन्ह मया
सत सूरज हो जग को उतरे।

mp ३ दुःख संकट यीशू अपार सहा
जिहि कारन से नर लोग तरें
नित रैन दिना प्रभु यीशू दया
हम आश्रित हो बहुधा सुमरें।

---

४४४ (२७४)

Z. 610.

mf मैं गुण तुम्हारे गाउंगो
यीशु मैं गुण तुम्हारे गाउंगो।
बिजय स्वरग भुवन में
छोड़के आप या भुवन में
आये निस्तार करनो जन।
भये ईश्वर अवतार
मैं कहा करूंगो विस्तार
यीशु है अनाथ को धन।
आपने कियो जब आरंभ
बहुत मे किये तब अचंभ
जिनतें ईश्वर प्रगट भये।
अंधे देखन पावत भये
गूंगे बचन बोलत भये
लंगड़े कूदत फिरत रहे।
आप से रोगी अच्छे भये
मरे जीके फिर उठ गये
ऐसे तुम ने किये बहुत।

mf पकड़े जे थे भूतन तें
निकरे गये भूत उनतें
सब तुम्हारे बशिभूत।

m जैसे आप ने यह सब किये
तैसे हमतें अब कीजिये
मिटाईबेकुं हमारो पाप।
बचन बजन लोचन देउ

मरे सभनकुं जिलाउ
हमतें टारो सब संताप।
हम सब पापी अपराधी
गुण तुम्हारे सो अगाधी
आप ने दियो प्रान को दान।
mf कैसो प्रेम तुम्हारो प्रभु
ऐसो कौन मिलेगो कभु
हे यीशु हो हमारो त्रान।

मसीह की मृत्यु.

४४५ (२७३) *H. T. B. 9*

mp पातक दण्ड छुड़ावन यीशु
कूश उठायो अति दुःखदाई।
p परवत नाईं अघ मम भारी
अपनो तन पर लीन्ह उठाई।
बोझ लिये प्रभु अंग पसीना
रुधिर समाना टपकत जाई।
हाय हाय अस पाप हमारा
जीवन पति को जगतं बुलाई।
p मेरे पातक कारन सौंपे
जो दुःख लीन्ह कहा नहिं जाई।
निशि भर वैरिन अति दुःख दीन्हा
प्रात विचारासन पहुंचाई।
बहु विध झूटे दोष लगाये
तौ प्रभु अद्भुत धीर दिखाई।
बांधे कर सिर कंटक गूंथे
कांधे पर फिर कूश धराई।
तब प्रभु को डाकुन के साथे
विकट काठ पर घात कराई।
यीशु दयामय जग जन त्राता
कूश चढ़ाये संकट पाई।
ठोंके कील हाथ पगु सुन्दर
रक्त बहा नर मुक्त उपाई।
m कहिं है दास धरो मम प्यारो
प्रभु पर आशा सब सुखदाई।
बाढ़े धरम करें शुभ कामा
शोकदोख मध्य साहस पाई।

४४६ (२७७)

H. T. B. 90.

mp करूणा निधान
प्रभु यीशू सुनिये करूणा मेरी ।
mp तुम दीनन के हितकारी
नर देह अपनो धारी ।
मसीह नाम धरायो
सब शिष्यन के मन भायो ।
हम दोषी दीन बेचारो
सब पापनतें निरवारो ।
m तुम दयासिन्धु जग में
p हम डूब रहे हैं अघ में ।
नर प्रानन के रखवारो
भयमोचन नाम तिहारो ।
mp हम बूड़े जात थामें
यह गान तुम्हारो गामें ।
भवसिन्धु अगम अपारी
अब लीजे बेग उधारी ।
अब कृपा दृष्टि कीजे
तन मन अपनो कर लीजे ॥

---

४४७ (३०७)

H. T. B. 70.

mp लखो रे नर आपन निर्बल शरीर
१ प्रान पुरुष जब निकसन लागे
रोके को बलवीर ॥
२ धन सम्पति अरु कुल परिवारा
पड़ा रहा यहि तीर ॥
m ३ यीशू मसीह की शरण गहो तुम
वही देत मन थीर ॥
४ पापिन कारण रक्त धारागा
दीन्ह जगत को नीर ॥
५ जो यह नीर पियत मन लाई
पावत तन मन धीर ॥
mf ६ ताको यीशु अन्त दिन रूं
देगो अमर शरीर ॥

मसीह के पास आना.

४४८ (२७५) *H. T. B. 64.*

m प्रभु यीशु मसीह बिन कौन हमारो
हम तो हैं प्रभु दास तिहारो
mp पाप की अग्नि अति दुःखदाइ
इस अग्नि को निवारो।

१ मेरो मन प्रभु मानत नाहीं
अपनी दयातें सुधारो ।
दीनहीन हम हैं बेचारे
किरपा दृष्टि निहारो।

२ मैं अति पापी कर्म को नाहीं
आप निबाहनहारो ।
यीशू है दुःख बूझनहारो
तुम बिन कौन हमारो।

३ पापिन कारन प्रान दियो है
पाप का भार उतारो।
आसी तुम्हारी शरन गहत है
मेरो पाप बिसारो।

---

४४९ (२८२) *H. T B. 76.*

mp अरे हाँरे मन यीशू को जपना
यीशू सिवा कोई पार न करि है
यीशू पर चित धरना।

१ माया मोह बीच फल नाहीं
यीशू को रटना।
जब लग प्राण रहत है घटमों
तभी तलक अपना।

२ ज्ञान ध्यान से देखो मनमों
दुनया है सपना।
कहता है आसी सुन भाई साधू
आख़िर है मरना।

४५० (२८३)

H. T. B. 88.

mp मन काहे को होहु निरासा
प्रभु यीशु पे राखो आसा।

m १ जिन मर्त्तभुवन में आये
तिन मुक्ति पदारथ लाये
तुम बातें करो प्रतिश्रासा
तब पैहो सरग निवासा।

२ यीशु मृत्युभुवन जयकारी
तिन सरगलोक अधिकारी
आसी बातें करो तुम आसा
तब पैही मनमें दिलासा।

---

४५१ (२९३)

H. T. B. 52.

mp मन मन्दिर आये प्रभु यीशु
कीजे अपनो वासा जी।

१ यही अपावन मन्दिर माझे
शत्रुन डारयो पासा जी।
प्रभु तुम ताको काढि दुराओ
दिखाय दंडक त्रासा जी।

mp २ चौंदिश घेरे विषय विरोधी
मन वच काया ग्रासा जी।
काह करों कछु सूझत नाहीं
तेरो त्रानक आसा जी।

३ जोग न जौपैहों प्रभु तेरो
करहु दया परकासा जी।
विपतिसह्यो तुम दुखितन कारन
मेरो यही दिलासा जी।

४ और करो मति मोर परेखन
छनिक भरे यहि स्वासा जी।
केते पतितन तुम तारयो प्रभु
जानहु तेरो दासा जी।

४५२ (२९५)

Z. 611.

mp मसीहा बिना कौन हमारा साथी ।

१ अल्प दिवस के कारण हम सब
होय रहे जगवासी ।

२ जात रहत जग सपन समाना
भोरे रहत उदासी ।

m ३ अचल-जगत में वास करन को
हो प्रभु पर विश्वासी ।

mf ४ निश्चय पावत हर्ष अपारा
जो नर सरगनिवासी ।

५ जहां जाय विश्राम करो तुम
तहां विविधि सुखरासी ।

४५३

Z. 522.

मसीह जी को सुमरो भाई
तुम सर्ग धाम सुख पाई ।
सुमरन कीजे चित में लीजे
सत्य सीलता पाई ।
आनन्द हैके जै जै कीजे
अन्तर ध्यान लगाई ।
यह ज़िन्दगानी फूल समानी
धूप पड़े कुम्हलाई ।
अवसर चूक फेर पछितैहो
आख़िर धक्का खाई ।
जो चेते सो होत सवेरे
क्या सोचे मन लाई ।
कुल परिवार काम नहीं आवे
प्राण छूट छीन जाई ।
सत्य पदार्थ खीष्ट जग आप
सब पापी अपनाई ।
निहचल वास करो निस वासर
अमर नगर को जाई ।
अन्तर मैल भरो बहु भारी
सुधि बुधि में बिसराई ।
यीशू नाम की विन्ती कीजे
अवगुण में गुण पाई ।

पश्चात्ताप

४५४ (२८६)

H. T. B. 102.

mp यीशु पैयां लागौं। नाम लखाई दीजौ हो

१ जग अंधेरे पथ नहीं सूझे
दिल को तिमिर नसाई दीजौ हो।
२ जनम जून कौ सोवत मनुआ
ज्ञानक नीन्द जगाई दीजौ हो।
३ हम पापिन की अर्ज़ मसीह जी
पापक वन्द छुड़ाई दीजौ हो।

---

४५५ (२९०)

H. T. B. 100.

mp प्रभु यीशु दरशन दीजे जी
मोहे शरन अपनो लीजे जी।
mf १ तुम तो जग के तारनवारे
mp हम तो पापी दीन बेचारे।
कृपा अपनी ही कीजे जी ॥
mf २ तुम तो हो सरगन के राजा
आय जगत में दीनन काजा।
mp मोहे अपनो कर लीजे जी ॥
mf ३ यह शैतान बड़ो दुःखदाई
या ने जगत सकल भुलाई।
याको बन्धन कीजे जी ॥
mp ४ हम तो इन विषयन में भूले
घर की चिन्ता में रह फूले।
धरमात्मा दीजे जी ॥

---

४५६ (३००)

H. T. B. 79.

mp हे मेरे प्रभु
मो पापी उद्धारियो।
छांड़ो न कभू
न मोहे बिडारियो ॥
हे प्रभु मैं पापी
यह निश्चय आप जानियो।
हाय कैसो संतापी
मो दुःखी पहिचानियो ॥
हे कृपा निकेतु
मो पापी पै लखियो।
और तारन के हेतु
मोहे चरण पै रखियो ॥

p मैं अति अशुद्ध
अशुद्ध कुं शुद्ध करियो ।
मैं अति निर्बुद्धि
निर्बुद्ध कुं बुद्धि भरियो ॥
मैं अधम अयोग
तो आप यह न मानियो ।
पै आप पापी लोग
नित अपनी ओर तानियो ।
mp जब होयगो मरन
तब प्रभु शान्त करियो ।
m और जबलों है जीवन
मोहे प्रेम करके भरियो ॥

---

४५७ (३०५)

H. T. B. 4.

p या जग में हैं पाप घनेरे ॥

१ काम क्रोध मद माया जग में
वास करत सब के मन में रे ॥
२ या जग पर विश्वास न कीजे
जावेगा यह बीत सवेरे ॥
३ रे मन मूढ़ सचेत रहो तुम
जीवन दिन कत हूंगे तेरे ॥
m ४ प्रभु यीशू पर धरो बिश्वासा
वामें हैं आनन्द घनेरे ॥
५ आजिज़ की यहि बिन्ती प्रभु जी
पाप क्षमा अब कीजे मेरे ॥

---

४५८ (३०६)

H. T. B. 78.

mp करो मेरी सहाय मसीहा जी
तुम बिन कछु न सहाय ॥
१ दरशन दीजै अपनो कीजै
लीजै मोहि बचाय ।
m २ या जग को निस्तारन कारन
जनम लियो तुम आय ॥
mf ३ तीन दिना में उठे कबरतें
देशिनतें बतराय ।
m ४ सुन लीजै प्रभु बिनती मेरी
अवगुन पै नहीं जाय ।

४५६ (३२८)

प्रभु ने सुधि लीन्ह हमारी ॥

भूमि आकाश के नाथ नरो तुम देह मनुष्य की धारी।
आप यीशु बलिदान भये हैं जगत दीन्ह हैं उधारी ॥
डूबत थे हम नरक कुण्ड में पोट थी पाप की भारी।
सत्य की नाव बने प्रभु यीशु दी हैं सब पार उतारी ॥
जब यीशू प्रगट हूये भूमि पर चरचा करें नर नारी।
सारे जगत के पाप मोचन को भये निष्कलंक अवतारी ॥
रक्त मसीह को रंग बनो है देह बनी पिचकारी।
रुह-उल-कुदुस ने फाग रचो है सब सन्तन रंग डारी ॥
मैं विश्वासी दास यीशू का जिन गज सब निस्तारी।
पाप भए अत्यन्त हैं मो से तोहो मोरी सुधि न बिसारी ॥

जीवन की चंचलता और मृत्यु.

४६० (२८५) *H. T. B. S.*

mp जो तुम जीवो तो कर लो विचारा
यीशू है मेरो सिरजनहारा ॥
१ जीवन मरन यही सन्सारा
यीशू नाम से होत सुधारा ॥
२ मातु पिता दुःख देखि निहारें
कोई नहीं दुःख बांटनहारा ॥
३ बेटी बहिन और घर की नारी
रोअत विलपत सब परिवारा ।
४ लोग बाग सब सोचन लागें
हंस कहां गया बोलनहारा ॥
५ अबही चेतो हे अभिमानी
काल सिरहाने आय पुकारा ॥
mp ६ उठ रे पापी तोही बुलाई
अगिन जहां नहीं बुझनहारा ॥
७ यीशू के लोग जहां जत होई
सुनत नहीं यह बोल करारा ॥
८ धर्म रूप तब कहत सुनाई
चलिये प्रभु दरशन को प्यारा ॥

४९१ (३०३)

H. T. B. 9.

mp १ क्यों मन भूला है यह संसारा
मन मत दे टुक कर ले गुज़ारा
इस जग में सुख नित नहीं भाई
यह तो है जैसे पानीकी धारा।

p २ मात पिता और खेश कुटुंब सब
संग नहीं कोई जावनहारा
अंत समय सब देखन अइ हैं
छन भर में सब हो हैं नियारा।

३ जो कुछ अंग में होगा तुम्हारा
वह भी सब मिल लेहैं उतारा
pp नरक अगिन में जब तुम पड़िहो
तब नहीं कोई बचावनहारा।

mp ४ भाई मुकत की खोज करो तुम
यीशू मसीह प्रभु तारणहारा
आसी तो प्रभु दास तुम्हारा
तुम बिन नाहीं कोई हमारा।

४९२ (३०४)

H. T. B. 31.

m १ सूरज निकला हुआ सवेरा
अब तक तू क्यों सोता है।

mp २ काल खड़ा है सिर पर तेरे
ना-हक़ जीवन खोता है।

३ ज्ञानी पण्डित ज्ञान बिचारे
वेद पढ़े जस तोता है।

४ कुकर्म्म करके माया जोड़ी
पाप नहीं निज धोता है।

५ तसबीह पढ़ पढ़ उमर गुज़ारी
कलिमे से क्या होता है।

६ दिल में चोर घुसा है भाई
हर दम सोचे रोता है।

७ चेला बनके गुरू बना फिर
कड़वे बीजा बोता है।

m ८ चलो प्यासो पास यीशू के
सोई जल का सोता है।

९ निर्बल को वह बली बनावे
जो कह दे सो होता है।

४६३

H. T. B. 32.

अस घर जग में कोई नहीं
जिस घर मैं न जाती हूं।

१ ताक लगाए हाज़िर रहती
जिधर इशारा पाती हूं।

२ जिसे बुलाता साईं मेरा
मैं ही लेने आती हूं।

३ हुक्मी चेरी मैं हूं उसकी
तुरतहि हुक्म बजाती हूं।

४ लोहालकड़ी कुछ नहीं लागती
चुप के तीर चलाती हूं।

५ डरती कभूं न फ़िराऊन से
खुले ख़ज़ाने आती हूं।

६ भाई भतीजे रोवत पीटत
मात पिता से छुड़ाती हूं।

७ जो कोई हो शैतानका बंदा
नरक उसे ले जाती हूं।

८ यीशू मसीह की बलि बलि जाओ
निर्बल तुम्हें बताती हूं।

४६४

G. 593.

अपना कोई नहीं है जी।

१ धन यौवन का गर्व न कीजे
सिर पर मौत न मानी बन्दा
एक दिन ऐसा होगा बन्दे
तू डूबें बिन पानी
अपना कोई नहीं है जी
बिन प्रभू परमेश्वर हरगिज़
मुक्ति नहीं है जी।

२ बिन रुखना नगरी न सोहै
बिन करन जन करइयां (बन्दे)
बिन पुत्र माता ना सोहै
लाख सोने में जड़इयां।

३ मानुष चोला हुआ पुराना
कब लग सीवे दरजी (बन्दे)
दुख का भंजन कोई न मिलैया
जो मिलइया सो गर्जी।

४ माटी ओढ़ना माटी बिछौना
माटी का सिरहाना (बन्दे)
एक दिन ऐसा होगा बन्दे
माटी में मिल जाना।

५ जबलग तेल दिया में बाती
जगमग जगमग हो रही (बन्दे)
जल गया तेल निबर गई बाती
ले चल ले चल हो रही।

६ चार भाई के कांधे चला
चढ़े काठ की घोड़ी (बन्दे)
मरघट में तो आ उतारा
फूंक दिया जैसे होरी।

७ हाड़ जले जैसे सूखी लकड़ी
केश जले ज्यों घास (बन्दे)
कंचन काया यों जले तो
कोई न आवे पास।

८ मात कहे यह पुत्र हमारा
बहिन कहे बीर मेरा (बन्दे)
भाई कहे यह भुजा हमारी
नारी कहे नर मेरा।

९ सदा न बाग न बुल बुल बोले
सदा न बाग बहारां (बन्दे)
सदा न भावै हुस्न जवानी
सदा न सोहबत यारां।

१० तीन दिना तेरी तिरिया रोवै
जीवै जबलग माता (बन्दे)
मरघटलग तेरा कुटुम्ब कबीला
हंस अकेला जाता।

११ घर की तिरिया झर झर रोवै
बिछुर गई मेरी जोड़ी (बन्दे)
दास प्रभू यों उठि बोले
जिन जोड़ी तिन तोड़ी।

प्रार्थना.

४६५ *H. T. B. 11.*

प्रेम निधान सुकिरपा कीजे
दरशन हे प्रभु हमको दीजे।

१ हम अति पापी तन औ मन सों
हे प्रभु पाप क्षमा अब कीजे।

२ सेवक हम हर भांति निकम्मे
बल बुध देकर सेवा लीजे।

३ यह भवसागर में नित शंका
प्रति दिन सेवक रक्षा कीजे।

४६६

H. T. B. 26.

यीशू नाम तुम्हारो प्रभुजी
किरपा दृष्टि निहारो जी।
१ तुम परमेश्वर नर तन धारा
मेरो शंकट टारो जी।
२ झूठे भक्त जो भक्त कहावें
सब को भरम मिटाओ जी।
३ पत्थर पूजके गति नहिं पावें
अपनो शरन लगाओ जी।
४ पापिन कारन प्राण गंवायो
यीशू दयाल हमारो जी।

४६७

H. T. B. 95.

हो प्रभु अब करहु छेम
हों गुलाम तेरो
१ बार बार घटी भई चूक भई
घनेरो
आये अब निकट तोर मोर
ओर हेरो।
२ यीशू विदित तोर नाम
स्वामी तुम मेरो
कौन पास दास जाय कोह
कौन केरो।
३ आस युक्त जोरि पाणि अनु-
तापित टेरों
एक बेर मोहि ओर करण
अपन फेरो।
४ लीजिये उबारि मोहि कठिन
काल बेरो
जान अधम सीस नाय पड़त
चरण तेरो।

---

४६८ (२८७)

H. T. B. 66.

mf १ जै जै ईश्वर जै प्रभु यीशु
जै सब विध सुखदाई।
रैन समय प्रभु चैन दियो तुम
दियो प्रात जगाई॥
m २ सकल दिवस के कारन हे प्रभु
कीजे मोर सहाई।
मन मतंग पै ज्ञान तिहारो
अंकुस राखु लगाई॥
३ सुत पर पिता दयालु जैसे
करही जानि भलाई।
सेवक पर नित तैसा कीजे
रखिये पाप बचाई॥

पूजा दर्पन.

४६९ (२९६) Z. 608.

हमारा मन लागा यीशू जी के चरण।

m कोई पहिरे कंठी माला
कोई तिलक लगावे जी।
कोई गले में सेली पहिरे
कोई गले में तागा जी॥
कोई अंग भभूत लगावे
कोई ओढ़े मृगछाला जी।
कोई काला कंबल ओढ़े
कोई फिरत है नागा जी॥
कोई पूजे देवी देवा
कोई गंग नहावे जी।

कोई पीपर पानी छोड़े
कोई जिमावे कागा जी॥
कोई बन बन तीर्थ भरमे
कोई बांह सुखावे जी।
कोई पंच-अगिन को तापे
देख भरम में भागा जी॥
प्रभु दास बिनवै कर जोड़े
सुन बालक नर नारी जी
यीशू मसीह ज़ु दाया कीन्ही
भरम नींद से जागा जी।

बारिश.

४७० (३४९) H. T. B. 101.

mp जौन बनि पावस आंइयां
mf विपिनी विहंगम बोलन लगे
मनहर बोल बनाईआं।

रवत झिंगुर गुंजत अलि घूमी
भूमि रमत रस पाईआं
कुकु कुकु कुकु कुकु कोकिल कुहुके
सुनि सुनि मन उरझाईआं।

बोलत मधु बन सुन्दर मोरवा
नाचत सुभ गाती लाईश्रां
पिउ पिउ पिउ पिउ टेरत पिउहा
मोद मुदित उपजाईश्रां।
सन नन नन नन वह पुरवैया
फह फह फुहि बरसाईश्रां

त्रिन तरवर बन हरिअर भउ सब
गुन गावत सिर नाईश्रां।
शक्ति प्रभा प्रभु छवि दरसावत
प्रेम सहित समुझाईश्रां
अकथ किरपा गति चउंदिश हेरी
जान अधम हरकाईश्रां।

बालकों के लिये·

४७१ (२७०)

mf तारक ईसा अपार दयानिधि।
बालक धर्म जतायो॥
दाऊद पुर मों जन्म लियो प्रभु।
मरियम सुत कहलायो॥
mf जग कर्त्ता नर काया धरके।
यूसफ़ टहल बजायो॥
ले बालक तन सरल सुभावे।
नित सत भक्ति पुरायो॥

द्वादश बरस तरुन मन्दिर मों।
ज्ञानिन गर्व निवायो॥
मातु पिता के तब बशि भूता।
ग्राम नासरत धायो॥
जासु बाल सम दीन सुभावा।
ताको शिख ठहरायो॥
या बलहीनहि बालक जान्ये।
चरन गहन जो आयो॥

---

४७२ (२८८) *H. T. B. 55.*

mp अहो प्रभु जी मम ओरहि कान लगाना ॥

बालक हों प्रभु तोर घराने
मोहिं करहु सियाना ।

सींचहु यह अति कोमल पौधा
होवे नित फलमाना ।

m यह घर अपने योग्य संवारो
जेहि कियो निरमाना ।

दुष्ट जगत पर हों जयकारी
खीष्ट बिजय के ध्याना ।

प्रेम धीर बुंध देहु दयानिधि
दिनदिन काज समाना ।

परमधाम पथ आश्रित बाढ़े
सहते श्रम दुःख नाना ।

ग़ज़लें.

ख़ुदा की तअ़रीफ़.

४७३ (३०८) H. T. B. 138.

mf या रब्ब तेरी जनाब में हर्गिज़ कमी नहीं।
तुझ सा जहान के बीच तो कोई ग़नी नहीं॥
c जो कुछ कि ख़ूबियां हैं सो तेरी ही ज़ात में।
तेरे सिवाय और तो कोई धनी नहीं॥
आसी की अर्ज़ तुझ से है तू सुन ले ऐ ग़नी।
अपने फ़ज़ल के गंज से तू कर मुझे धनी॥

मसीह की तअ़रीफ़.

४७४ (३२६६)

ऐ भाइयो सब मिल के करो शुक्र ख़ुदा का।
हामी है गुनहगारों का फ़रज़न्द ख़ुदाका॥
क्योंकर न करें शुक्र सदा सारी सिफ़्तों का।
क़ुरबानी बना जिनके लिये बेटा ख़ुदाका॥
ऐ भाइयो सब मिलके करो शुक्र ख़ुदाका।
हामी है गुनहगारों का फ़रज़न्द ख़ुदाका॥
उसे भेड़के बच्चे की तरह ले गये ज़ालिम।
मुंहसे न बोला कुछ न किया देख सब आलिम॥
हाथों में ज़ख़्म करके उस को कीलों से ठोंका।
दुशमन थे ईसाके न ज़रा ख़ौफ़ ख़ुदाका॥
पानी के बदले पीने को सिरका दिया था
अफ़सोस सद अफ़सोस दिन के तीसरे घड़ी वह मरा॥
कबरों में सफ करके बिठाया था पहरा।
वह तीसरे दिन जीके उठा बेटा ख़ुदाका॥

४७५ (३१७) *Z. 482.*

m क़बूलो दिल से ईमान-इ-मसीहा
पढ़ो दिन रात फ़रमान-इ-मसीहा ।
mf बशर क्या कर सके तश्रीफ़ उस की
मलायक हैं सनाख़्वान-इ-मसीहा ।
m बचाया आसियों को होके मसलूब
कि अद्ल ओ रहम है शान-इ-मसीहा
mp बहाया खून उस ने इस लिये है
गुनहगारों पै इहसान-इ-मसीहा ।
m मुक़र्रर बख़्शा जावेगा दिला वह
जो पकड़े दिल से दामान-इ-मसीहा ।
गुनाहों के बिलइवज़ में हमारे
गई देखो तो है जान-इ-मसीहा ।
सफ़ीर-इ-पुर-ख़ता मायुस मत हो
भुला मत दिल से फ़ैज़ान-इ-मसीहा ।

४७६

तू मेरे दिल का है अज़ीज़, या मसीह २
तुझ बिन नहीं है कोई चीज़, या मसीह २
तू मेरा राजा है यीशु बचानेवाला सत गुरु
तन मन और धन का मालिक तू, या मसीह २ ।
१ हो दौलत दूसरे लोगों की, या मसीह २
तू सच्ची दौलत है मेरी, या मसीह २
क्या फ़ायदा होगा सोने से, या मौत आवे मेरे लिये
तब पुकारूंगा मैं तुझे, या मसीह २ ।

२ रात दिन तुझी से बात और चीत, या मसीह २
गो दुआ हो या गाऊं गीत, या मसीह २
तू सब से पहिले और पीछे, तसल्ली देता है मुझे
तू प्यारा है सब लोगों से, या मसीह २।

४७७

रब्ब ख़ुदावन्द बादशाह है
वह जलालदा बादशाह है।

१ ऊंचे करो सिर दरवाज़ो
ऊंचे हो सब द्वारो
जहां जलालदा बादशाह आवे
सिर तब ऊंचे करो।

२ यह जलालदा बादशाह कौन है?
कौन बादशाह कमाल दा?
रब्ब जो जंग बीच है ज़ोरावर
वह बादशाह जलाल दा।

३ यह जलालदा बादशाह कौन है?
कौन बादशाह कमाल दा?
लश्करों का रब्ब ख़ुदावन्द
वह बादशाह जलालदा।

दुआ।

H. T. B. 183.

४७८ (३०६)

m करूं हम्द ऐ रब्ब मैं तेरी सदा।
रख अपने ही दर का मुझे तू गदा॥
ब-जुज़ तेरे हर्गिज़ नहीं और है।
तु ही हैगा बे-शक सभों का ख़ुदा॥
तेरे फ़ज़ल का हूं मैं उम्मेदवार।
हूं दिल जान से मैं तो तुझ पर फ़िदा॥
तू अपने करम से बचा ले मुझे।
तू अपने फ़ज़्ल का मुझे दे रिदा॥
mp फ़क़त मुझको उम्मेद है तुझ सेती।
गुनाहों का है बोझ मुझ पर लदा॥
है अफ़ज़ल मुहब्बत तेरी ऐ मसीह।
था बख़शिशको हमसबकी तूही फ़िदा॥
यही इलतिजा तुझ से है ऐ मसीह।
इस आसीको हर्गिज़ न कीजियो जुदा॥

४७९ (३१४) *H. T. B. 130.*

mp मेरा नहीं है कोई मददगार या मसीह
तू ही है हम सभों का मददगार या मसीह ॥

१ अब ले ख़बर शिताब न कर वार या मसीह
फ़र्याद मेरी तुझ से है हर बार या मसीह ॥

२ तेरे सिवाय कोई नहीं यार या मसीह
बन्दा हूं तेरे दर का गुनहगार या मसीह ॥

३ तू ही है आसियों का ख़रीदार या मसीह
अज़बसकि हूं गुनाह में गिरिफ़्तार या मसीह ॥

mp ४ करता है आसियों को तू ही प्यार या मसीह
हम आसियों की तुझ से है गुफ़्तार या मसीह ॥

५ तेरी तरफ़ सभों की है रफ़्तार या मसीह
करता हूं मैं गुनाहों का इक़रार या मसीह ॥

६ हूं मैं गुनाह में अपने शरमसार या मसीह
हरगिज़ न डालियो मुझे दर नार या मसीह ॥

७ शैतान मुझ से करता है तकरार या मसीह
रूह-उल-क़ुद्स की दे मुझे तलवार या मसीह ॥

८ आसी की है तुझी सेती दरकार या मसीह
तुझ बिन करेगा कौन मुझे पार या मसीह ॥

४८० (३१५) *H. T. B. 112.*

mp करता हूं तुझ से इलतिजा
यीशू मसीह फ़रयाद सुन
क़ुरबान तेरे नाम का
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।
तेरे सिवा और कौन है
बख़्शेगा जो मेरे गुनाह
मुआफ़ कर मेरी ख़ता
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।

mp हम सभों के वास्ते ख़ुद
आप अपनी जान दी
मुझ को भरोसा है तेरा
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।

चार दिन का मुरदा लाज़र
बात से तेरी उठा
दे हयात अबदी मुझे
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।
दर्द मेरे दूर कर
हरगिज़ न हो मुझ से ख़फ़ा
मुशकिल मेरी आसान कर
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।
जो दस हुक्म हक़ ने दिये
मैंने नहीं उन को किया
लाइक़ जहन्नम का हुआ
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।
जब याद करता हूं तुझे
दिल जान से गर एक बार

mp आकर भुलाता है लईन
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।
मैं बहुत कमज़ोर हूं
ईमान कर मुझ को अता
दे मुझे रूह-उल-क़ुदुस
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।
थरथराता हूं गुनाहों
बीच में अपने सदा
तू कर फ़ज़ल आसी ऊपर
यीशू मसीह फ़रयाद सुन।

Z. 462.

४८१ (३१८)

mp १ दर-इ-पाक से फिरके मैं जाऊं कहां
कहीं दर्द-इ-गुनाह की दवाही नहीं
तप-इ- जुर्म से ज़ार-ओ-नहीफ़ हुआ
मुझे और दवा से शिफ़ा ही नहीं ॥

m २ तेरा नाम है मरहम-इ-ज़ख़्म-इ-दिली
यह ख़बर मुझे रूह-इ-क़ुद्स से मिली
p तेरी ज़ात है मुज़ीहर-इ-राज़-इ-ख़फ़ी
कोई तुझ सा जहान में हुआ ही नहीं ॥

३ मैं ने उम्र भर अपनी गुनाह ही किया
m मुझे बख़शिये ऐ मेरे बार-इ-ख़ुदा
तेरे आगे मैं होता हूं अरज़-रसा
कि सिवा तेरे और ख़ुदा ही नहीं ॥

mf ४ तू ने कलमे से मुरदों को ज़िन्दः किया
तू ने संदहा मरीज़ों को बख़शी शिफ़ा
जो कि रूतबः ख़ुदा से है तुझ को मिला
किसी और नबी को मिला ही नहीं ॥

mp ५ जिन्हें नाम से तेरे है बुग़ज़ सदा
उन्हें जल्द तू अपना किरिशमः दिखा
उन्हें रूह-इ-मुक़द्दस कर तू अता
जिन्हें ख़ौफ़ ख़ुदा का ज़रा ही नहीं ॥

m ६ दिल-ओ-जान से भरोसा तुझी पे रखूं
दम-इ-नज़अ़ ज़बां से मसीहा कहूं

तेरे बन्दों के मैं भी शुमार में हूं
मेरी इस्से ज़ियादः दुआ ही नहीं।

७ यह जहान है आलम-इ-रंज ओ अना
न सफ़ीर दिल अपना यहां पै लगा।
न रहेगा यहां पै न कोई रहा
कि है रहने की यह तो सरा ही नहीं।

गुनाह की पहचान.

४८२ (३१९) *H. T. B. 120.*

p गुनाहों को अपने जो हम देखते हैं
तो ग़ज़ब-इ-इलाही वहम देखते हैं।

१ अगर ग़ौर करते हैं फ़िअ़लों को अपने
तो लाइक़ जहन्नम हैं हम देखते हैं।

२ अरे दिल तू ग़फ़लत में कब्र तक रहेगा
तेरे वास्ते दर्द ओ ग़म देखते हैं।

p ३ गुनाहों में पे दिल रहा तू जो माइल
सज़ा उस की पाएगा हम देखते हैं।

४ तुम्हारे गुनाहों की बख़्शिश की ख़ातिर
मरा है मसीह ख़ुद यह हम देखते हैं।

m ५ जो पकड़े वसीला शिताबी मसीह का
हयात-इ-बक़ा उस में हम देखते हैं।

६ तेरे दर्द ओ ग़म की यही हैगी दारू
कि यीशू है शाफ़ी यह हम देखते हैं।

७ तू इस बात पर शक न ला दिल में आसी
गवाही है इंजील हम देखते हैं।

४८३ (३३१) *H. T. B. 38. 47.*

mp तुम तो मसीहा मेरी आंखों के तारे
भूलो न मेरी ख़बरिया
mf राह बाट हम भूले फिरत हैं
पाप की बांधे गठरिया।

mp हा हा कहत तेरी विन्ती करत हूं
अपनी बता दो डगरिया
mf पाप की नदिया गहरी बहुत है
लोभ की उठत लहरिया।

mp ले चल खेवनहार मसीहा
मेरी तो टूटी निवरिया
mf मन की चादर मैली जो हो गई
जैसे कारी बदरिया।

mp अपने रकत में धो दे मसीहा
मन की यह मैली चदरिया
mf कभी तो सोए महला दो महला
कभु ऊंची अटरिया।

mp रहियो सहाई मोरे मसीहा
जब लगा हम सोई कबरिया
mf यह शैतान बड़ो दुःखदाई
मिलके मारत कटरिया
mp साबिर के औगुन छिपा और बख्श
मसीह तेरी तो प्यारी नज़रिया।

मसीह की पैदाइश.

४८४ (३१०) *H. T. B. 137.*

mf हुई थी मुल्क-इ-इसरायेल
सना फ़िरिश्तों की
सुनी हैरान चरवाहों ने
सदा फ़िरिश्तों की।

ख़ुदा तआला की हम्द हो
दुनया में सुलह हो
ख़ैरख़्वाही है इनसान की
यह गीत फ़िरिश्तों की।

फ़क़त इनसान करते हैं
तअरीफ़ बादशाहान
mf तो किस के वास्ते हो रही
ग़ज़ल फ़िरिश्तों की।

ख़ालिक़ मख़्लूक़ात का
मुजस्सम अब हुआ
इसी बे-पायां बात से
ख़ुशी फ़िरिश्तों की।

ले सूरत आदमज़ाद की
नजात बख़्शी है
तो क्या दुरूस्त ओ लाज़िम है
तश्रीफ़ फ़िरिश्तों की।
किई है तुम्हारी मख़्लसी
मिलो ऐ सादिक़ो
शुकराना गीतें कीजियो
मानिन्द फ़िरिश्तों की।

m ऐ सब बदकारो ग़ौर करो
देखो मुहब्बत को
तुम्हारे दिल में हो मक़बूल
सलाह फ़िरिश्तों को।
कहता है तुझ से ऐ ख़ुदा
अब तेरा उम्मेदवार
मुझ को हमेशः करने दे
सुहबत फ़िरिश्तों की।

मसीह की मौत और जी उठना.

४८५ (३११) *H. T. B. 128.*

mp मुजरा है मेरा उस को
जो फ़रज़न्द-इ-ख़ुदा है
उम्मत की शफ़ाअ़त के लिये
आप मूआ है।

१ जब चोर की मानिन्द
उसे आये पकड़ने
चूमा जिसे आ करके
यिहूदा ने दिया है।

२ और घेरके जब उस के तईं
ले गये ज़ालिम
फिर झूठी गवाही भी बहुत
उस पर दिया है।

p ३ मरने के वक़्त उस ने
यह ख़ुद आप कहा था
pp ऐ मेरे ख़ुदा तू ने अकेला
क्यों रखा है।

mp ४ दुशमन के लिये उस ने
दुआ बाप से मांगी
तू मुआफ़ कर ऐ बाप
जो इन सब ने किया है।

md ५ जब मर गया उस के तईं
मदफ़ून किया था
यह मुअ़जिज़ः उसका है कि फिर
जीके उठा है।

mf ६ जो लावे यक़ीन मौत पर
यीशु की अज़ीज़ो
जन्नत है मकान उस का
जहां नूर-इ-ख़ुदा है।

mp ७ इस आसी पर तू फ़ज़ल कर
ऐ मेरे मसीहा
बचेगा नहीं हर्गिज़
जो तुझ से जुदा है।

---

४८६ (३१२)

H. T. B. 187.

p यीशू की मुसीबत
जिस दम तुम्हें सुनाऊं
आंखों से ती मैं आंसू
क्योंकर नहीं बहाऊं।

p १ दुशमन जब उस को पकड़े
बे-आबरू कैसे किये
औ मानिन्द चोर की बांधके
उसे शामिल अपने लिये।

२ हाय हाय वे उसे घूसे
और तमाचे मारे खींचके
रखा था उस के सिर पर
कांटों के ताज को सजके।

३ नरकट के नल को लेके
वे सिर पर उस के मारे
हाय हालत उस की देखो
जो ख़ुदा के थे दुलारे।

४ मुंह पर भी उस के थूके
और ठट्ठे में उड़ाये
बुराइयां उस की करके
सलीब को तब धराये।

५ और मारने को ले जाके
कपड़े भी सब उतारे
p हाय हाय अफ़सोस की जा है
लोगों ने ठट्ठे मारे।

६ लोहे की मेख़ें ठोंक के
हाथ पांव को उस के फोड़े
सलीब को झटका देके
बंद बंद उन्हों ने तोड़े।

७ छः घंटे पूरे यीसू रहे
इस सख़्त अज़ाब में
तब मरके कामिल किया
सब कुछ नजात के बाब में

८ हाय हाय यह क्या अजीब है
गुनाह तो था हमारा
पर मारा गया है यीसु
ख़ुदा का बेटा प्यारा।

m ९ ईमान अब उस पर लावें
सब लोग जो सुननेवाले
महबूब औ शाफ़ी जानके
भरोसा उस पर डालें।

---

४८७ (३२५)

p. कफ़ारा है मसीहा का
c शिफ़ाअ़त हो तो ऐसी हो
m हवारी हैं रसूल उस के
रिसालत हो तो ऐसी हो

p करी है बाप से उलफ़त
दिखाया पियार बे-हद्द को
दिया बख़्श अपने बेटे को
c मुहब्बत हो तो ऐसी हो

p हवारी सब जहान में नाम
ईसा का सुनाते थे
हुए वे क़त्ल सब के सब
c शहादत हो तो ऐसी हो

p ज़ुल्म और ज़ब्र बे-हद्द
जब कि फ़रज़न्द-इ-ख़ुदा पर था
p वह मरज़ी बाप पर शाकिर
c इताअ़त हो तो ऐसी हो

p न था सामान ऐश इशरत,
जहां में शाह आ़लम के
करे नज्जार की ख़िदमत
c क़नाअ़त हो तो ऐसी हो

p पकड़के ले गये ज़ालिम
उसे जब पास हाकिम के
बहुत दुशनाम भी खाई
c हलावत हो तो ऐसी हो

pp सलीबी मौत पर भी वह
रज़ीलापन को करके मुआफ़
दुआ से याद करता था
c असालत हो तो ऐसी हो

p ग़ुलामी में पड़े थे और
ये शैतान के क़ैदी
बचाया जान अपनी दे
c हिमायत हो तो ऐसी हो

mf पहाड़ी वअ़ज़ को देखो
किताब-इ-पाक में जो हैं
दिलों को पाक करते हैं
हिदायत हो तो ऐसी हो

f मनव्वर हो रहा है सब
जहां उस को मुहब्बत से
वही है नूर दुनया का
सदाक़त हो तो ऐसी हो।

४८८ (३१३) *H. T. B. 114*

mf मेरे दिल में याद उसी की है
मेरे लब पै उस का ही नाम है।
जो रफ़ीक़ ओ मूनिस-इ-आसियां
जो शफ़ीअ-इ-रोज़-इ-क़ियाम है।
मैं कलिमः ग़ैर का क्यूं पढूं
भला ज़ाए वक़्त को क्यों करूं।
मेरे लब पै कलिमः उसी का है
जो अज़ल से हक़ का कलाम है।

m किया सैर-इ-दैर ओ हरम कभी कभी
कुछ हवा ओ हवस रही।

mf मगर अब तो राह वह मिल गई
कि जो मक़सद अपना तमाम है।
यह राह गरचि है पुर-ख़तर
है हज़ारों तरह का इस में डर।
तू बढ़ आगे फ़िक्र न ज़रा कर
कि मसीह मेरा इमाम है।
जो तू ख़ाली हाथ है पे गदा
दर-इ-बाप पै तू भी उसी के जा।
तुझे ख़ाली हाथ न फेरेगा
कि वह बख़शिश उस की तो आम है।

pc मेरे दाग़-इ-क़िर्मिज़ी जितने थे
तेरे ख़ून-इ-पाक से धुल गये।

mf कभी होगा तुझ से न बे-वफ़ा
कि यह ख़ून-ख़रीदः ग़ुलाम है।

mp सर-इ- राह तू जो है सो रहा
भला कब मक़ाम पै पहुंचेगा।
ऐ सफ़ीर नींद से उठ ज़रा
कि क़रीब आ गई शाम है।

---

४८९ (३३४)

mf १ भेष बदला क्या हुआ दिल को बदलना चाहिये
एक दो बातें नहीं बिलकुल बदलना चाहिये।

m २ तन्दुरुस्ती के लिये कपड़े बदलना चाहिये
हक़-परस्ती के लिये दिल को बदलना चाहिये।

३ जो सुने बैबल से वह दिल से समझना चाहिये
दिल बदलने के लिये ईसा से मिलना चाहिये।

mp ४ ऐ दिला ग़फ़लत पै अपनी आज रोना चाहिये
आज तो बे-दार हो पहलू बदलना चाहिये।

५ जो गये दुनया से आख़िर वह हमें मिलते नहीं
जो रहे उनको मसीह रूह पाक मिलना चाहिये।

गुनाह का इलाज.

४९० (३१९) H. T. B. 106.

mf १ शिफ़ा दस्त-इ-करम से उस के पाये
जिस का जी चाहे
मेरे कहने पै क्या है आज़माये
जिस का जी चाहे।

२ मरीज़ान-इ-गुनाह को दे ख़बर
फ़ैज़-इ-मसीहा की
बिला क़ीमत दवा मिलती है लाये
जिस का जी चाहे।

mf ३ गुनहगारों को मुज़्दः दो
कि ईसा जी उठा तब से
दर-इ-जन्नत खुला रहता है आये
जिस का जी चाहे।

४ है तसलीस-इ-इलाही अक़्ल-इ-
इनसानी से गो बाहर
सदाक़त उस की लेकिन दिल में पाये
जिस का जी चाहे।

५ निदा दी अब्र-इ-रहमत ने
खड़े होकर यह हैकल में
कि आब-इ-ज़िन्दगी देता हूं आये
जिस का जी चाहे।

६ ख़ज़ानः आस्मान पर है हमारा
क्या कमी हम को
तलाश-इ-ज़र में उम्र अपनी गंवाये
जिस का जी चाहे

७ सफ़ीर अब है ज़ईफ़ी ताज ले
ग़ालिब हो आख़िर तक
क़दम इस दौर में अपना बढ़ाये
जिस का जी चाहे।

मौत की तैयारी.

४९१ (३२०) H. T. B. 186.

mp १ उठ मुसाफ़िर कर तैयारी
अब तो कुछ दिन भी नहीं है
दिल कहीं दीदः कहीं
और अश्क आंखों में नहीं है।

२ लग रहा है चल चला
यां रात ओ दिन यकसां बराबर
मौत का डंका बजे है
क्या तुझे कुछ ग़म नहीं है।

mp ३ मौत क्या जाने लड़कपन
क्या बुढ़ापा क्या जवानी
क्या अमीरी क्या फ़क़ीरी
मौत को परवाह नहीं है।

४ क्या तेरी आंखों में अब तक
नींद ग़फ़लत की भरी है
भाई और मादर पिदर
यां कोई भी अपना नहीं है।

५ माल ओ दौलत शान ओ शौकत
इन में धोखा है सरासर
सारी दुनया कोई कमावे
तौभी कुछ हासिल नहीं है।

६ है ख़ुशी ईसा मसीह में
राह-इ-हक़ साबिर वही है
क्यूं फिरे भटका मुसाफ़िर
और तो कोई राह नहीं है।

---

४९२ (२२१)

H. T. B. 103.

mp १ सुनो ऐ जान-इ-मन तुम को
यहां से कूच करना है
रहो तुम याद-इ-हक़ में
जब तलक यां आबदानः है॥

२ अरे ग़ाफ़िल तू क्यूं भूला है
इस दुनया के लालच में
रखो कुछ ख़ौफ़ भी हक़ का
अगर जन्नत को जाना है॥

३ करो टुक ग़ौर तुम दिल में
कहा क्या क्या तुम्हें उस ने
किया था हुक्म जो हक़ ने
उसे तुम ने न माना है॥

४ पड़े सोते हो ग़फ़लत में
ज़रा टुक आंख को खोलो
हुई है शाम उठ बैठो
मुसाफ़िर घर को जाना है॥

५ न दौलत काम आवेगी
न इस दुनया से कुछ हासिल
अगर तुम सोचकर देखो
यह सब कुछ छोड़ जाना है॥

mp ६ जब मलक-उल-मौत आवेगा
तुम्हें इस जा से लेने को
बहाना क्या करोगे तुम
यह तुम से भी सियाना है॥

७ ख़ुदा जब तुझ से पूछेगा
तू क्या लाया उस आलम से
दिया था उमर और दौलत
तू क्या तुहफ़ा कमाया है॥

८ अगर ग़ाफ़िल रहे हक़ से
तुम्हें दोज़ख़ में डालेगा
m रहे हो याद में हक़ की
तो जन्नत घर तुम्हारा है॥

९ हयात-इ-अबदी अगर चाहे
तो कह यीसू मसीह से तू
वही शाफ़ी है उम्मत का
कि जिस का नाम यीसू है ॥

१० सलीब ऊपर उसे रखकर
किया है क़तल ज़ालिम ने
उसे मत भूल ऐ आसी
वही तेरा ठिकाना है ॥

---

४९३ (३४२) *H. T. B. 122.*

p १ मिले ख़ाक में नौजवां कैसे कैसे
गए क़ब्र में नुक्तदां कैसे कैसे ।

२ सहे हैं मसीहा ने उम्मत की ख़ातिर
ज़रर कैसे कैसे ज़ियां कैसे कैसे ।

m ३ दिये पांव लुनजों को अन्धों को आंखें
तवाना किये ना-तवां कैसे कैसे ।

४ लाज़र को हासिल हुई जान-इ-ताज़ा
ज़ुबां पा गए बे-ज़ुबां कैसे कैसे ।

p ५ जवानों को मरक़द की चक्की ने पीसा
हुए चूर चूर उस्तुख़्वां कैसे कैसे ।

६ न सुहराब बाक़ी रहा है न रुसतम
ज़मीं खा गई पहलवां कैसे कैसे ।

७ कोई मंज़िल-इ-गोर से फिर न पलटा
रवाना हुए कारवां कैसे कैसे ।

८ करें याद किस किस को किस किस को रोएं
इन आंखों ने देखे समां कैसे कैसे ।

गीतों की फ़हरिस्त ।

गीतों की फ़हरिस्त ।

First Lines of English Hymns Translated.